

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ दशम राशि प्रारम्भः

॥ चूलिका पेशाची भाषा ॥ गीतिः ॥ (१)

दुसद कतन पल पञ्चो हवति सता ये

व पीत पङ्कुरो ॥ सोपउत्तार सुन्दर पाण्डो

रं नसिष्यते तेषो ॥ १ ॥ ससुं कन्तप्य हलं

चाडीसं क जसुहं कनाधिपतिं ॥ नन्तुन

कारतिं सं करेमि अथ उत्तलत्थकं कंश

म् ॥ २ ॥ गीर्वाण भाषा ॥ अनुसु वसुस विपु

ला ॥ वन्दे मदीय वत्तार च्चएडी दान स्महा

सतिम् ॥ त्रिपुराय तिमिर ब्र धुं विद्यावाग्भू

विताननम् ॥ ३ ॥

(१) दुष्ट कदन पर प्रज्ञो भवति सहा गव पीत प्रावरणः सव

दाया सुन्दर वामाङ्गो ननु नस्यते देवः ॥ १ ॥ शसुदुन्दर्प

पुत्रं चण्डीशं जसुरव ज्ञानाधिपतिम् ॥ नत्वा भारतीं नदं

सुवयदुव तीसकु ^{गे नरथक दुन्यम् ॥ २ ॥}

मिरुपरसराय १ रु अपर २ गुमानरायत्र

बुध सिंहेः यबुद्धी न्ये प्रयाते पंचम तत्त्वताम
 सतु रुमेद सिंहेः स्याः सिंहेः सिंहेः मून्म
 हा मनाः ॥४॥ य एनवाही न्दु १९ ६६ सं
 स्याभ द्विकमाहो नरायणे ॥ वसन्तात्तु
 नवी प्राखे नयोद श्यां नरे न्दुता ॥५॥ प्रा
 यो ज्जं दे शीया प्रा क्तो सिंहेः सिंहेः ॥
 प्रलम्ब कर्त्त ॥ वा निग्मा ह्न न्दु ५ हिक
 रिणये सुत पंचक ५ दुम्पे ह १६८ ॥ ४ सधी
 र ॥ दुस्य २ ग्ववा सित हाँ इ कञ्चौर स सुत दु
 व २ दुव २ हि सुता स मञ्चौर ॥ प्रथम १ व्याह
 रु ह्ना दन्व पति की तन या ग र्ग रार पुर थान
 ॥ कसन वरा त प ह्ने चि अ मि धा करि चिम
 न कुमरि १६८ ॥ पर न्यौ च हु वान ॥ ६ ॥
 दूजी २ रा सिन गार पति बु चि व
 कुं द न कुमरि १६८ ॥ २

म ॥ बरवतकुमारि १६८ । ३ ईडरैचीबलिजु
 ग २ करजुग २ अंचलजुग २ जोरि । परनी
 ईडरभूपितृव्यकरामसुतातीजीरद्वारि
 ॥ ७ ॥ अजितसिंह ईडरपद्मपुत्रीक्रमचो
 थी ४ तिमउदयकुमारि १६८ । ४ विजय
 नरेसजोधपुरबुल्लिरुव्याहीनृपहिंसने
 हविथारि ॥ तनयबडो १ इनमैतीजीशभ
 वसिसुहिमरुथोसु १६९ । १ नभोतसनाम ।
 पुनिसुतदुवदूजी २ पतनीके अजितसिंह
 १६९ । २ दूजोअभिराम ॥ ८ ॥ तीजो ३ तनय
 बहादुर १६९ । ३ तासहिक्रमसोदरएदु
 वहिकुमार । पुत्रदुव २ हिचोथी ४ पतनी
 ॥ हेसुतचोथी ४ तिलमैसरदार १६९४ ॥
 पुत्रत्रिलोकसिंह १६९५ । ५ दुवपंचस ५ सि
 सुवयदुव तासदु अचसान । सुनदु रत्नवा
 मिरपरसराय १ रुअपर २ गुमानरायअ

१०
१९

वंशशास्त्रं ४

सिंघान ॥४॥ वृजोके संतति च ४ विधिति
 य सुत सिंघ सिंघ १ तथा संघान २ । अतिर
 वकुमरि १ वडी १ अरु अरुजा २ सुतान
 द्वैजकुमरि २ सनाम ॥ जेडी १ सनामवडी
 जय सिंघ १ हिंजासाताज सुकुल सनामि
 सुत तस सप ७ राज सिंघा १ दिक्क प्रकद मये
 कुल नियति प्रमानि ॥१०॥ वृजो २ सुताने त
 सिंघ १ २ हिंजिय त किर स मकुल रघोर सते
 जा नंदल सिंघ १ ताके इक १ नंदन लयो म
 कद सुं दिय मानेज ॥ दीप सिंघ १४८ । ६ इत
 भूप स हो दर दिग्गि हिंघान का पर निद्रय
 । मये विवा ह ता स ख द ३ भावी सुत इक १ हो
 इ २ सुता विधि संग ॥११॥ अनुपम कुमरि
 १४८ । १ वडी १ वकुरा इनि सावर दीप सिंघ
 १४८ । ६ हित सत्य । इंदु सिंघ त नया सग
 ताड ति सीख १ चरित २ गुन ३ रूप ४ सवत्स

॥ अरुड लोह कुमरि गगर नीहूजी अभय सु
 तारदोरि । तीजीतियद्वेडर पतितनयागदि
 तभवानकुमरिगुनगोरि ॥१२॥ जादवसो
 नयालतनया जिमफतैकुमरिचोथीनिज
 नारि । नृपसाधंतसुतारूपनगरकमपंच
 नसुकिसोरकुमारि ॥ परिनाईजुपिलुव्य
 वहादुरयहरदोरि कृष्णगढआसु । क
 मितीहोरछठी अमरकुमरिसमताउत्त
 अमानसुतासु ॥१३॥ अजितसुताली
 जीतियद्वनमें अग्रजकीसालीजुहिआ
 सुतजेठोसुरतानसिंहद्वनतनकाचंद्र
 कुमरिहुवतास ॥ तियचोथीजहोंनिज
 कीतियद्वनीसुतानिचिनकुमारि । परिना
 ईजयनेरपतापहिंसोथीजितसुतिवि
 शिअनुसारि ॥१४॥ अशियतिदीकनसु
 जकोअकिसुद्वहोंनिवाहपुजाचकर

स। जो सब प्रभु भावी विधि जानहु वत्तमा
 न अत्र सुनहु विसैस ॥ पाइ जनक पदु हिं
 दुर्गत पन करि जो जो दुष्कर न काम। पु
 ह विलई रुदई जिम पुत्र हिं रोचक सक
 ल सुनहु प्रभु राम ॥ १५ ॥ दोहा ॥ पन पदु
 रन पदु वचन पदु बीरबर सदस वैस। वि
 ठित खत बुध सिंह कै हुव उम्मेद नरेस ॥
 १६ ॥ हरि गीतम् ॥ कोटे सदुर जन सख्य
 ह सुनि सोचि कबुहित हेरयो वखते स पृथ्वी
 सिंह सुत निज बंधु बंधु म प्रेरयो ॥ ति हिं स्व
 ग निज कर बंधि औ नृप भाल तिलक हु
 मंडयो नजरि रु निहा वरि ठा निकै निज था
 न परि खद बैठयो ॥ १७ ॥ तिम ही पुरी हि
 तव्या सचार न भवु नजरि निवेदई भरव
 र्ग पुनि कहु हे जि नैँ इ म भूप भूप तिता लई
 गो स्वा मि गो पिय नाथ नृप त वलै न मंच हिं

बुलये करि नाँ हिं आयउ नाँ हिजे जय सिंह
 के मय सुखये ॥ १८ ॥ पादाकुलकम ॥ कुम्भ
 हले लका निबसु कामी गोपिय नाथ नरिय
 गो स्वामी । कहिय नै न कोरा पुर दोरों दिन
 चउ नास कितहु नहिं दोरों ॥ १९ ॥ यह सुनि
 पुर बेघम नृप माता विपति स्वीय लखिनी
 ति विधाता ॥ पुनि बिन्धति पठई कोरा पुर धा
 रकतें हँ रामा नु जमत थुर ॥ २० ॥ द्विज नाग
 रुप पद सदोदर बेखी राम सनाम महवर
 ॥ पठयो दलचुंडा उति तिन प्रतितुम समदि
 द्विगिनहु सेवक तति ॥ २१ ॥ मम सुत कलि
 सत्रु निज मारहिं बुंदिय अ प्यन आन विथा
 रहिं ॥ जोय ह नियति जोग नहिं पावहिं तो
 पै तुमहिं सदा सिर लावहिं ॥ २२ ॥ जो तुम
 मंच है न हित हेरहु तो आवहु पुन हिं वाप्रे
 रहु ॥ बेखिय राम सोयिय हब नी विरचिअ

बुद्ध ह्यगानि विपत्तौ ॥ २३ ॥ दिव्यमन्त्र एव
 गोविन्द तद्गुण श्रीगोविन्द नाम जैवो सुतः ॥ वि
 हिन्मस्य रुद्र देव संन दियत्तु प्रदु मे कस्य
 कुज सिन्धु लिय ॥ २४ ॥ नहिर्दु दिय पति
 मन्त्रिष्य नन्वित मे हस दे ह निवे दिय बुद्ध हि
 तम्पद्म मय अर्पित म हिन्नुतुर पुनिद्ध रि
 सिन्धु मय उ द्यो य दुर ॥ २५ ॥ न हि य ज व
 दिनु य सिं ह म र न य ति उ द्भ स नै र हो त व
 वे य म य ति ॥ अ ब द्भ स मा स मा हिं न ह न्मा
 यो उ र जा मी स तो क न्म कु ला यो ॥ २६ ॥ न य
 न्म य व त ज ल थार नि रं न र न्मा थि न्म तु ल
 दि ज्ज ल न्म सु न्म र ॥ बुद्ध म स म पू ज न
 य स न कि य न्म रु द्भ र उ न्म दे रि य ह न्म कि ह
 य ॥ २७ ॥ विनु से व क तु म ल स नि न्मारी क
 मि ह्यो वै दे व न द्रु त कारी ॥ इ म क हि दे व सिं
 ह्म ह्म म य उ ल्म सि त जा मि त न्म हि य ला

यत् ॥२८॥ अजितसिंहमरुईसअगामृतसु
 तसप्तक होतासकलुखकृत ॥ होदिल्लिय
 पदुपनयहीनों तदनुजबखतजनकजि
 यलीनों ॥२९॥ पंचदुतेतासौलघुभाई।
 उनकोंकैदकरनमतिआई ॥ भाजेसुनत
 कितेकमहाभय। डारेकैदकितेकननि
 देय ॥३०॥ रायसिंहअनंदभ्रातदुव
 ईडरपुरअधिराजजायदुव ॥ इकईडर
 तजिमालवआयो। जोरमेंहंदपुरअम
 लजमायो ॥३१॥ यहसुनिआनिलगेद
 किवनदलकाठ्योबहरद्वोरबंधिवला
 आतुरपुरबेघमतवआयोदेवसिंहअ
 तिमोददिखायो ॥३२॥ रूप्ययपंचनित्य
 तिहिंदैकरिधन्वभ्रातरकिलियहि
 तथरि ॥ तदनंतरसकरबदनबसत्रहा।
 १७४६ अगहनमासविसदपंचमिअह ॥३३॥

वेद्यमपतिदेवहुबपुछोस्यो॥ जिंहिजसहेत
 कपर्दनजोस्यो॥ पदसुदुनियसिंहतसपा
 यो॥ गनसुनतहियलोमरचायो॥ ३४॥ ता
 केसिरदुवलकव २००००० इम्मकिय। वलि
 लियतवहिउहेपुरबुल्लिय॥ रस नवस
 तइक्कमितबच्छर १७६६ बिसदमाघ
 मासगपंचमिपर॥ ३५॥ दुनियसिंहग
 यरानसभाजव। अहरिरानसमुखआ
 यउतव॥ इंदुलियउवहदोसदबावन
 अकिवयरानकियउमैपावन॥ ३६॥ इम
 कहिभालतिलकतसकीनों। अरुतपु
 तियमंडिनधीनों॥ निजहत्यहितरवारि
 बंधाई। सयनजोरिकहिमेघसवाई॥ ३७
 ॥ होहा॥ नामसवाईमेघतसकहियरान
 करजोरि॥ पुरवेद्यमकरिसिकवपुनि।
 बहआयउसनमोरि॥ ३८॥ इतिश्रीवंश

भास्करे महा चंपू स्वरूपे दक्षिणा यने दश
 मराशौ उम्मेद सिंह चरित्रे प्रथमो मयूरः
 ॥१॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥
 प्रा० मि० ॥ दोहादि वृत्तोत्पादिनी चुल्कि
 आला ॥ इतबेधमबुंदीस-प्रवा-बयदसहा
 यन मान विशजत ॥ हय विद्या सिक्ख
 त कुलसि । नय दम धर्म निधान विरा
 जत ॥ १ ॥ तोमर असि पहिस तुपक ।
 चापः सायक चंड चलावत ॥ खुरलीवि
 नु विचैँ खिनन । मन जाको ब्रह्ममंड नसा
 वत ॥ २ ॥ ब्रह्मसुहृत्त जगि बलि । संध्या
 न्हावन आदिसुधारत ॥ सावित्री जप इक
 संहंस १००० । अरु हरिनाम अनादि उ
 चारत ॥ ३ ॥ व्रतसंजम उपवासविधि ।
 इकन वारत अप्प इलापति ॥ सचीमे
 हित अनुसरैँ गिनैन मूढन ग प्यभहाम

ति ॥ ४ ॥ स्वीयजनकबुधसिंहसठ। अति
 आसवअधिकारउपायो। सोमगकरि
 उच्छिन्नसब। बेषावधर्मविचारबठा
 यो ॥ ५ ॥ हरिपूजननतिजुतहुलसि।
 विधिहहखोडसअंगबनावै ॥ पंचज
 झकरवायपुनि। लघुभोजीमनजंगल
 गावै ॥ ६ ॥ क्षार। तस्मृतिमुनिभागबत
 । नेहबचनधरिदेतविचारै ॥ मृगयार
 सरसोमुदित। सिंहनस्वकुलसमेतवि
 डारै ॥ ७ ॥ पङ्कटिका ॥ उस्मेदनृपति
 बुधसिंहपट्ट। दसअहवेसअतिरुक्
 उरुह ॥ अरुमंजुवालससिजिमअनृष
 । मन्वैनसवनमनहरतभूप ॥ ८ ॥ क
 कादिनि सामकरादिदीह। इमवहतर
 विबधुवलेनईह ॥ निमसारदूलसि
 सुनिसरुधौसहस्थीनहननमनधरतलै

स ॥ ६ ॥ इमं नृपहिं लैनबुं दियउमंग ।
आयुधसमस्तसद्वृत्तप्रमंग ॥ बुधसिंह
सुतहिंसुनिद्रमसमत्य । सवमिलियत्रा
निभरसचिवसत्य ॥ १० ॥ धरिसबहिम
हासिंहोत्तधर्म । भृत्याबिनुअद्वरिभृत्य
कर्म ॥ जेवीररहे नृपपासजाय । पतिआ
धियत्यचिंततउपाय ॥ ११ ॥ इमभूपवठ
तदिनदिनअज्ञान । अवननीनिजलैबेको
उफान ॥ इहिबेरहिदोलतसिंहरंच । हर
आउतहडा कियप्रपंच ॥ १२ ॥ नृपअनु
जदीपसिंहाभिधान । कियतासपृथक
परिश्रमविधान ॥ बहुनरनफोरिअ
प्रियबिसास । सुनियहनृपमाताहुव
सनास ॥ १३ ॥ सुखसिंहमहासिंहोत्तबु
द्धि । अखियसुखाहगति समयखुद्धि
॥ मयपुनहुवहिअवलयमहंत । नृपउ

भट इनहिं फोरन चहंत ॥ १४ ॥ हम गेह ऊ
 ती जो राज रीति । आपत्ति सुपे पलटी अनी
 ति ॥ छोटेरु बडे बैठत समस्त । अंजलि वि
 बुबुल्लत तिन्ह अत्रस्त ॥ १५ ॥ दोलत सं
 हसु बिग्रह बढात । दुव बंधुन विच अं
 तर दिखात ॥ ऐसे भट बड्ड विरचत
 अकाज । तसमात हम हिं यह उचित
 आज ॥ १६ ॥ धारत तुम नय जुत स्वामि
 धर्म । विश्वास ड तुमरो भक्ति बर्म ॥
 यातै समस्त रोसे निका सि । बलिले ड सु
 छु हृदय न बिसासि ॥ १७ ॥ रहि है समस्त
 जो राज रीति । तो हम हि बढ नहै है प्रती
 ति ॥ सुख सिंह महा सिं होत वीर । धरि
 हिय यहै हि किय धर्म धीर ॥ १८ ॥ दोल
 त सिंहादिक बे बुद्धि । सबदिय बिडारि
 किय रीति सुद्ध ॥ नृप मात हिं पुनि

अक्रिय निदान। स्वनिलय निबाह चिं
 तङ्ग सुजाना ॥१९॥ जय सिंह गिनङ्ग अ
 ति उग्र जोर। दिल्लीरु दक्खिनङ्ग सहते
 रा। तस मात हमहिं इक मंत्र आय। नृप
 अनुज हेत विरचहिं उपाय ॥२०॥
 जगतेस रान सन यह निवेदि। कङ्कुले
 ङ्ग पटा भट तास भेदि ॥ सुनियह नरेस
 जन नी सुभाय। अबरानहिंतु चिंतिय
 उपाय ॥२१॥ दोहा ॥ इत मरु पति अभ
 मल्लनृप। सजि अनिक अमान। वीकाने
 अधीस सन चिंतिय लरन प्रयान ॥
 २२ ॥ षट्पदी ॥ नृप अनंद अभि धान अ
 ग वीकानैरपभृत तव काका सुत ता
 स भटन गज सिंह भूपकृत ॥ यह इक
 नव हय इंदु १७९१ मय उजंगल धरभू
 पति ॥ अबहय नव सुनि इन्दु १७९६ म

रुपतिहिलरनकिन्नमति। यहसुनिन
 रसगजसिंहअबकूरमपतिप्रतिपत्रदि
 यहरिगजसहायतिमतुमहुलसिमम
 सहायरकवहुमहिय ॥२३॥ सुनियह
 नृपजयसिंहरानअरुअप्यइकवनि
 पठयेदोउन यत्रसजबमरुदेसक्रोध
 सनिइन्हतुमगिनिअंकस्थविभवनि
 जकरनविगारत ॥ उचितनीतिननरा
 हसूठबनिबंधुनमारतइतरूपनगर
 उत्तवहअतुलदुरगजोधपुरपच्छहु
 वविनुपच्छगिइसंयातिविधिधरिहो
 नहिनउडानधुव ॥२४॥ यहकगर
 हुतबंधिमरुपनेकनमनेमनअकवी
 स्वसुरअसंकरानजुतवनतकिन्निधन
 सुभदमोरगजसिंहताहिक्योंनहिस
 मुकाऊं ॥ मैगुज्जरथरजैतवारअरिगर

दमिलां ऊं यहकहिकबंधलैदलअतु
 लवीकानैरहिं विरिलियतरकावताव
 तोपनतपियमनहुं दावतिं हुनमचि
 य ॥२५॥ जिमदंतनविचजीहइच्छुजि
 मजंअररोहितइमआतुरगजसिंह
 मन्नि संकरहुवमोहितसुनिआरति
 जयसिंहकुंचजैपुरसनकिर्ना ॥ बु
 ह्योरानहुवेगलैनमरुधरपनलिर्ना
 हरकुंचचलियकूरमदुसहखंडचउ
 हहखलभलियसुरलोकवत्तकुट्टिय
 सहजकिहिंसिरकूरमकोपकिया ॥२६
 ॥ नागराजफनफरियकमठरीटकब
 ररक्रियवसुधाभरविहरियमनहुंदा
 रिमदररक्रियरवितुक्रियरजमेघ
 दानदिगाजगनसुक्रिय ॥ मगरुक्रिय
 पवमानतानअच्छरिचकिचुक्रियय

तुलितअनीकजयसिंहइमजायुरुविं
 रियजोधपुरगानहुप्रयानयहसुनिर
 वियप्रवलसेनहंकतप्रचुर ॥ २७ ॥
 दो ॥ विद्याकूरमजोधपुर। जोखेतो
 यनजाल ॥ मनहुंभगालीदच्छमखा
 किन्नोसमयकराल ॥ २८ ॥ सुनिमरु
 पतिअभमल्लयहसत्यअलपतम
 सज्जिबेसबदलिआधीनिसायेदो
 निजपुरमज्जि ॥ २९ ॥ इतकूरमनागो
 रपुर। दिन्नोषत्रपदाय ॥ बखतसिं
 हआवहुतुहेहेहेतरवतबदाय ॥ ३० ॥
 ॥ हेरतहोवरवतेसयह। भज्योत्वरि
 ततजिभोन ॥ जिहिंसहजनकनिवा
 तकिय। आतातिहिं चितकोन ॥ ३१ ॥
 सजबआनिजयसिंहसौमित्योमरु
 भुवलोभ ॥ मरुपतिहिययहसुनिअ

मितक्यो अनुजसिर खोम ॥३२॥ जा
 न्यो अगाहि कुम्भय हउभयल कवच
 तुरंग ॥ पीके आवतरान युनिसहंस
 असीदलसंग ॥३३॥ जिते विनुनहि
 जीवनों अरु जितन बहुदूर । ध्रुवहि
 अनुजसिर कत्रथ रिजे है स्वसुरजरु
 र ॥३४॥ याते नति हीउ चित अबसंग
 सुहिदेहम् ॥ कूरमकुंचकरा इयेकबु
 दिनजीवनकम् ॥३५॥ स्वसुरपितास
 मनिगममत अरु सुत समजा मात ॥
 यहै गली अब कट्टिके मुवर कवहिनि
 जहात ॥३६॥ कूरमप्रतिकहि सु क
 लियइ म विचारि प्रभ मज्ञ ॥ बंदनी
 यतु म स्वसुरही हमकरे नरन इज्ञ ॥
 ३७ ॥ जो मंगडु सो है हिं गेले जावहुनि
 जगेह ॥ मम सोहर सरफोरिके अनु

चितकरहुनराह ॥ ३८ ॥ षट्पदी ॥
 नृपकूरमबाइसलकरुप्ययतवमं
 गियइकिसमयमरुईसअरिवलरु
 प्ययकियअंगियरद्वोरनयहजानि
 बहुतवरज्योमरुभूपति ॥ हम्पइते
 क्योदेतमरनमंडुहुनिसंकमति सचि
 वनतथापिअभमल्लसोदंडहेनअ
 किवयउचितसोसवकबंधस्त्रीकार
 कियदेसकालनिबलहुचित ॥ ३९ ॥
 दोहा ॥ कूरमतबजामातकोनमितजा
 निइमसाफ ॥ निजतनयाकोचोलके
 तीनलकवकियसाफ ॥ ४० ॥ सेसल
 कवगुनईसरहितिनमैवहुभरिलि
 न्नाअवसेसनहितओलिमैनिजम
 धानउनदिन ॥ ४१ ॥ एतनसिंहअ
 मिधानयहमरुपतिसचिवसुभाय

॥ दमकेलकवन दक्षलेकूर मडेरनभा
 य ॥ ४२ ॥ बट्टेकेरुप्ययनिरखिपुनिदि
 यकूरमरोस ॥ रतनसिंहतबउच्चरिय
 देहुननाहकदोस ॥ ४३ ॥ जैसेरुप्ययको
 रकरिहमतेखिन्तहाल ॥ तैसेहीतुम
 दीजियोहमकोंकोउककाल ॥ ४४ ॥ य
 हसुनिकुम्भसिगहिन्प्रहन्नीलिमोदि
 तिहिंडारि ॥ करियकुंचनिजगेहकों
 विनुरनविजयविचारि ॥ ४५ ॥ मिले
 स्वसुरजामातगिनिलभीबरवतदिय
 लाय ॥ सुहविगारिनागोरकोंकुम्भदि
 निंदतभाय ॥ ४६ ॥ प्रत्यागमजसहि
 हकियप्रतिहलन्प्रतुलउकाह ॥ वग
 रजामसरवाडदिगमिलियरावकदव
 ह ॥ ४७ ॥ गानहिंकूरमकदिमहमदि
 यउजाधपुरजेर ॥ अन्नुअवमपदेदि

रहुबठहिंखरचविनुवेर ॥ ४८ ॥ कहिय
 गानआयउनिकटपुसकरतीरथगह ॥ यों
 नअवहिफिरनोंउचितन्हायरुजैहैंगेह
 ॥ ४९ ॥ इमकहिगिनिन्हावनउचितपुस
 करगानपधारि ॥ कूरमआयउआगरास
 वाकरनसम्हारि ॥ ५० ॥ इतिश्रीवंशभा
 स्करेमहाचंपूसुरूपेदक्षिणायनेदशमरा
 शोउम्मेदसिंहचरित्रेद्वितीयोमयूखः ॥
 २ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 प्रा० मि० ॥ सचरणागद्यम् ॥ अगौनादर
 साहकेसमयजयसिंहदिल्लीनगयो ॥ मुहु
 म्मदसाहनेंकिखारनथंभोरदेनोंकरि
 बुलायोतथापिटरिवेकोंवहानांलायो ॥
 तदनंतरनादरसाहदिल्लीकीकतलक
 रितमामबाहसाहीनेभवलूरिअपनेंमु
 लकईरानसिधायो ॥ अरुमुहुम्मदसाह

नैं सरवस्वके साथ अर्पणों ते जही गुमा
 यो ॥ १ ॥ अैसी अने कब दफे ली जयसिं
 ह नैं की नी तथा पि हिंदु स्थान में बरजी
 रजान्यो । अरु पहिलें या कों सूबा दये हे
 ते रजू ही राखे रुबिनय सों बखान्यो ॥
 राजाधि राज राज राजेंद्र सबार्इ जयसिं
 ह अै सो उषटं कलिखायो । अरु अर्गों
 का हू को न भयो अै सो फरमान में स
 तकार बिसे सब ठायो ॥ २ ॥ या तैं जय
 सिं ह जो धपुर की फतै करि दर कुंच आ
 गरा प्रवेश की नों । अरु रा नां जगत सिं
 ह पुष्कर से महा तीर्थ के स्नान को लाह
 ली नों ॥ तहाँ व्यास दोलत राम रा नां सों
 अरज करि मेवार के उदकीन की बेगा
 र मियाई । अरु अर्पणें हाथ में उदक
 जेलि दोऊन की कीर्ति चो तरफ चला

ई ॥३॥ अगुँ राजनकी विपत्ति में यह
बेगारिजारी भई । अब ब्यासके प्रातं
कसौ ल माय मेवार छोरि गई । यारीति
पुष्कर में वाप थोय राजा जगत सिंह
ई पुर प्रविष्ट भयो । अरु रदोर बखत
सिंह ने पछिलाय हाथ जोरि अपने
अपज जोध पुर के राजा अमय सिंह
को प्रसाद लियो ॥ ४ ॥ कही स्वामी सौं
हसामी भयो सो अप राध मेरो माफकी
जिये । अरु अयने चर के बिगारे कछ
बाहे कुरु पर फाज बंधी को हुकम लीजिये ॥
राजा अमय सिंह यह बात विचार में लीनी ।
अरु अथ से प्रनुजंक बिगारिबेकी सारे र
दोर नकों एकान्त में तुलाय फेजें जयसिं
ह में जं गकों राजजी शूल कीनी ॥ ५ ॥ अरु
नव नव हके सात नार बारि में नरदुरंगन

माये। नवकोटीनाथकेसेनाकेसंभार हजा
 रहीभोगभोगीसकेभ्रमाये॥ वैडे हत्थीन
 पैलंबीलालरंगकीपताकाफरकानैलगी
 । मानौरक्तबीजकेसमयकालिकाजिह्वा
 कौथरकानैलगी ॥ ६ ॥ कैथोंपिंगलनाग
 राजगरुडकेआतंकबचिबेकौबड़ेमात्रा
 चंद्रकीपताकाबनाई। कैथोंअंधककेऊ
 परत्रिलोचनकेत्रिसूलकीतीखीनोंकनज
 रिआई ॥ कैथोंचंद्रनकेदंडपैपलेयडारि
 रक्तरागराजमाननागराजफहरानों। कै
 थोंदुस्सासन ० ० दंडतैसैरंधीकीसारी
 कोसमूहलहरानों ॥ ७ ॥ कैथोंप्रचंडप
 वनकेपातसोंहोरीकीआरबठनैलगी।
 अरुमहुवकीमेघमालानैइंद्रके हित
 चापसौलागिचंचलाकीचलाकीकठनैल
 गी। कैथोंसुनेरुकेप्रगतेसंभूसेखरास्त्र

वंतीके सीधे स्रोत बूटे । अरु कल्पकारसक
 रकेक अथै साखाके ममूह फैलि फूटे ॥
 ॥ ८ ॥ अथै अनेक फतर है फीलन पै फत
 राय हो निहाई । अरु राजारद्वार जयसिं
 हकों जीतिबेकों जेपुर पै चंडचतुरंगिनी
 चलाई ॥ यारीति सो दरबखत सिंहस
 हितराजा अभयसिंह बडी धकसौं मे
 रतानगर प्राय मुकाम दीने । अरु बाग
 नके बिलासकी मरजीमानि मालाकारन
 नै प्रसूननके पूरन जरि कीने ॥ ९ ॥ ते प्र
 सून राजारद्वार अथने उमरावनको बख
 सी सबरि दये । अरु दरद्वार उमराव अने
 क अंडी बंडी तर हलपेटेन पै धारत भ
 ये । तहाँ प्राउवानगरके अधिराज चांपा
 उतरद्वार कुसलसिंह राजासौं प्रसूनना
 दिंजीनी । अरु कारनके पूर्वै अहंकारके

उफानअपु बउत्तरदीनों ॥११॥ अज्ञानसे
 आपकों प्रसूननके पसारिबेमें लज्जाकोले
 सहहमें न जान्यों परें । रदोरनके पाघअ
 रुनासिका कछवाहननें हीनिलीनें यातें
 अज्ञानके प्रसूनलेके कोनठामधारनक
 हैं ॥ यहै सुनत ही राजाअभयसिंहकोसो
 हरानुजनागोरको अधिराजरदोरबख
 तसिंहखिसायऊठिबुल्यो । अरुमेरेमि
 लेंयहमईअसेंअग्रजसोंअकवीअरुजु
 दोहीजुद्धकरिबेकोंजयसिंहपैजनूनसों
 चंडचंद्रहासतुल्यो ॥१२॥ अरुयातरफ
 जोधपुरसोंफाजबंधीकरिरदोरनकेच
 लायबेकीसुनिबडेविस्तारकीबहुथिनी
 लेंजयसिंहआगरासोंकुंचकीनों । अरु
 जोधपुरकीहीसीमामेंजायसज्जीभूतलै
 निसाननपैनिहाबकोडुकमदीनों ॥ वात

रफसौरद्वोरवखतसिंहअपनेपाँचहजा
 रपखरेतोंसेबागेडबाई।अरुधूलिकीधुं
 धिमैधकायसंजोगीचक्कचक्कीनकेचाह
 कीचौंपमियाई॥१३॥मकराकरमेखला
 महीमहानागकेमस्तककेहजारैपैनच
 नलगी।अरुबाराहकीतुंडाँपैमचक्कन
 कीमारमचनलगी॥अतलबितलसुत
 लतलातलरसातलमहातलपाताल
 सातोंहींधराकेअथोभागधूजिगये।अ
 रुभूलोकभुवर्लोकस्वर्गलोकमहर्लोक
 जनलोकतपलोकसत्यलोकसहितऊप
 रकेओकबासीब्याकुलभये॥१४॥रोराव
 तपुंडरीकवामनकुमुदअंजनपुष्पदं
 तसार्वभौमसुप्रतीकआठोंहीआसके
 अनेकपनकंपिकेंकातरहूककरी।अरु
 पुरुहूतपावकपरेतपतिपुण्यजनपंज

न प्रभंजन पौलस्त्य पिनाकपाणि आठों हीचे
 कपालनकौंलोकरक्षामें विपत्तिविसेसजा
 निपरी ॥ लवणोद दक्षुरसोद मद्योद आ
 ज्योद क्षीरोद दधि मंडोद शुद्धोद सातों
 हीसमुद्रनक्षोभपायो । अरु अरु नै अ
 लनकी अरु च्छेपनी अँचि आदित्य कौं अ
 रजी अकिद अरु पुत्र आह व आलोक नउ
 च्छाह लगायो ॥ १५ ॥ अथापद अद्रिसौं
 अतित्वर अथाय महानटमने जमुंडमा
 लाको मिलापमान्यो । अरु डाकिनी नडिं
 डिम डमरुकडा हलादिन पैडं के डारि
 हल्लीसकन च्छतान्यो ॥ गोदनके गूदन
 के ग्रास कौं गिही गनगेनमें गरूरी सौंग
 हकानें । अरु कराल कलहके कोलाह
 लकातरनके कलापडहकानें ॥ १६ ॥
 बावनवीर चउस द्विजोगिनीनके जालजु

इकी जलू सी जोय बेकों जारी भये । अरु
 दूर कछ वाह दोहू सेना के सरदार तका
 लतु मुल युद्ध में तीखे तोर सों तत्ते तुरंग
 न तो कि बेकों तयारी भये ॥ राजा जयसिं
 ह जंगी हो दे के हथी पै आरूठ होय सं
 ग्राम भूमि की सीमा के समीप अने अ
 नीक के अंतर अती बड्छा ह सों उद्धत हो
 य अानि खरोर हो । अरु रचना विसे स
 सों सेना को व्यू ह बनाय बाँई दाहिनी दो
 ऊतर करव वाली के हथी ल गाय सर बी
 रनकों अवन कराय बेकों पंडित न सों उ
 चारन को आदे सक हो ॥ १७ ॥ सो आदे
 स सुनि के दो ऊरव वाली के हथी न पै पंडि
 त राज रामायन लंका कांड महा भारत
 दोन पर्व कह न लगे ॥ अरु वैडे वीरनकों
 बंदी जन वीर रस में विरुदाय चतुरंग की

चलाकीचहनलगे ॥ कचवाहकीसेनाको
संभारभेलिवेकोंपुहवीहूवासमयसमर्थ
नभई । अरु राजा जयसिंह असे अनीक
केउफानसौरद्वोरनपैँ अर्बउठायबेकी
अज्ञादई ॥ १८ ॥ जासेनामेंसाहिपुरके
अधि राज रानाउतउम्मेदसिंहसेबाई
सराजासज्जीभूतखरे ॥ अरुअोरहूअ
धीनहोयअहवपैँउभाहेअनेकसूरवी
रनकेसंघटअरे ॥ वासमयरद्वोरबखत
सिंहपांचहजारपखरेलनसौंबडेबेग
बाजीबीचडारे ॥ अरुद्वैलाखसेनाकेस
मुद्रमेंपारपूगिवेकोंपोतकेप्रमानपधा
रे ॥ १९ ॥ दोऊकटकनकेकंकरीकूरकाल
रूपबैँडेबीरकालिंगकुटिलकोसबतैँका
लायसकशलकरबालनकेकलापकाठि
कज्जलसेकारेकुंजरनकेकूटसेकुंभनपैँ

मारन लगे। अरु धीरवीर धन्व देसी बं
 डी धक सौं धकाय धूपकी धास कौं धपा
 य पंचरंगी ध्वजा दंडन कौं फारि डारन
 लगे ॥ पर्वत सौं मयूर के माफिक कुंभी
 नके कलापनके कलापन तैं पताकन
 के पुंज उडन लगे। अरु गाढे गरुरीर द्वार
 नके गंजे गिरन लगे गजराज गुडन लगे
 ॥३०॥ हयनकी हयच्छटा कबंधनके
 कराल करवालन तैं करिकरि कलह में
 कूहते कबंधनके कंधन पै पहरन ठहर
 न लगी। कै धौं हय ग्रीवावतारकी हजार
 न प्रतिमालास्यके लालित्य सौं का किलह
 रन लगी ॥ दोऊ चमूके सज बूत मगरुरी
 महावीरनके मंडलाग्रनकी मार अंपे सैं म
 चन लगी ॥ सानों होलीके डुलास पामर
 पु रुबनके यानितैं चचरीकी डंडे हरिर

चनलगी ॥२१॥ तिगनकोतराकनपोगरनकेप
 लंटेदेतसिंधुरनकसुंडादंडऊरनलगे। सा
 नोंजनमेजयके जिह्मगजज्ञमेंमंत्रनकेमा
 रेपन्नगनकेपूरपरनलगे ॥ गिरेदोपनकों
 ग्रहनकरिजोगिनीनकीजमातिबैंडेबीरन
 केबयासोंभरनलगी। अरुलोहितकीलाली
 मेंकालीकूदिकूदिसोसनीरंगधारनकरन
 लगी ॥२२॥ सच्चैसूरनकेसीसमहेसकीम
 नोजसुंडमालामेंगुंफेगयेतथापिदेहुदेहु
 योंदकालनलगे। तिनकोसोरसुनिअने
 कश्चभ्रपिसाचआयेमानिआतंकसोंभाल
 चंद्रके^{भालचंद्रके}प्राणचालनलगे ॥ जावककेजंत्रजि
 मसोनितकेसोतकीछूछूकैंकूटिकूटिको
 नीतलकायबकोंपहनलगी। तिनकोंसा
 किनीनकीसंहतिआननुउबायऊपरही
 केलिकेलिपानकरनलगी ॥२३॥ कबंध

नके कलापमानों अपने उत्तमांगकी अंखि
 नसों दे खि दे खि दाव दे वेकों दोर नलगे । अ
 रुयें नमंडलाग्रमारि मद मत्तमातंगनके स
 त्य फोरनलगे ॥ सकंचुकपंचफनके प
 न्नगके प्रमानबाहुलसमेतबाहुलबाहुत
 टनलगे । अरुअबमर्दके आतंककातरन
 कगाठछूटनलगे ॥ २४ ॥ बागटल्लाके इसा
 रें बेगवानबाजीजंगीहोदनकीवरवररुं
 पुलें नलगे । अरुसादीनके सस्त्रसंपातक
 रिनछनूरहोयनिसादीनके नैनैनै नलगे
 ॥ वंकेकसनैतकठोरकोदंडनकोंगोसपे
 चीकीवरवरतानितानितीरमारनलगे ।
 ततीरकितेकआसमानमें उडानलेंकेंस
 रदकालके सलभनकीसाभाधारनल
 गे ॥ २५ ॥ रद्वोरबखतसिंहजयसिंहकों
 जोयबकोंघनहस्थीनकेहादेहेरिडार ।

१०

अरु इलाख सेना के पार निक सिव चे वीर
 न सों बेरी की बरु थिनी में बडे बेग वाजी फे
 रि डारे ॥ असे दूजी बेर पैलेन को पृत नामें
 पैठत देखि राजा जय सिंह साहिपुरा के अ
 धि राज राना उत उमेद सिंह सों राजा क
 हि बुल्यो । अरु बखत सिंह को पैने लोह
 च खाय बे को सिद्धांत खुल्यो ॥ २६ ॥ अमी
 राजान कहती रु अ ब क होयार्ते साहिपु
 रा के अधी सराजा उमेद सिंह बडी उमेद
 सों अोट होय क बंधन को कलाप के ल्यो ।
 अरु मारवन को मग रूर मारि खा सी ख
 गन की फा गरे ॥ वाजुद्ध राजार दो
 र बखत सिंह के चारि हज्जार सात से परख
 रैत ऊरि परे । अरु तीन से परख रैत न सहि
 त उमेद सिंह को असि क कह
 कि मरि बोही मानि क कह वाह के का द बिनी

रूपकटकसौंटरि परे ॥२७॥ यारीति पला
 यन होयरद्वोरबरखतसिंहनागोरको मा
 र्गलीनों । अरु राजा अमयसिंह हूया ही
 कविगारिवे कौं प्रायो होयाने पच्छो ध
 पुरकौं कुचकीनों ॥ असें दूबरकछवाह
 कीसेनाको समुद्रतरिती जीवेरकीताकत
 नजानिबरखतसिंह निकसिनागोरप्रा
 यो । अरुजाकेदृष्टगिरिधरपरमेश्वरके
 हाथीतथापातुरिखाने सहित डेरनकौं
 कछवाहको कटक लूटिलायो ॥२८॥ त
 ववहबरखतसिंहकोदृष्टपरमेश्वरतो
 जयसिंहने नहि पढायो । अरु पातुरि
 राने कौं पच्छो जिकरगारमें कातर कहि
 लिखायो ॥ कह्यो अंत हपुर हमारे भेट
 कीनों परंतु हम कौं तो अमुक्तके ग्राहक
 जानौं । याते तु मारो तुम अवेरि फेरि दुबा

हरसौं लरिबं कानहौं सप्रानां ॥२६॥ या
 रीतिप्रद्वनवसत्रह १७ ६८ के साल राजा
 जयसिंह रदोरनसूजंगजीतिप्रायो। प्र
 रुयाजंगकौजससाहिपुराकेअधिराज
 रानाउतराजाउम्मेदसिंहपार्यो॥ यानर
 फबेघमनगररावराजाउम्मेदसिंहकी
 माताचुंडाउतिअपनेनिर्वाहकोअवल
 वविचारतबसतीननिकारे। अरुसुख
 सिंहमहासिंहोतकेसंमतसौंप्रपने
 छोटेपुत्रदीपसिंहकेअर्थरानांजगतसिं
 हसौंपटालेबेकौंपुरोहितदयारामकौं
 उदयपुरपठावनमेंकारनविचारै॥३०॥
 इतिश्रीवंशभास्करेमहान्वंशूस्वरूपेद
 क्षिरागायनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरि
 त्रेतृतीयोमयूरः ॥३॥ ४॥ ५॥
 ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥

॥ प्रा० मि० ॥ दो० ॥ कहिय मास बाहुल विस
 द प्रतिपद दिन अति प्यार ॥ सत्तरूप इक
 त करिय कोय नृप श्रिय द्वार ॥ १ ॥ विद्वल
 अरु नवनीत प्रिय बहु रि द्वारि कानाथ
 ॥ कुल मथुराधीस गिनिगोकुलचंद्रसु
 गाथ ॥ २ ॥ मदन मोहन दुसत्त मितराव
 ल्लभ कुल इष्ट ॥ कोय नृप इकत करिय
 अ प्यनदहन अरिष्ट ॥ ३ ॥ खरचिदम
 इकलकवमित उच्छवरचियप्रपार ॥
 शनहिंतत्रनिमंत्रदेवुल्ल्योविहितवि
 चार ॥ ४ ॥ तहंरानाकोरेसप्रतिबिर
 चिनेहमयवेन ॥ माधवनिजभानेजहि
 तप्रक्रीजैपुरलैन ॥ ५ ॥ कोरेसदुतव
 शनप्रतिनयवचप्रकियनून ॥ जब
 मरिहैजयसिंहतवत्रेहैंपदुमिदुहूँन
 ॥ ६ ॥ बुंदियमिलहिंउमेदकोंमाधवकों

जयनेर ॥ पैजोलमजयसिंहप्रभुबदहु
नतोलगबेर ॥ ७ ॥ कोटापतिप्ररुगान
दुवकियरहस्ययहवत्त ॥ इहितुमजावहु
उदयपुरगानकरहुअतुरत्त ॥ ८ ॥ रानाउ
तिपीहरससुतरहतकुम्मसौरुद्वि ॥ इहिशा
नहुकूरमअहितवप्यबहिनिहितबुद्धि
॥ ९ ॥ अप्यनपुबहिकुमअरिअवरान
हुअरिआहि ॥ यतैकहुदीपहिंपटादे
हितुदेहिंसिराहि ॥ १० ॥ यहविचारि
निजविप्रवहदयारामसंबोधि ॥ पठयो
मतिगतिउदयपुरसमयदेसहितसो
धि ॥ ११ ॥ तानैजायरुतकयोनगरस
लूमरिनाह ॥ जान्योयाविनुहोयनहि
सबइहिंहत्यसलाह ॥ १२ ॥ अकवीं
सरिसिंहसौबलयहेतबबिप्र ॥ बुंदीप
तिलघुपुत्रहितपटाचहेतहमछिप्र

॥१॥ यद्दुःखं दंतकहिरानसौं विहितदि
 वावहुं बग ॥ ११ ॥ हं हं देवालनगिनहु कलि
 कसैंगेतेग ॥ १४ ॥ सुनियहकेसरिसिं
 हसठमानिलोभनिजमित्त ॥ संभरपर
 उपकृतममयचाहोनेहनचित्त ॥ १५ ॥
 ॥ १६ ॥ इहिं चंडाउतअगामुकव्यभु
 वलोभसोधि मनसजिदलेलसनसाम
 प्रकटअहरिकिकरपनरोरनामलघु
 सुवनअप्यबुंदियपुररकव्यो ॥ परास
 हंसपैतीसलेरुअधिपतिवहअकव्यो
 तिहिलोभअबहुउलदीतकतयहनपु
 रोहितअहरियबिनुसमयकछुनहम
 सनबनहिंकहियहेरुउपहासकिय
 ॥ १६ ॥ दो ॥ दयारामयहसुनिदरित
 इच्छिअवरअलंब ॥ दोलतरामसु
 सदुतसोध्योदुखगिरिसंब ॥ १७ ॥

॥ ष. प. ॥ पहिलें हीयहव्यास रिकोटाकि
हिकारनरहियरानठिगप्रायमंत्रनयच
तुरमहामनतवहिपुरोहितताहिमिलिरु
अक्वियउदंतसव॥ समयोदेनसहाय
अहिवुधसिंहसुतहिंअवविनुधननि
बाहिसकतनविभवयातेंरानहिंकरि
अरजकछुं दुपटालघुभ्रातहितगिनि
विपत्तिकड्डुकरज॥ १८॥ दो०॥ द्विज
वरदोलतरामसुनिअक्वियरानहिंएह
॥ दीपसिंहहितदीजियेकछुकपटाकरि
नेह॥ १९॥ सुसुनिरानजयसिंहकोविं
त्योतहरअचंड॥ अक्वीवहकूरमअतु
लदियमरुपहुजिहिंदंड॥ २०॥ कियेंअहि
तयहकुम्भकोविगरहिराजविसाल॥ या
यातेंतुमउनसैंकहहुकहुकहुविधिक
ल॥ २१॥ यहउत्तरजगतेसदियसोसुनि

कुमरप्रताप । अकवीघर आये नकों क्यौं
 नहिर कवत आप ॥२२॥ सत्रुकोडु आयै
 सदन मानत अघमहंत ॥ सुपहु अय्य
 नैस समय कूर मनास कहंत ॥२४॥ यह
 कहि कुमर प्रताप तव पदा हजार पचीस
 ॥ जनकहु सौं बरजोर बनि कियत यार ब
 रसीस ॥२४॥ नगर पदा विच मुख्य लि
 खितारोला अभिधान ॥ अवरहु वस्तु
 अनूप चउ चित्त करिय पहुँचान ॥२५॥
 इकहु पान हय खास इक इक चामर ब
 रबेस ॥ इक सिर पेच उमेद हित कियत
 यार कुमरेस ॥२६॥ सगत उत सुरतेस
 सुत निडर उमेद सनाम ॥ कियत यार बुं
 जेस प्रतिबेध मर्म जनकाम ॥२७॥ कव्य ॥
 यह कुमार प्रतिजोर बहो जुवन बय उ
 ह द अंगमि जनक अमात्य भेदिकतिलि

यमिलायभटमिल्लहवापुरभिन्नबंधिअ
 प्पनरजधानी ॥ दरवलराजविचडारि
 हैंउद्धतअभिमानीयहसोचिरानजगते
 सअवपकरणपुतहिंकिन्नमततिनदि
 ननभूपुबुंहीसकोउदयनेरयहविप्र
 गत ॥२८॥ दि ० ॥ नटतरानइमनिंदिहुत
 उद्धतकुमरप्रताप ॥ संभगहितसखंडत
 बलिखिपटारुक्रियछाप ॥२९॥ लखि
 सुतकोयहमत्तपनसोचिरानजगतेस
 ॥ हेभटनिजअनुकूलतेइकदिनबु
 ल्लिअसेस ॥३०॥ कहियकेदममसत
 करहुअनयप्रचारतएह ॥ निजनि
 जसुतयाठिगरहततिनहिंपठावहु
 गेह ॥३१॥ गृहनिचहीएतेदिनन
 करतरह्योअपकार ॥ पैहमविनुपै
 खेन्पनहुवअनरकवनहार ॥३२॥

यातैश्चसञ्ज्ञानद्रुतमेदद्रुगहिउम
 राव ॥ अरुजोनंहितोश्च गिगिय ह सज
 खन दहनस्वभाव ॥ ३३ ॥ दृढप्रपंच
 इमरानकरिभटनसिक्वदियभाय
 ॥ इननिजपुत्रश्चनेकमिसदिन्ने धर
 नपठाय ॥ ३४ ॥ सगताउतदारुनगर
 पतिमुरतेससनाम ॥ स्वसुतहिश्च
 क्वियताद्रुनेधरजावद्रुककुका म
 ॥ ३५ ॥ यहउमेदसिंहसुकुमरजोकि
 वेद्यमत्यार ॥ ताहूसौंदमपितुक
 हियजावद्रुगेहकुमार ॥ ३६ ॥ इहि
 कुमारमतिबलकुकु जान्योरा नप्र
 पंच ॥ अक्वियस्वामिप्रतापश्चवजा
 निनदोरोश्च ॥ ३७ ॥ तदनंतरद्रुक
 दिनयहैरानकुमारप्रताप ॥ अल्प
 सत्यरहिजनककीपरिखदपत्तोश्चा

प॥३८॥उयवन कृष्णविलासनृपवैद्यो
 गहनउपाय॥ इहिंविचकुमरप्रताप
 यहडे हीपहुंचोप्राय॥३९॥प्रतिहा
 रनश्चकियश्चरजली दुवचरपा
 स॥लेजाननश्चवरनहुकमचतुरश्च
 प्यनयचास॥४०॥निजमत्यहिंतहं
 रकितवलेश्चनुचरदुवसंग॥परि
 खदपत्तप्रतापहंरनहिंनमिसी
 रंग॥४१॥श्चप्यमिसलवेठियउचि
 तरचिसैनरुतवरान॥सुभट्यारि
 निजपुत्रसिरडारियभरतउडाना॥४२
 नाथनामलधुभ्रातनिजपुरबधोर
 श्चधीस॥रानाउतभारतबहुरिनग
 रजाजपुरईस॥४३॥चुंडाउतपुरदेव
 गढपतिजसवंतसएव॥देलवाडधु
 रपतिबहुरिमुल्लाराध्वदेव॥४४॥

एभटरानश्चधीसकीसैँन होत छलसो
 र ॥ चंड परे प्रतिमल्लचउजानिकुमरश्च
 तिजोर ॥ ४५ ॥ तिनके परत प्रतापतव
 जनकगहनमतिजानि ॥ होकितेकपै
 पितुहुकमकहिछोरियश्चसिपानि ॥
 ४६ ॥ इनतथापिमूठनचउजगहिदि
 र्वायबलदिदि ॥ नाथसिंहतसबाहु
 गहिजानुमचकदियपिदि ॥ ४७ ॥
 कहियपराफैँकतकुमरमल्लनलरत
 उमाहि ॥ अज्जकहोंवहबलगयउहो
 तनिबलकोचाहि ॥ ४८ ॥ कहिहुम
 कुमरहिँकेदकियचउभटकुबचप्र
 चार ॥ सकनवअंक ६६ सहस्यगतवि
 सदतीजरविवार ॥ ४९ ॥ अ प्रनु
 चितकुमरकरिहुहोंउचितप्रवधान
 पकरनजानतपहिलकियखगारुखे

टकहान ॥५०॥ गहतश्चानकडमकु
 मरफुट्टियहक अपार ॥ ढौढीपरनिज
 सत्यसुनिभयोविकलभयभार ॥५१॥
 कुमरजुकुमरतयार कियवेघमभेजन
 वीर ॥ सगताउतउमैदसोधयोसभावि
 चधीर ॥५२॥ असिजारतमारतअरि
 नरानलियउनियराय ॥ जिहिंपिल्लत
 तिहिंबपुजुगलकरतरुंडअतिकाय
 ॥५३॥ ताहीकोकाकातबहिपिल्ल्योरा
 नप्रचारि ॥ सनतिपुबडकवारसहिम
 रदसोडुलियमारि ॥५४॥ सुरतसिंह
 तवतसजनकरोकनपिल्ल्योरान ॥ ति
 हिंलखिकुमरउमेदतजिअसिबरु
 मियअमान ॥५५॥ जानिधरमडुहिंअ
 सितजियइहिंमूरखकियएह ॥ नमत
 वरनिजपुत्रसिरकड्योनृतननेह ॥५६॥

कुमर प्रतापसुंकेदकरिद्रमखिजिजन
 कञ्चमान॥पकरनवारैचउनकौमुख्य
 सचिवकियरान॥५७॥इतिश्रीवंशभा
 स्करेमहाचंपूसवरूपेदक्षिणायनेदशम
 राशोउम्वेदसिंहचरित्रेचतुर्थीमयूखः
 ॥४॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 प्रा०मि०॥चु०आ०॥नृपउमेदइतव्या
 हकियमालवधरपुरगर्गराटपति॥क
 ल्लादलपतिकीसुताचिमनकुमरिप्र
 मिथानमहामति॥१॥सकनवनवस
 न्ह१७६६समानवमीराधवलच्छल
 गनकिय॥गुनबासररहिस्वसुरगृह
 वैद्यमआनिमिलानबहुरिदिया॥२॥
 प्रतिदिनबुंदियलैनयदुबढतमूपउ
 म्मदवलापति॥सावनगतआसारके
 कैसितपकवगद्वैजकलापति॥३॥

सोरहा ॥ सुनिबुंदियय हसोरचूक दले
 लविचारिकें ॥ चुंडाउतवहरोरमारनवे
 घममुक्कलिय ॥ ४ ॥ भोपसिंहतससंग
 हरदाउतहडुदियउ ॥ जोपतिधोबड
 दंगसालसुतहितकरकुटिल ॥ ५ ॥
 दोउनवेघमप्रायद्विरदमतनिजको
 रिदिय ॥ जान्योकोतुकपायसिसुउमेद
 येहेंलखन ॥ ६ ॥ तवहिदगावलता
 हिमारिरुबुंदियमुक्कलहिं ॥ इमसठ
 उभयउमाहियहरतीनगजसंगफिरि
 य ॥ ७ ॥ सोसुनिलखननप्रायसानु
 कूलनृपकीनियति ॥ चन्नगयेदुख
 दायमुहविगारिदुवसठहुमन ॥ ८ ॥
 ॥ दो ॥ जयपुरनृपजयसिंहद्वतजि
 त्तिमरुस्थलजुद्ध ॥ अद्वितीयप्रप्यहिं
 समुकिमानगहियवनिमुद्ध ॥ ९ ॥ अ

द्यपानहितगिनिमुदितनिसदिनर
 चतश्चनंत ॥ निधुवनरुचिधप्यतन
 हिनदुमहुवप्रागमश्चंत ॥ १० ॥ निस
 रुदीहप्रासवनसारकवतहृदयश्चरू
 ढ ॥ छोरतनहिकामुककृगलमंजाना
 रिनमूढ ॥ ११ ॥ त्रैसीविधिश्चवसान
 केप्रागमहुवककृवाह ॥ राजामल
 सिरराज्यकीरकवीनिबहनराह ॥ १२ ॥
 वेदनसनश्रोखधिवलनश्चधिक
 षानिश्चाहार ॥ उभयधटीश्रोदनश्च
 दनबळ्योकुम्मइहिंवार ॥ १३ ॥ प्राग
 कसकलश्चनंगकेसठएकान्तसुधा
 य ॥ मोहनमेहनवृद्धिसुखसेयदवा
 दरसाय ॥ १४ ॥ बरज्योजदपिचिकि
 त्तकनमन्ध्यातदपिनमंद ॥ आराध
 नश्चविरलश्चतुलश्चासवसुरतश्च

नंद ॥१५॥ राजामलदूक दिनकहिय
 क्यौं नृपकरत कुजोग ॥ अकवीतुमछ
 तहमप्रभयभुगातप्रवयहभोग ॥१६
 ॥ दुवप्रमत्तजय सिंह इममनलगिमो
 हनमद्य ॥ अवरकोनममसमयहैसो
 धिगरवगहिसद्य ॥१७॥ रोला ॥ इक
 दिनआसबमत्त होय कछवाहमूढम
 तिउदयनेरलिखवायपत्रपठयोरा
 नांप्रति ॥ ममआदेसअमोघचतुरज
 गतेसविचारहुबेघमजेबुधसिंहनं
 दनिजदेसनिकारहु ॥१८॥ सुनिय
 हकूरमकथितरानजगतेसभीरुब
 निदियबेघमआदेसदेसममत्तजहु
 भूपभनि ॥ यहसुनिभूपउमेदसिंह
 अरुदीपभ्रातदुवकछुदिनकठिन
 निकारिधरियधरलेनदित्तधुव ॥१९॥

सकरवभ्रवसुसोम१८०० असितपं
 चमिअसाढगतकोयजनपदक्रमि
 यच्छोरिवेघमरनउद्धत॥सुनियहहु
 ज्जनसल्लभीरुकूरमभयभाखियनि
 जढिगबुल्लियनोहिदुहुनमधुकर
 गढराखिय॥२०॥रहियतत्थचउमा
 समूपउमेदअनुजसहमृगयादिक
 कोतुकअनेकरचिवीरमहामह॥
 धांटरुक्किगिरघेरिमुंडतुपकनन्
 पकारेअतिप्रगल्भआयधनसद्धि
 मृगपतिबहुमारे॥२१॥रुचिरा॥
 इतकूरमनृपरोगबिबसिद्धवदेहवि
 कसिक्कमिपुंजपरे॥मासबहुतयह
 हुकरवसह्योअरुगृदपललतनुवि
 क्ततगरे॥इकअंगुलपरिमितलंबे
 क्कमिस्थामलपनसवदेहधसेत्वच

लोहितपलमेदनखावतस्थिन्यं
 तरविबिधबसे ॥२२॥ भस्मतल्पसो
 वतदुखभाजननैकनपीडितनिंदल
 हैंजिमविकसततरबूजपक्योइम
 विग्रहरंचनगाढगहैं ॥ सुप्रहिमूत्रत
 यामलमोचननिजकृतदुरितनचिं
 तिकरैं अनुजविजयतियमातसुता
 दिकमारियतेसबदिद्विपरैं ॥ २३ ॥
 इमप्रतिकषुविकलकूरमनृपसं
 चितप्रघभरभूरिभज्योखखवसु
 ससि १८०० । वक्रमसकइसगतविस
 दचतुर्दसिदेहतज्यो ॥ इवजेपुरघ
 रघरहाहारवप्रतहपुरप्रतित्रास
 पख्योइश्वरिसिंहतबहिपट्टपसुलदे
 खिनिगमविधिदाहकख्यो ॥ २४ ॥ दो०
 ॥ इमउमेदनृयभागबलतजिगदेह

कञ्चवाह ॥ यह उदंतदि सदि सउ डिग
 दुक्प्ररि घर नउ काह ॥२५॥ यह कथ
 सुनिकोटाप्रधि पखुमिय मन्नित जि
 खेद ॥ मधुकर गढ ते प्रनु जजुत बु
 ह्योनिक डउ मेद ॥२६॥ मधुकर गढ
 सामंत हर हड्डा हरजन नाम ॥ किल्ला
 पतिको टेसको जु हो भु जिष्या जाम ॥२७
 ॥ मुख्य सचिव बुं दीसको कोटा पतिव
 हकिन्न ॥ कोटा प्राय उमेद नृप हयन
 हेर उलिन्न ॥२८॥ लेत हयनको
 हेसल खि प्रकरो भूपहिं एड्डु ॥ तुम
 हित हमर कवत कट कल गौं खर ख
 सुदे हु ॥२९॥ सुनि नृप निज भूरवन द
 ये मोल लकव हुव दम्प ॥ इक किलं
 गिय कट कजु ग करन जंग भुव कम्प ॥
 ३० ॥ लोभी दुजन सख सठ लखी वि

पत्तिनरंच ॥ इमभूरवनबुंदीसकेलिनें
 कपटप्रपंच ॥ ३१ ॥ तदनंतर^{दल}इकसहं
 सपठयोबुंदियसीम ॥ प्रायरुतिहिं
 लुट्टियसुलकभेदमचायउभीम ॥ ३२ ॥
 नृपतिइश्वरीसिंहडुवइतजैपुरलहि
 षड् ॥ श्रद्धाजुतकरिजनककोप्रेतकर
 मविधिबहु ॥ ३३ ॥ इतिश्रीवंशभास्कर
 रेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशम
 राशौउमेदसिंहचरित्रेपंचमोमयू
 खः ॥ ५ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 ॥ प्रा० मि० ॥ दो० ॥ कोटापुरइतमंत्रकि
 यदुज्जनसह्यउमेद ॥ इकतकरिह
 डुअखिलभाखियसंगरभेद ॥ १ ॥ क
 हिभटवेणीरामसांकोटापतिकरजो
 रि ॥ गिनततुम्हेंसबभूषणुरुखलरु
 खानिकककोरि ॥ २ ॥ यानैजैपुरजाडु

तुमबुं दियलैनउपाय॥ कूरमजोयह
 स्वीकरें तोलरनों नहिताय॥३॥ हम
 जावतश्रियद्वारपुनिमिलहिंरानसोंत
 त्य॥ करहिं नहितकछवाहतोसज्ज
 हिंउभयसमत्य॥४॥ यहसुनिभज्यै
 पुरचलियदुजनसल्लश्रियद्वार॥ अ
 न्नकूटसद्वियसमयअधिकभक्तिउ
 पचार॥५॥ हीरकम्॥ पुनिरानहिं
 पठ्योदलअप्यमिलनअद्दयेमाध
 वनिजभागिनेयहितदुहदयलाइ
 ये॥ बुंदियपुरलैनकोदुमंत्रमिलिरु
 ठानिहेंदुठाहरमेदिनिपरसजिसम
 रतानिहें॥६॥ यहसुनिजगतेसरान
 कुंचकरियवेगहीकोटापतिकेमिला
 यजीतिरीतिकेगही॥ उदयनगरके
 समीपसेनहिंफरमानदेनाहरमग

राभिधानथानतं हं मिलानदं ॥७॥ को
टापतिपापपासप्रीतिपत्रप्रेरयोऽप्रा
वहुमिलिदेंदुहांहिंजोतुमहितहेर
यो ॥ कोदेसदुसुनतरहनाहरमगरा
गयोरा नहिं मिलिरीतिसहितमंत्रस
हितमंडयो ॥ ८ ॥ अर्गैः अमरेसरान
कोपुत्रियव्याहिंबेरा नाउतिदुर्लभगि
निचिंतितजसचाहिबे ॥ निजकरजय
सिंहकुम्भकगारलिखिकीसहीराना
उतिपुत्रहोहिंदुंठाहरईसही ॥ ९ ॥
पहिलेंदुतनीलिखायरा नदुलनया
दईचिंतदुपदुनीतिप्रप्यतथ्यनसव
जोभई ॥ जिदूहिजयसिंहपुत्ररज्य
अखिलप्रंगम्योमाधवहितककुद
यो ननतिजुलतुमसौं नम्यो ॥ १० ॥ बुंदि
यदुवहत्थनगाहिकार नदुनउच्चैः

ष्यनइहिंकारनदुवसज्जितदलकोंक
 रैं॥ दीउनयहमंत्रथपिइकृतपृतना
 कशीविप्रसुउतवेणिरामकूरमप्रतिउ
 च्छरी॥११॥ चिन्नियजयसिंहसोहि बुद्धि
 यप्रबदीजियैकूरमउपकारयहहि
 कोहासिरकीजिये॥ राजामलजुतनरे
 सपिप्रहितवप्रकवईबुद्धियहमरेपि
 चंद्रकींकरिकहिहैगई॥१२॥ अकिव
 असुनिएहविप्रतुंदकतरिकडिहैं
 इरदलहंकिहडुजेपुरसिरचडिहैं
 ॥ यहकहिद्विजश्रायवत्तहडुनपति
 सोंकहीसोसुनिचहुवानरानसज्जिय
 पृतनासही॥१३॥ लंबितथुजहंडुम
 सहत्यिनसिरखुल्लयेबीरहुनिज
 निजसमस्तबंधनबलबुल्लये॥ नंब
 कहुकवज्जिवेगसिंधुनखरलगये

बयडगमगिभोगभोगियभरभगये ॥
 १४ ॥ संकुलिधरधूलिधुंधिरुंधिरुंधि
 ठंकयोचिकरिलखिचंडचेतदिगाज
 गनसंकयो ॥ दिक्पालनकेकपाल
 नाटशालसेचुमेबीरसुमगरूरमंडि
 हरनहितकेलुमे ॥ १५ ॥ सागरसब
 लैहिलोरशोरशोरउज्जले हावक
 गिरिकेसमस्तशृंगभंगहैहले ॥ कोय
 यतिसेनशनसेनउभययोचलीसोसु
 निकबवाहभूपइकतबलकैबली
 ॥ १६ ॥ मंडियदरकुंचरानसम्बुहभ
 गरूरतैमानहुंघनभहमासपायपव
 नपूरतै ॥ राजामलकगारलिखिसन
 निकदपिल्लयोहडुनकेपेचमाहिमान
 सतुमक्योदयो ॥ १७ ॥ जोहितहमसोव
 नैसुशोरनसननौबनैशिवतहमहल

जूअप्यहिंसिरहीमनें ॥ माधवनिज
 जाभिजहितबंठिपहुमिलौजियेहहु
 लसनभिन्नहोयनेंकहुनपतीजिये ॥
 १७ ॥ दो० ॥ यहदलअगदिमुक्कल्यो
 राजामलसचिवेन ॥ पुनिनृपईश्वरि
 सिंहजुतसमुहहंकियसेन ॥ १८ ॥
 इतरानरुकोदेसदुवबेगसुकगरब
 चि ॥ धायेसमुहरवरचिधनसेनाअतु
 लितसंचि ॥ २० ॥ नगरजाजपुरकेनि
 कदजामोलीदूकगाम ॥ उत्तरितहं
 भूषतिउभयकियचालीसमुकाम ॥
 २१ ॥ सगताउतसावरअधिपइंद्रसिं
 हअभिधान ॥ तिहिंदब्धोइकरानको
 नगरदेवलीथान ॥ २२ ॥ ताहितजन
 जगतेसतबबहुतकहार्इवत्त ॥ सग
 ताउतमन्नीनसोसुररिरह्योजिमयत्त

॥२३॥ इहिंरानांश्रवदेवलीरचनलैन
गढरारि॥रानाउतभारतसहितपठ्यो
कटकप्रचारि॥२४॥ दलहिंजातश्रव
देवलीसुनिसावरपतिपुत्त॥सालम
नामसुसज्जि।वनिधस्योलरनगढशु
त्त॥२५॥दिनपंचकपहिलैयहेव्याही
सालमवीर॥कंकनमोचनहूनकिय
दुबजुऊनहयगीर॥२६॥इतिश्री
वंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणा
यनेदशमराशौउमेदसिंहचरित्रेष
ष्ठोमयूरः॥६॥ ७ ॥ ७ ॥
॥प्रा.मि॥मुक्ताक्षम॥गह्योजिहिंश्र
गप्रतापकुमारबहेदुवभारतसिंह
तयार॥दयोतससंगश्रभंगश्रनीक
सजेभट्टउद्धतचाहिसमीक॥१॥सिरा
हिकह्योसबसोंदमरानलहोगढयो

ररचा घमसान ॥ चल्पो सुनिभारत सिं
 ह प्रचंड उमंगत हं कियसेन प्रखंड
 ॥२॥ भयोदिकपालन मोहभयान प्र
 कंपत दिग्गजभुल्लियप्रान ॥ भच्चकि
 यपन्नगकीफनमालभच्चक्रियपकि
 यसूकरमाल ॥३॥ छच्चक्रियश्चिन्न
 तैकदिधातुलचक्रियलोककहैंह
 ॥४॥ सरक्रियरामउदैपुरचक्र
 फरक्रियहत्थिनपैबहरक ॥४॥
 करक्रियकंकटकीकटिकालिठर
 क्रियपक्षयष्टंगनठालि ॥ स्वरक्रिय
 स्वप्परजोगिनिसंगरक्रियनालन
 अग्निहमंग ॥५॥ धुरक्रियप्रक्व
 रपक्वरघोरथरक्रियप्रचरिप्रंब
 रशोर ॥ दरक्रियकोनियदारिमरी
 तिथरक्रियखंडचडहहमीति ॥६॥

घमं किय घोर न घुग्घर मालचमं किय
 सेलन सोचिस चाल ॥ ६३ ॥ घमं किय प्र
 रिने उरगे नरु मं किय भूरवन लकवन
 लेन ॥ ७ ॥ ढमं किय न विय बं बिय बजि
 ढमं किय घं ढ मतंगनर जि ॥ ८ ॥ ढमं किय
 डा हल डिं डिम लोल ढमं किय सहल
 महल ढोल ॥ ९ ॥ इमं किय दुंदुभि दिग्घ
 इमामथमं किय धु जि रसातल धाम ॥
 उल द्विय सेन कि सागर अंभ पल द्विय
 जानि पुरं दरजंभ ॥ १० ॥ च ल्यो इ मरान
 म ही पति चकल ग्यो उ डि पा व क लो
 पल लक ॥ लयोग ढ देव लिका गरदा
 अथ म्मो र ल लो यन मु मि धु जा व ॥ ११ ॥
 क ही त हं भारत साल म काज मिले गढ
 वारिल हो प्र सु प्राज ॥ यहै सुनि वीर
 न कि न प्र वे र क हा इ य साल जु ऊ न

केर ॥११॥ उदैपुरका दल दुर्लभला
 यइ हांतुमसेभटपाहुनआथ ॥ नकेह
 मजोतु मरीमनुहारिलजैपितुमातल
 गैकुलगारि ॥१२॥ खरेतुमहूनयजा
 नतरथातकरैसबस्वागतपाहुनआ
 त ॥ अवेइहिंकारनधर्महिंधारिप
 थारिहुस्वीकरिमोमनुहारि ॥१३॥ हुते
 हमसावरकेपतिहंतकहांतिनको
 सुखस्वर्गमिलंत ॥ परंतुकृपाकरि
 कैतुमआयततोममावन्नतिमन्निति
 लाय ॥१४॥ गुरुतुमआसिखअकवहु
 एहुसुपुत्रकस्वर्गसभासुखलेहु ॥ क
 थायहसालमसिंहकहायरुप्यो जि
 मअंगदकोरनराय ॥१५॥ ॥ ॥
 एचीसुनिभारततोपनशरिहनीइन
 लनधनीहलकारि ॥ चलैपविषात

१०

किगोलकचड दिपैजिम मोरउ डैधुज
 दंड ॥ १६ ॥ गिरैगृहमंड पफुदिल्लवा
 वतप्योपुरतोपनकेतरकाव ॥ नठेचडुं
 कोदनिवानननीरपरीजलजंतुनहु
 स्महपीर ॥ १७ ॥ धिखोपुरदेवलिकाएल
 चोरजम्योहुहुंओरप्रवीरनजोर ॥ जैचू
 रजजावलि तोपतुपकचलेहुतचंडम
 चैधमचक ॥ १८ ॥ चुहहनहनबद
 बजारउडैदमकेबहुबुंदअंगार ॥ जरं
 तकिरंतविजाजनपदुगुडीजनुलगि
 यरालगरद ॥ १९ ॥ बनिकनप्रापनल
 गिअलावदहैघनकाननज्योतूनदा
 व ॥ जरैघृतश्रीदनतेलरुतलदिवा
 रियदीपकहोतदुकूल ॥ २० ॥ जरैकट
 चपरटपरज्वालमगैजिमफुगुनहो
 रियमाल ॥ चिकैबहुअहनकंगुरहु

द्वितरकतपत्थरच्छत्रिनतुदि ॥२१॥ परै
 प्रजरै बहुमंचकपाठधिस्योपुर्पावक
 दुस्सहघाट ॥ जरैससिसालनज्वालन
 जूहदगैगृहअंगनअग्निदुरूह ॥२२
 ॥ द्रवैजरिनागरुबंगअदभउडैलगि
 पावकपारदअभ ॥ मनौंगठकोअघ
 मेदनमानकरायउसालमअग्निसना
 न ॥२३॥ घनेदिनभोरनतोपनघोरकि
 क्योगढगोलनमारदुअोर ॥ कढ्योत
 बसालमखुल्लिकपाठरुक्योरनबीर
 बजावतमाट ॥२४॥ बजीसगताउत
 कीहथबाहचलेकरअोदनज्यैसिसु
 चाह ॥ उडैहयखंधगिरैअसवारकठै
 भटछत्तिनछेदिकटार ॥२५॥ तरकत
 दोपनपैतरवारिदिपैमनुदेवलरुल्ल
 रिमारि ॥ कठैफटिकंकटवीरनअंगत

जेंनिरमोककिभीमभुजंग ॥२६॥ चटक
 ततोपसमस्तकवीरकिथौजगदीसप्र
 सादकरीर ॥ उलहतप्रबनतुदृतत
 गपलदृतकेजिमएनपलंग ॥२७॥ रु
 रैगजसुंढिनरुंडनरुंडरचैघनघुम
 तलंडवरुंड ॥ परैदृगरत्तफदकतपुं
 जगिरैजिमसीतसभैपकिगुंज ॥२८॥
 थरकहिंशंवरश्चरिथदृभरकहिं
 भीरुकउबटबह ॥ परैकटिपकर
 बगपलानमरैभटबाकिरजोगुन
 मान ॥२९॥ उरज्जलशंत्रनगिद्धशने
 कतरफतघायलमूढकितेक ॥ किल
 कहिं कालियकूदिकरालखलकहिं
 सोहितलोहितखाल ॥३०॥ बुलकहिं
 घायबलकतरतकलकहिंशरनश्री
 जउमत्त ॥ ननकहिंकातरदूरहनहि

ललकहिं बावनओचउसद्वि ॥ उल
 दत हत्थिनतैभटआहिं मनेतिहरी
 नटभगलमाहिं ॥ उब्रदृहिंआयुध
 तुदृहिं तोनसुलदृहिंकेतउचदृहिं
 सोन ॥ ३२ ॥ दपदृहिंवाजिनजुदृहिं
 दावरुपदृहिंज्यौतरितारुमकाव ॥
 रुदृकहिंइकहिंइकमंमोरिपटक
 हिंभूतनकोरनरोरि ॥ ३३ ॥ अटक
 हिपाथरकावनकेकगटकहिगोद
 नगिइअनेक ॥ खटकहिंहडुनपै
 लगिरवगाब्रदृकहिंकेउडिअंबरम
 म ॥ ३४ ॥ लटकहिंथकहिंरानअ
 नीकसटकहिंकेसठघोरसमीक ॥
 बळ्योदूमसालमबाजिउडायलयो
 दुतभारतसिंहहिंजाय ॥ ३५ ॥ कह्यो
 लममनियमोमनुहारिअरेदलसजि

वनेंउपकारि ॥ पितामह मोहि गिन्देसि
 सुवर्गदयोकरुणाकरि दुर्लभस्वर्गा ॥ ३६ ॥
 ॥ बच्चोखिल तोममप्रायुब होरिमिलो
 मकौसुघटीपलजोरि ॥ तज्योति हिंया
 विधिप्रकिवकुमारपस्थोभस्त्रोरणी
 रनप्यार ॥ ३७ ॥ दुहत्यनकारतरुगन
 दायगयोबहुबैरिनकेप्रसुस्वाय ॥ घ
 नीप्रिनारिनकंकनकारिघनेंमदम
 त्तमतंगनमारि ॥ ३८ ॥ तज्योयहिलो
 वहकंकनचाहिनयोवलिबं धियप्र
 छरिब्याहि ॥ तज्योदूमसालममानुस
 देहलयोसुरविग्रहनूतननेह ॥ ३९ ॥
 उदैपुरकेबडबीरपचासहनेंपुरुप्र
 ल्यगिनेंउपहास ॥ परेनिजबीरहुस
 त्रहसंगमस्योदूमसालमस्वर्गउमंगा ॥
 ४० ॥ दो ॥ रानाउतमारतंबहेइमरन

सालममारि ॥ रा नश्च मल किय देवली
 च्यपनविजयउचारि ॥ ४१ ॥ सगताउ
 तसावरश्चधिपमंदसुसुतहिं मराय
 ॥ जामोलीजगतेसकैषामरलगोपा
 य ॥ ४२ ॥ तदनंतरकछवाहनृपश्चा
 यउकटकश्चमान्न ॥ ग्रामनामपंडेरदि
 गदिनेपुदितमिलान ॥ ४३ ॥ बुंदिय
 तैयहसुनिविदितकरियदलेलडुकु
 च्च ॥ कूरमईश्वरिसिंहसौंउतहिमि
 ल्योक्कउच्च ॥ ४४ ॥ इतिश्रीवंशभा
 स्करंमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदश
 मराशौउमेदसिंहचरित्रेसप्तमोमयू
 स्वः ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
 ॥ शा० मि० ॥ गगनांगनम् ॥ राजामल
 कूरमनृपसचिवतत्यगोरानर्थेश्च
 क्वियकरजोरिचढनकौनकाजधम

मानपै ॥ यहसुनिजयसिंहलिखित
 लेरुरानबंचोतहांअक्खियइहिंप
 त्रमांहिंजोंलिखीसुअवहेकहां ॥१॥
 बुल्लियसुनिकुम्मसचिवजवनईसय
 हजानिकेंअक्खियलिखिपत्रभूपक
 रहुजेष्ठसुतमानिकें ॥ योंयहनृपता
 भाईसुजवनइंद्रफरमानसौलोपन
 तिहिंकोसयत्यविरचिवैरवलवान
 सौ ॥२॥ अणहुनृपनीतिचतुरसम
 यदेसहिमलादयेकिहिंविधिजवनेस
 हितुसमरसज्जिजयपादये ॥ नाथजु
 निजअनुजताहितुमदयोसुपुनिये
 खियेगृहगृहसबकेयहेहिराजरीति
 दृढदेखिये ॥३॥ अनुचरहमतोतथा
 पिन्पसमेंतसबरावरेअणहिंबहि
 कायलरनलेचलेसुसठवावरे ॥ अण

मम विनती विचारिहु कमधर्म गहि दी
जिये माधवहि तरी तिरक्कि कहु सिवा
यभुवली जिये ॥ ४ ॥ रा नहु सुनत हिइती
कगिनि बलिष्ठ कछवाहकों राजा मल
इंद्रजाल बनि विमूढ तजिराहकों ॥ अ
क्खिय सरल कवद म्मपहु मिमाधव हिं
दी जिये सुनत हिइत कुम्भ सचिव लि
खि पठारु कहिली जिये ॥ ५ ॥ ठोंकन
गरको समस्त परगना सु लिखि यों द
यो रा नहु बनि मंद भागिने य हित व
ह ही लयो ॥ तदनंतर यहु उदंत सु
निष्पनिष्ठ कोटे सहू रा नहिं बह क्यो
विचारित जियत त्यमुद ले सहू ॥ ६ ॥
॥ दो ॥ राजा मल कूरम सचिव माया ब
चन नमंडि ॥ दिय माधवहित ठोंक पु
रल रन रा नमत खंडि ॥ ७ ॥ तदनुरा न

जगते सञ्चरुकोटापतिचहुवान ॥ दुवभूप
नकूरमसिविरकिन्नोमिलनप्रयान ॥ ८ ॥
होपहिलैँप्रावनउचितकुम्भहिंशनस
मीप ॥ पैतसपितुसुचमेदनींमळ्यौप्रथम
महीप ॥ ९ ॥ याँतैँरानञ्चरोहिञ्चबकान
कतखतरवान ॥ रतनकनछायितचल्यो
जहंदलकुम्भमिलान ॥ १० ॥ संगगमन
कोटेसदूकूरमडेरनकीन ॥ निजनिज
भञ्चंद्रलयेकलहजईरुकुलीन ॥ ११
॥ तँहँकोटापतिकेभटनकियमटभीर
बिसेस ॥ कीलनसहितसिरायचेगिरेठ
लाठलठेस ॥ १२ ॥ पिक्रवतयहकोटेस
प्रतिकुम्भभयउप्रतिकूल ॥ तिमरानहु
ञ्चहितहितकियमनफदियसहमूल
॥ १३ ॥ इमरानरुकोटेसदूवकूरमडेरन
पत्त ॥ रानचित्तपल्लयोसमुक्तिहुवको

देस विरत्त ॥ १४ ॥ तीनस हंसक छवाह
तहंसजितपिक्खिसिपाह ॥ कोटाप
तिसबसहिरह्योकिनीद्वनजुकुराह
॥ १५ ॥ कछुककालरहिसिक्खकरिद
मदुवडेरणआयैरानपटालयकूरम
हपुनिआयउहितपाय ॥ १६ ॥ अहदू
जेनूपरानअरुमिलिकूरमअतिमो
ह ॥ विकव्यासरितबनासविचवार
नजुद्धबिनीद ॥ १७ ॥ बुह्योनहिंको
देसतहंयातेअनखिविसेस ॥ विनु
हिसिक्खकोटागयउलुदतबुद्धिय
देस ॥ १८ ॥ इतरानहिंकूरमअधिप
अहरिसामउपाय ॥ दोकनगरलघु
भातहितअपिरुजेपुरआय ॥ १९ ॥
एनहुपत्तनवनहडामहिमानीइक
आनि ॥ कितवकूरमनकोठग्योआयो

गृहभयप्रानि ॥ २० ॥ ष. प. ॥ मरुपति सौं
जयसिंह दम्भगुनईसलकवलियले
अबदस्वरिसिंहपिकिसमयरुपके
दियदतकोटापतिअनखिसेनबुदि
यसिरसज्जिय ॥ करिहडुनएकनयु
मरधरि उज्जगरज्जियबज्जियनिसा
नडाहलबिसमयहउदंतज गउज्जलि
यसंभरउमेदकोटेससहक्रमतलेन
बुदियबलिय ॥ २१ ॥ दो. ॥ नागरद्वि
जगोबिंदनिजसेनापतिकोटेस ॥ तब
हिजोधपुरमुक्कल्योलेनमदतिवल
बेस ॥ २२ ॥ ष. प. ॥ द्विजनागरगोबिंद
शमकोटेससेनपतिपठयोतबजोधपु
रमंडिकगरसहायमलियहैसमय
मरुईसलेनबुदियदलपिल्लहुसिर
हडुनआसानकरहुकूरंमअहिकि

कंमा-उच-कोदेसकोगोविंदरामकोजोधपुरभेजिवो ७६

लहुगोविंदविप्रयहपत्रगहिअभयसिं
 हअंतिकगयउबहुदिनबितायअव
 उचितभूपतिप्रतिहाजरिभयउ ॥२४॥
 दो॥ककुकव्याजमरुभूपकहिसेनदयो
 नहिंसंग॥तरकिविप्रअजमेरतव
 योमुरहिअभंग॥२५॥फकरुहोलाना
 मइकसनलनवानसिपाह॥
 गुजरातप्रतिसूबापतिकरिसा॥ह॥२६
 ॥जवनपीरजारतिकरनअथोव
 मेर॥तासोमिलिगोविंदतबकियर
 हस्यहितकेर॥२७॥कहियविप्रइक
 लकवतुमहमसनरुप्ययलेहु॥सं
 लहुचतुरंगसजिलरिबुंदियलेदेहु॥
 ॥२८॥यहअंगीकरिमिअवहभयउ
 सहायअभंग॥साहिपुरपसीसोदपुनि
 सजिलमेदहुवसंग॥२९॥पाकु॥हि

जतबलिखिकोटापठयोदलद्वततैहम
 आवतरनउज्जल॥गुज्जरधरसूबाप
 तिसंगतियुनिउमेदनृपसाहिपुराप
 ति॥३०॥उततैतुमदोऊनृपआवहु
 चंडलरनचतुरंगचलावहु॥दुजन
 सख्खउमेदभूपदुवहडुनपतिसुनिल
 रनसज्जहुव॥३१॥दो०॥सुरलीपडुन
 यधिज्जखमवरसचउहहवेस॥निड
 रसज्योउमेदभूपदुपहरजेठदिनेसं
 ॥३२॥रसारसातलबोरिदियकनकनै
 नबुधकूर॥अबउमेदकिरिराजद्वहिं
 सज्योउधारनसूर॥३३॥स्वसादीयकु
 मरीसहितकोवामातहिंरकिव॥सानु
 जभूपतिसज्जहुवअवनिलैननिजप्र
 किव॥३४॥सकइकनभवसुससि१००१
 समामिलिद्वादसिसुचिमांस॥कोढापुर

सज्जियकटकनिडुकरनप्ररिनास॥

३५॥ इतिश्रीवंशभास्करे महाचंपूस्वरु

पे - क्षिणायने दशमराशौ उम्मेद

चरित्रेऽष्टमो मयूखः ॥ ८ ॥ ३ ॥

॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥

॥ प्रा० मि० ॥ मु० प्र० ॥ सदाधूनि कै सिंह

मेदसज्ज्योगदाले किदुज्जोधपै भीमग

ज्ज्यो ॥ विडोजामनौ जंभपै छो हृद्यो ल

गंगालंककैऽजनीको लडायो ॥ १ ॥ किधौ

कुंडली वै बली पद्मगासीरि सानौ किऽप्र

थारपै तै जरासी ॥ किधौ सिंधुके सूनुपै

संभुतं ह्यो मनों चंडपै कालिकाको यमं

ह्ये ॥ २ ॥ जदाजूदतै वीरमद्रे सजग्यो

महासेनकै कौचकौ लैन लग्यो ॥ फटा

दोपकै रागपै नाग किन्नौ कुबेलाश्वकै धुं

धुपै दावदि ॥ ॥ कि

रामकुप्योकिधौंरामलंकेसकेअजिउप्यो
॥रच्योचापगांडीवदंकारसंज्योगज्योकेगु
डाकेसराधेयगंज्यो ॥ ४ ॥ सज्योकन्हकेसा
हगोरीससत्थेंमुखोलंगरीजानिजैचंदम
त्थें ॥ थक्योसोरिवेसिंधुवातापिध्वंसी
अखोदं दपैं बालिज्योदं द्रुप्रंसी ॥ ५ ॥ न
लाधीसभूलै नयोंभूपवड्ढ्योचमूसकु
लीभदज्योमेषचड्ढ्यो ॥ लगेसानरुंमा
नधारालधारीभ्रमासक्तदज्जैंरुंरैं फूल
भारी ॥ ६ ॥ लरोगायनोवत्तिपैंघायलगे
भराकांतकैसर्पकेदर्पभगो ॥ पताकाख
लीमत्तहत्थीनमत्थेंसजेडाकिनीप्रेतवे
तालसत्थें ॥ ७ ॥ धुरीदोपसन्नाहविकां
तधारैंइचैंचापघांघांनिसानांउतारैं ॥
दरावीनआरूढकेतोपदगैंजडाज्वाल
कीमालज्योउज्जुजगैं ॥ ८ ॥ समैकल्पको

भोक्षिग्योरत्नसान्भयो दीहकेभेसकेवेस
मान् ॥ धरैं कुंकुमीचैलकेसस्त्रधारीनचैं
मोदकैंब्याहिबेस्वर्गनारी ॥ ९ ॥ बनैंपिदि
बेतंडहोदेबिसालारचैंजीनवाजीनके
पक्वराली ॥ धुजादंडहत्थीनपैंबेणुब
डुढेमनोंसैलकेष्टंगपैंतालठडुढे ॥ १० ॥
लचीमेढनीरागसिंधूनलगोभ्रमैंमुम्भि
यांमुम्भिकोंकोरिभगे ॥ परीत्रासमेवास
श्रावाजपत्तीबढीयोंबलाधीसकीजोर
बत्ती ॥ ११ ॥ धुरैंगज्जदंतीखुलेंसज्जघोरे
डुकेतीरचैंचारकेहत्थडोरे ॥ जरीश्रोप
कैंतोपजंजीरजालीकरैंपिकिवउच्छाह
कालीकपाली ॥ १२ ॥ दो० ॥ जगरटोपबाहु
लजदितहुलसिसूरप्रसिहत्थ ॥ सजि
यसैनबुंदियसुपहुसहकोटेससमत्थ
॥ १३ ॥ ष०य० ॥ गजमत्तनगरदायमिलि

गविरुदायमहाउतपालकाय्यः प्रागमप्रभा
वजवपावदावजुतनटककनीकः छिनिह
रमह्वरननिपुनमहाबल ॥ आडपेचर
चिः प्रतुलः अंगमसमीधः उज्जलत्रय
रेखः अलिकनागजतिलककारे मनहुं
पिसाचकुलद्रुमपालगयउबिकराल
द्रुमवारिनः छिगडंकतबहुल ॥ १४ ॥
लगिदुकच्छलंगौठकठिनवजरंगतं
गकसिदंडः अचिदसबीसफैकिमुद्गर
विद्यावसिरुंपनविविधवनायः अंग
उच्छटायः अंडभरि ॥ प्रानत्रानकारनपु
कारिकेसवप्रनामकरिगजवागहृत्य
निभारगुमरः आयउसिरगोरवः अल
पमारुतप्रजातबंदरमनहुं मंदरपर
लिन्नियमलय ॥ १५ ॥ इमकलापद
तः आयः अकिः विरुदनः अधोरनफोर्जा

नायकफीलफतेअप्यहुजसजोरनजयव्यं
जकभंजककपाठबंकेगढगंजक॥अब
तेरेसिरयारभाररक्वियरनरंजकअप्रा
रुहिमलंगिविरुदायद्मरुटमिलाय
लियमदरुनकहिजनकनामवुल्लि
यकुसलकुंमत्यलथप्यलिकरन॥१५॥
पुरतअंगफटकारिरंगरजमारिरुमाल
नअलिमेचकअमलनजालमंडिगजं
गालनकटबिचित्रकुरुविंदबहुरिहरि
तालबिथारिय॥जंगीअंदुकजोरदोर
हुंगरपयडारियत्रियदीनगत्तनद्वियअ
तुललगिकलापजेवरलसियकुथडा
रिगुडनसन्बद्धकरिक्रमबरत्तहोदन
कसिय॥१६॥सकलहेतिसिरसंजि
क्षिअअलानकुरायउदैदैविरुददुरु
हधोरधनगज्जधुरायउबारीवाहिरवा

कडाकबलञ्चलडगाये ॥ बढिचररि
 नवारूदज्वालविकरालजगायेहिंजीर
 लंबञ्चैचतहुलसिबलञ्चमानहरवल
 वढियमानहुञ्चपुबमेचकमुदिरकञ्च
 लगिरिजंगमकढिय ॥ १७ ॥ भद्रमंद
 मञ्चमिञ्चउजातिमहाबलवसाली
 मञ्चतिवेगसरतउछटावतश्रंखल
 बालपोतञ्चरुबिककलममकुनञ्चति
 कायक ॥ जूहनाहजवजीरसञ्चहुवस
 मरसहायकगजितञ्चनेकउद्धतयुम
 रबहुसज्जितमदकलबलियगंभीरवे
 दिपरिणतगजबचतुरंगनरञ्चकचलि
 य ॥ १८ ॥ कतिकव्यालञ्चतिकोपकति
 कउपवाह्यकुलचलद्रसादंतञ्चनेक
 वढिगघुमतसमीरबलरुतप्रबृत्ति
 पदानभौरकरटनमनञ्चकत ॥ अरुं

दुकजिमउडलगाटप्रंदुकजननंकतफट
 कारिसुंडिबमथुनफुहरिपच्छिननम
 छिरकतप्रकटबुंदीससेनप्रगतिव
 दिगकममाननतजिपीनकट ॥१६॥ प्र
 हिफनजिमश्रादोपरचतपुकरसिरर
 कवतदृगलघुदीरघदिद्विचलतमोचा
 फलचकदतबंगरकनकबिरवानजदि
 तप्रतिजेबजवाहर ॥ श्राधीरनश्रास
 ननबीतमारतहंकतवरचूलिकाहरि
 तचिन्नितरुचिरप्रच्छिकूटपीतरुश्रु
 नबुं।दीसहुकमहंकियविविधतोरजो
 रबारनतरुन ॥२०॥ नीलहरितनिज्ञा
 नकतिककरदनकलमासनकतिक
 श्रवग्रहकपिसश्रधिकरोहितकति
 श्रासनश्रतिकडारश्रा रच्छविसदवा
 हित्यविराजत ॥ पीतश्रुनप्रतिमान

लखतसुर गुरुकुजलाजतविदुदेसह
रिनपालासवनिवातकुंभनीलरु बिसह
बुंदीससंगहरवलबढिमातंगपडूमरु
रतमद॥२१॥तलपनपीनरुतुंगकजत
रीढकपरछादितकच्छारेसमकठिननह
होदनघननादितरुकिकतिकनऊंडाल
कतिनमेघाडंबरकसि॥सिंहासनकति
सज्जलंबहिंजीरश्चवरलसिडाकनग्र
माननिद्विनडगतरुगतजंगश्चमरख
ऊलकउमेदहुकामधुमत्तश्चतुलहंकि
यइमहत्थिनहलक॥२२॥मिलिश्चनेक
मंदुरनप्रीतिमंडियहयपालनऊलक
खेहकटकारिदेहफटकारिदुसालनह
खलीनविरुदायश्चसथष्यलिकरश्चोपि
त॥जंगीपकवरजीनश्चैचितंगनश्चारा
पितगजगाहमंडिचित्रितगहरलहर

दार लूमनललितश्चानियतुरंगकंपन
 चरिनकृतकजाकरंपनकलित ॥२३॥
 गरुतरूपगजगाहउडतमानहुंउरगा
 सनपयनेउररवप्रचुरललितमंडत
 बहुलासनखुरासानताजिकतुखारभा
 डेजमुष्मिभव ॥ बनायुजरुबाल्हीकजा
 तकांबोजमहाजवकेकानगोजिकानहु
 कतिकप्रोढहारधावनप्रबलहाजरिह
 हुंइनृपश्चगाहुवपलटतपलनलगा
 तपल ॥२४॥ अजानेयश्चनेकपारसीक
 हुविनीतपथपंचभद्रजयपूरश्चष्टभंग
 लसुलाभश्चथचक्रवाकजवचपलम
 स्त्रिलोचनश्चछेहमन ॥ कतिकियाहका
 काहपीतरुंगाहसुद्वपनश्चालीलकपि
 लषोष्वाहश्चरुहालकसोनहलाहहय
 पंगुलकुलाहउकनाहपुनिबोरुखानश्च

२०

तिरय सुवय ॥२५॥ सुभललाट्प्ररुसीसकं
धमशिबंधकथितक्रमदेसनाभिहियदेस
धातिमुखनिकउत्तमभ्रमरंध्रजठरगल
कचिरविहितप्रावर्तविराजतचंद्रकोस
जुतचपल्लखरवतनञ्चतमनलाजतक
तिइंद्रपदमल्लखनकतिकचक्रवर्त्तिचिं
तामनिकडुवसञ्जदवतबोनियहयति
फवतमालयालनफनिक ॥२६॥ इकवि
जयप्रावर्तबहतइकसुकलमहाबल
इककुसुमश्रीमोदइकचंदनभवउज्ज
लइकलोहितइकश्रसितइकसारंगसे
तइक ॥पिंगइकइकपीतइकपाल्ना
सरतइकखुरश्रगामुमिसज्जितखन
तवलिगज्जतऊरधवदनचहुवानरा
जश्रायसचलियसहंसनहयजवजय
सदन ॥३७॥ दिपतपरुखचउइइहरं

गकालिकरदवारहत्रंगुलसतवपुउच्च
कुञ्जसंगरजयकारहवीससत्तमुखविहि
तकरनत्रंगुलखटकेतकचापउपमचा
लीसत्रदमितकंधउपेतकचउवीसपि
द्विआयतरुचिरकलिततीसत्रंगुलक
मरबालधिप्रलेबचालीसबसुचलथु
जायदारतचमर॥३८॥चउदीरघचउ
रुलचारिसुखमचउउन्नतचारिहख
नतचारिचारिआयतमुनीनमतमु
खभुजकेसनिगालसेफजीहरुओका
कुद॥करनपुच्छपयकोष्ठप्रोथसफगो
धितथागुददुवकरनबंसत्रंतरदुहुन
कसउदरजानुकककुदमुखकंधजानु
पंसुलिमहितलच्छनहयनमचातमु
द॥३९॥कतिकिसोरअतिजोरकतिक
जुननछकडेकतप्रोथवजतपवमानहु

लसिअंवरबढिहंकतधोरितबलितधा
वडमहिपुतिअरुउत्तेरित॥उत्तेजितपु
निअटतपंचधारनमगप्रेरितकारतपु
लिंगनालनरुपटिअतुलप्रसारतउ
इयनचातुरिमलंगधारतचपलयातुरि
मतिहारतपयन॥४०॥रजतपत्तखुर
रजतललितअयपकनाललगित
जिमदेवल्लयंभचरनअतिदृढलगेन
चगिपुद्देगरहप्रपीनरुचिरकृत्तियप
रिणाहित॥कंधकुटिलकोदंडसजव
धजकसतसमाहितमारतमलंगसेन
नमुकुटएननजवपारतअलपउमोद
नृपतिअगालअटतमानहुनदभगा
लमलय॥४१॥नवचेरिननखशलय
लतधुम्भरनचिधेरिनफेटलगतजिन
फालफिरतहत्थियचकफेरिनतीयक

नीनियतरलसरलसञ्चेमुखसोहत ॥
मंजुयसममखतूलमुकुरविग्रहकविमो
हतरयजोरलैनसंगररचकभचकपा
रिप्रहिभुमिभरचरनननमायमारत
मचकलचकजानिहिंडोललरा ॥४२॥
चरखनतौपचहायचित्रमंडिगतिन
चारबसनिप्राननसिंदूरपूरसज्जिय
गदधारनदियतलंबधुजदंडजीह
अंतकजिमहस्रत ॥इकनिमेसअ
नेहअइनवफेरउगस्रतविथुरात
ज्वालालियविखमअरिछत्तिनरा
लियउपितअलियअनेकनालिय
अतुलकालियजिमचालियकुपित
॥४३॥कुंभीनसअाननकितीकमकर
रुमइहमुखकरभसरभकतिकोलव
दनधारतरीसरुखहंकतखिनहरव

ल्लहोतदुद्धरनरहल्लेचैचतचरवगन
 गापिदिमारतगजदल्लेचयपिंडुगिलत
 धटिकाउभयबलिदगैनपञ्चयवचतहं
 क्रियदलेलउपरहलकरवचददुचक
 नरचत ॥६४॥ सबच्यनीकइमसञ्जि
 च्यहयराजच्यरोहियलियकोटेस
 हिलारसारच्यक्वियरनसोहियधु
 रिनोबतिघनचायकलहत्रंबकजय
 कारन ॥ बजिकजाकबडवाकहाकप्र
 तिहारहजारनसंक्रमिच्यनेकउद्धत
 सुभटतरिनवैठिचम्मलितरनबुध
 सिंहसुवनच्यदेसबसलगियमगाडु
 दियलरन ॥६५॥ चम्मलितदमिलि
 चक्रयंतिछादितजलपोतनकीडाव
 दुविधकरतसूरछेकतजबस्रोतन
 उडुपनकतिच्यारूढतिरलकतिभेद

तरंडन ॥ कतिकगारिवंदूकरचतकुंभी
रनखंडनदलभीरनीरबडिबडिदुदि
सभरजादनलोपतमहतसजिसेतुम
नहुंदसकंधसिरबंदरजलअंदरब
हत ॥ ४६ ॥ अथधिराजउमेददीपसो
दरलक्ष्मनदुतिकोटापतिकपिराज
जिडरसुग्रीवरचतनुतिसजिअंगद
सिवसिंहबैरिसल्लोतदेवसुव ॥ पव
नपुत्तसुखसिंहमहासिंहोतधीरधु
वतौकरुप्रयागनलनीलतिममिलि
हंकियजयजंगमनबुदियविदेहत
नयाअथहठिदलेलरावनहनन
॥ ४७ ॥ तरिइमचम्मलितोयकटक
अरुहिकेकाननहंकियरनहुसिया
रवीरबेधतरखगवाननचालुकिकति
चहुवानजोधकूरमकतिजहव ॥ कति

सीसोदकबंधभदनमंडियघनभद्व
कोतुकञ्चनेकखुरलियकरतरनदुरू
हयंडितरजियबुधसिंहसुवनञ्चति
जोरबलसठदलेलउपरसञ्जिय ॥
४८ ॥ चलतरेतुरविढं किचकचकि
नवियोगवनिकुंभीनसकसमसतभो
गफदंतहंतभनिदिग्गजगनडगमग
तजगतसंकरसमाधिजिम ॥ उदधि
नीरउच्छलततुंगगिरिहलतम्यंगतिम
जिमफलञ्चनारकनरदजगधदूमभी
रुनजलउत्तरिगदिसदिसजिहान
मंडिगदुमनप्रलयकालसंभ्रमपरि
ग ॥ ४९ ॥ प्रत्यागमरचिपवनपिरतल
गित्तिगिदलफेटनकुंडगजनकंडाल
शुकतफहरातरुपेटनबलजंतुवहत
वेगरहतथकिथकिजिहिंश्चंतर ॥ च

लिगचक्रइमचंडद बिनिजश्रोघदि
 गंतरभयसुनिप्रपारगनभुम्मियन
 जिततितबढिमञ्जनजिकरपक्वरन
 मातगोलनपहुमिनभनमातसेलन
 निकर ॥५०॥ निजहठ कच्छपनिदुरह
 त्यवासुकिच्छविष्ठावततिममंदरतक्रा
 रभिदुरकरवालभ्रमावतदलकोटा
 पतिदितिजश्रदिति संभवदलश्रप्य
 न ॥ उद्यमगतिश्रनुसारथोकसम्मलि
 फलयथनजागरविथारिगदश्रस्त्रि
 ननकहिक्हिगुनश्रागरकथनच
 हुवानइंद्रनागरचठियमनुबुंदिय
 सागरमथन ॥५१॥ प्रलयपौनपर
 मानदिपतहंकियदलदुद्धरमिलि
 यश्रानिमगमध्यकतिकपरभटनि
 वेदिकरसकद्रकनभवसुसोम १८०१

मासः प्रायाढ पक्वसित ॥ तिथिद्वादसि
दलतुंगहलियरनमत्तलरनहित
चित्तिप्रप्यलेनरसवीरचक्रिद्रुतमुका
मद्रकबीचदियबडप्रंतरीपजलजा
लविधिनृपवरबुंदियविटिलिय ५२
॥ इति श्रीवंशभास्करे महाचंपूस्वरूपे
दक्षिणायने दशमराशौ उ. मे. द. सि. ह.
चरित्रेनवमो मयूखः ॥ ६ ॥ ३ ॥
॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
प्रा. मि. ॥ ष. प. ॥ ध. कि. पा. व. क. ध. म. च. क.
जालतोपनजजीरितजपिजपिकंद
नजापपुरसुतपितपिद्रुवपीरितपर
तथप्रप्राकारगिरतकपिसिरउडिगो
लन ॥ बरतद्वारबाजारकारमारुतक
मोलनविखरतगवाक्षजालियबहुल
रुतसोधमंडपकपठमानइंविनास

भावकृ मन्दिगलंकापुर पावकल्पद
॥१॥ डिगिपुत्रयकटिकूटतपिगउन्नत
तासागढबढिगकालविक्रगलरचिगसं
गररावनरढनैरपरिगहद नारिसक
लपुरजनयतित्रासित ॥जरतगेहब
ढिज्वालप्रबलवारूदप्रकासितक्षिज्ज
तनिवानपानियक्षिनकिहुवधूमित
दशमितहरितरुकिजीहदंतसंकट
रहतद्वमबुंदियदलयावरित ॥२॥
कटिगोलनपरिकूटगिरतजिततित
पुनिगोपुरगृहचत्वरशृंगाटप्रचुरभा
सादतप्योपुरसिंहद्वारसंजवनजरत
कुहिमघनज्वालन ॥बीथीबिषुशिव
जारदहतत्रंगारदवालनप्रपवरक
कोसप्रवसधिप्रुदजगतचंद्रसा
लज्ज्वलनहोत्रीयकायमाननदहत

छविप्रलातरचिउच्छलन ॥३॥ आथर
वनप्रातापमचतफुल्लिंगमहानसतधि
कटाहजिमतेलमनुजकुक्तदुखमान
सप्रादेसनवपनीष्यनेकसिलगंतप्र
तिप्रय ॥ पाकपुदिनरुलपदलगतजि
मश्यागिमहालयगर्तिकावद्दुनगोसा
लगृहगंजापक्कणधोखगनमंदुराचतु
रसिलगतप्रपितजगतद्वारवेदिनज्व
लन ॥४॥ गृहश्रिष्टयंत्रगृहवेसमंड
पञ्चंगनवटलगिवासोकश्रलावचव
तरडूकचटच्चटउत्तरंगपुनिप्ररथं
मच्छत्रिनथहरावत ॥ परिघबिटंकप्र
घाणलगतपावकलहरावतनासारु
पटलबलमिननिकरइंद्रकोसदंतक
श्रतुलप्रग्रीवबहुरिजालकप्रथितप्र
जरतइमगेहनविपुल ॥५॥ कतिसह
अन्नकसूलनिकरसोपाननिसैनि

नजरतसालभंजीनउडतबनिष्कार
सुनैनिनपेटापुनिसंपुटककतिकव
रसिल्यकरंडक॥कंडनमुसलकलिं
जभंतिबाहुलचयभंडकइत्यादिसकलग
हउपकरनदगिप्रलावपावकदहतद्रंग
जनत्रसितयहलखिदुरनतहखाननका
ननचहत॥६॥तरुदेवलपुरतालकाल
कचमालकदंबितजरतविपंचिनजालन
गइलनप्रवलंबितमंचबदुरिप्रतिमं
चसुधदविष्टरसिंहासन॥विरवरतबी
थिनबीचपरतश्रालयचहुंपासनत्रपु
न्यागइवतप्रतिसयतपितपारदउडत
प्रकासपथजुततूलशालगंधकजरत
करतलोपकलकलप्रकथ॥७॥दो॥
हूमलोपनश्रातापप्रतिबुंदियनगर
विहाल॥सठदलेलप्रतिभयसहित
कलिवहमन्यौंकाल॥८॥तारागढचढि

गयत्वरितं तहपुरजुतएह ॥ इमउ
 मेदभूपतिप्रतुलमंड्योगोलनमेह ॥
 ६ ॥ साहिपुरपजुतसेनपतिदूततैँवह
 द्विजप्राय ॥ जंगकठिनलखितिहिँजव
 नलियगुजरातपलाय ॥ १० ॥ स० ग० ॥
 यारीतिरावराजाउमेदसिंहवैरिनकेबि
 डारिवेकौंबुदीविंटिलीनी ॥ अरुताकदा
 रतोपनकौंलगायमहाप्रलयकेसाफिक
 मारदीनी ॥ अरुकेबाखुदकेउडानबज्रपा
 तसेगोलेगिरनलगे ॥ अरुतारागढके
 प्राकारकंगुरेनकेकलापकिरनलगे ॥
 ११ ॥ जिनतोपनकेकलापकुलदानायि
 काकेसमानसोभितभये ॥ अरुगोलंदा
 जनकौंजारजानिपूर्वानुरागकेप्रभावस
 मीपलये ॥ जिनकेअनंगकीप्रामिअैसी
 किउदरमेंनमावैयातैँअाननकीअोरउ
 फनायकहैं ॥ सोसमीपकेसंबनकौंबचा

यदूरकेदुर्गदाहिबेकोंबढें॥१२॥जिन
 कोंआहारपचेंतैअपनेंस्वामीकोंआनं
 दनांहिआवें।अरुबमनकियेंतैबिठबि
 दूसकनसहितनायकमोदपावें॥जेस्वि
 नस्विनमेंगर्भाधानधारिकेंप्रसूतिका
 लकोबिलंबनांहिकरें।परंतुजिनके
 बालककुपुत्रयातैहोतहीजनकजन
 नीकोंकोरिबैरीनकेबृदमेंबसिबेकोंकू
 दिपरें॥१३॥जिनकोंबत्तीसबत्तीसजा
 रभोगेंतथापिअल्पसाधनजानिरति
 जंगकेविजयकीपताकाउडावें॥अरु
 तृप्तिकेअभावबडेबेलनकेजोटजी
 तिबैडेहत्थीनकेटल्लेखावें॥आगिदे
 बेवारोहीजनायबेबारीदाईताकोंज
 लदीसूंजनायबेमेंबधिरताकीबरब
 सीसकरें।अैसीउनमत्तजानिकित
 नेंकदरितदाईनकेसंदोहजनायबे

कीहोंसनधरें ॥१४॥ जिनकेअननअ
रक्तमानोंबन्हिकेबमनहीसौंयहरंग
धरें।अरुअलसअैसेकिअपनीसज्ज
परसूतीहीअहारबिहारादिकर्मकरें
॥जेबलिषुअैसीकिजंगीकारतूसबि
नाअवदुर्माहोयजावें।अरुजंगीकार
तूसकरिजरायुथेलीसौंजुदेहीपुत्रउ
पावें ॥१५॥ जिनकीतीखीनजरिकेक
राक्षलागें गढपर्वतअदिजंगमहूले
ठिपरें।अरुचंडबेगविरबेगअैसीकि
संप्रयोगसूरिनतैंकामकलहकौंजीति
जीतिगर्जनाकरें।अैसीतोपनकेफेरप
रफेरजारीभये।अरुपत्तनकेप्राकारकौं
दुबाजूछेकिछेकिगोलेअडअदिकेअं
तरबिहारकरनगये ॥१६॥ तारागढके
प्राकारकपिसिरबपनसमेतथहराय
तूटनलगे।कैधोंआखंडलकेअसिनि

सौंउत्तुंगअद्रिनकेकूटफूटनलगे॥या
रातितोपनबुंदीकेवरणकौंवेधिबेधि
घनैघंटापथनकेसमानपंथकीनैअ
रुगवराजाउमोदसिंहमहारावबुर्ज
नसालहल्लेकोहुकमदैवारिबाहबीजु
रीसेखेटकखगलीनै॥१७॥दक्खिन
कीतरफसौंसजीभूतसेनासमेतदो
ऊतरेसनपत्तनमैपैठिचंडचंद्रहास
चलाये॥अरुपच्छिमकीतरफसौंसाहि
पुराकेअधिराजउमोदसिंहकोटाकेक
टकेसगोविंदरामतोरनकौंतोरिहम
गीरहरोलनकेकुंडहलाये।दोऊतर
फसौंबरुथिनीबढिभीतरकेभटनपै
महाकालरूपमंडलाग्रनकीमारदी
नीतिनकौंदबतेदेखिदलेलसिंहता
रागहसौंएकहजारसञ्चेसूरबीरभेजि
सहरकेस्वकीयसिपाहनकीभीरकीनी

॥१८॥ तिन माहिं सों किते कब वृकन के
चला क तो गृह स्थन के गेहन के ऊँचे
दहन कों आरोहि पैलेन कों पहि चानि गो
लीन तें गजब करन लगे । अरु से सजे
असे सधारा धर ही सों धापि बेको संक
ल्प सच्चो करि पैलेन की पृतना में पै ठि
अश्वमेध अश्वर के फल के उपमान अ
पुने अडोल अंधिन कों अंगद की शि ति
धरन लगे ॥ चिरकाल सों बिहुरे मित्रन
के माफिक कितने क अहूती अनी के ल
डाछा ती सों छाती भिराय मिलन लगे ।
अरु परस्पर के प्रहरन प्रयात अ सि
त अंबुद से अज्जलन पै मिलन लगे
॥१९॥ दो० ॥ ससि अंबर बसुदुक १००१
समा विक्रम सकगत बेर ॥ बुंदिय पु
रवाजार बिचरि गवाढ अ सि कैर २०
मु० दा० ॥ अमावसि सावन नसा अने

रंककवडु ॥ गिटैं रसनाकठिरुमानग्राम
 चटैं नचिनागिनिज्यौं पयश्राम ॥ ३१ ॥ ल
 गैंदूगमुच्छफरकतलीनमनों उरमीव
 नसीमुखमीन ॥ छलैं छतरत्तच्छकन
 छुट्टिफबैं जनुगगरिजावकफुट्टि ॥ ३२ ॥
 रुकैं श्रिसिमत्तदुहत्थनमारिमनों रजक
 लिसिलापटमारि ॥ छुट्टैं फटिपेटियले
 टियलंबतनैं पठजानिकुविंदकदंब ॥
 ३३ ॥ मचैं रवदोपउडैं फटिमत्थश्रलाबु
 वजानिश्रतीतनहत्थ ॥ कटैं दृगलगि
 कनीनियकालमनों कुबलोहितभौरन
 माल ॥ ३४ ॥ चलैं फटिहालवकत्तरचीर
 सुज्यौं तरुताडनपत्तसमीर ॥ धसैं हिय
 गोलियगावतगित्तमनों पठवाबटवा
 बिचबित्त ॥ ३५ ॥ रटैं फटिकोचकरीरन
 नंकिरुं घनबादनज्यौं रुननं कि ॥ घंवे
 दूपमत्तबकैं छकिघायमनों मदपामरजो

हज डाय ॥३६॥ कठैं बपु छेकिबरखिन
 ब्राततृणध्वजप्रगकिगजप्रपात॥ लो
 निकसैं छि किपट्टिसलालमनोंपरतीय
 नकेकरजाल ॥३७॥ सुहैं फट्टि हडुवड्ड
 दसंधिचदकतप्रातगुलावकिगंधि॥
 उहैं विनुमत्यकितेतनुतुंगयेइत्येह
 तयुंगतयुंग ॥३८॥ बबकतडाचकिते
 कनबेनेमनीबड्डबकरटकरमैन॥ गि
 रैवररकतयंसुलिगातमनोंकठछप
 रपत्थरपात ॥३९॥ बुहैं पलजानुकठैंन
 लहडुमनोंरदबारनबंगरबडु ॥ लडक
 तपायरकाबनरुक्मिमनोंतपसिद्धयधी
 सुखरुकि ॥४०॥ मलंगतछचिनकेकम
 मपिमनोंनदपहरियायपलणि ॥ बु
 हैं घनघायकसायकसोकउहैंसरघाम
 नज्यौतजिचोक ॥४१॥ छकेकतिवृत्त
 फिरंसुधि छारिबनैजनबालकमंमह

भोरि ॥ गिरें सर बिद्ध धनें सिर तत्त मनें
 सर घान तजे मधु छत्त ॥ ४२ ॥ सरें घन
 संगिन भिन्न सरीर कुमार नके जनु उच्च
 करीर ॥ बकें बहु प्रेत मिलें गल बत्थ कि
 धोर न मल्ल प्र पूर ब कत्थ ॥ ४३ ॥ जगाव
 तहा कर चाक न जंगल गावत भैर वन ह
 मलंग ॥ घसैं चढि डाकिनिके मृत छत्ति
 मनें कि बिदू सक कों तिय मत्ति ॥ ४४ ॥ प्र
 टें पय इ क किते छ क प्रोप किते इ कनें
 बल रें भरि कोप ॥ करें कदि जीह किते
 प्र प्र कू कमनें कि परा गिर प्रेरित मूक
 ॥ ४५ ॥ क्रमें इ क प्रोव किते इ क कान
 घनें मुख प्रहर चैं घमसान ॥ किते इ
 कह ल्य किते गत के सबनें बहु रूप म
 नें न व बेस ॥ ४६ ॥ मिलें रसना कठि
 न कुट मूल फबें भुजगी किलगी तिल

फूल॥ किते करटे कि उठें रनरत्त मनौं मह
 का कन यामर मत्त ॥ ४७ ॥ रं हैं कति मि
 इन कों गल लायक हैं कति हूर व चै चत
 हाय ॥ बकैं कति मात पिता तियं के न गि
 रैं कति मोहित उच्छु लिंगेन ॥ ४८ ॥ अं वें
 धन सावन को इत तुदि बरु थ धटा इत
 अयुध बुद्धि ॥ बहैं पुर बुं दिय सो न कजा
 रथ पीज नु जो हिस र स्वति धार ॥ ४९ ॥
 गिरैं जल ब हल गंग सुगा थ पुर स्त्रिय
 अं सुवजा सुन माथ ॥ बही इ म वे निय
 यत्त न बी च मिले बहु मुक्ति ज हां ल हिमी
 च ॥ ५० ॥ बय्यैं रन बुं दिय सावन अ ह ह
 थैं अ सिज्जाल मयो पुर द ह ॥ चु ह ह न ल
 गिय लु थि न लु थि वि थारि ग ह ह न व
 ह न बु थि ॥ ५१ ॥ समा कुल रुं ड परे खि
 लि खं ड हरे व निजार न के ज नु टं ड ॥ ५२

उ.क.त.डा.ह.ल.के.ड.म.रु.क.घु.रा.व.त.घाय
 घ.न.ज.नु.धू.क.॥५२॥र.दें.सि.र.मा.र.अ.दें.
 का.त.रु.ड.मि.दें.क.ति.जो.र.फ.दें.क.ति.मु.ड.
 ॥व.रें.सि.र.मं.गि.भ.रें.ह.र.बै.ल.ख.कें.क.ति.
 छो.ह.ह.कें.र.न.खें.ल.॥५३॥ल.गें.क.ति.कं.
 ठ.ल.र.त्थ.र.पा.य.ज.गें.क.ति.प्रे.त.ठ.गें.भ.ट.
 जा.य.॥ल.खें.क.ति.हू.र.च.खें.मि.लि.ला.ह.
 न.खें.न.म.फू.ल.र.खें.गि.नि.ना.ह.॥५४॥वि.
 रें.क.हुं.को.च.खि.रें.ल.गि.ख.ग.फि.रें.क.ति.म.
 त्त.भि.रें.ज.नु.फ.ग.॥वि.रें.सि.र.वा.ढ.गि.रें.प्र.
 ति.दो.ढ.धि.रें.न.द.सो.न.ति.रें.क.हुं.घो.ढ.॥
 ५६॥ज.रें.उ.डि.अ.गि.भ.रें.अ.सि.जो.र.ढ.
 रें.भ.ट.के.क.ट.रें.जि.म.ढो.र.॥द.रें.क.ति.कु.पि.
 ध.रें.ध.क.दा.व.भ.रें.क.ति.धू.रि.क.रें.मृत.भा.
 व.॥५७॥म.रें.थ.कि.स्वा.स.प.रें.क.हुं.मू.ढ.प्र.
 रें.क.हुं.हू.र.व.रें.न.व.ऊ.ढ.॥र.रें.ह.रि.के.क.
 ल.रें.ध.कि.री.स.ह.रें.जि.य.के.क.स.रें.त.जि.

होस ॥ ५८ ॥ फटें घर प्रेत बटें सिर फां क
 लटें मन के कर्कटें उर लौं क ॥ खुलें क हूं
 नैन डुलें क हूं खग कुलें क हूं उड फुलें
 ख रुग ॥ ५९ ॥ बुल क्त घाय न रत्त क
 क उर क्त त के सब नैं प्र क्त क ॥ त ह क्त
 त तंति न सिंधु व तार द ह क्त त मृत ल दे
 त दरार ॥ ६० ॥ रुनं क त प क द र्बे धित बं
 द घ मं क त घु र घ र्घं र न घं ट ॥ ब डी कु ए
 षा व लि उ घ ब र्खान म नों ब ल म त न दि ग्घ
 म सान ॥ ६१ ॥ ग वा क्ष न जा लि न के प ठ ड
 रि र ही र न बुं दि य ना रि नि हा रि ॥ व डी घ
 न मा र म ची ह थ बा ह रु क्यो र वि जं प त वा
 ह सि रा ह ॥ ६२ ॥ अ स्यो नृ प छो नि य लै न
 उ मं द खि ज्यो ह्म दं त द ले ल हिं खि ह ॥
 ब ठे ग ढ स म्मु ह्छे कि व जा र मि ली तें हें स
 बु ह जा र न मा र ॥ ६३ ॥ च ले सर चं ड च ह
 द त चा प म चा व त पं ख ल सी क अ मा ध

१०

१०

बहैं बरखी-प्रसितो मर तो म बने नरका
 तरलो म विलो म ॥ उरुक्त-प्रंचक टारन
 तारिग ही जनुना गिनि-प्रंकु स डारि ॥ लंगै
 खर खंजर पंजरली नमनों प्रतिलो म धसै
 जलमीन ॥ ६५ ॥ चलैं फटि पात ग दासि
 रचीर मनों तरबूज हनें करकीर ॥ चलैं त
 जिम्यौ नहुरी पल चाह मनों पिचकारिन
 नारि प्रचाह ॥ ६६ ॥ ऊर ऊर चिल्ह निगि
 झनि कुंड मरीर तचंचु नचै चत मुंड ॥ कि
 लील तस्थार सिवाग नकंकन चैं बहु डा
 किनि गैत नि संक ॥ ६७ ॥ चूर्ने ह ननं कल
 योड कयु निमि रैं कति सिचमि रैं छ किमु
 श्मि ॥ कुसा गल छु हत तु हत तंग म म क
 त मारु त प्रो य नमं ग ॥ ६८ ॥ पुरै प्रजरै जर
 जीन पलान कितेक नि का मि तु ले त डडा
 न ॥ नहे पुरत दि नर ल रु वार य पी बहि

बीथिनबीथिनधार ॥ ६६ ॥ मनोयहदुग्
 दुधातुरपायदयोवलिमानवसंभररा
 य ॥ समाकुललुत्थिनबुत्थिनवदृचहेप
 लचिकनहृदुहृदुहृदु ॥ ७० ॥ स ह्योथिन
 चौरनकोदुखजीयलंगेप्रवबुंदियपू
 एतिहीय ॥ चनेंदिनभुगि वियोगजभ
 रकियांजनुसोनितरंगसिंगार ॥ ७१ ॥
 दलैललखीतपकीतपकीतरवारिधु
 ज्योद्धतदुगापलायनधारि ॥ सुन्योयह
 जैपुरजामिपभार कियोनिजमंत्रियभ
 ततयार ॥ ७२ ॥ इतिश्रीवंशभास्करैम
 हाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराष्ट्री
 उम्मेदसिंहचरित्रेदशमोपयूरवः ॥ १० ॥
 ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
 प्रा० मि० ॥ वी० ॥ जैपुरनृपहैस्वरजवदि
 सनियहवंदियसौर ॥ सजिदलदुदर

मुकल्योदैनसहायसजोर ॥ १ ॥ राजाम
लकोदकअनुजभातनामसिवदास ॥
सेनापतिखत्रीसुकरिपठयोसमरप्र
यास ॥ २ ॥ राजामलनिजअनुजसन
कियतबमंत्रदकत्त ॥ कहियअगाजय
सिंहनृपमोसनभयउबिरत्त ॥ ३ ॥ यह
लखिमंददलेलदहिंमनेंहमहिंनिक
अ ॥ अदलारदेतोअयुतदिनेंतेनहि
दम्प ॥ ४ ॥ तीनबरसपार्दतबहिअपुन
विपतिअकेह ॥ मंगेंहूदम्पनमिलेअप
दुनख्योसवएह ॥ ५ ॥ यातेअबहिदले
लकोंदैनसहायनअच्छ ॥ पहिलेंतु
मबरवाडपुरप्रविसहुमारिबिपच्छ
॥ ६ ॥ सोरहा ॥ सुनिखत्रियसिवदास
अग्रजहितुनिदेसयह ॥ आनिप्रथ
मजयआसलरनलैनबरवाडलगि

॥ ७ ॥ य.प. ॥ अगैँपुरवरवाडबीरदकभ
 यउमहाबलरामसिंहरद्वोगजाहिप्रक
 तजगरुदलताकेकुलसिवसिंहभयोर
 नदानधुरंधर ॥ हडुनमुहुकमहरनस
 जियतासनबहुसंगरहनहनिंअनेक
 रद्वोरभटग्राण्यारितसदबिलियय
 हलखिकबंधसिवसिंहहिकलहधे
 रप्रारंभकिय ॥ ८ ॥ दो. ॥ जोमुहुकमसि
 होतकोग्रामपरैहुगतास ॥ ताहिप्रजार
 तलुहितोबहुतनविरचिबिनास ॥ ९ ॥
 हडुनतबमुहुकमहरनअतिसाहस
 इहिंजानि ॥ बेठीअप्यहिंवेरमेंमंत्रसब
 नयहमानि ॥ १० ॥ जाईजुणियराम
 कीजडसालमकीजामि ॥ सिवसिंहहिं
 व्याहीसवनदोऊदिसहितधामि ॥ ११ ॥
 नृपकूरमजयसिंहपुनिअतुलकपट

रविश्राड ॥ दियउकड्डिसिवसिंहयह
 लियउछिनिबरवाड ॥ १२ ॥ जयसिंह
 हिंश्रवजानिमृतइहिंसिवसिंहकवं
 ध ॥ लिन्नौपुरवरवाडलरिवसिकरिकु
 मप्रबंध ॥ १३ ॥ राजामलयातैश्रनुज
 शेक्योबुंदियजात ॥ पठयोइतसिवसिं
 हपरबुह्योतैहैयहवात ॥ १४ ॥ तुमसि
 वदासतयारहुवबुंदियदेनसहाय ॥
 मगहिमध्यवरवाडपुरजाबहुताहि
 हुराय ॥ १५ ॥ इहिंकारनसिवदासप्र
 नसजिदलप्रबलसेपाह ॥ गोपहिंले
 बरवाडगढदिन्नौतोपनदाह ॥ १६ ॥
 इतबुंदियमंगरश्रतुलसज्योसंभर
 वार ॥ नगरजितिलिन्नैनिकठपासाह
 नशाकार ॥ १७ ॥ दक्खिनदिसमहल
 ननिकठभैरवनामकद्वार ॥ तासौंक

बुपच्छिमतरफकोटादलरखवार ॥१८॥
 द्विजनागरगोविंदवदलरतदुतोहदल
 गि ॥ कनफद्वियगोलियलगिययस्योला
 सिहितपणि ॥१९॥ मरतविप्रसिजिनृय
 उमयलं वनिसेनिनलाय ॥ घदियइक
 जावतइजनिनिर्वैमहलबुराय ॥२०॥
 अयइकतारागहवच्योजंहेदलेलभय
 जानि ॥ तिहिंसिरपुनिहलावरितप
 पुलरच्योअशिपानि ॥२१॥ य०प० ॥ ले
 लेखटकखगकटकपबयपरहंकिय
 नृपजमेदरहिमध्यसमुखहनुमतजि
 महंकियअधिरोहिनिदियजायमये
 कंगुरकंगुरभट ॥ सुलखिहलेलपुमा
 लभज्यो नारिनजुतलंपठनैनवामग
 आतुरलगियसुखिद्वारपच्छिमध्वरर
 अंधारमाससावनअमाहुकिपुनिल

गियमेघर ॥२२॥ जिन नारिन सतर
 नन प्रकृ पिकवन प्रकुलावत जिन न
 रिन जव जोर पवन परसन नहिं पावत
 इक महलसन प्रन्यजात जिन कौं प्र
 मलगाहिं ॥ कुचन प्रोदलचकात भार
 मानहुं कटिभगाहिं जिन पय प्रसूनपं
 सुरि गडतरस विलासमृदुपनर जिग
 लेतिय दलेल नायकस हितकारन वि
 चफटतम जिग ॥२३॥ दो० ॥ मेरुसरित
 दुबलानपुर जिमतिमलंघिदलेल ॥
 प्रातहोतल हिनेन वामन्यौं बपुजिय
 मेल ॥२४॥ पतनी इक दलेल कीदा
 सीजनदसमान ॥ वनविचमज्जतथ
 किरहिय गयदूजेदिनथान ॥२५॥ दु
 ज्जनसखउमेदइतबुंदिय प्रमलविथ
 रि ॥ हुं डे प्रणनगाहिं दि य विजयपता

१०

११

काधारि ॥ २६ ॥ कोटापतिप्रबलोभंकरि
 अनुचितजो कियप्रत्य ॥ सोपिकरवहु
 परामसबप्रधरमप्रनयप्रनत्य ॥ २७ ॥
 पहिलें इहिं कोटापुरहिभूपतिसौं कल
 मिन्न ॥ सुल्ल दमदुवलकरकेकटककि
 लंगियलिद ॥ २८ ॥ तैसीहीप्रबतकि
 प्रंगमिदुं दियुं न ॥ नृपउं मेदप्रति
 यह कहियतुमैराजदुं न ॥ २९ ॥ पु
 रलोहितकोपरगलाइमकहिभूपहिं
 प्रपि ॥ प्रवरदेसलिनोंप्रखिलथा
 नांप्रप्यनयपि ॥ ३० ॥ केसवपुरपहं
 निपरमबहुरिबरुंधनिनाम ॥ एहुव
 पुरब्रजनाथहितकरियमेदकलकास
 ॥ ३१ ॥ बुद्धनृपतिकियपुण्यजेगामा
 दिकदियनांहिं ॥ इमबिसासधातकभ
 यउकोटापतिहलमांहिं ॥ ३२ ॥ लुरवा

अंतलुहियसहरइकपहरधनवंत
 ॥ साहिपुरपउमेदलियदुवगजद्रव्य
 अंत ॥ ३३ ॥ देवसुवनसिवसिंहव
 हनेरिसखकुलजात ॥ लरिजिहिंपं
 चदलैलकेगजलुहेबडगात ॥ ३४ ॥
 कोरायतिसिवसिंहसैंछिनेंतेगजपं
 च ॥ आदरबिलुसठसिकबदियरकवे
 कानिनरंज ॥ ३५ ॥ साहिपुरपकोटे
 ससैंइकदिनअकिययह ॥ तुम
 निलज्जअलुचितलकतनीतिधरमत
 जिनेह ॥ ३६ ॥ हमजानीबुंदीससिर
 करहिंछनकांटेस ॥ हमविचारिआ
 येइहांयहजसमुननअसेस ॥ ३७ ॥
 शुभा ॥ म. ह. ॥ दोसनिजतातको
 उतारिबेकीबेरतुमलीनेंमंगिकढक
 किलेगीयातेंबालहो। तिनहिंबिका

यफोजराखीसोतुमारीनांहिजातेजंगजी
 तिमनमानतनिहालहो ॥ प्रतिउपक
 रकउमेदनृपजानोंनैरकोदाजिनखो
 बहुकहावतनृपालहो। जोतुमकहैंह
 स्वामिधर्मलधरोगेतोबदुर्जनकेसाल
 नांहिसजनकेसालहो ॥ प्रा० मि० ॥ ३८
 ही० ॥ सुनि यहकोदापतिसचिबचारन
 भूपतिराम ॥ बुद्ध्योसाहिपुरेससोंके
 सैंकरहुकुनाम ॥ ३९ ॥ सेनानीगोविं
 दसेलगेबुंदियप्रत्य ॥ खरचदम्मल
 कवनपस्योकोतुमबदतप्रकत्य ॥ ४०
 ॥ यहसुनिसाहिपुरेसतबगोनिजन
 ररिसाय ॥ कोदापतिबुंदियबिभव
 लुद्ध्योप्रखिलप्रघाय ॥ ४१ ॥ भट
 मोहनसिंहोतनिजनगरफल्हायत
 नाह ॥ तारागठरकथ्योतबहिरूपसिं

हहितराह ॥ ४२ ॥ पुनिकिमोरसिंहोत
 मठप्रनतापुरपञ्जीत ॥ एदुवकिल्ला
 हारकियपटुरनधरमप्रतीत ॥ ४३ ॥ प्र
 वरहुनिजरकेवसचिवनिबहनराज्य
 प्रसंस ॥ प्रप्युनलेबुंदियविभवकोटा
 गयकोटेस ॥ ४४ ॥ इतखत्रियसिवदा
 सलियपुरवरबाडलुवाय ॥ दियउक
 इहिरहोरबहजेपुरप्रमलविधाय
 ॥ ४५ ॥ प ॥ वरबाडसमरसिवदास
 यानिजेपुरनरसयहउचितजानि ॥
 धुलापुरपतिकूरमदलेलबुल्ल्योराज
 उतमंत्रमेल ॥ ४६ ॥ कहिउचितता
 हिबुंदियसहायपठ्योदलेलढिग
 समयपाय ॥ वहतबहिनेनवानगर
 पत्तभिंल्योदलेलहितविबिधवत्त ॥
 ४७ ॥ प्रकवीपुनिईस्वरिसिंहराजदि
 ल्लीपुरजावतककुकाज ॥ जवनेस

१०

३३

हितुकामसुधारिबुंदीपरभ्येहंदल
 विथारि ॥ ४८ ॥ हेहेतवप्रप्यनप्रम
 लतत्यहडुसुउमेदगहिकरहिंहत्य ॥
 पैजोलींआबैनकछवाहतोलींनउचि
 तप्रवसमरचाह ॥ ४९ ॥ पूर्गेनप्रब
 हिहमवीरहोयदुस्सहउमेदकोटेसहा
 य ॥ होउदलेलयहमंत्रचाहिबहुमासर
 हेपुरनेनवाहि ॥ ५० ॥ इतजेपुरपतिदि
 क्षियप्रपत्तसेयोसुरतानजुविबिधब
 त ॥ बुंदियपुरबिग्रहबहुरिप्रकिलि
 यसाहहुकमकरिसवनसक्वि ॥ ५१ ॥
 इमरहतकुमादिल्लियप्रभंगसेवंतसा
 हप्रवनियउमंग ॥ इतप्रभयसिंहमरु
 देसगयकियचिरनिवासप्रजमेरप्राय
 ॥ ५२ ॥ ममजनूकपुबयहनगरलिन्नय
 हचिंतिमरुपतंहंवासकिन्न ॥ कूरमइत
 दिल्लियकपठधारिइकमंत्रसाहछने

विचारि ॥५३॥ राजामलमंत्रियनिजसि
स्वायदक्खिनदललावनदियपठाय ॥
यहतवहिपत्तदक्खिनअमीककियसा
मबिरचिहितकथकितीक ॥५४॥ लिय
रामचंदपंडितमिलायसंध्याराणंजिय
पुनिसुभाय ॥ मरहदुउभयदुमलियउ
कोरि करिनेहहैनकियदुम्मकोरि ॥५५॥
इतनुपउमेदबुंदियविचारिकोवेसलु
अअनुचितअकारि ॥ हमरेहिद्रब्यस
नरनियजुद्धलियबहु रिभुम्भिरचिक
पटलुद्ध ॥५६॥ तसमातउचितनहि
परसहायलेंहैंवहमहिभुजवलदिखा
य ॥ उम्मेदनृपतियहमंत्रलायअजमे
रगणउबुंदियविहाय ॥५७॥ मरुधरन
रससबकियमिलापमहिपालउभय
रहिहितअमाप ॥ इतउदयनैरजगते

सरानबुंदीबुटीसुनिरख्योनिदान॥५८
 इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूखरूपेदक्षि
 णायनेदशमराशौउमेदसिंहचरित्रेए
 कादशोमयूरवः॥११॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 प्रा०मि०॥ह्री०॥उदयनैरजगतेसद्वृत्तज
 न्यांसमयनवीन॥बुंदियहडुनक्तिवि
 लियहेजैपुरबलहीन॥१॥यातैभुवउ
 घमकरनउचितकालप्रवप्राय॥भा
 गिनेयहितदीजियेहुंढाहरवटवाय
 ॥२॥यहविचारिकोटेसप्रतिपुनिपठ
 येलिखिखिलत॥जीतैजैपुरजंगजुरि
 प्रवहमतुमप्रनुरत्त॥३॥सौधीदुर
 जनसल्लतबउनकैगाढनरंच॥पहि
 लेंहीफीकेपरंपरिपरिरानप्रपंच॥४॥
 यहविचारियच्छीलिखियरचहुंहुंच

तुमरा न ॥ पिच्छे ही ह म प्रात हैं जुरि जि
 त्ति हिं घ म सा न ॥ ५ ॥ यह दल बं चि वि च
 रित ब नि ज भ ट रा न बु ला य ॥ म र ह द न
 दि ग मु क्त ल न दु व त या र किय दा य ॥ ६ ॥
 इ क स ल म रि पुर अ धि प के सरि सु व न
 कुं ब र ॥ व र व त सिं ह का का व दुरि किय
 त या र हि त के र ॥ ७ ॥ पा० कु० ॥ दु ल कर
 हि त क गार लि ख वा ये को टि द म ति हिं
 है न क हा ये ॥ लि खिय म लार भ रो स
 ति हारिं ह म अ व जै पुर वि ज य नि हारिं
 ॥ ८ ॥ श म चं द पं डि त इ म फोर दुरा णं
 जी स न पु नि हि त जो र हु ॥ कूर म तु म
 हिं है न जो करि हैं ता सौं दि गु न द्र व्य ह
 म म रि हैं ॥ ९ ॥ क गार इ म लि ख वा य द
 ये क र व र व त कुं ब र दो हु प ठ ये व र ॥ हो
 ऊ त ब द कि व न द ल प त्ते अ व सर पा य
 यि ले अ नुर त्ते ॥ १० ॥ रा णं जी संध्या सु त

तत्थ हजयानामसबरीति समत्थ ह ॥
 वदलियग्घतासौं बखते सह मित्रमयो
 जिमधनदमहे सह ॥ ११ ॥ यह सुनिरा
 नसेनसजिदुद्धर माधवजुतहं क्रिय
 जैपुरपर ॥ नागोरपबखते सकबंधह
 अय्यनयुत्रियस्वसुरहु तोवह ॥ १२ ॥
 विजयसिंहवाकोसुतव्याहोस्वीयसु
 तातातेहितचाहो ॥ इहिंकारनजगते
 मरानअबसत्यलेननागोरकटकसब
 ॥ १३ ॥ कनकमुखरुप्ययदुवलकवनप
 ठयोबखतसिंहपैहं हितपन ॥ अक्रि
 यखरचएहअवधारहुपृतनानिज
 ममभीरप्रचारहु ॥ १४ ॥ दुमतिलुब्ध
 बखतेसबं चिदलपुरठलयेरुनाहिं
 पठयोबल ॥ रानपचीससहंसदलर
 जियसेनसहंसदसमाधवसजिय
 ॥ १५ ॥ इमहजारपैतीसअनीकनरा

नबहुरिमाधवदच्छतरन ॥ कियदर
 कुंचउदयपत्तनतजिसबकूरमसीमा
 पहुँचैसजि ॥ १६ ॥ दोडानगरपरगा
 नच्यंतरमाधवरानमिलानदयेवर ॥
 होदिल्लियतवतैकूरमपतियातैच्य
 वरसेनपठयोच्यति ॥ १७ ॥ हेमराज
 बखसीदलकंतसुच्यरुरुत्नायपति
 सुतजसवंतसु ॥ नागरचालईसपुनि
 नारबसुभटनामसिरदारजोरजव ॥
 १८ ॥ इत्यादिकजैपुरभट्यायेरानस
 मुखसजिकपठरचाये ॥ जान्यौकछुदि
 नच्यंतरपारैतो नृपईस्वरिसिंहपधा
 रै ॥ १९ ॥ दो० ॥ कगरपठयो कूरमनरा
 ननिकठछलरकिव ॥ महियतितुम
 माधवच्यरथच्यवनिदिवावहुच्यकिव
 ॥ २० ॥ ष० य० ॥ च्यगौं नृपजयसिंहरा

जमाधव हित-प्रपिय-प्रवनृपईस्वरि
 सिंहताहिमेंटनमतिथपिययांतेनहिं
 अनुकूलसुमटहमसबकूरमसन॥
 प्रपहु-प्रायस-प्रपसोहिकरिहैंप्र
 तीतिपनविनुरचनॉहिंकारिजबनें
 देहुस्वरचसबस्वीयकरिहम-प्रब-प्र
 धीनतुमरेहुकमगहिहैंईश्वरिसिंह
 लरि॥ २१॥ छलप्रपंचयहमंडिपत्रपठ
 योकछवाहनबंचिरानमतिमंदमन्निलि
 यसत्यमुदितमनदम्प्रयुतप्रतिहीह
 कुम्भसेनहिंकरिदिनै॥कपटीकूरम
 कटकलुभिदसदिनतकलिनेंहिय
 पत्रवहुरिहिल्लियनगरबुल्लियईस्वरि
 सिंहदुत-प्रामैरपहजावत-प्रबहिरा
 नॉ-प्रायउ-प्रनुजजुत॥ २२॥ यहसुनि
 ईश्वरिसिंहमाहसनसजबसिकल

हि करि अयउ दर कुंच गुमर अति ब
लविसे सग द्वि निज दल सम्म लि होय
पत्र पठ यो ग नां प्रति ॥ अंगो भाव ह ब
च न क्यो सु चु क्त अ ब दु म्म ति मं त्रिय
इ तें सु मर ह दृ द ल रा जा म ल स ब फो रि
लिय इ क्त न म लार फु हिय अ तु ल हु
ल कर रा य उ पा य हिय ॥ २३ ॥ पा. कु. ॥
रा न सु भ ट हु ल कर मि ल वा ये ब लि सं
ध्या सु त मि त्र ब ना ये ॥ रा न स हा य कर न
ति न धा री सो रा जा म ल स ब हि वि गारी
॥ २४ ॥ रा न सु भ ट दां हू नि क सा ये मु ह
वि गारि नि र ख त भु व अ यं ॥ पु नि ख त्रि
य ले स व मर ह दृ न च लिय रा न सि र कुं
च क ट द्र न ॥ २५ ॥ कां टा मु ल क लु दृ त हि
अ ये दु ज न स ख न हिं ह त्थ दि खा ये ॥ इ
म दृ त अ य रा न द ल घे श्यो फ न प ति मा

नहुकुंडलफंस्यो ॥२६॥ व०प० ॥ सकद
 कनभवसुसोम १८०१ माघमेचकपगव
 अंतरमरहृदुनदियमारानविंठिय
 रचिसंगरधमितोपनधमचकभुम्भि
 भोगनहुममगिय ॥ मंडेअरुनप्रजा
 रिमुंदगोलनरुगमगियगजहयसि
 षाहउद्विगगरदप्रबलअचानकभ
 यपरिगमंयतसिचानखरकोनगति
 मवारनमहउत्तरिग ॥२७॥ दो० ॥ आ
 यअचानकअरधनिसमरहृदुनदि
 यमार ॥ भीतरानथाकुलभयउबलि
 कियसामविचार ॥२८॥ कहिपठईद
 खिनीनसौंदर्यामितधनलेहु ॥ पि
 कथ्याहमसंगरप्रबलअबधरजाव
 नदेहु ॥२९॥ यहउदंतमरहृदुसुनिरु
 चिवसखंडिगरीस ॥ सामविरचिकि

यरानसिरदम्पलकववाइस ॥ ३० ॥ नृ
 पकूरमन्त्ररुरान पुनिमरहृदुनमिल
 वाय ॥ कियउसामदोऊनकैरसहित
 ककुकरचाय ॥ ३१ ॥ माधवहूकेमिल
 नकीरामचंद्रकियवत्त ॥ सोहुलकर
 मन्नीन हीरकव्योपृथकविरत्त ॥ ३२ ॥
 माधवहूयहसुनिकहियमैदुंढाहर
 राज ॥ कैसैदुंश्वरिसिंहसोंसहैमिल
 नसमाज ॥ ३३ ॥ माधवरानविगारिमु
 हतदनुउदेपुरपत्त ॥ मरहृदुनजुत
 कुम्भनृपघल्लीबुंदियवत्त ॥ ३४ ॥ सह
 रदेमलैकियसकलन्त्रमलदलेल
 ष्ठीन ॥ तारागढभोनहितबहिबिं
 द्योजायबलीन ॥ ३४ ॥ षष्प ॥ धमि
 लोपनधमन्त्रककोदतारागढकंपिग
 दुवकोदाभददेखिजानिपरबन्धयह

जंपिगहमहडुबडबीरकढहिंफहरा
तफतूहन॥भगेजिमनिकसैनप्रबल
लगातकलंकपनजाजानदेहुसंजुतर
खततोकविकीरतिपडुडिहैंनांतरिक
हैंनहडुमरदअडुपंजरकडिडिहैं॥३५
सुनिहुलकरदियबचनरखतसंजुत
तुमजावहुकहुदिनकूरमजोरनाहिं
बुंदियतुमपावहुअजितसिंहअरुह
पतबहिकोदेससुभटदुव॥सजिवल
खुल्लिनिसाननिकसिकोटाअध्वगहु
वलुहियदलेलबुंदियसकलबुद्धसु
तहिंचाहतनिरखिकूरमसमेतदकिव
नकटकदिनदुवरकियलुद्धलखि
॥३६॥जुतदलेलकछवाहतदनुंलै
दलमरहदुनकोटाबिंदियजांयरुहि
लुद्धतमगरदुनग्रामसगतपुरजायअ

प्यउत्तरिचम्मलितत ॥ लियपत्तनगर
 दायसेनसंकुलिबटउच्चवज्जियनि
 सानत्रंबकविखमदुसहफैरतोपन
 दगियचंद्रअलावमच्चियमनहुंलं
 कापुरवंदरलगिय ॥ ३७ ॥ ही० ॥ दक्खि
 नदललेदुरुहकूरमहठहेरयोकोटापु
 रजायघोरघत्तनघनघेरयो ॥ द्वैबट्ट
 लवंटिअप्यचम्मलिदिसतंडयोअह
 सुहलपुषअोरजायजारमंडयो ॥ ३८ ॥
 तोपनधमचक्कौटलोपनपुरलया
 यांगालनगजबीनसारसंकुलिदवह
 गयो ॥ कच्छपफटिपिटिनागरीढकब
 रगक्योदंतुलितुटिकोलमोलरुंरुट
 रुकिरुक्यो ॥ ३९ ॥ अतलरुवितला
 हिलाकअोदकिभयभगायेदिगज
 दुमामगिसोचमोचनमदल्लगये ॥

फोजनघनफेरभुमिजाजनदुवढंकई
 श्रोजनभटभीरजंगमोजनहठिदंकई
 ॥४०॥ टोलनपविपातडोलगोलनगढ
 विगारेंगज्जनपुरसोधगोरबद्धजनद्धट
 केपरें॥ मंडपफटिकेलदावखंभनग
 नउच्छटेंशंभनयहरायश्रोकश्रोकन
 श्रुतिउष्यंहे॥४१॥ उडुतगढखंडफेर
 गोलनलगिदिकवरेंकजनकटिपच्छ
 जानिपक्षयफटिकेपरें॥ काठरुकपिती
 सश्रोतउडुतछविगैनमेंचोटनपरचोट
 लोटलगातपुरलैनमें॥४२॥ गोपुरप
 रिकूटश्रुदपहनपरिवटकेकापथश्रु
 तिपंथहोतचम्पलितदघदके॥ द्विप
 थरुत्रिकश्रुचतुस्करीतिसुसबलुप्य
 ईकुटिमदिगच्छतिश्रुनिच्छत्तिनमिलि
 उष्यइ॥४३॥ श्रुंगनघरश्रुगिमांरसं

गनप्रतिउच्छरेंजंगनप्रतिजोरदोरदं
 गनगढविगारें ॥ अंदरप्रकवकिलो
 कबंदरभयज्यौंदुरेमंदिरपुरतूटिप्र
 निचम्मलिजलकेघुरे ॥ ४४ ॥ डंबरउ
 डिखेहप्रकअंबरसबलुकयेध्या
 नसुसिबहुदितानप्रच्छरिगनचुक
 ये ॥ चम्मलिजलछिज्जिमीनसम्मलि
 घनप्रवावटेहुंगरडगमगिपकाउंबर
 गतिकेफटे ॥ ४५ ॥ सागरजलसेतुछो
 रिलोपनभुवलगायेकोपनदूमकुम्म
 सेनतोपनदवदगाये ॥ संगरदुवमा
 समंडिकूरमदमअंकुख्योसत्यहिमर
 हदुपिकिवदुजनसलसंकुख्यो ॥ ४६ ॥
 ॥ दो. ॥ राणंजीसंध्यासुवनजयानाम
 प्रतिजोर ॥ ताकेंद्रकगुटिकालगिय
 घनरनमंडतघोर ॥ ४७ ॥ यहलसि

कुम्भदलेल सों चविद किवन हित चाहि
 ॥ पंचग्राम जुतका परनिद्रंग दिवाय उता
 हि ॥ ४८ ॥ द किवन जोरद लेल लखिदि
 यउका परनिद्रंग ॥ पुरपट्टनिपुनि सों
 कर्मै प्रिय गज्यउमंग ॥ ४९ ॥ तबप
 ट्टनिलियद किवनिन कियत्रिभागवनि
 कंत ॥ दूकदूक दुलकरसंधियादूकवि
 भागप्रियमंत ॥ ५० ॥ संवतदुवनभध
 तिसमय १८०२ मैचकमाधवमास ॥ प
 ट्टनियमकोटा प्रधन गिल्योगिनीम
 नग्रास ॥ ५१ ॥ ग्वालसुरभिगजपालग
 जचुक्किरजकएरचेल ॥ जमीदेतकषु
 कजिमहिदिययहद्रंगदलेल ॥ ५२ ॥
 मरिगयाहिरनकेसमयचुंडाउतिनृप
 मात ॥ कोटामध्यहिदाहकियपरभयजा
 निप्रपात ॥ ५३ ॥ मृतककर्मनिजमातको

किन्नौलघुसुतदीप ॥ होपुष्करुमरुभू
 पसहमिलिउमेदमहीप ॥५४॥ दीप
 कुमरिअरुदीपदुवसोदरभगिनीभ्रा
 त ॥ सहकालियरानीसह्योपुरकोटादु
 खपात ॥५५॥ कोटादमकूरमदर्दमरह
 दूनजुतमार ॥ महारावसठभीतमनस
 म्मुहभोनहिस्थार ॥५६॥ रुपयसोल
 हलकखलियमरहदुरुकछवाह ॥ अ्या
 रिलकखयुनिवरसप्रतिलैनेंकियद
 मराह ॥५७॥ इमकोटाकरिराजकोम
 ददियकुम्मउतारि ॥ कियउकुच्चनिज
 निजघरनदुवदलविजयविचारि ॥
 ५८ ॥ इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूस्वरु
 पेदक्षिणायनेदशमराशौउमेदसिंह
 चरित्रेद्वादशोमयूखः ॥१२॥ ३ ॥
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ॥ ३ ॥ ३ ॥

॥ प्रा० मि० ॥ दो० ॥ इत पुकवर उम्मेद नृपमा
 तामरण उदंत ॥ सुनिसव सद्दिय वेद वि
 धिमन्निधर मद्दृढ संत ॥ १ ॥ खरचभीरनृ
 पकोंबहुत विपति सकेन निवाहि ॥ प्रभु
 संभरत उधर मपदु करै सुप्रनुचित का
 हि ॥ २ ॥ मिलै जबहि सब सत्य को प्र
 प्य प्रसनत बलेत ॥ दुवदुव दिन लंघ
 न बनें दुखै तदपिनचेत ॥ ३ ॥ प्रसनवे
 रस ह सत्य पंतिचो सर प्रजावत जो व्यं
 जन सब प्रत्यसोहि निज प्रत्यलगावत
 मोहत सुभट न चित्त वित्त प्रपत हित
 जोरत ॥ स्मेर सुमहिं जिम भंग सुभट इ
 मनृपहिं न कोरत सबरत न फुटि घनघा
 त जिम सूची मुख कहु उच्चरियते भळ
 मेद भूपहिं प्रतुल रहत विदि सद्दिहि
 घरिय ॥ ४ ॥ भट प्रयाग प्ररु लोक बह

रि कल्या नभातत्रयवीरभवानी सिंहति
 महिमजबूतधरममयसूरधीरसिव
 सिंहवेरिसल्लोतमहाबल ॥ इत्यादिक
 बडवीरनृपहिंसेवतमनउज्जलसवध
 ननिवेदिसद्वतहुकमवातजातजिमरा
 मलदपिकैवै नहानिअप्यनप्रथितरकैवै
 हियपतिकामरठ ॥५॥ दो० ॥ अैसेभट
 नृपठिगरहियअवरनविपतिप्रपात
 ॥ तदपिभूषधीरजअतुलसूरधरम
 सरसात ॥६॥ परसहायअनुचितप
 रखितजिबुदियचहुवान ॥ सूरनिक
 सिअैसेसमयबंधतलैनविधान ॥७॥
 ष०प० ॥ मरुपतिहूअजमेरभिंठिभू
 षहिंकरिअदरसमुखजायसनमान
 दिदचिअान्योडेरनबरसहभोजनस
 हवासविहितरचिहेतबढायउ ॥ उभ

यमिलनप्रानंदपुण्यजसजगतपद्मा
उवयप्रप्यजदपिसोलहवरसप्रकि
तदपिकोरनप्रलससिखयोचुहानखु
रलीसुघररद्वोरहिंसुगयादिरस॥ ८॥
दो॥ मरुयतिर्केउमरावदककदाउत
रद्वोर॥ वस्ततसिंहरनपदुबिदितरा
सिनगरसिरमोर॥ ९॥ प्रकवितिहिं
मरुईससौंकन्यासुभममगेह॥ बुंदीस
हिंव्याहनउचितप्रप्यकरहुहितए
ह॥ १०॥ प्रमयसिंहप्रकियसुनत
तनयाबुल्लहुप्रत्य॥ बुंदीसहिंहमथ्य
हिहेंसुभसुहूर्त्तहितसत्य॥ ११॥ वख
तसिंहसुनिबुल्लईतनयाप्रप्यनत
त्य॥ परिनाईकहिधन्यपतिसंभरनु
पहिंसमत्य॥ १२॥ संवतदूगनमथ्यति
१८०२समाराधतीजप्रवदात॥ इमरा

नियकुंदनकुमरिव्या ह्योनृपविकव्या त
॥१३॥ इतदलेलकूरमउभयदैमरहदृ
नसिकव ॥ गुमरजोरजैपुरगयेतोरविज
यरनतिकव ॥ १४ ॥ सुतखत्रियसिवदास
कोबंदरामप्रमिधान ॥ बीरनजुतमेदन
विघनरकव्योबुंदियथान ॥ १५ ॥ इतसं
भरयहव्याहकरिप्रायोनगरभनाय ॥
मालासनहितजुतमित्योकरनजोरिनत
काय ॥ १६ ॥ सस्त्रयहजयसिंहकीनृपबु
धसिंहकलत्र ॥ पलवीजोनयतजिप्रथ
मतिहिंमंड्योहिततत्र ॥ १७ ॥ दुलहनि
दुल्लहप्रघप्रतिलिनेनिलयबधाय ॥
कळुदिनरकवेमोदकरिमेदनवहप्रघ
माय ॥ १८ ॥ तदनुमातसनसिकवकियबु
दियसिरनृपसज्जि ॥ दुलहनिरक्वियत
प्रहीरसउज्जलहितरज्जि ॥ १९ ॥ कोरा

धीससहायसनपहिलेंबुंदियअाय॥या
 तेंनृपबिक्रमअतुलसज्योपृथकरिसा
 य॥२०॥हिंडोलीदरकुंचकरिदिनेंअ
 निमिलान॥मेंनावारहखेटकेअनिमि
 लेछकअाल॥२१॥दुवजीवाधनुहीकर
 नदुवदुवपिदिनिखंग॥कटिकठारब
 लिबंसुरियसिरधवपन्नकिलंग॥२२॥
 बायुहिंबाअरुकिमहिंकाअकहिंबु
 ल्लतअंक॥भजतलरतलरिपुनिभजत
 लफिउडिचित्रकलांक॥२३॥संगाकेअ
 रुसल्लकेगुंगाकेबलगात॥दामांकेअ
 रुदेवकेजगूकेकुलजात॥२४॥मेंनांकु
 लइत्यादिमिलिइमहुवहाजरिअनि
 पहुमीसिरसज्योनृपतिमनरनउच्छ
 वमानि॥२५॥हिंडोलीपुरकीप्रजाजुग
 लस्वामिसिरजोय॥सनयदम्मसोलह

सहंसनजरि किन्ननतहोय ॥२६॥ नयप
 दुसवनविसासिनृपकियबुंदियसिरकु
 च्च ॥ बजिसिंधुबडाहलविसमद्रमहंकि
 यमनउच्च ॥२७॥ नंदरामद्रततैनिक
 सिसहंसपंचसिखसंग ॥ पहुमीदबत
 पकरनप्रब्रघसतउतमंग ॥ २८ ॥ वि
 यदलप्रवतबीचडीमिलिगप्रानित
 जिमोद ॥ गंजूरकेघरियारगतिलग्याव
 जनलोह ॥ २९ ॥ इतिश्रीवंशभास्करे म
 हाचंपूस्वरुदक्षिणायनेदशमराश्रीउ
 म्मैदसिंहचरित्रेनयोदशोमयूरवः ॥ १२ ॥
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 ॥ प्रा० मि० ॥ च० सु० ॥ दुवसेनबगलीनी
 कलिकोपप्रंखिकीनी ॥ फनसेसनाग
 कुहेदिगदंतिदंततुहे ॥ १ ॥ बरकीबरा
 हहडडागिलिप्रंगकुम्भठडडा ॥ दिगपा

लकं पलमोपुटदंद्रभीतिभगो ॥२॥ स
वसिंधुसेतुलुपेकलिजानिवीरकुपे
॥सिवकीसमाधिजग्गीनवमाला
सलग्गी ॥३॥ कइलासछोरिकालीच
दिसिंहसंगचाली ॥ चउसद्विचौंकि
आईघनसंदिनचघाई ॥ ४ ॥ दुवपं
चवीरदोरेजबडाकिनीनजोरे ॥ कलि
कारमोदपगोमहतीबजानलग्गी ॥
५ ॥ गुनप्रच्छरीनगायेप्रतिमोदमुं
डआये ॥ नभगिहनीनछायोरबिरे
नुमैलुकायो ॥ ६ ॥ चहुवानबाजिन
कवलखिआखुजानितकरे ॥ किल
कारवीरबज्जीसमसेरमारसज्जी ॥ ७ ॥
फटिटोपजातकीकेजिमपत्रजोगनी
के ॥ तरवारिधारधपैरि के नस्वर्ग
अर्थे ॥ ८ ॥ करधूपभूपथायांइतनंद

राम-प्रायो ॥ विथुरीकजाकबा नीमि
 लिबीरधीरमानी ॥ ९ ॥ विवि-पौरती
 रबज्जेलखिभीरुनीरलज्जे ॥ बरहीनवे
 धलभोंपरिसूरमुत्तिपगों ॥ १० ॥ घट
 केकठारकड्डहेंमुखसूरनूरवड्डहें ॥
 फनिसेलपारफुहेंछकलोहप्रानछु
 हें ॥ ११ ॥ फटिघायछिंछिहलैंजलजं
 चनानिचलैं ॥ मिखनंहरामकेजेल
 विव-प्रादकेकलेजे ॥ १२ ॥ फटिकोच
 गातफहेंजिमकेलिगभकहें ॥ गहि
 कुंतनामिगरेंधमनीनमूलहें ॥ १३ ॥
 उलटंतसादि-प्रालीहयहोतकेकख
 ली ॥ मग-पौरखेहडुल्लेजमस्वर्गबहखु
 ल्ले ॥ १४ ॥ गजमत्यफेटफुहेंजिमगो
 चकूटतुहें ॥ परिभीरुसोककूईपरभो
 मज्यां-प्रसूई ॥ १५ ॥ गतिहीनकेकफी

केमन जानि संजमीके ॥ तजि प्रान जा
तसच्छी तरुडुंड जानि पच्छी ॥ १६ ॥ सु
धिभुल्लिके कबकै जड जानि सीधुबकै
॥ कटि जात अंत ही सों जिम पाय जान्ह
वी सों ॥ १७ ॥ तरवारिभा कलकै जिम
संपिकासलकै ॥ हुवरत्तरत्त अंगेरज
तत्व जानि रंगे ॥ १८ ॥ इबिजातके क
श्रेजी नर अखती किरनी ॥ मिलिप्रेत
डाकिनी सों हियमों डिगाढ ही सों ॥ १९ ॥
कुचतिकवतासगडुं जिम बिद्धकै सुब
हुं ॥ कतिजोगिनी नखीकै बढिजातली
महीकै ॥ २० ॥ सुहिपुबमिं तनेमें जलु
देतपुष्टिमें ॥ कति लैरुसंडलैतें प्र
तिसेरुजानिमें ॥ २१ ॥ उदघुष्टकेक
सज्जै कतिपीडिते नरज्जै ॥ इममत्तप्रेत
सोहें मिलि चारिमांतिमोहें ॥ २२ ॥ इ

वगामबीचडोकीहुवरत्तरत्तहीकी॥
भिरिनंदरामज्योत्स्नखिखत्रिनीरलज्यो
॥२३॥सिखताससम्मुहायेसलभाकि
दीपधाये॥तिन्हतकिभूपनीरेपरि
बीचखगपीरे॥२४॥हठलगिहहु
मारेंहुवहत्यखगमारें॥कठिबगग
वाजिफेरेंहठिनंदरामहेरें॥२५॥भ
जिकेंछिप्योसुखत्रीजिमसेनलावपत्री
॥सिखहहुदोहुसजेविकरालबाढब
झे॥२६॥अतिजंगसंकुल्योकाँअवम
ददोनक्योकाँ॥तरवारिकेकतुहेंघरि
यारजानिफुहें॥२७॥निकसंतनेंनगी
देफदकेंकिभेकडोदे॥कतिचापअँदि
मारेंजिमकालडाचफारें॥२८॥विचता
समल्लठडुठासुहिजानितिखदडुढा॥
फुटिपेदअँतदीसीपलठीकिपन्नगी

सी ॥ २६ ॥ चउ फार हीयमनेजिमकंज
 चारि पंने ॥ फटिकालखंजरबुल्ले फ
 विज्योपलास फुल्ले ॥ ३० ॥ सरलीन
 तुंदकूपीबिलजानिनागरूपी ॥ इम
 भूपजंगमंड्योसिखवातवग्गखंड्यो
 ॥ ३१ ॥ अथसिद्धकेकलजेमुखप्रग
 भीतभजे ॥ तिनपिट्टिहडुधायेत्रयको
 सलोभजाये ॥ ३२ ॥ दो ॥ राजामलसो
 दरसुवननंदरामगायभज्जि ॥ सिख
 कितेकसम्मुहभरेनहेकतिजलल
 जि ॥ ३३ ॥ सानुकूलनृपकीनियति
 लंगेलोहनअंग ॥ अग्निआहवभ
 जेभरकिजिमलखिबाजकुलंगा ॥ ३४ ॥
 नागरद्विजनृपभृत्यदुकनंदरायअ
 मिधान ॥ सोहुसूरसम्मुहभयोकि
 चोहदघमसान ॥ ३५ ॥ मारेसिखवि

क्रमश्च मितजुस्यो विविधजयकार ॥
 लगे वंभनबीरकै सत्त कृपानसमा
 र ॥ ३६ ॥ सोधि खेत नृपघायलनल
 येनृजाननहारि ॥ बुंदिय प्रायरुम
 दनजुत प्रबि स्यो चररनफारि ॥ ३७
 उदयसमपकस्यो बनिकलये च्यु
 लह मदम् ॥ वैठो नृप बुंदिय तरवत
 करिनिज हल्यनकम् ॥ ३८ ॥ संवत
 दुबनमभृति १५० २ समय सावनती
 जवलच्छ ॥ च्यसिबरवल किर्नो च्य
 मल च्यधिपति बुंदिय च्यच्छ ॥ ३९ ॥
 सुनिकठवाहदलेलसौ च्य कवीमम
 दलसंग ॥ मारहुजासु उ मे द कौंहु
 रहु बडे बलजंग ॥ ४० ॥ सहिदले
 लसु नलहि न स्यो किन च्यरजकर
 जोरि ॥ मंडहु तुम च्यपन च्यमलमे

बुंदियदियछोरि ॥ ४१ ॥ ता^ककरलि
 खवायतबकगगरकूरमलीन ॥ नै
 नवारुकरउरनगररकवेतासअ
 धीन ॥ ४२ ॥ अवरदेसअप्यनकर
 नगिलनअजीरनग्रास ॥ बुंदिय
 परपिल्लियविकटपृतनासहंसप
 चास ॥ ४३ ॥ नामनशयनदासइक
 खनीरनहमगीर ॥ राजामलसिव
 दासकोभ्रातसज्योबरवीर ॥ ४४ ॥
 तिहिंकरिकूरमसेनपतिपठयोबुंदि
 यलैन ॥ संगदयेउमरावसबउद्धत
 जेरनअपेन ॥ ४५ ॥ इतिश्रीवंशभा
 स्करेमहानचंपूखरूपेदसिणायनेद
 शमराशौउमैदसिंहचरिनेचतुर्द
 शोमयूखः ॥ १४ ॥

॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥

प्रा० मि० ॥ मु० दा० ॥ सज्योऽप्रवकूरम
भूयति सैनलगेभटघुम्मनबुंदिय
लेन ॥ वन्योसमयोयह दुस्सहऽप्रा
यजहाँफटिबालतजैनिजमाय ॥ १ ॥
पितासुतकोंपतिकोंनिजनारितजैव
हवत्तबनीमयकारि ॥ जनेंजननीजु
गिनेंसबकीकवहैनरऽप्राहिनमध्य
ऽपनीक ॥ २ ॥ वहैनरऽप्रातमसंबिद
धऽप्यवहैनरजोनततोमृगवन्ध ॥
वहैनरहीगुनतीननईसवहैऽप्रवनी
सनकोऽप्रवनीस ॥ ३ ॥ वहैजिमकू
टतथाइकसारवहैसबऽप्राउनसुद्ध
ऽप्यार ॥ वहैनरतीनऽप्रवस्थनएक
वहैंसबघांसितधारनतेक ॥ ४६ ॥
वहैनरहीसबकृत्रिमसकिववहैय
हमोघरहोविचरकिव ॥ वहैदिव

है गुन को नहिं जोग वहै विश्वदेय ह
 अन्न सुभोग ॥ ५ ॥ वहै अज इष्ट अना
 रि अन्न त गुन त्रय नारिय को बह कंत
 ॥ वहै नहिं तो भवना ह क पाय विगार
 त बालि सजु बन माय ॥ ६ ॥ वहै इ क
 रुंध त ना ह क नारि वहै सठ अन्न हि को
 खय कारि ॥ वहै पृथु सात विगार नहा
 र वहै रहि व्यर्थ करै भुवभार ॥ ७ ॥ भ
 यो नर नारि नल छ न एहन हौं कुच मु
 छ न सुंदर देह ॥ हुत नहिं या विधिक
 भट हाय बडे मर नीक त थापि बलाय
 ॥ ८ ॥ कह्यो हम ह्यो कछु बोध विचार
 सुयो व ह वीर गिनें सब सार ॥ कह्यो मर
 नो अरु जीव न तास क हा सुख दु क वस
 वे इ क भास ॥ ९ ॥ वहै हि गिनें निज ही
 सब वत्त यहै रन तो भल हो वह अन्न

॥ परंतु नहे इम कूर मवीर गि सुख च्य
छरि स्वर्गसरीर ॥ १० ॥ रुए हहि केवल
सूरन धर्म सु हीति न्हर किवक से दूढ
बर्म ॥ सजे मट कूर ममान जसूर खंगा
रजना थ जपानि पपूर ॥ ११ ॥ कल्यान
जपूर नमल्ल कुलीन द्वितीय दु कुंभज
जि-प्रदीन ॥ जथा बन बीर चतुर्भु
जजात घने सिव ब्रह्म जदृष्ट प्रघात ॥
१२ ॥ सजे बलि मद्रज से खज सत्य घने
सुरतान जसंघ समत्य ॥ नरूजरु कुंभ
जश्चरि नाह कढे इन्ह प्रादि बडेक
छवाह ॥ १३ ॥ सज्यो दलईसन रायन
दास लये सब संग जग्यो बल जास ॥ च
दलो दल जैपुर कौत जितत बढीर नजि
नहिं जितहिं वत्त ॥ १३ ॥ खुली गजपि
द्विज्यापचरंग चले हय मप्यत छेनि

मलंग ॥ भर्द्दसह-प्रालिय कालियगोल
बडेहितउग्रचलेचडिबेल ॥ १४ ॥ च
ल्योमहतीगहिनारद^{लार}चलेगनवाव
नल्योपलप्यार ॥ चलीचउसद्विमलंग
तचालचल्योगहिखपरखितरफाल
॥ १५ ॥ चलेगनडाकिनिजच्छचुरैलपि
साचरुरकवसगुलकगोल ॥ चलेकति
डंकतदूकहिंपायचलेकतिदोउनभू
धमकाय ॥ १६ ॥ चलेकतिमंडतनदकु
लदचलेकतिचौंकिहसेप्रदप्रद ॥
चलेगनगिद्धनिचिल्लनिघोरशृगाल
रुकंकमहारनसौर ॥ १७ ॥ गहकिय
सेनसिवाकियगोनचल्योदलकुम्भप्र
रुद्धतपोन ॥ अटैकतिमंडिवरच्छिन
वारकरैकतिलच्छनबेधकदार ॥ १८ ॥
कितेरुरलीपदसद्धतखगमितैरचि

केकतुपकनमगा ॥ बनें कमनें तनप
 छिनबेधस जैं कतिकुंतनके लिसुमे
 ध ॥ १६ ॥ दिपैरसबीर गिनैतूनदेह
 बुहेनिजसाहसदेतनछेह ॥ छलैंछ
 कहरचहै कतिछेलचलैं द्रुतमंडितकुं
 कुमचैल ॥ २० ॥ मलप्यतबाजिनकेम
 चकायधरातलदबतबेगधुजाय ॥ च
 ल्योदलदुहरयोंदरकुच्चउठावतदुग
 नकोछकउच्च ॥ २१ ॥ लग्योभरभोग
 पलहनसेसभयोगिलिप्रंगदरीकम
 ठस ॥ तुदीलखिदड्हदयोकिरितुंड
 रुईरदकंपिगदिग्गजहुंड ॥ २२ ॥ उहे
 सुलिकेतनकुंभिनकंधडिगेडरड
 कुनभीरुनबंध ॥ छिप्योनिसचंदरु
 वासरप्रकचहैं निसघूकतथादिन
 चहु ॥ २३ ॥ सुपैसुधिनां निसबासरसंधि

बन्धों तमतोमप्रभा घनबंधि ॥ चलेइत
 सहलमहलचासमिलेइ तबहलमहल लमास
 ॥ २४ ॥ छल्योइतपानिपश्रोउतनीर
 सहायकल्यौरसवीरसमीर ॥ घुरैइत
 नोबतिश्रोउतगज्जइतैंमुवपायउतैं
 नभसज्ज ॥ २५ ॥ इहैंनचहैंरुउहैं
 जगश्रासबनैइलशस्त्रउतैंजलबास
 ॥ इतैंबदुरंगउतैंसितश्यामलसैइत
 श्रोउतवेगललाम ॥ २६ ॥ लसैइतश्र
 यउतैंलहरूनहिपैंमुदसूरमयूरनह
 न ॥ इतैंगजदंतउतैंबकब्रातइतैंउ
 तदोरतश्रग्नादिखात ॥ २७ ॥ इतैंउ
 तपकरददुरबुल्लिइतैंउतगिहुरु
 चातकफुल्लि ॥ इतैंउतरखगारुबिज्जु
 नश्रोघइतैंउतहोतधगनभमौघ ॥
 २८ ॥ इतैंउतश्रोजइरम्मदमाखरज्ज

गुनबूढ निब्रातबिलास ॥ करै सरयों उ
 तऊसरजुतइतैं उतमृपनभंभनपुत
 ॥ २६ ॥ कहैं इतलैनमहीकछवाहक
 हें उतपिकिवहमेंयहचाह ॥ कहैं यह
 नीतिविथारनकत्यकहैं वहअन्नप्रच
 रनअत्य ॥ २७ ॥ कहैं इतहैसबअपन
 मुष्मि कहैं उतअपनहैघनघुष्मि ॥
 कहैं इतहैरविहंकनहारकहैं उतब
 हलज्यों नविथार ॥ २८ ॥ कहैं इतचा
 पचढावनबतकहैं उतसजितप्राय
 तअत्त ॥ इतैंइजअद्रिउडावनबाद
 कहैं उतरकवहिंसंबरसाद ॥ २९ ॥ क
 हें इतमंडहिं गोलिनगानकहैं उतमू
 ककहैं करकान ॥ कहैं इतवाननछाव
 नहैसकहैं उतबुंदनतैंनविसेस ॥ ३० ॥
 कहैं इतप्रायुधबुद्धिअनल्पकहैं उत

बुद्धि करै ह म कल्प ॥ इ तै प्र मु कु म्म उ तै
सुर ई स इ तै उ त स ज्जि त छो निय सी स
॥ ३४ ॥ बढे द ल व ह ल यौ र वि बा द सु सं
नित सं व र मं ड न सा द ॥ दि पे प्र वि सै इ
त बुं दि य दे स श्च रे वि थु रे उ त मु मि च्च
से स ॥ ३५ ॥ व न्यो इ म कूर मं स न प्र या न
सु न्या नृ प बुं दि य ध मे स या न ॥ उ यो र न
पै जि म ब्या ह उ छा ह स जे म न बं छि त ज
नि म ना ह ॥ ३६ ॥ इ ति श्री वं श भा स्व रे म
हा चं पू स्व रू पे द क्षि णा य ने द श म रा शो
उ म्पै द सिं ह च रि त्रे पंच द शो म यू र वः ॥ १५
॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
॥ प्रा. मि. ॥ दो. ॥ लै बुं दि य नृ प प्र ल भ ल
गि ख म ग प ता क न खु ल्लि ॥ च्च व ला जु
त च्च नु जा च्च नु ज को टा स न लि य बु ल्लि
॥ १ ॥ दी प कु म रि च्च रु दी प ह रि त व बु ल्ले

छकतोरि ॥ रनीरुल्लियसहरुचिरजय
रनजुबनजोर ॥ २ ॥ कोटापतिनृपवित्त
लेदूर्नोंगरबदिखाय ॥ मनप्ररिउपर
मिन्नवनिलियबुदियछकलाय ॥ ३ ॥
सोलखिनृपकृतघनसमुक्तिउदासीन
रहिप्रत्य ॥ भुजदंडनलियप्रप्यभुव
सजिप्रसुत्यागसमत्य ॥ ४ ॥ गजबका
रकीटसगनिभयकारकप्रबभूप ॥
सिरउठायमूढनसकतरदतीरेप्रहि
रूप ॥ ५ ॥ प्रंतहपुरसंजुतप्रनुजबु
खेनृपदहिंबेर ॥ कोटापतिकछुहुन
कह्योसंकितमनगिनिसेर ॥ ६ ॥ ति
नहुप्रायमिंल्योत्तरितनिजप्रभुध्रात
निसंक ॥ रुचिउपेतभूपतिरह्योप्रातप
न्यधिरिप्रंक ॥ ७ ॥ प्रहसोलहभुग्यो
प्रधिपरहिसूरनगतिराज ॥ सबलस

ज्योदिनसत्रहमसत्रुनबिसमसमाज
॥८॥ अशितमहपंचमिदिवसचह्यो
अरिचतुरंग ॥ सत्तमिदिनभूपतिसु
न्यौंजामिनिसुत्तैजंग ॥ ९ ॥ रहसिनि
वेदियनाजरनदासिनजुतदुतदाय
॥ जगिपहिलैरनियजष्योलग्यी अ
द्रिनलाय ॥ १० ॥ सिंहनि अकिवयसिं
हसौं कितसो बहु अकंत ॥ जिनह
त्यिनकुंभनजलजते आवतघुमडं
त ॥ ११ ॥ जिनहितलंघनलंघिकैख
द्वो अोरनमंस ॥ सहजैते आवतसु
नें बारनभद्रनवंस ॥ १२ ॥ लंबी हत्य
ललंकतनुउ छटपरकबहु अज ॥ भू
खनकड्डहुभां वंतेरोसिखैमृगराज
॥ १३ ॥ जिनकुंभननखनाहकेबनें अ
राजिमबीज ॥ हमकोतुकबहपिकिव

हैं खुल्लु दुगं चक रवीज ॥ १४ ॥ इतर मृग
नश्य पगध पै नयन उघारत नोहिं ॥ त्यों
ही जोय हत कि होयों ही तो न ह्योहिं
॥ १५ ॥ भूरवनिका सदुभों नतें गंजिगज
नबलगड्ड ॥ कुंभसांनतिकवीकरहु
दुहुहारे घसिदुहु ॥ १६ ॥ वृकतर खु
चिन्नक बहुल इतसिवस्वान्यधप्य
॥ सरभभरो सैंजियत सबश्यबदुगखु
ल्लुहुष्य ॥ १७ ॥ रमनीके सुनिबच
रुचिर श्यैडगुमर श्यलसात ॥ सिंहक
ह्यो जगिसिंहनी होवन देहु प्रभात ॥
॥ १८ ॥ होत होतय हवत्त दुवकुकवा
कुनध्वनिकान ॥ उह्योतजिगलबांह
श्यबचंडसरभचहुवान ॥ १९ ॥ इत
रानियवज्जत सुनेंगरुतगिद्धनिनगे
न ॥ बुल्लीश्यवदेर नबहिनिचिततम

रकवहुचैन ॥२०॥ दे न हार गज कालि
कन गूद पलन अ व गा ह ॥ तिं हिं म म
कं त हिं नै क तु म स ज्जन दे हु स ना हा ॥२१॥
बीर न के बहु विधि व पा ला भ ज था रु चि
ले हु ॥ अ सि मु द्वि रु ह य पि द्वि अ व प
ति कौ पा व न दे हु ॥२२॥ इ म रा निय इ त
गि इ नि न अ क र्थो बि हि त वि सा स ॥
इ त के र अ ची मु छ नृ प प गिर स बीर
प्र का स ॥२३॥ ष. प. ॥ ग ह त मु छ च हु
वा न फां क श रि म भु व फ ह हिं भु व फ ह
त अ ति भा र अ त ल बि त ला दि उ ल ह
हिं अ त ल अ दि उ ल वं त पा न क च्छ प
अ हि छोर हिं ॥ पा न त ज त पा ता लि
वा रि उ च्छ लि ज ग बो र हिं ज ल त ल उ
फा न बु डु त ज ग त म ग्य हिं लो क प्र पंच
भु व प्र क व हिं क वा ह म ग त प्र ल य म

गहिमुच्छबुधसिंहसुव ॥२४॥ नि० ॥
 कानभनकजबतैंपरीचढिकुम्मचला
 यातबतैंसंभरतंडिकैंसिरप्रभल
 गाया ॥ लाहजरुरीलगिगिकैंसंध्याक
 मलायासाबिनीजपडकसहंसरसभ
 त्तिरचाया ॥२५॥ नित्यनिवेश्योप्रात
 कौथनविप्रथपायासेनासौरनसज्ज
 कौथ्यादेसलगाया ॥ सौरनकीबोंसंकु
 लेंचहुंशोरचलायाफटेकगगरदेसमें
 फिरिदुतफिराया ॥२६॥ ऊंडेवाहिरग
 डिंकैंधुजदंडरुकायाफूलकरायासा
 नपेंप्रसिवाढचिराया ॥ सिल्लहखा
 नांखुल्लिकैंबरहेतबटायाटोपबक
 लरथोपकेदसतानदिपाया ॥२७॥
 कैतौंछादनकुंकुमीरनमोदरंगाया
 कैतौंप्रच्छरिचाहिकैंसिरमोरबनाया

॥ चंबन हके कल्लरे वर बंबव जाया स
हनाद नलग्गी ललक सिंधू सुनवाया
॥ २८ ॥ हडो ती हाजरि मई कटि बंधक
साया हूरे सूरें सत्य ही वर साज बना
या ॥ यौं जाव कल गोचर नयौं लंगर
लाया यौं ने उर पग अंकुरे यौं म कुन आ
या ॥ २९ ॥ यौं अक्षोरु कउल्ल से यौं दंस
दिपाया यौं आहूत बिमान के यौं बाजि
मंगाया ॥ यौं रागन पाया प्रमुद यौं सिं
धुन आया यौं कोन नलाया करन यौं सु
दिमिलाया ॥ ३० ॥ यौं बीणा गन अग
हे यौं ते गतु लाया यौं रसना आरोप्यौं
कटि बंधक साया ॥ यौं कुंकुम कुचल गि
यौं दृढ छत्तिन आया यौं कंचुक मंडे कु
चन यौं बच्छ बनाया ॥ ३१ ॥ यौं बलया
बलि हत्य यौं दसतान दिपाया यौं म

हलभुजबंधसौंसयसज्जसुहाया॥हा
 रदवालीदोउघाँउरष्यंतरष्यायायौ
 मुखबीरीष्योपयौंगंगोदश्यचाया॥३॥
 यौंमंडेनथनक्यौंधकिकोपधमाया
 यौंदृगरेखाष्यंजनीरजगुनयौंछाया
 ॥पिंजूसनतादंकयौंयौंकुंडलपाया
 सौभासिरसीमंतयौंयौंदोपलगाया॥
 ३३॥ यौंवरीनप्रसूनयौंतुररेनमुका
 यार्यौंलगोमनमोहयौंमनमोहबिहा
 या॥नेउरपक्वरनादत्यौंबिबिष्योर
 बढाया॥तिक्रवकडच्छासज्जयौंसि
 लभल्लसजाया॥३४॥ यौंखोडसशृंगा
 रयौंउपचारविधाययौंमनछायाभै
 नयौंरनपैउफनाया॥यौंछकपायाउर
 बसीयौंनृपउमगायायौंरमाहुलसीद
 लेंबल्लपित्यलपाया॥३५॥यौंमनफु

स्त्रीमेन कार्यों अमर उम्हायार्यों सुघृ
ताचीर्यों प्रयाग सुरागरचाया ॥ एत्थ सु
केसी सज्जयों मरजाद सुदायार्यों बर
धोसानच्चिर्यों खगतोकतु काया ॥ ३६ ॥
यों हरखादत अच्चरिन बलभूपवना
यागज बैँडे डूमपालगन विरुदार मि
लाया ॥ अंगगर हीमंजिकें रनरंगल
गायाथप्ये कुंभसुबोलदै कुरु बिंदच
ढाया ॥ ३७ ॥ मंडिकलमजंगालकीह
रितालमिलाया जंगहवदे डारिकें गु
डसाजसजाया ॥ बंधिबरतों सिरसि
रीधरिधूपधुमायामोदकगंजपिला
येंकेंजलदेगनपाया ॥ ३८ ॥ डूमचाक
रमाकर उछट उडिआसन आयावा
रीबाहिरलैनकों आलानछुराया ॥ क
रिअगें करिणीनकों रचिडाकडगाया

ककेगलहल्लरेकल्लरिऊहनाया॥ छी
रिदुबगोंमोरिकेंकरडोरिमिलायान
कवीपायननेउरीमगसोरमचाया॥
४३॥ बाजीएनृपबंदि केंसबबीरस
जायाअप्यचढेहयहंजपेंकरकंजतु
काया॥ नाथाउतपित्यलअरथमृग
दानमिलायाअमरसिंहरद्वोरकौन
दराजचढाया॥ ४४॥ सुखानीसिं
हकौंदिलयारदिवाअहंनकाज
प्रयागकौंखगराजखुलाया॥ तोकम
हासिंहोतकौंरुपटैतमिलायामुहुक
महरमरजाहकौंजयनाहदिरवाया
॥ ४५॥ इत्यादिकहयबंदि केंनृपबी
रबढायासोहरजुतसुडांतकौंकोटा
पहुंचायाहुंढारेदलढाहिबेबलअप्य
वनायाबेबेतुगासबंधिकेंकमनेतक

साया ॥ ४६ ॥ बेवेखगा बलगकसिक
 रधूपधुनाया बेवेचापवजायकेंसिर
 अमलगाया ॥ केकतुपकोंधारिकें
 अणुमारिउडायासेलबरच्छीसज्जि
 केअच्छीगतिआया ॥ ४७ ॥ अछेबा
 जिउडायकेंमनआजिमिलायावेंडा
 रागअलापियाअेंडाकछाया ॥ वं
 हीजनरसबीरमेंभटछाकछकाया
 ज्योगिरिनारीगानपेंसिरनागउठा
 या ॥ ४८ ॥ केजुबनवयव्याहपेंनाय
 कहरखायाजानिमितंपचरंककोन
 वहीनिधियाया ॥ अकउदैगिरिआ
 लकेबारिजबिकसायापिक्रिमतंग
 जशूलकेसदूलचलाया ॥ ४९ ॥ उत्त
 रकेपवमानतेंघनजानिघुरायाजा
 निदिवाकरजेठमेंबहुअोजबढाया

॥ इक्ष्वतजिमहि मकर उदै च्यं बुधि उ
 फनाया सोलह बेर कि सुक्रमें तप नी
 यत पाया ॥ ५० ॥ पावक मारुत पाय के
 हेति नहु लसाया कामंदक मगल मि
 केवल भूपवढाया ॥ ज्यौं करिणी के जाल
 पै सुंडाल सुहाया च्यं धक च्यं गौं च्यं नि
 के सिव जानिस जाया ॥ ५१ ॥ गोवड्डन
 करलैन कौं जिम क हक साया जानि ज
 ठा सुरजंग पै भुजभी मब जाया ॥ के ग
 जके तन कदन कौं कपिके तुकु पाया ज्यौं
 लंघन जल रासिकौं हण्ड माहु लसाया
 ॥ ५२ ॥ कै रावन बध काज पै रघु राज
 रि साया के बाहर प्रह्लाद की नर नाह
 र प्राया ॥ जिम एक इक बिंदु तै दस
 गुन दर साया बढि च्यै सै रस बीर मै च
 ढि भूप चलाया ॥ ५३ ॥ इति श्री वंशभा

स्करे महाचंपूस्वरूपे दक्षिणायने दश
मराशौ उमेदसिंहचरित्रे षोडशो म
यूखः ॥ १६ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
शामि० ॥ दो० ॥ कुम्भकदकजबही सु
व्यो हठि हंकतहमगीर ॥ अरतब
ही पित्तल अमरमद अये नृपभी
र ॥ १ ॥ म० प० ॥ जब कूरमजयसिंह
हई बुंदियदलेलकं हंतबहिनग
रनिम्मान छोरि पित्तल रनां पं हंत
दयने र अति धर्मगयो निजबलना
थाउत ॥ सुपहु रानसंग्रामजाहिर
कव्योसनेहजुतउमरावस्वीयपंद्र
ह अथरपालसोलिउपरप्रथित
बीठारिउच्च आदरविरचिहरख्यान
पचालुक्यहित ॥ २ ॥ इकसमयचा

लुक्यनिडर पित्यलनाथाउतर हतस
भाविचरानजप्योबुद्धहिंअधर्मजुत
स्वप्रमुनिंदासुनतभीमउद्धोपित्यल
मदपटासंहंसपंचासछोरिहंकीबं
छितबट ॥ इतरानपहुंचिनतिजुत
कहियमाफकरहुअपराधममम
नीनतदपिपित्यलसुमतिअकवी
तुमअकुसलअधम ॥३॥ दुजनस
ल्लकोटेससुनतयहसचिवपगयो
लिखिकंगारअतिललितबहुतस
तकारबढायो लिखीनगरनिम्मान
नाहद्वतहीतुमरोघर ॥ आबहुमि
लहिंसुअन्नबंदिखेंहैं बीरनवरपि
त्यलसुबंविउत्तरलिख्योकीं तुमह
ठमंडतघनेंममजनकहन्योआरो
निरनबलिबंदियवैरियबनें ॥४॥

अग्नानगरा देनिभी मसाल मजब
 जुहिय चालुकदे बीसिंह तबहि अमि
 धारन तुहिय कोटापति पुनिकित ववे
 र बुंदिय पर लायउ ॥ दुवकार नदल
 बीचमं डिपित्यल पहुं चायउ सुनिहु
 जनसल्ल उत्तर लिखिय जानहु नहिं
 मम दोख जिय ममजन कह न्यौं तुमरो
 जनक बुंदियसन पुनिवैर किय ॥ ५ ॥
 दो० ॥ नहिं रुचितो आवहु नहि नपरि
 खद विचममयास ॥ रहिये घर लहिये
 रुधिरपटासहं सपंचास ॥ ६ ॥ इत्या
 दिक् उत्तर लिखि रुहु जनसल्ल हित
 दिहि ॥ सचिव भेजि निजसाम करि बु
 लोपित्यल निहि ॥ ७ ॥ अमरसिंहर
 हौर इतरु हलरामकुलीन ॥ कछवा
 ननवरवाड लियनिकस्योतब छिति

कीन ॥ ८ ॥ निज सुत पंच कजुत निह
रस्त्री जन अनुग समेत ॥ सहि वि प
त्तिको वास हर आयो नीति उपेत ॥
९ ॥ पटा सहं सपें तीस मित करि हि
तदिय को देस ॥ दूमर कवे पित्य लय
मर दुव छलति मिर दिनेस ॥ १० ॥ ते
भट दुव बुं दीस पर कूर म दल सु निअ
त ॥ तजि को वा पतिके पटा आये रन
उमडात ॥ ११ ॥ जोध पुर पगज सिंह सु
वकुमर अमर र द्वार ॥ मर न आगर म
डयो तोरि सा हकौ तोर ॥ १२ ॥ अमर
भीर आये त बहि बल रुमा ऊ बीर ॥
पात सा हके त जि पटा हठि जु ऊ न ह
मगीर ॥ १३ ॥ ति महिरान अमरे स सु
त करन अनुज भट भीम ॥ रकिर बुरु
मसर नै रच्यो संगर का सी सीम ॥ १४ ॥

सग ताउ त मान सु सुनत छि प्रउ दै पु
 र छोरि ॥ पहुँच्यो कासी भीम पैं हं मख्यो
 साह दल मोरि ॥ १५ ॥ इमहि बीर पि
 त्यल अमर कोटासन करि कुच्च ॥ स
 मर बेर बुंदी ससौं अनिमिले छकउ
 च्च ॥ १६ ॥ अमर सिंह रद्वोर की पतनी
 कै गदपूर ॥ दुकवहु तो बहु दिन नतै
 संकोतह पि नसूर ॥ १७ ॥ उतरत च
 म्पलि अयापगा प्रिया भद्रगत प्रान ॥
 सोहु अमर रद्वोर सुनि नमुखो जंग
 निदान ॥ १८ ॥ अभय सिंह जे गेतन
 यपच्छोगे हपठाय अण्य चारि सुत
 जुत अडर अमर सुबुंदिय आया ॥ १९ ॥
 ॥ सुहु कम हरत्यों ही मरद मेठन अ
 घमर जाद ॥ सूरतुपकस जिपंचस
 त अयो नहत नाद ॥ १९ ॥ सबमठहि

यलायेसुपहुवहुश्च हरिबुं दीस ॥ स
हितप्रीतिबंटीसिलहसज्योजैपुरसी
स ॥ २० ॥ नाथाउतपित्यलनिडरस
ज्योनबपुससाह ॥ अकवीइच्छहुजो
जियनलेहुवहेयहलाह ॥ २१ ॥ सत
वारहदूमसेनसजिसादीपदगसमे
त ॥ उडहनिकेततमरपुरखजि
चित्योरनखेत ॥ २२ ॥ तजिबुंदियउत्त
रतरफहंकीनृपहुसियार ॥ पहुमी
छाईपकवरनसेलनगगनप्रसार ॥
२३ ॥ कोसतीनउपरकटकमिलैउभ
यरनमोद ॥ उत्तरदक्खिनकेअरेया
उसजानिपयोद ॥ २४ ॥ इतिश्रीवंश
भास्करेमहाचंपूस्वरूपेहसिणायने
दशमराशौउमेदसिंहचरित्रेसप्तद
शोमयूरवः ॥ २७ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥

प्रा०मि०॥मु०श०॥उयोरसवीरछयोन्
पश्यंगचल्योश्चत्रसम्मुहलैचतुरंग॥
चल्योभटपित्यलसंकितसेसचल्यो
सुतचारिनतैश्चमरेस॥१॥चल्योम
रजादनमावतनायचलेभटसोदरतो
कप्रयाग॥भवानियसिंहचल्योभटभू
परुमानचल्योरनरावनरूप॥२॥च
ल्योहरदाउतदेविमृगेसचल्योसग
ताउतल्योश्चचलेस॥चलेभटभारत
श्चर्जुनचंडउदैहरिचालुकश्चोजश्च
खंड॥३॥चल्योनरनाहरनाहरबी
रचल्योनवलेसहमीहमगीर॥चल्यो
भटकर्णमहारनचाहिश्चजीतचल्यो
कछुवाहउमाहि॥४॥चलेइन्हश्चा
दिवडेबरबीरथपावनसत्रुनखग्ग
नधीर॥चल्योइमबुदियभूपतिच

क्वि तंडन पिहिरबुलीव हरक ॥ ५ ॥
 अडंबरभोरजअंबरअघमचोच
 ढिध्वांतबन्यौरविमोघ ॥ भयोनिस
 चारनअनंदभुल्लिडरेडिगिचकि
 यचकहुहुल्लि ॥ ६ ॥ चलेइतवारह
 सेरनरीसपिलेउतगज्जिहजारपची
 स ॥ तज्योभवमोहभज्योकरतेगउठे
 भटरजियबाजियवेग ॥ ७ ॥ धमंध
 मिभुमिधुजीहयधारघमंघमिघु
 ग्यरपक्वरभार ॥ ८ ॥ डमंडमिडाहलडि
 डिमडक्करमंठमिसिंधुरघंटठम
 क ॥ ९ ॥ नरायनपिकिवयबुंदिखना
 हकह्योजुरियाहिगहोककवाह ॥ १० ॥
 तीकहतेंदुहुंघांउमरावमिलेतिमि
 लेपयसकरभाव ॥ ११ ॥ बज्योअसि
 हहुनअहुनबाहगज्योभयभीरुन

वीर नगाह ॥ दपहतलकवनभकव
नहायरुपहततकवनकौंरुमकाय
॥ ६ ॥ लकल्लकिबुद्वियवानविथार
धकहकिघायनसोनितधार ॥ रुगज्ज
किन्नायुधभारुगमग्निधगद्धगिअहु
यस्वग्गान्प्रग्नि ॥ १० ॥ कटकटिकं
कट्टबंकट्टवाहखटकवटिखावनडा
किनिडाह ॥ चटत्रटिउच्छटिहडुन
संधिगट्टग्गटिगिहवपाचयबंधि ॥
॥ ११ ॥ खनकवनिदोपनपैंखुरतार
मनबुनिगोलिनध्वानभयार ॥ रुप
ज्जपिसेननपच्छतिमुंडलपल्लपिल्लु
दलसिंधुरसुंड ॥ १२ ॥ रुमंरुमिमारदु
धारनगाहघमंघमिसेलनठेलनवा
ट ॥ लंगैंअसिकुंभनफांकचलावव
हैरदसबुवतंतिवनाव ॥ १३ ॥ भुजां

तर होत कदार नभिन्न खिचें परि पंज
 र खंजर खिन्न ॥ कढें खर तो मर हंस
 नदारि फबें पृथुरो मकि जालिय फारि
 ॥ १४ ॥ चलें चमकें असि योज अण
 र छपा कर बाल कला छवि दार ॥ लह
 कहिं लुत्थि नपें लगिलुत्थि उछ हहिं
 कहहिं बुत्थि न बुत्थि ॥ १५ ॥ उलह
 हिं घार नतें भट अय रसमें ग्रह जानि
 कबूतर खाय ॥ छुल कहिं छि छि हव
 कहिं घाय छुंटे जल जंत्र किजा बक
 य ॥ १६ ॥ चलें द किजा नुनके पय मि
 नस्तनंधय केलि कि अंग न किन्न ॥
 कि ते भुव लुह तजा त अचेत खिचें ज
 कुकोटि सडें लन खेत ॥ १७ ॥ परे क
 ति ऊरध हत्य प्रसारि किर्धो हरि मं
 दिर बंदन कारि ॥ बव कृत के गिरि व

करबेसमनोंनमिगातरिगातमहेस
 ॥१८॥ अटकतपायरकावनडडल
 टकतजानिअधोमुखसिद्ध॥कटे
 सिरअभफिरैभ्रमकारिकुलालकिच
 कहिंभंडउतारि॥१९॥ थरत्यरकात
 रकंपकुठारबिनांतियज्योंनरपोसतु
 षार॥उडंफटिपेटफदकतअंतक
 रंडनतेकिमुजंगकढंत॥२०॥ बनें
 बढकेभटकेरनबादसुज्योंअटकेज
 गहीसप्रसाद॥रचेंदुवहत्यनकेअ
 सिवारकिधोंकरखतियकडुकुगर
 ॥२१॥ सरेंसतजातछिदेउरसैंकि
 नसातरजोगुनकीलहरैंकि॥गुटी
 दूगअौरकहेंदूगलैरुकिधोंअलि
 कामलकीरकलैरु॥२२॥ धसैंकडिके
 दूगसौनितधारवनेंपृथुरेमनवारि

बिहार ॥ सिचानकच्यंतहिंलैनभज्जा
तच्यचानकगोतगुढीसमखात ॥ २३ ॥
दिसाबिदिसाननिसानननइमनैज
नुघोरबलाहकमद् ॥ तुटीलगिडीप
बजैंतरवारिमनोंहरिमंदिररुह्वरि
गरि ॥ २४ ॥ भईहलमखचलचलधु
मिघद्योबलनागनिसासनघुमि ॥
इचैधनुसिंजिनिवेगविसालकिधोर
नथंमतजंमतंकाल ॥ २५ ॥ मचैघन
लोहितफुदतमत्यहसैलखिजुगि
निखपरहत्य ॥ समप्यतहेरिसबैग
नसीसच्यपूरबहारबनावतईस ॥
॥ २६ ॥ थेइत्येइधुमतडाकिनिमल
तमासनप्रेतमलंगततत्त ॥ कितेरस
पानपिसाचकरंतरमैकतिलोहिततुं
दभरंत ॥ २७ ॥ करैकतिच्यामिखतै

अनुरागवनावतकेमुखमेदविभाग
॥ करे मृदुकीकसजिमानकेकश्चहा
रतकोशिकग्रासश्चनेक ॥ २८ ॥ खरेक
तिघस्परशुक्रहिंखातुभयेरनदुर्लभ
भसत्तहिधातु ॥ रचेंसिवहासनचेंभ
यकारजचेंजियबुदियकोजयकार ॥
२९ ॥ त्रहत्रहतंतिनसिंधुवसदमये
हनश्चंगनयोंश्चवमद ॥ गहकहिं
चकवहिं गिद्धनिगोदवपालहिमंड
तकंकविनाद ॥ ३० ॥ निकासतचि
ल्लनिचंचुननेनगहें हियसेनगह
कृतगेन ॥ किलोलहिं स्यारसिवा
किलकारिचरेवंपलमंडलमंडल
चारि ॥ ३१ ॥ उठीरनश्चंगनखगान
श्चगिलसीश्चदवीनवज्यांदवल
गिग ॥ जरंगजढालनतालनजूहज

रेंगजसुंडितमालनजूह ॥ ३२ ॥ कटे
 पयकुंभिनतिंदुवतत्तजरेंगजउन्न
 तपब्रयजत्त ॥ वरेंहयबालधितेज
 नतंबलगैलटियालकिदर्भकदंब
 ॥ ३३ ॥ सिखाबलिसूरनकीतनगुच्छ
 मलीमसकाससुडडुडियमुच्छ ॥ जरें
 छगणावलिरैटकजालवरेंप्रसि
 कोसपृथग्विधद्याल ॥ ३४ ॥ दहेंहुमहु
 छदछल्लिहुकुलकिरेंचिनगोसुहि
 पानकुकुल ॥ जरेंतंहंतोमरतेत्वचि
 सारतचेंगवलावलिरूपतुखार ॥ ३५ ॥
 प्रजारियभूपतियागतिप्रग्गिकिली
 रनरंगमिलीरुगमग्गि ॥ प्रपूरवके
 लियज्वालप्रलातवचेंतनकेजलके
 जरिजात ॥ ३६ ॥ प्रनूरुहिंप्रातुरप्र
 किवयप्रकचढेरनबुदियजेपुरचक

॥ तुरंग मरुकाहु खंचिखलीन कुतूह
 लपिकवहु बीरवलीन ॥ ३७ ॥ दिसावि
 दिसानकसानु दिखां हिं मच्योदवयी
 खमभद्व मां हिं ॥ निहारहु होत अ
 नीकननासत पै भुवत कहु चक्रत
 सास ॥ ३८ ॥ प्रतिलोमानुलो माई म
 ॥ तुहे नररी सरबीस मलाल तुलेह
 थजेमह ले सुकराल ॥ लराक सुलेह
 मजेय हले तुललामस बीरसरीर न
 हेतु ॥ ३९ ॥ अस्मात्सजातीयेष्वेव प्र
 सिद्धं गीतनामकं मरुदे प्रीयं चंद्रो वा
 नानिकूटवद्धः ॥ उमेदभूपति अंग
 में सबीरस कुलिरंग में वरबीरवार
 हसे अबीरनचकलैचहुवान। जयनेर
 सस्यु हजोरसों मिलिखगमारियभो
 रसों वरगुमर असिवरसमरलगिरु

रकुनरछरतरहुनरहतकरजवरख
 रसरगजरजयधरअडरभरभिलि
 कचरघनकर ॥ अमरपुरमन्त्रिहकर
 दरबरउहरपरमिलि। मुखरषलचर
 खचरचयअरखपरखरभरपहरद्व
 कवजिटकरधरपरधोरदमघमसा
 न। करवामलोकप्रयागहैअमरसर
 किवनभागहैमरजादपित्यलअग
 मंडियबीचअप्यनवाजिविरुदालि
 बंदिनबित्यरेअतिवेगसम्मुहउप्य
 रेवजिकटकदमनकरचकधमचक
 अटकदकतकमुलकअकबकअ
 छकछकमदललकअतिधकतुपक
 चलिहकसलकदकटकगरकरंगक
 कफरकबहरकचमकरुरसुचिकम
 कचकमककिलकडकलगिअजक

चउच्चकपुलकसककरघमकपखर
कअरकरजठकअजाजि॥अतिमोद
जुगिनिउल्लसैंहरदेविनारदत्यौंह
सैंडरदेतलेतडकारडाकिनिप्रेतहे
तप्रसार।कमनैततीरनतानिकैंप
खरैतबेधतपानिकैंबुधतनयहित
जयप्रणयनववयछपयरनसुमअ
भयअतिसयविषयचयभुवबलय
बिसमयप्रलयमयभयसमयनिर
हयउदयरविनयनिलयअतिरय
अजयखयकरअखयजयअयउ
भयसयपयहृदयअपचयकटयभ
टस्मयनिचयहयगयमारहीनसुमा
र॥तुरगीरचैंकतितेहरीकिमुअद्रि
लंघितकेहरीफटिमत्यभेजनजुत्य
फैलतनूतनकिनवनीत।छिकिदे

पबाहुलउच्छदैकटिकालिकंकटकी
 कदैभदगरटमिलिषटपुरटछटप
 टकुघटघटपरिच्यवटकटिकटक
 पटतटप्रतिरुपटरनच्यउबटब
 टरटविकटरहचटपलटनठगति
 उलटकटषटउछटखगऊटनिपट
 च्यघदटदपटदियभिलिनिकटम
 तिभंटरपटमचिरनप्रकटरजबट
 जुरतचाहतजीत ॥ ४० ॥ च्यंत्यानुप्रा
 सिनीरोला ॥ बुंदीजेपुरउलटिबीर
 च्यायेतिच्यखारैंगायकसिंधूतारया
 मच्यलापउचारै ॥ भुम्भिमचकैकट
 कभारफननागपसारैऐरावततैसु
 प्रतीकलगचीहचिकारै ॥ ४१ ॥ दह
 किदहकिदौलेयराजकिरिराजपुका
 रैलवणोदकसौसुद्धनीरलगबहन

विचारै ॥ बलसूदनसौं बामदेव लग
 अजकउसारे वड वामुखसौं ब्रह्मलो
 कलगंसोकसम्हारै ॥ ४२ ॥ इमहड्डैक
 रमअभंगबलजंगविथारै वज्रै अ
 युधनिशितबाहअरिबाहउतारै ॥
 फुदैसिरतरबूजफांककठिलौकुठ
 रैहत्थिनमत्थैचंद्रहासदुवहत्थनम
 रै ॥ ४३ ॥ सुडादंडनखंडखेरिअहि
 रूपउतारै कउद्वतसंग्रहिकलापह
 ठिदंतनिकारै ॥ सेकिममालाकारसो
 मअतिजोरउपारै अघोरनघुमैअ
 चैतकपिज्याहुमकारै ॥ ४४ ॥ कुंभन
 तैंगजभद्रकेकमुत्ताहलठारै मानौ
 मेचकवारिबाहडिगिसीकरडारै ॥ च
 उसहीमारै मलंगवावनबबकारै हा
 कहकारै केकजानिगजमारगलारै

॥ ४५ ॥ फुहें ब कतर सिंगि फेट बयु वै
धि बि हारें ट करन तें ना गो द टो प बल
ख गन बि दारें ॥ रुकै पायर का बजोर
सा दी सि स कारें स च्चै क च्चै ल ख न स
र च्चै सि पर ख उ घारें ॥ ४६ ॥ करतुहें
जै सें पृ दा कु फ न पंच उ फारें च्चै ना व
लि हर में क टार ज बु ब डि स बि सारें
बुरिका छ लिन छे दि छे दि म स्कर छ
बि मारें ॥ ४७ ॥ बुंदी जै पुर लाज बाद
परि उ म य प्र हारें च्चै मर पुरे की सी म
च्चै त न र कु ण प नि हारें ॥ लो हित लं
बी छ छ क छू टि प्रै त न ज क पारें साय
क म य दाय क दु सार घाय क छ द सा
रें ॥ ४८ ॥ सरिता भोव ह संपराय जल
सानित धारें बुंदी जै पुर त व विलं द
घट विकट कि नारें ॥ फु ल्लिक से सयह

दय फां कच्छ विश्वतुल्य पारै उतप
लगनलोचन न्यूनपद्मविकचह
जारै ॥ ४९ ॥ इंदिर उपर न्येकगु
टिकागुंजारै गजनदंतकटिगिरेसु
करहाटकितारै ॥ तंबेरमकुंभीरतु
ल्लयबलवानविहारै बाजीगनप्रवहा
रबेसमिलितासमगारै ॥ ५० ॥ सुंढि
पतित न्यंकुससमेतबनिबडिसवि
सारै जिरहगिरी आनायजानियल
कईमपारै ॥ कटिकटिउडुतकाल
खंजसुहिकमठसिधारै बुक्काचय
दहुरबिडंबिवहुफदकविथारै ॥
५१ ॥ न्यंत्रावलि न्यलगईरूपसंच
यसंचारै जलनीलीनिभसिचय
जालइततिरत न्यपारै ॥ जत्यज
लोकाजूहकीसुधमनीच्छविधारै

गंडकसंचयचंगुलीनवनिचपलवि
 हारै ॥५२॥ हत्यनिहाकानिकरहाय
 करिचलतकितारैकंठलिलकविच
 रैकुलीनश्रुतिसीपसुहारै ॥ संखनख
 रुसंबुकसंखकीकसचनुकारैच
 स्थिचूरसिकताचनूपनरसरनिहा
 रै ॥५३॥ आवरणकचावर्तरूपच
 टिचक्रउधारैधूमलहरिउहैचने
 कचप्रतिवातइसारै ॥ कुंभकरीकेच
 कवाकधुवपीतनधारैवेहीगिरत
 हयच्छवासुसारससंचारै ॥५४॥ चा
 मरबनिचकांगरूपवकलोपविहारै
 घनकारंडवगजनघंठगिरिगिरि
 गुंजारै ॥ उचूलसुआतीकपालम
 ग्गकिलकारैगजचंगुलिकठिक
 दिगिरीसुसिखरीचसुहारै ॥५५॥

कातरबीरणतंबकेककठिलगिक्कि
 नारैः शृंगाटककरसूकसंघबिचदेत
 बहारैः ॥ ऊरुपतितसिसुमारः प्राभ
 गलउद्रः श्यपारैः घुंटकघनसालूकसो
 भधरपातितधारैः ॥ ५६ ॥ निडरपरा
 कमपृथुलनावनयमंगनिहारैः लंबे
 केतनवरदवानपवमानप्रसारैः ॥
 एरैः दुल्लभप्रानरूपः प्रातरकरिडा
 रैः दीरनियामकरसविसेससुहिपा
 रउतारैः ॥ ५७ ॥ उहैः घायललपनरु
 गबुदबुदः प्रनुकारैः मज्जामेदः अने
 कः श्योषडिंडीरदिकारैः ॥ श्येसीदुस्त
 रः प्रापगासुहुवस्रोतहजारैः बुंदीजै
 पुरउभयवीरतिं हिंतिरनविचारैः
 ॥ ५८ ॥ दो० ॥ श्येसीदुस्तरः प्रापगाव
 दितिरनवरवीर ॥ इतउतकेः प्राह

व्यडर धारा धर कर धीर ॥ ५८ ॥
॥ इत पित्यल चालुक्य सह कूर म
प्रताप उत इत कबंध प्रमरे स उत सु
जहवद लील दु त इत प्रयाग चहु वा
न सुरत उत कुम्भ सुमंत ह ॥ इत मर
जाद प्रसंक उत सुकूर मज सवंत ह इ
त तो कवि जय कछ वा ह उत इत उन
कुम्भ प्रजीत दु व इत देव हहु हमी
र उत हर खि कुम्भ ह म गीर हु व ॥ ६० ॥
दो ॥ हहु म वानी सिंह इत उत माथ
व कछ वा ह इत सगता उत प्रचल उ
त संकर कुम्भ सिपा ह ॥ ६१ ॥ च्या रि प्र
मर र दोर सुत प्रवति न के प्रभि धा
न ॥ इत भै र व प्रंग द प्रचल उत कछ
वा ह प्रमान ॥ ६२ ॥ इत कबंध नवले
स उत मट कूर म भू पाल ॥ इत स न मा

वकबंधउतप्रर्जुनकुम्भप्रवाल ॥
॥६३॥प्रहरसिवाईसिंहदूतरनपं
डितहोर ॥प्रभयसिंहकछवाहउ
तमिलेउभयभटभोर ॥६४॥इतसु
भहहंहीसकोजुहनिपुनजगरामा
उदयसिंहपरमारउतकुपितमि
होजयकाम ॥६५॥उभयउभयद्व्या
हिरुरिचनीभमरउमराव ॥किन्नौं
रनरविमह्वकविवरनेंविरुदबढा
व ॥६६॥प०॥चालुकवरपित्यलजं
मनाहनाथाउतपुरनिम्माननाह ॥
पिसिपदातिमादीपचीससजिन्न
लियकुम्भपरतापसीस ॥६७॥उत
तप्रतापहयसतउपेतखिजिआ
वीससुहवीरखेत ॥पित्यलउरमा
रियवानपंचरनवीरयहहुसंक्यो

नरंच ॥ ६८ ॥ मारकसिरमारियमंडल
 गकटिदोपकछुकसिरखगियखम्हा
 ॥ तससुभटइ हांडकवारकिन्नकर
 सब्यसांगदसुकरियभिन्न ॥ ६९ ॥ हे
 जातचलियपित्यलकूपानसिरभि
 न्नहोयप्रिभुवसयान ॥ पुनिहनि
 प्रतापकेसुभटसत्तप्रायोउडायह
 यदुतउमत्त ॥ ७० ॥ हयखंधतेगभा
 रियप्रतापहयगिरतभयोपयचार
 प्राप ॥ हयहीनतिमहिकरसब्यही
 नपुनिहनियकुम्भभटनवप्रबीन
 ॥ ७१ ॥ इहिंविचप्रतापमारियकृपा
 नपित्यलकव्यासुतिलतिलप्रमान
 ॥ सनाहलयोनहिप्रथमसरपानि
 पदिखायतेसोहिपूर ॥ ७२ ॥ सत्रह
 प्रितैरहसुभटसत्यसजिद्रवनी

कपहुं चोस मत्या ॥ रद्वोर अमरजह
वदलैल खिजि ^{खिजि} इत मंड्यो बीरखेल ॥
७३ ॥ ते तीस पद गदत कृति तुरंग उ
तसतरुसद्वि अ नुक्रम अ मंग ॥ ल
खिकहिय परस्पर वाह वाह बाह दु
तुमबाह दु नवसियाह ॥ ७४ ॥ भिरि
प्रथम रचि सैल नभच कर मिदाव
धावकावनरचक ॥ इमफिरत बा
जि हो उ न उ डानि दु व मंड दंड भूत च
क जानि ॥ ७५ ॥ ननु कै दिने स अ रुजा
मिनी सगर दाय फिरत हाटक गिरी
स ॥ आवर्त उ द धि जि म दु व जि हाज
बलि कि मु क पोत पर उ म य वाज ॥ ७६ ॥
दु व पत्र वात चक कि धिरंत कन्या कि
उमय कुं दिय फिरंत ॥ दुवल दुवजा
निज दसिर दि स्वाय इमफिरिय बीर

वाजिनउ डाय ॥ ७७ ॥ अमरे समुक्ति
 तोमरुप्रभंगजद्वहयवेधोनिडर
 जंग ॥ हयगिरतअपरआरुहिदले
 लमाखोकबंधउरसुभरसेल ॥ ७८ ॥
 सहिसेलअमरहनिसत्रुसत्तमाखो
 दलेलअसिवरउमत्त ॥ जद्वहिंमा
 रिअगौंजगामभिंख्योभदेससीसोद
 स्या ॥ ७९ ॥ दोउनकृपानकारियदुह
 त्यमृडमालमक्यगयउभयमत्य ॥
 अरिनवयचीसनिजभटउपेतरदो
 रगयोनिर्जरनिकेत ॥ ८० ॥ इतभट
 प्रयागइकहिअभंगसुरतेसउतसु
 हयसदिसंग ॥ मिलिउभयजंगमंडि
 यअमानबदिवाहवाहसिवकियव
 खान ॥ ८१ ॥ पदुप्रथमतुपकारिय
 प्रयागअरिदोयहनियजिमआरबुना

ग॥ डकरायवाजिपुनितुपकडारिक
 षिहिंतुकालनागिनिनिकारि॥ ८२॥
 सुरतेसनिकटपहुंच्योप्रयागफिरि
 मंडलखैल्योहेतिफाग॥ जेजेभदपि
 खेसुरतजत्यतेतेप्रयागसबहनिय
 तत्य॥ ८३॥ इमफिरतहडुहेवरउ
 तालजिमचनिलच्यगितनविपि
 नजाल॥ तियमृगियसुरतजिमनर
 तुरंगइमसुरतहडुदव्योच्यभंग॥
 ८४॥ आघातखगदेदेच्यनूपकिय
 बहुतकुम्भचालक्तकूप॥ खटसुम
 दसुरतपिखेखिसायपत्तेप्रयागप
 ररनरिसाय॥ ८५॥ च्यभिमन्युलख्यो
 खठरथिनचाजिविफुख्योप्रयागइ
 मदपटिवाजि॥ दुबमारिच्यारिघाय
 लगिरायखटच्यसिप्रहारतिनके

दुखाय ॥ ८६ ॥ सुरतेसमीस हं किय
सजोरमानहुलखिजिह्मगमत्तमोर
॥ इकजवनअनिदुहिं विचउमाहि
वेधोप्रयागसितसंगिवाहि ॥ ८७ ॥
हिंसंगिसहितघोटकउडायकह्यो
सुमिच्छुनिपिहुलकाय ॥ यं हंसुर
तसिंह कियखगवारमाख्यो प्रयाग
मृडजानिमार ॥ ८८ ॥ हुंढतजिहिं
हारेकंकहेंकनहिमिलियलुत्थिय
लचरननेक ॥ अथवसिद्वरहियन
हिलैनअगिलुत्थिसुप्रयागगय
असिनलगि ॥ ८९ ॥ हनिपंचअरि
घायलविधायपत्तोप्रयागनिर्जर
निकाय ॥ मरजादसुमुहुकमअन्व
वायसतपंचपदगसादीसजाय ॥
९० ॥ इतचलियपिकियजसवंतबी

रधुरधरकलायपतिकुमरधीर॥व
हहूसजिखठसयश्चवारहमगी
रपदिकत्यौंहीहजार॥६१॥मरजा
दसीसधारतमरोरश्चायोगजाउत
रचतरोर॥मरजादमत्यतकितीर
तीनदपदायवाजिकछवाहदीन॥
६२॥मरजादसुभटइकनाममान
कूरमहयमास्योदेकपान॥जसवंत
श्चपरहयचडिंजरसमसेरहन्यौं
बहमानसर॥६३॥कूरमनिजजह
वसुभटदोयहडुसिरहूलेकुपितहो
य॥देचक्रदुहुंनमरजादबिंदिभाल
नप्रहारकियभिंदिभिंदि॥६४॥हु
नहडुहुहुनतोमरबिदारिजहवन
नय्यौमरजादजारि॥रहोरबडुरिपि
रिसायखगगारिहडुलियसोडु

खाय ॥ ६५ ॥ पठयं डम कूरम दस सि
पाहलिनेति मारिल गि विजयला
ह ॥ हद्दा सुमेरु पठयो व हारि दि नौ
क्यान ति हिं खंध दोरि ॥ ६६ ॥ उपवी
त उतरि मरजा द अं सबे वी त नुत्र मि
दि पृष्ठि वं स ॥ इ हिं धाय भ यो संभ र
अचे त रि न ध रि य मो ह ढ रि प रि य
खेत ॥ ६७ ॥ त जि मां ह व हु रि वि सु
ही तुरं ग ज स वं त हिं तु क्ति य उ दि जं
ग ॥ पु नि मा रि अ ह कूर म प्र वी र सु तो
स त ल्प सं ग र स धी र ॥ ६८ ॥ इ म खा य
स त्पु र कौ न वी स व लि क रि अ चे त या
य ल व ती स ॥ विं टि य त व अ च्छ रि
डारि वां हि म र जा द प त्त इ म ना क मा
हि ॥ ६९ ॥ चो रा सी नि ज भ ट र हि अ
खेत स त दो य भ ये पा य ल सु चे त ॥

दूत तो कसिंह मिलि छो ह्यंगुत त
विजय सिंह कूर मध्यमंग ॥ १०० ॥ दु
बद पटिबीतिरीति नदिखाय दुव
करत वारस्यसिघायदाय ॥ रनचत्व
रदुवजय रवंभरूप दुवस्वामिधर्मध
रमदलभूय ॥ १०१ ॥ दुवद्विरदइ कथे
लुकदिखात दुवसिंह जानि इकब
स्तथात ॥ यं हं तो कचंडस्यसिबरच
लायगतिवज्र विजयदिनों गिराय ॥
१०२ ॥ इतस्यजितस्यजितकछवाह
दीयहथियारमारमिलिमत्तहोय ॥
गोलिनल गिदोउनहयगिरंतद्वैप
दिकजुरेबलवंतहंत ॥ १०३ ॥ आता
पिउभयजिमजुरतजुद्धकैथोंचरन
शुधउरकिकुद्ध ॥ जिमत्रोटिनखर
खरकोनजंगदक्षायकंकजनुअतु

लदंग ॥ १०४ ॥ भिरिद्रमप्रवीरबनिधि
नमिन्नकरिकित्तिदुदुनदिववासकि
न ॥ इतदेवसिंहहृडाउदारहरदाउ
तसत्रुनगिलनहार ॥ १०५ ॥ हस्मीर
कुम्मसिरविरविहाकजमकतलक
रतश्यायोकजाक ॥ मिलिउभयभाद्र
पदमुदिरमानश्यासारहेतिवरख
तप्रमान ॥ १०६ ॥ हस्मीरइहोंकरि
असिप्रहारवहदेवनराख्योअश्व
वारतवपदिकहोयरविनटमलंग
सारसनरुदकिअँच्योसुसंग ॥ १०७ ॥
पयचारउभयइमबनिप्रवीरहृ
पुबजुरिगदेवरुहमीर ॥ हलकारि
खगमारतदुहत्यललकारिहोत
पुनिलुत्थिवत्य ॥ १०८ ॥ तुदियलगि
दोउनअसितनंकिकहारतवहिमा

रियऊनंकि ॥ छममल्लजुद्धपुनिरचि
अच्छेहदुवबीरगिरेइमछोरिदेह
॥१०६॥ ष०प०॥ सुभरभवानिसिंह
महासिंहोतउमंडिइतउतमाधव
कछवाहहलियनिजस्वामिविजय
हितखुरनअग्गाभुवखुंदिमुंदिप
नगसहस्रमुख॥ तुमुलजारितरवा
रिगारिमंडियरावनरुखमिटिगुम
रपिद्विकच्छपसुरकिदुरकिनिदि
रकरहविगभीरुनभटेसधिकारि
भिरतदिकारिगनचिकारिदविग
॥११०॥ जिमअखंडलजंभसब्यसा
बीराथासुतस्वामीतारकसूरभीम
कीचकबलअद्भुतपुनिहलहेति
अलंबसूनसायकअरुसंबर॥ अंज
निनंदनअशबज्जतुंडरुकाकोदर

मैना कस्रमाजितसुरमहिषञ्चान्न
गवीञ्चकञ्चरनद्धिंरीतिरुप
दिञ्चाहवञ्चजिरबीतिदपदिल
गोलरन ॥ १११ ॥ कूरमकोकरवाल
हडुमिल्लोतोमरपरकटतकुंतञ्च
सिकडिञ्चनखिमरियद्धिञ्चनस
रकूरमकोसिरकडिनिडरकियरुद्र
निवेदन ॥ इमञ्चक्षतरहिञ्चप्यञ्चरि
नमंडियउञ्चेदनवरबाजिनावखे
यकवलियकुञ्चेयकदियवलिकर
दजयधारिफिरिगजानियजगतभि
रिगभवानियसिंहमट ॥ ११२ ॥ इत
सगताउतञ्चचलसिंहकूरमउतसं
करइतप्रवीरलवञ्चसउतसुकुस
बंसभयंकरइतबुंदियधरञ्चरउ
तसुहुंवाहरतालक ॥ उदयनैरइत

श्रोपउ तसु जैपुर उज्जाल कइत इ
काउ तसुद सहय अधिप इत सिव
रक्षक विष्णु उत कलिकार फुरे हि
यसु मविक सिनिक सिजुरे कलिका
रनुत ॥ ११३ ॥ दो० ॥ दसदस के लिप्र
हार दुवर हे तिघाय लरंग ॥ आयु
मयी बलवान यं हं मे वी त्रि दि व उ मं
ता ॥ ११४ ॥ इत भै र व अ म रे स सु त
रन की वि दर दोर ॥ अर अ मान क क
वा ह उ त ज वी जुरे ग अ ति जोर ॥ ११५ ॥
॥ कूर म र व ग क बं ध कैं दि नौं त म कि
म हं ध ॥ क टि वा दु ल कर अ इ क टि
वै ल गि म शि बं ध ॥ ११६ ॥ अैं सैं ही
इ क अं स पर खाय उ भय त सरव ग
॥ मा र्थो कु म अ मान कौं इ म र दोर उ
इ ग ॥ ११७ ॥ पु नि कूर म भ ग वं त प्र

१०

१८

तिजुस्योमलंगतमत्त ॥ दौउ नञ्चसि
 बरछाकृच्छकित्तैकलेवरतत्त ॥ ११८ ॥
 इतकबंथनबलेसउतभददूरमभूपा
 ल ॥ अरदृच्छनजोरेउभयकरतिच्छ
 नकरवाल ॥ ११९ ॥ यानोमदवमेधमै
 चपलाजुगचमकाय ॥ कृदकेदुमकम
 कायदुवदुवदुवदुकेयनघाय ॥ १२० ॥
 इमहिबीरसनमानइतउतञ्चर्जुन
 कृदवाहंतिलतिलकटिपहुंचेत
 विषलेदुवञ्चरिलाह ॥ १२१ ॥ अ
 डरसिवाईसिंहइतसूरञ्चभयउत
 सज्जि ॥ परेखेतघायलउभयरुहिर
 छदकतरज्जि ॥ १२२ ॥ इतमहसुबुं
 हीसकोजयगाहकजगराम ॥ उदय
 सिंहपरमारसिरधष्योप्रसारतधा
 म ॥ १२३ ॥ कुंतदकपरमारकोसाय

१०

१८

प्रहारियखग ॥ किन्नौप्रवलकरोदि
 याअरिसिरखंधअलग्ग ॥ १२४ ॥
 उदयसिंहकोमारिद्रमविंशो जहव
 बग्घ ॥ देहहोरिदियपत्तहुवअच्छ
 रिमंडियअग्घ ॥ १२५ ॥ ज्यौसंगरक
 नउज्जकेचंदलखोअसिचंड ॥ इम
 जुह्यो जगशमयं हंसंडबकरिबसु
 खंड ॥ १२६ ॥ इत्यादिव इतउतलर
 तहुंहीसुमटविसेस ॥ विचअसिम
 रतहुइसुबहुपहरचंडदिनेस ॥
 १२७ ॥ मु.दा. ॥ चल्थोइतभूपतिम
 रतखगकरैअरिघायलडारनरु
 ग्ग ॥ इतैउतघोरमचैअवमइइत
 उतआवहिंआवहिंनइ ॥ १२८ ॥ इ
 तैउतसुंडनआरितभुमिइतैउत
 डौननआयलभुमि ॥ इतैउतसकु

लिलुत्थिनलुत्थिइतेँउतबाहविरि
रतबुत्थि ॥ १२८ ॥ इतेँउतरंजरही
तदुसारइतेँउतफुहतपहिसपार
॥ इतेँउतहोततुपकनमग्गइतेँउ
तवेधतसेलनप्रग्ग ॥ १२९ ॥ इतेँउ
ततीरनहंकतगेनइतेँउतसहत
संगिनसेन ॥ इतेँउतउग्ररचैरनरो
रइतेँउतपातगदाभ्यतिजोर ॥ १३० ॥
॥ इतेँउतचापचहइतचकइतेँउ
तधूपनकीथसचक ॥ इतेँउतयाग
तिआयुधबुद्धिइतेँउतसुद्धिनमार
तमुद्धि ॥ १३१ ॥ इतेँउतभौहंनचुंन
तमुच्छइतेँउतउडुतगोदनगुच्छ ॥
इतेँउतअन्नलगतलीहइतेँउ
तकातरकखरिजीह ॥ १३२ ॥ इतेँ
उततुहतसंकुलिसीसइतेँउतसू

ररिजावतईस ॥ इतैँ उतडाकिनि
 खोजतखेतइतैँ उतपानिप्रसारत
 प्रेत ॥ १३४ ॥ इतैँ उतडोलतअंचन
 थालइतैँ उतफुहतकंठकपाल ॥ इ
 तैँ उतधावतसोनितधारइतैँ उतकी
 कसबुँ हअषार ॥ १३५ ॥ इतैँ उतने
 नडछहतकडिइतैँ उतबाहुफुह
 कृतबडि ॥ इतैँ उतदोषबकतर
 हुकइतैँ उतहरवहरवहुक ॥ १३६
 ॥ इतैँ उतबावनगावनहारइतैँ उ
 तजछजपैँ जयकार ॥ इतैँ उतनार
 हअकषतबाहइतैँ उतसाकिनिहे
 तसिराह ॥ १३७ ॥ इतैँ उतचौंकिफि
 रैँ उतसहिइतैँ उतसूरनसजसम
 दि ॥ इतैँ उततंडवमंडतरुंडइतैँ उ
 तहुकृतमंडनरुंड ॥ १३८ ॥ इतैँ उत

बाह्रुबाह्रुबुद्धिइतें उतकारतलेय
 नतुद्धि॥ इतें उतबाजिनव गगतमामह
 तें उतकुहलगेवरग्राम॥ १३६॥ इतें उ
 तपकर रंघनघोर इतें उतअग्निशि
 लगतसौर॥ इतें उतबहलकेअनुक
 रइतें उतलोहितबुद्धतबार॥ १४०॥ इ
 तें उतचापसुबासवचापइतें उतगज
 सुगजअमाप॥ इतें उतसीकरगोत्रि
 नगोट इतें उतइतिनइतबकोट॥ १४४
 इतें उतअजइरमदथारि इतें उत
 त्योंतडितातरवारि॥ इतें उतइलहह
 हरबलइतें उतयुग्घरइहुरगल॥
 १४२॥ इतें उतवीरसुउत्तरवातइतें
 उतसूरभदूरसुहाल॥ इतें उतचात
 कधंरनअलिइतें उतअस्थिकिरे
 करकालि॥ १४३॥ इतें उतकातरभा

लिउदासइतैउत हूरकृषीबलअस
॥इतैउतजीगनहैचिनगीनइतैउत
स्यामघटाकरदीन॥१४४॥रच्योनृप
यौरनयाउसरूपधयावतसत्रुनतैनि
जधूप॥लयोढिगजायनरायनदास
प्रहारनमाररचीचहुंपास॥१४५॥भ
ज्योगजखत्रियकौलखिभारभयोतवकु
हिरुहैअसवार॥इतेविचकूरमविक्र
मअथायदईतरवारिघनेंकरिदाय॥१४६
॥भयोतिहिंहंजकहैपयभिन्नतऊरु
पदायहनेंअरितिन्न॥मिखोवहवि
क्रमअनिवहोरिलयोनृपकूरमको
शिरतारि॥१४७॥यहैलखिकूरमभै
रवअनिजुखोनृपतैदलमारतजा
नि॥महीपतिउपरखग्गसुमोच
खयोकहुंपंसुलिपेंकटिकोच॥१४८॥

करीपुनिहंजहयच्छटचोटकल्योक्
 छुपैनरुकोनृपघोट॥चलीनृपकीत
 पकीतरवारिलयोवहभैरवमारतमा
 रि॥१४६॥इतेविचकुम्मिल्योमहता
 पदयेसरचारिचटदृतचाप॥लंगीनृ
 पकेदुवदारितदंसलगेहयकेदुव
 दाहिनप्रंस॥१५०॥रुकोनहिरंच
 तऊनृपप्रोजचल्योश्चरिमारतफार
 तफौज॥तहोंपुरपीलपतीचहुवान
 भिरेदुवथानतथासुरतान॥१५१॥न
 रूहरत्यौहरनाथतृतीयदुहनेंनृपरु
 क्रियगाढगरीय॥उमेचहुवाननका
 रियखगाकरेतिनकेसिरभूपप्रलगा
 ॥१५२॥तथासहिनारवकीतरवारिल
 योहरनाथहुकोहयमारि॥घनीदुम
 जैपुरवीरननारिकरीनृपजोगिनिकं

कनकारि ॥ १५३ ॥ जहाँ हर दाउत हून
 गराजलस्यो नृपकोमट बुंदियलाज ॥
 हारही हूर ह्यो नृपपासलस्यो सह दो
 लतरामखवास ॥ १५४ ॥ मरेमटभूष
 तिकेसततीनभयेसतपंचकधायन
 खीन ॥ तथासठभीरुमजेसतचारि
 बीड़मजेपुरतै नृपसरि ॥ १५५ ॥ तथा
 सतचारि मरे अरिततपरि पुनिघाय
 लहैसतसत्त ॥ नरायनखेतखरोअ
 घथोयघनौदलक्यौ नत हांजयहोय
 ॥ १५६ ॥ कळ्या नृपबुंदियपैधकधारि
 मरैतबकानकरै पुनिरारि ॥ इतैक छ
 वाहनखोजियखेतलखोरनअंगन
 चित्रउपेत ॥ १५७ ॥ कहांतरफैमटत
 हतसासलरैकडुंलुत्थिकरैकडुं हा
 स ॥ वकैकडुंघायलहैसुधिहीनज

कैकहुं जानुन मुक्कतनीन ॥ १५८ ॥ डुरे
 कहुं अन्न न डार तग्रीव फिरें कहुं नैन
 चलें कहि जीव ॥ करें कहुं सुं डिन के उ
 पधान रहैं हरिकौर न तल्प सयान ॥
 १५९ ॥ लंगें कहुं मत्त परा सुन प्रोटहु
 रें कहुं लेन क बूतर लोट ॥ मरें कहुं व
 युकरें उनमत्त धरें कहुं सी सकले जन
 हत्त ॥ १६० ॥ गिरें कहुं पाय पठकत मु
 गिर है कहुं रु हिरकावन रुमि ॥ लरें
 कहुं भूतन तें मरिब त्य करें कहुं जावहु
 जंत्र व मत्त ॥ १६१ ॥ परे कहुं बी र अथो
 सुख मूरि डुरे कहुं गाफिल च ह तथूरि ॥
 हरे कहुं कु क्तत ह त्थिन हे व जरे कहुं प
 व यज्जं ह व जे व ॥ १६२ ॥ रहै कहुं कुं जर
 कुं म न ल गि म नो जु व ती न न न न न न
 ज गि ॥ तिरें कहुं सो नित आ कुरु ल न त

मिरैंकंहुंभेदतगिन्हनगात ॥ १६३ ॥ क
 रैंकंहुंदंतनतैंकटकहजरैंकहुंजुगि
 निपैंरहपद ॥ पढैंकहुंरुषाकह्याव
 हज्ञानभनैंकहुंसांख्यबनैंभगवान
 ॥ १६४ ॥ चरैंकहुंलोहितओठनचबि
 डुरैंकहुंकंकनपंखनदबि ॥ अटैंकहुं
 आतुरइकहिपायहटैंकहुंपीडितजं
 पतहाय ॥ १६५ ॥ कहैंकहुंबैघबुलाव
 नबलचहैंकहुंअच्छरिकोंरसरत्ता ॥ रु
 लैंकहुंधोरनपैंमृतमुंडरुलैंकहुंतं
 डबमंडतरुंड ॥ १६६ ॥ खिजैंकहुंचि
 ल्हनिपैंपलखातलसैंकहुंफेरुनमा
 रुतलात ॥ गहैंकहुंस्वाननतोरतगु
 हवनैंकहुंसाकिनिकेहितसूद ॥ १६७ ॥
 नहैंकहुंअंतकदूतन^{भीत}गिनैंकहुंसीरु
 तडाकिनिगीत ॥ मिटैंकहुंप्रानअपा

वनमेलसिंटे कहुं प्रोतनिहारतसेल
॥ १६८ ॥ लखे कहुं नाकजुरावनवि
कवकहे कहुं कायनतो मरति कबान
येकहुं हुल्लहचिंततनारिकहे कहुं पु
त्रहिपुत्रपुकारि ॥ १६९ ॥ डिगे कहुं नि
दिगहे हयपुच्छमिले कहुं उहिमरो
रतसुच्छ ॥ जके कहुं बाजिरलकातजी
नहले कहुं हस्थियसुं डि विहीन ॥ १७०
॥ हुरे कहुं श्यानकहुं दमिफुहिडरेक
हुं कतनतेगनतुहि ॥ गिरे कहुं पहि
सखगकमानगिरे कहुं खेटकतो मर
वान ॥ १७१ ॥ गिरे कहुं बाहुलकंकट्टी
पगिरे कहुं कोसउरंगमश्रीप ॥ गिरे क
हुं गंजकमेलकखंडहरेबनिजारनके
जनुदंड ॥ १७२ ॥ गिरे कहुं पकरबग्ग
खलीन गिरे कहुं तंगखरेखगखीन

गिरे कहुँ सुच्छन नैयजगाह गिरे कहुँ प्रो
 यवजावत बाह ॥ १७३ ॥ गिरे कहुँ गेव
 रमोहि श्याप गिरे कहुँ श्रंकुस घंट
 कलाप ॥ गिरे कहुँ पुष्कर श्यासनकान
 गिरे कहुँ पेच कश्या प्रतिमान ॥ १७४ ॥
 गिरे कहुँ कुंतल मुच्छ कुष्ठाट गिरे क
 हुँ सुंडरु तुंडललाट ॥ गिरे कहुँ नेत्र
 रदच्छद लक्ष्य गिरे कहुँ नकध्वनिग्र
 हगल्य ॥ १७५ ॥ गिरे कहुँ काकुद जिभ
 नजूह गिरे कहुँ मल्लक दडूसमूह ॥ गि
 रे कहुँ बीतन त्यौं रुकफाटि गिरे कहुँ का
 कलकंठ रुकाटि ॥ १७६ ॥ गिरे कहुँ कू
 र्णखंडिक कंध गिरे कहुँ जनुमुजाम
 शिबंध ॥ गिरे कहुँ श्रंगुल श्रंगुलिहूक
 गिरे कहुँ ज्यौं कर त्यौं करशूक ॥ १७७ ॥
 गिरे कहुँ पंसुलिरी दकलोम गिरे कहुँ

पुष्पसकालिकलोम ॥ गिरेकहुं ना
 भिपुरीततिगंजगिरेकहुं फुल्लिफु^{१०}
 हियकंज ॥ १७८ ॥ गिरेकहुं त्योंत्रिकस
 त्थिनसंघगिरेकहुं जानुजुं देजुगजंघ
 ॥ गिरेकहुं पिंडियगो हिरफुहिगिरे
 कहुं एडियघुं टकतुहि ॥ १७९ ॥ लख्ये
 कछवाहनयौरनथानधरेसबघाय
 लखोजिनृजान ॥ निकारियसह्यज
 थासुखकारचिकित्सकबुल्लिरच्योउ
 पचार ॥ १८० ॥ मरेतिनकेविधिसेंकि
 यदाहबनेंतिमशैतक्रियानिरबाह ॥
 दिवावतयोंजयदुंदुभिडकचल्यो^{१०}
 बहुंदियजैपुरचक ॥ १८१ ॥ विथारत
 बहनच्यपनश्चानउठावतसचुनसी
 मच्यमान ॥ जयो नृपकूरमच्यकवत
 जोधकयंचितभोजसमावतकोध ॥

१०

१

१८२ ॥ महाबलजो जयके छ कमत्त प्र
सारत शोहक बुंदिय पत्त ॥ पुरी पुनि
मंहरुपे पचरंग दि सा विदिसान सुन्यो
यह दंग ॥ १८३ ॥ भयो मन मोहित हू
रमना हस सैन हिं प्रपिय बाहसिरा
ह ॥ करे मज बाजि पतावर सीस गिन्यो
जय सिंह ज प्रप हिं ईस ॥ १८४ ॥ हये
सब भूपन को जय पत्र लिखी बह हनुम
ज्योत जि छत्र ॥ सुआन हिं जो तुमरी सु
ब मां हिं त तो हुत कहु ह र कव हु नां हि
॥ १८५ ॥ लई इ म बुंदि यहु मान हो रि
जिला गह को न सजे बल जो रि ॥ फिरो
स बदे सन रायन रा सलभ्यो कर लेन
स सैन हु लास ॥ १८६ ॥ इतें अब जो हु
कभू पच रि न सु नो न परा मर चो बह रि
ज ॥ पचास सह खन में प्र सि ज रि क

ह्योनृपपूरवफोजनिफारि ॥ १८७ ॥ इ
 ति श्रीवंशभास्करे महाचंपूस्वरूपे दक्षि
 णायने दशमराशौ उमेदसिंहचरित्रे
 अष्टादशो १८ मयूरवः ॥ ७ ॥ ७ ॥
 ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
 प्रा० मि० ॥ दो० ॥ रनसमुद्रतरि नृपक
 द्वियप्रलयसत्यरहिसंग ॥ कोसती
 नपहंचतकमियतजिअसुहंजतुरं
 ग ॥ १ ॥ असितुपकनवपुमिचअति
 बलिहकचरनविहीन ॥ नृपत्रयको
 सनिवाहयोकठिनहंजहयकीन ॥ २ ॥
 मूपहुअंगविसल्पकरिसहियअमि
 उपचार ॥ ससपलभोजोरतिरहिवि
 रचियप्रातनिहार ॥ ३ ॥ गिरिनसंधि
 अंतरकियउपूरवअोरप्रथान ॥ हवि
 गइंद्रगढनगरदिगचित्तनिडरचइ

वान ॥ ४ ॥ इंद्रगढाधिपदेवप्रतिकहिय
 उईनरनाह ॥ हयहमरोगतमानहुव
 होजिहिंलरनउछाह ॥ ५ ॥ तार्तिंषुवहु
 देवतुमखासाहयइकरुस्त्रि ॥ अवर
 नचाहेंहमहुइनभुजनकुमाईमुस्त्रि
 ॥ ६ ॥ सुनियहदेवसिठायसठत्रसित
 चुरायउचेत ॥ यहैनजानीहमअनुगत
 उइकअश्वहिलेत ॥ ७ ॥ इमअधर्म
 अहरिअधमजैपुरगिनिबरजोर ॥
 पछीर्यो कहिमुक्कलियमूढतजहुमु
 वमोर ॥ ८ ॥ जिमतुमखोईनिजपहु
 मिबिनुमतिदुर्षवढाय ॥ तिमहमरी
 र्खोवनतकतअश्वलेनयहिंआय ॥
 ९ ॥ निदुरबैनसुनिसहिनृपतिलिखी
 अवनकरुलैहिं ॥ जोतुमयहखायो
 अहरदेहैलहरकरैहिं ॥ १० ॥ इमक

हायनृपवर करियकोटासीमप्रयान॥ च
 म्मलिलंघिमुकामकियग्रामरानपुरशा
 न॥ ११॥ प०॥ रनसिंधुतरिगचहुवानरा
 यकठ्ठाहमठनप्रसिवरचखाय॥ गि
 रिपारियात्रद्वेनिनविहारिउपनद्विधा
 यवपुसल्लयारि॥ १२॥ इमहोयहं इम
 हपुरसमीपदेवाह्ननरायनृपवंसदी
 प॥ उल्लंघिमरितचम्मलिप्रमानको
 टागरानपुरदियमिलान॥ १३॥ प्ररुसु
 मठप्रल्पनृपसंगप्रायरनदुसहको
 नप्रसुतजिरहाय॥ प्रबमित्तियप्र
 निसबप्रबुगप्रत्यप्रवरहप्रनेक
 सुनिरनसमत्य॥ १४॥ उतकुम्भमठन
 लहि विजयजंगबुंदियप्रबसकियप्र
 तिउमंग॥ जिनरचियप्रथयिरनृप
 हिंप्रपिप्रायत्तविरचितिनदमनप्र

पि ॥ १५ ॥ कोटेस हिं तु पु निय ह् क हाय
 तुमचतुरनीतिश्चदरिहि ताय ॥ बुधसिं
 हसुनुहितकरुनलैं हिंसतदोयदम्मह
 मनित्यदेहिं ॥ १६ ॥ मध्यस्थ होयतुम
 सामलायतिहिं देहु कुम्म नृपपयलगा
 य ॥ कोटेस लुब्धसुनिपापपीतमंजार
 पायपयहोतसीत ॥ १७ ॥ स्वीकरियहेहु
 जडछन्नसामदिनप्रतिलियमासनहि
 सतदाम ॥ नृपप्रतिकपठयेतेहुनां हिं
 उलटीखिलबंचनबुद्धिश्चां हिं ॥ १८ ॥
 कोटेसबहुरिक्रिययहकुकर्म्मइमको
 बुकोबप्रक्वहिं प्रधर्म ॥ इतसुनिय
 शनजगतेसबत्तबुंदीससूररनरचिय
 रत्त ॥ १९ ॥ हुवबेरकूरमनफोजफारि
 बरहीगतिप्रविस्योवहुविदारि ॥ करव
 लमारिहदशरिकीनबलिकडियजा

निहयपयविहीन ॥२०॥ अथवग्रामगान
 पुरधाम अहिं छत छामतदपिनतिना
 मनां हिं ॥ हयहंज जो किपयभिन्नं न
 छोरं मह नतती सत्रु सैन ॥२१॥ मनमि
 न्वाजिबिनु अवनरे सवां छतक बुहु
 र्मनहयविसेस ॥ यहसुनतरानहिय
 मोद अयभूपहिं सिराहिबीरत्वभाय
 ॥२२॥ हयखासनामजिहिं होनहार
 साखतिचामीकरसजिसुठार ॥ सिरु
 पावउच्चदकरुचिररंगतरवारिखास
 दकताससंग ॥२३॥ उमेद नृपति हि
 तदियपठायस्त्री करियनृपदु गिनिहि
 तसुभाय ॥ इमहीतसरदरितुमज्ज
 अयदकगगनउभयनिर्मलदिखाय
 ॥२४॥ षण्प० ॥ गरजिमेघउगघरियभू
 रियनवनीरनिषाननपितरनक अय

जोयविरचिन्पनिगमविधाननपुनिकु
 लदेवियपूजिसद्धिकनियत्रतसंजम॥
 अब्यागमहेमंतकिन्नअगहनमृगया
 क्रमअखेदथानकोदेसकेकतिमृगरा
 जविहीनकियसद्वियपरक्विअयुध
 सकलरानपुरसुइमनृपरहिय॥२५॥
 ॥श्री॥ईडरियाउपठंकइतरामसिंहर
 डीर॥होजीतवपुरवनहडासुनिन्प
 निक्कमसौर॥२६॥ताकेहीइकसुत्रिका
 वरकृतकुमरिअभिधान॥ताकोरचिस
 मपनत्वरितसंभरहितुसयान॥२७॥
 यदयोहीलारानपुरसचिवसुभठदेसं
 म॥उपयमकरनउमेदसौंजानिबीरव
 रजंग॥२८॥सचिवमदनतबप्रीतिस
 हअरहिसानपुरआय॥कन्यावहबुंदी
 सकेहंप्रथितदईपरिनाय॥२९॥कन्या

केकाकाहु की विसुतारूप विसाल ॥ राज
रुमाधव एडुदु वयाहे पूरवकाल ॥ ३० ॥
सगेउचितया तेंसमुक्तिपर निवृपहु
मुदपात ॥ सकगुन नमधृति १००३ ल
गनसुमदीजिसहाश्रवदात ॥ ३१ ॥ रं
ग्योनहिं शृंगारर सश्रवहि वीरश्रनु
सारि ॥ बहुरिव ल्यो मनवपकीधरनी
परधकधारि ॥ ३२ ॥ दुलहनि कोवमु
कलियजत्यश्रुजतियजामि ॥ अण
नमनर न उम्महोइच्छ तजय प्रागामि
षण्य ॥ बुदिय पर बुधसिंहसुतहिंसु
निवृद्धरिचलावतकोवपतिलगिलो
भकहिय इमधुमि नश्रावतहमउद्य
मयहकरतलेतमरहहनसम्मलिनि
नुवलजैहोलालनिदिलैहोयहचम
लिदेइषसौहं इमश्रिबहुतइंदीस

हिंर कथो बरजिस तदोय दमक छवा
 हसन भेट होत यह लोभ भजि ॥३४॥
 दो॥ बंधु बर्ग उमरा वनिज प्रज बसि
 ह प्रभिधान ॥ कोइ लपुर पति भे जि
 करि प्र टक्यो नृप प्रस्थान ॥३५॥ कृप
 ॥ माधानी प्रज बेस प्राय भूप हिं इ म
 प्र किवय गिन त प्र पर न सुग म चंड
 प्र सिवर न हिं च किवय प्र पन परिक
 र प्र ल पदु सह जे पुर व ह दा ह त ॥ सिं
 ह न प्राग सस स हिं चिन्ह प्र नु चित
 प्र सुचा ह तया ते न तु म हिं जा व न उ
 चित को ल पतिय ह हि त धर त दूढ मं
 त्र बुल्लिद किव न द ल न ज त न ले न बुं
 दिय करत ॥३६॥ सुन तर ह गिनिसत्य
 भूप को टे स भरो से जा न्यो का का करत म
 ह त उद्य मय ह मो से तो इ न की प्र व दे

खिवदु रिवनि हे सुविचारहिं ॥ सुमिरीय
 हनसयान कुहक निजकाम निवारहिं
 नृपरहिय होत उद्योगल विमास सत्त
 विनुभुवजल नमृगया प्रसक्त कोवसु
 लकमंजत सिंहवराहगनं ॥ ३७ ॥ दो०
 ॥ मधुकरदुग्ग मुकाम किय श्री स्वमं
 तनरेस ॥ महडू चारन दानतं हंबरनी
 किन्ति विसेस ॥ ३८ ॥ अमरपुराके जंग
 को काव्यजथा मतिठानि ॥ गीत छंद म
 रुवानिगत नृप हिं सुनायो अ्यानि ॥ ३९
 ॥ सुनत मूषवखसीस कियरी कितर
 लहयराय ॥ खासजरिय यो सा कयुनि
 कुंडलकदक सुभाय ॥ ४० ॥ सनमान्यो
 कविराव कहि डेरता सपधारि ॥ भयो
 वदु रिव हथिय दुकम नूतन काव्यनि
 हरि ॥ ४१ ॥ सो गज बुंदियत खतजव

अथ विराजै शानि ॥ तव दिनों यह अथ
 लह समानी लिखिय वखानि ॥ ४३ ॥ व.
 प. ॥ सकवे दरव व सुसोम १८० ४ मास सा
 वन तदनंतर भे संरोर गह सी मर मि
 ग अखे व भू प वर पुनि भ ह व सित प
 छ अय वे घ म ए का द सि भ यो जानि हु
 र मि छ वि प ति चि त त दिन हु व व सि ह
 रिया व नाम गज राज नि ज उ द य नै र वि
 क्रय कर न मु क ल्यो पुरे हित स्त्री य त व
 दया श म द्वि ज ध र्मे ध न ॥ ४३ ॥ दो. ॥ जा
 य पुरे हित उ द य पुर गज विक्रय तै ह
 गानि ॥ द म्म सं हं स दु व सु ल्ल के प र्थे स
 म य प्र मा नि ॥ ४४ ॥ वि नु भु व सो ल ह व
 र स तै मु क तै अ प ति भा र ॥ अ व अ बु
 द्वि क ति दि न टि क हिं द म्म ति दो अ ह जा
 र ॥ ४५ ॥ ष ह दी ॥ सां व न सू को ग य उ व

१०

१५

रहुवच्यलपबुद्धिघनज्योर्होमहवनात
 घोरहाकारउद्धिघनहहोतियमेवारत
 गभोदनहुवदेसन॥वनियन्थानिह
 हिंभेरनिहिनिरबाहनरेसननृपतब
 हिविन्तिपतिथरमस्वायमहनसं
 ज्ञुतसजियमनजोरपेरिबुद्धियमुल
 कर्मातीलीपुरसुहिलिय॥४६॥दो॥
 गेमातीवसुसुहिसुमप्रतिविपत्ति
 चहुवान॥तदसुहुगगरनयंमकीसी
 माकरियप्रयान॥४७॥नगरनामखं
 डारिडिगकहुदिनविरचिसुकाम॥
 कायापतिकोलाभसुनिठगमन्थीं
 ययाम॥४८॥उतसुपुरोहितउदयपु
 रदयारामप्रमिधान॥पुबहिरानप्र
 योनहोलेनिदेसचहुवान॥४९॥आ
 तजातनृपदिगरसोसायिधरममानि

भाव ॥ ताते वैचनसंगतसदयोद्धतो
 दरियाव ॥ ५० ॥ इति श्रीवंशभास्करे
 महाचंपूस्वरूपे दक्षिणायने दशमरा
 शोउम्मेदसिंहचरित्रे एकोनविंशो म
 यूरवः ॥ १९ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 श्री. मि. ॥ ४. प. ॥ दयारामद्विजसहित
 शनद्वकदिनरहस्यकियसाहिपुरप
 लीसीदबीरउम्मेदद्वबुल्लियस्वीयसु
 भटपुनिचारिप्रथमभारतसेनापति
 ॥ इरगत्रगदेवलियहठनजिहिंवि
 यसालमहतिदेवगढप्रधिपजसवं
 तपुनिसंगाउतचौडाजननपतिदेल
 बाडरुल्लाप्रथितराघवदेवनि संकर
 न ॥ १ ॥ दो. ॥ रायसिंहरुल्लाबद्वरिनग
 रसादडीनाह ॥ इनचुतरानरहस्य ९

१०

२०

कियचित्तजेंपुरजयचाह ॥२॥षव्य०
 ॥कहियगनकोटेसकितवहुववेर
 दलिंगयअबपुनिद्रकतहोनचवइ
 पठवायदूतचयबंचककोबिसवास
 करनकाकोचितवाहत ॥दयारामसुनि
 करियअरजकरजेरिउमाहतप्रति
 अइआतयियद्वारवहअन्नकूटसह
 नसमयतनचलनतत्यअप्यनउचि
 तमाधवसहितनिहारिनय ॥३॥हरि
 प्रतिभाकेअगतवहिकोटेसहिंअ
 कवहिंतुमबंचकचलबुद्धिमित्रभाव
 हिहमरकवहिंजीअबइकतहोतत
 तोहरिद्रष्टसपथकरि ॥सदासामलि
 खिदेइअबनडरयहुकूरमअरि
 छदइमलिखायकोटेसकोपुनिप्रस
 नमरहइकरिखंडुवमलारइलकर

तनयबुद्धसुसमरसहायवरि ॥ ४ ॥ श्लो० ॥
 दयारामद्वमप्ररजकरिथप्योयहदृढमं
 त्र ॥ सुपद्मरानसुनिस्वीकरियसुभवन
 सहितस्वतंत्र ॥ ५ ॥ श्लो० ॥ तदनंतरनृप
 रानदेवकरनकहेंदूरकरि ॥ पंचोलीसु
 प्रधाननामभवानीदासकिय ॥ ६ ॥ ष-
 ष्ठ ॥ इतजैपुरपहिलेंहिमरिगरवत्रि
 यराजामलकोविदकेसबदासहुतोसु
 लतासमंत्रबलतवनृपईस्वरिसिंहकि
 न्नवहसचिवसिरोमनि ॥ पिसुननर
 नतिहिं पिदिभूपप्रतिद्वमचुगलीभ
 निहेनृपप्रमात्यकेसबकितवमनैत
 महिनमंत्रमदयाकेउमेदमाधवप्रर
 षुछनेंआवतजातछद ॥ ७ ॥ सुनिय
 हईस्वरिसिंहमूढतत्वनपहिचानि
 लकाकनकथितविधायहंसमारनम

तमानियखतछूरे लिखिखलनननु पहिं
 दिनइकावताये ॥ मूरखसच्चे मन्निमडे
 श्योगुनबहुगायेकेसवसुमं निबुलवाय
 केकुनृपला^सप्रपहासकरिअकवीकुमंनि
 एदललखहुसुनिकेसवलियनेंनभरि
 ॥८॥ दो० ॥ अकवीकेसवअबहिनृपनि
 अयकरहुनिदान ॥ जोएदलमेरेलिखेले
 हुततोममभान ॥९॥ कूरमतबनिअय
 करियनिकसेपत्रअसत्य ॥ बिनुअगस
 जोमारतोहोतोससचिवइत्य ॥१०॥ तद
 पिकुमालियसचिवपनकेसबकरियव
 कील ॥ पठयोदखिननन्हपेहंसिखई
 मन्निकुसील ॥११॥ नहानीउपठंकडक
 हरगोविंदसनाम ॥ कियउमुसाहबन
 निकवहकूरमनृपहितकाम ॥१२॥ ष-
 प० ॥ पुतीइकतिहिंगेहरूपजुइनगु

नमत्तीवत्तीवय छवितासपासकूरमन्नु
 पपत्तीकत्तीसमसुनिकढिगछेकिपंच
 हिसर छत्ती ॥ दुत्तीदासियभेजिप्रेमया
 सियगरघत्तीलंपटहिंकामजुत्तीलग
 तरतउत्तीचिरचंडरयसुत्तीसमीपचा
 हीसुनककुत्तीजिमकत्तीसमय ॥ १३ ॥
 ॥ शो ॥ मगनपुब्वअनुरागमैलगन
 मिलनद्रुतलगि ॥ कुम्भपुरंदरकैकि
 शेष्यंदरवममहअगि ॥ १४ ॥ दूतीजन
 षठबायद्रुतसामउपायप्रसारि ॥ अ
 नीनृपढिगअंगनाबानीविनयविश्या
 रि ॥ १५ ॥ राजकाजमुख्योरसिकछईम
 दनसिरछाँहें ॥ कूरमडारीकंठअवब
 निकसुताकैबाँहें ॥ १६ ॥ रत्तिजुतियनृप
 ढिगरहतप्रातजातनिजगेह ॥ दिनवि
 च्छतिहिंदेखेंविनाइमनरहेंथकिदेह

॥१७॥ प्यारीकों दिन विचप्रकटजो बुद्धि
निज पास ॥ जनकतासतो जा निकों बिर
चैराज्य विनास ॥१८॥ विनु देखे निमि
खन बने देखे खन दुख भदीह ॥ जाते वि
रवि उपाय द्रक लोपी लज्जालीह ॥१९॥
जैपुर पिकर नव्याज करि प्यारी पिकर न
काज ॥ बन बार्द्धम हल न बुरज तुंग न
कीसिर ताज ॥२०॥ जाते सब जैपुर नग
र दिदि परत प्रथम प्राय ॥ तके प्यारिय
जायते हं बन मदन द्रम छाया ॥२१॥ षण्
॥ सककृत नभ बसुसोम १८०४ विसदवा
हुलपडि वापर दरसन हितको दे सम
यउ श्रिय द्वार उमंगि अर कर नभान
नुकूलपत्त लिखि भेजि दे पुर ॥ अलि
यमाधव सहित धरा संभार थंभ नशुर
सुनिपत्तरान माधव सहित सुदिन ही

यन्प्राय उमिलनगुनकोसरहसम्मुहग
 यउमिलियथीतिप्रनुकूलमन॥२२॥
 दो०॥तीनहिनृपनयरीतितकिरचि
 मिलापपहुप्यार॥हरिमंदिरएकत्तहु
 वकरनमंत्रश्रीद्वार॥२३॥कहियरान
 कोटेसप्रतिबचनतुमारोमोघ॥बदले
 सुबहिद्वकवनिप्रहरिकंप्रघमोघ॥
 २४॥यातेप्रबलगरावरोबनेनमन
 बिस्वास॥कोटापतियहसुनिकहिय
 हुवपलटेप्रपहास॥२५॥प्रबगोबर्ध
 ननाथयहदृष्टसारिवधरप्राहि॥कव
 हुनबदलेसपथकरिप्रैसैकहियउ
 प्राहि॥२६॥सपथप्रक्खिदमरानक
 रबचनदेनलगिहहु॥प्रटकिरानत
 बहहुकंहंप्रक्खियदेप्रसिप्रहु॥२७॥
 तुमरीबुदियप्रातकैकैदनकोजयनेर

॥ततिंलेडुरुदेडु तुमवचनदोडु तजिवेर ॥
 २८ ॥मैंपरमारथतकिमनकरतडुडुन प
 कार ॥यातिलेननउचितप्ररुंनहिवच
 नउदार ॥२९ ॥यहकहिदोउनहत्यगहि
 ह्योवचननिजरान ॥सुनिमाधवकोदे
 समिथदियलियवचननिदान ॥३० ॥रा
 नवचननिनकोनलियतिनकोदियगहि
 तेग ॥तिममदसचिवनकोडुतंहं वचन
 दिवायउवेग ॥३१ ॥कियरहस्यश्रियद्वार
 दूमप्रधिपनमनधनप्रपि ॥मरहदुन
 चिंतियमिलनजैपुरसनरनथपि ॥३२ ॥
 गनवकीलखुमानतवरानाउतक्रियत्या
 र ॥मरहदुनदिगमुकलनउभयभुमिउ
 प्रकार ॥३३ ॥माधवदूतससंगदियनिज
 वकीलनरनाह ॥गोगाउतहभीरकुलप्रे
 मसिंहकछवाह ॥३४ ॥माधवदमदिल

कवदियडुलकरहिततससंग॥उभयव
कीलनभेजिडूमन्त्रायेनिजनिजद्रंग॥३५॥
षष्प॥रानवकीलखुमानप्रेममाधवव
कीलदुवनगरकालपीजायसेनदक्खिन
सम्भलिडुवडुवहिलकरवदेदम्मतुषडुल
करमल्लारकिय॥जैपुरसमरसहायतनय
खंडुवतसमंगियसुनियहमल्लारसुतस
नकरिनसहायलगिसुकलनराणजि
रामचंद्रसुतवहिन्प्रक्खियउचितसहा
यनन॥३६॥रामचंद्रडूमकहियधरडु
श्रुतिकथमल्लारखुवन्प्रणनपतिश्रीमं
तन्प्रगनयसिंहमिचडुवजैपुरसनहि
तकरनवचवतिनदियकूरमकरा॥वह
तुममेदतन्प्रज्जधनियकृत्तिलोभ
धरईसवरीसिंहसम्भलिसवहिहैंपति
किंकरतुमरुहमससुजायरानमाधवस

वनदबहुअरिनप्रचंडदमा॥३७॥ थकि
 डुलकरयहसुनतमुद्विअसिवरकर
 मंडिगअधरकंपअंकुरिगतानिसुछन
 घनतंडिगकहियअगजयसिंहलिस्मि
 तहत्यनकरिअपिया॥रानाउतिभवपु
 तथिरसुजैपुरपतिथपियजयसिंहव
 चनयहरकियहममाधवसिरछत्रहिं
 धरतलगगतयहैनअच्छीतुमहिंकुटि
 ललुभिअनुचितकरत॥३८॥ राजाम
 लकरकवलबहुतचकियतुमखानद
 जातैअटकतजंगविरचिनयहीनविधा
 ननतुमजाबहुतिनसंगहमसुमाधव
 सहायहुव॥ कहिहमअकियकुअध
 मकिअनकनिसानधुवदलसुभटपं
 चमरहदूमिलिहुहुंदिसरिसमोचनक
 रियपरगनापंचमाधवअरथदेनअ

किरहितअनुसरिय ॥३६॥ रामचंद्रप्रति
 कहियबहुरिहुलकरमक्षारहुबंदिदि
 बावतअवनिकछुकमाधवहितकार
 हुतिमबुंदियरहिहेनलगिसंभरहि
 तलेहें ॥अप्रवबरजहुजोएसदेसतिल
 मत्तनदेहें यहमनिसवनपठयेतवहि
 निजवकीलजैपुरसजवसाहसमिवाय
 सामहिंकरनसमुजावनकूरमकितव
 ॥४०॥ दो० ॥ रामरायमुनसीनिजसुराम
 चंद्रपठवाय ॥ निभराजकठक्यायहसु
 पठयोहुलकरराय ॥ ४१ ॥ तिनजायरुक्
 रमनृपहिंबुंदियछोरनअप्रकिव ॥ पंचपर
 वनांअनुजहितबंदिदेनरसरकिव ॥ ४२ ॥
 हुतहुलकरअप्यनतनयखंडूनामकनी
 र ॥ पठयोमाधवरानप्रतिहितसहायह
 सुगीर ॥ ४३ ॥ ष०प० ॥ सजिअनीकदर

कुंचचलियखंडुवमलारसुववजिअण
 कबंबीलमचकिवि वरियदरारिभुवका
 कोदरफनफदियकोलदंतुलिबररकि
 य॥ मुररक्रियवपुकमठचोठरीढकचर
 रक्रियमढगढनवत्तफुदियसहजवहि
 विचारभूयनवि हितमल्लारसुवनजाव
 तलरनमगागनसहायहित॥ ४४॥ इ
 मखंडुवदरकुञ्जअयकोटा मिलानदिय
 महारावलखिममयजायसभुहवधाय
 लियचारनभूपतिराममुखनिजमचिव
 संगकरि॥ दियअनीकतिनसत्यधीरसु
 भटनहरोलधरिपुनिमिलियप्रायनृ
 यरानपहंबुंदीसहुतहंबुखिलियसजि
 सेलरनमाधवसहिततजिमेवारप्र
 यानक्रिय॥ ४५॥ इतिश्रीदशभास्करेम
 हाचंपूसुरूपेदक्षिणायनेदशमराशौउ

मेदसिंहचरित्रेविंशोमयूखः॥२०॥ ३॥

॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥ ३॥

प्रा०मि०॥ष०प०॥ सककृतनभवसुसोम

१८०४ मासफगुनपरवउज्जलनृपमाध

वउमेदसहितखंडुवचडिसबलरान

कटकसबसंगलहिरुदरकुच्चचलायउ

॥अतिगरुजनुगरुअहिनउपरउफ

नायउउततैड सुनतकछवाहकोचंडक

टकसमुहचलियदिसदिसनवत्तफु

दियहुसहखंडचउदहरवलमलिया॥

१॥दो०॥नहानीउपपदवनिकहरगो

विदचमुप॥चउअवयवदललेचल्यो

मिरनउदेपुरमुप॥२॥ष०प०॥दगितो

पनलगिलायमचिगहुवदलमिलि

संगरइतमेवारनमुकुदइतसुठंकन

हुंवाहरराजमइलपुरसीमभीमप्रति

३५

३९

मटमटमिटन॥हयउठायहरवल्लवदि
 गदुवदिसत्ररिविटनजिमविप्रनिभंज
 नसुनिचलतइमहिप्रग्गिजाठरुजि
 यसाकिनीप्रेतरखेचरसकतिलाभत्रस
 न- नलगिया॥३॥खेत्रपालरिवि
 लखिलिय मिलियनारदमहतीरव
 कालीगनकिलकिलियमिलियबनि
 सहसत्रानिभवपिलियप्रग्रदुवदल
 नजिलियप्रसिवाढवाढरि॥ गिलि
 यगोद गिद्धनिनखिलियखूवियहि
 यत्रच्छरिवदित्र्यंधकारछादितविय
 तव्यवहितनिरचिपतंगपहुलुहियह
 रेलहुलकरमटनकूरमकटकवहीर
 बडु॥४॥यहउठायहुलकरसमेतह
 हुनपतिहंकियप्रतिबलतेगउताल
 करतटोपनऊननंकियकतिकमारिस

वहायढारिढडूरहुंढारन॥पोखेनृपप
लचरनवहुलपलमेदविथारनअसि
बाढचक्विइकबेरअरिलगोप्रतिमग
नीरलजिमिलि^{मिलि}सिचानअवावतमन
हुंयारवतगनभरकिमजि॥५॥जिम
पारढमिलिअगिपिक्विनिजकटक
होतइमसेनापतिगजसहितबनिक
मंड्याअंगदतिमबुल्योरनिरलअनज
तमुच्छनमुहधारत॥वनिकबैनयहसु
नतफिरैकूरमअतिअरतलियसब
नबिदियुनिवनिकगजपैनलगतअ
गौंचरनजोगिंदचित्तसविकल्पजिम
रहियरुकिपिक्वतमरन॥६॥तिमि
रघोरततमध्यपारअप्यनभठमानन
माथवदलमांहिंपिक्विपचरंगनि
साननजैपुरकेतिन्हजानिरानदलभ

जिगभीतप्रति ॥ कोटादलयुनिभजि
गसहितचारनसेनापति तहंभयउ
सोरकोटाभजिगसुनिपित्यलबुल्ल्यो
सुचहिहमभुजनप्रहि कोटाप्रखिल
तिनठडूंभगीनकहि ॥ ७ ॥ कोकिलपु
रपतिकुमरभटनपित्यलचूडामनिमहारा
कडुमरावनिहितबुल्ल्योप्रंगदबनिचारन
मदगनहारभज्योकातरप्रचिजनहिं ॥ ८ ॥ पे
हमहडुनपयनप्रडडुंगरप्रवलंबहिं
यहप्रकिवसेनभजतमुख्योजिमप्रनि
मिषउलटेउदकनपटायवाजिपविजि
मपखोदुंढाहरसिरधारिधक ॥ ९ ॥ भज
तसेनलखिसजवपिद्विलग्नियजैपुर
दलसुरिपित्यलतिनमध्यखगगारि
यरविमंडलजिमविरेकप्रौषधियउद
रइममथियसत्रसब ॥ कतिककंपिल

कलकतकतिकच्छकतवकतववस
व्यापसव्यकरिआइविचजजमान
मकरतद्विजतिमकियअनेकपरवस
कुमरसमरविथारियनामनिज॥८॥
मनरतिमसैंलोदगिरतहेवरतिमगे
वरजिमलोमरतिमखगाविहसिजार
तकुमारवरलदकतउरफिरकावकति
कामदकतप्रमत्तगति॥खदकतहडुन
नाहमनहुंचदकतगुलावततिघुम्म
तअचेतआयनकतिककतिकअथा
यनपरियकछवाहकटकसबअजब
सुवगजवसिंहगडुरिकरिय॥९॥तुहि
तुहिसिरउडतकडतसरकुहिवकसर
रुहिरछिंछिनमचढतबढतकलकल
धरअंबरकालीखपरभरतफिर

।सिरलग्ना

यद्युम्मतइतनारद पित्यलत्रनीकफा
 रतवडिगमरदउतारतगजनमदडा
 किनिडगतफारतवदनकिलकारतमै
 स्वभयद ॥ ११ ॥ घनेरिपुनरमनीनका
 रिंककनकुबेसकियघनेरिपुनरमनीन
 निंबडंठनपरवानदियघनेहयनघन
 धायकियउमैहैसोदागर ॥ घनेगज
 नसिरफारिंममुत्तिनकियआगरभुजदं
 डभीरिवासुकिउरगमंदरअसिगहिउ
 अमन पित्यलकुमारनागरकियउहुंढा
 हरसागरमथन ॥ १२ ॥ यहरइकइम
 कुमरलरिगधारनघपायधकफहिग
 सिरचोफारवदनचोफारलोहबकमन
 डूंवीरविधिपरखिहरखिअहैतछाप
 दिय ॥ इमसोमितछकिकुमारपयोप
 लचारदानपि यआयुहिसमत्यअरुपि

ररहियबीरनिंदबयुविफुरियअच्छरि
उमाहिअ्याइयवरनचउमुखलखिल
ज्जितमुरिय॥१३॥इमहुलकरबुंदीसउ
भयकूरमदलअंतरजारतखगगनरुप
दिदपदिबिथुरातदिगंतरइतपहिले
दलभजिगताहिसुनिकेजेपुरपति॥क
रिअ्याउदरकुंचगजबडारतसवेगग
इतबडुरिहहुहुलकरअसिनदलसत्रु
नपुनिठिल्लिदियतंहपरियरतिविस
तारितमहुवदिसमुररिमिलानदिय॥
॥१४॥दो॥खेतखोजिबुंदीसनृपहेरि
यमित्यलजाय॥सिबिकाधरिअ्यानिय
सिविरबेधनकथितविधाय॥१५॥हुल
करहहुहुहुनपुनिकियउमंत्रमिलिर
त्ति॥अप्यनजीतभजंतअरिप्रभुअनु
कौसप्रपत्ति॥१६॥अबअवावतजेपुरनृ

१०

२१

पतिसजिपुनिकटकप्रसार ॥ यार्तेनहिंर
हनोंउचितमुरिचक्षुमेवार ॥ १७ ॥ कहि
यहप्रातहिकुंचकरिचलिडुलकरचडुवा
न ॥ सबफेजनजुतसाहिपुरदिनेअन
मिलान ॥ १८ ॥ इतिश्रीवंशाभास्करेमहा
चंपूस्वरूपेवशिखायनेदशमराशौउमे
दसिंहचरिनेएकविंशोमयूरवः ॥ २१ ॥
॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥
प्रा० मि० ॥ शो० ॥ यह उदंतप्रियद्वारसबसु
नियरानजगतेस ॥ पठयो कटकसहाय
पुनिबलनिज निकटविसेसे ॥ १ ॥ तरव
तरानजयसिंहसुवबाबानिजपटुवीर
उनिकुसालमिडुरपुरपसगताउतधुर
धीर ॥ २ ॥ रायसिंहकसाजदुरिनगरसा
दडीनाह ॥ पुनिबुंदीसपुरोहितसुदया
रामचितचाह ॥ ३ ॥ ष० ॥ इमचरिन

करि मुखरानपृतनापुनिपिस्त्रिय सज
वसाहिपुरायायमुदितनिजदलसह
मिस्त्रिय उततैर्द्विभरिसिंह पिद्विदब
तद्रुतथायउ ॥ भिल्लहडापुरलुहिकह
रमेवारमचायउ धनवंतवनिककाराप
हकिडुपिनगरश्रीहतकरियवाटिका
मनहुंअहिबल्लरिनचपलअनिबस्त
नचरिय ॥ ४ ॥ मेवारनकियमंत्रसुनत
यहबत्तनीतिसह कटकप्रचुरकछवा
हअलपअप्यनअनीकयह डुलकरको
दाएडुउभयविस्तरविनुअये ॥ वित्तर
हितबुंहीसअवनिहितप्रसभअमाये
यातेनसंपरायहिउचितरहिहेअवनि
लेरेनतिल सकुडुंबसकलनृपजुतक
रहिंकुंमिलमेरुनिवासकिल ॥ ५ ॥ तख

रमप्र

तिसुनियहरखंडुयसामप्रनखिकुपयेहु
लकरप्रतिबुल्ल्यापुनिमुजगेकिसजव
आयेसंगरभ्रम॥अबजोसामउपायत
तोतुममाहिं नाहिंहम सुनितखतसिं
हडुलकरकथितदयारामतेहंमुकलि
यअकिययवहेननयसमयपदुसमुजा
वडुकहिप्रचुरप्रिय॥६॥तवहिजाय
मूदेवकहियबुंदीसपुरोहिततुमदि
स्त्रियतियजारकुमरखंडुवचिंतडुचित
अवसरकोपडूहोनस्वामिसाडुवकुल
रानां॥तुरकनतेतिनवेरखुहिसबगय
उखजानांसज्जहिंजुअज्जरनकुम्भसह
तोतुमदिगडुअनीकमितकछुदिनवि
हायदलइककरिवडुरिसचुजितहिंवि
दित॥७॥दो॥विरुदावतइमफुल्लिस
रसुनिदिस्त्रियतियनाम॥बुल्ल्योहम

हिंत टस्थ करिकरहु विप्रसबकाम ॥८॥
षव्य ॥ सुनिसत्वरयह विप्रप्रानिप्रक्रिव
यतरवतेसहिं डुलकरसम्मतत्राहिमि
रुहुतुमकुम्भनरेसहिं तवहिजायत
रवतेसप्ररजकूरमप्रतिप्रक्रिवय ॥ मर
हदुनप्रदिस्तकहहुइहिं दिनकिहिंन
क्रिवय तसमातधारिखंडुवकथिततुम
धुवहमपत्तलरन तिहिं हेतुप्रहियह
हीसतसन्दपलुहहुमेवारनन ॥९॥ न
तिधूरवयह सुनलकुम्भप्रनुकंपविह
सिकिय भिल्लहडापुरबनिकथनिकप
करेतिछोरिदियउपालंभलिरववायप
त्रपठयोराणांप्रति ॥ कियपच्छेदरकुंच
गरदरविहं किमुदिरगति सुविपकव
चेतविक्रमसकगपंचगगन नसुचं १
७०५ मितन्दपक्रियप्रजेसजेपुरनवारं

कछुघद्विबुंदिय तुल्यप्रहरसी कथ्यो
अवअपसमुहइकागदियबेरि होयह
उचख्यो ॥ हममत्यहत्यलगायहैंलखु
खासकगारमंडिहैंअवतंसनेहबहंजु
अपनसोकदापिनखंडिहैं ॥२॥ कोटे
सतबसुवि एहरान हिंमेलखीकरिवु
खीतबरानपुनिश्रियद्वारप्रायमिते
रुमंनहुसुखये ॥ रुसदेवसम्मलिहोन
केपुनिपत्रदोउनमंडयेचढिगामहिं
कोलाहुइनरकावजायरुबंडये ॥३॥
तबहीजुसाहिपुराचमूसुसमस्तजाय
मिलीतहांबुंदीसंडेरनरानखंडुवभी
मनंइगयेजहां ॥ तबइइगहखतोलि
बरावनिआदितीसमिलायकेपुनिरा
नसोमिलिभूपवेडियइकागदियप्रा
यके ॥४॥ चढिकाउमैहिसभारहीम

नुहारिमोदमईमईपुनिपानगंधनिवेदि
सर्वनसिकवंडरनकोंदई ॥ खंडुरुमाध
वतत्यहीपलदायपग्घसखाभयेपुनि
तत्यतैचदिसर्वहीगुलगामपारहलौं
वये ॥ ५ ॥ स्वारीनदीतटदें मिलानसर्व
घनेदिनद्वारहेतबकुम्भवीरदुसज्जह
दरकुंचसमुहउम्हाहे ॥ त्रयकोसअंतर
दें मिलानयहै कहाइयरा नपै क्यौं बैन
चुकि करारके पुनिसज्जहुवघमसान
पै ॥ ६ ॥ तुमभ्रातनाथपदाजुपावतसो
हिमाधवकों मिलें घररीतिचूकिरुप्र
पक्यौं अबको लंबेन कहे गिलें ॥ तब
रानअकिव्यअप्यजानतरीतिघरघ
रभिन्नहें तुमरेपिताजयसिंहराज्यस
बैहियाकहें दिन्नहै ॥ ७ ॥ हयकिदना
थप्रसन्नज्यौं तुमत्यौं हिमाधवकों करे

निजतातमंडितयत्रप्रकरलुपिलोभ
 नञ्प्रहरो ॥ इंहिरीति होतजवावजानि
 रुकुपिरखंडुवउच्चरीरनकाजमोहिबु
 लायकैञ्चवसामकीतुमजोधरी ॥ ७ ॥ तु
 बनेहि संगरसज्जितोहमप्रीतिरीति
 विचारिहैंकछवाहहितुनतोलरोहर
 बल्लहमञ्चसिमारिहैं ॥ तंहेंरानबत्तडु
 वेरञ्चोतरवृतेसतैयहञ्चकवईञ्चव
 च्छप्यसामकरीनह्योरनधुदिरखंडुवकी
 मई ॥ ८ ॥ तबरानञ्चादिसमस्तफेजव
 सज्जजुज्जनकीकरीरननंकितंतिनसि
 धवीजननंक्रियकरवरधुधरी ॥ सुनिकु
 म्मसत्रुनसज्जहोतविचारिखंडुवभीर
 कोंजयजानिसंसयमुकाल्योहरनाथ
 लारववीरकों ॥ १० ॥ कहिमासकलिय
 मग्गवाहमहूउदैपुरञ्चायहैंञ्चरुञ्च

प्यमाधवप्रोउमेरदुहुनलायमिला।
 यहेँ॥ तंहेँनम्रताजुतपि क्लिबुदिय।
 हहुभूयहिंअपिहेँदसलकव्यरुष्यय
 हेँसमाधवप्रत्यदैधिरथपिहेँ॥११॥
 यहवत्तनारवप्रायकेँनृपरानअदि
 नतेँकहीकोदेसताहिसिराहिबुदिय
 स्वियहाकिसकीचही॥ सुनिएहहुज्ज
 नसल्लकोँतववीरखंडुवनिदयोहेँहिं
 रीतिदेउनकेविरोधविसेसबेननुहुँ
 भयो॥१२॥ दुरभिच्छकारनसेनमेँमन
 घासरुष्ययकोबिकेँप्ररुअनकीहुम
 हर्घताकरिलोकनिदिनकेँदिकेँ॥ बलि
 नित्यदमहजारबारहरानकेँअथमेँल
 गेँपुनिहोतसामजवावजोनिमहेँहिजा
 वनकीथगेँ॥१३॥ कोदेसकेँदलकेँनत
 त्यअनीतिमंडिमरोरतेँतनसकदजा

यरुरानं दलमोहिंलुहियजोरतैं ॥
तबकुम्भवेनकहेनुमनिरुरानप्रक्रि
यहेभलैंतबदेहुपैप्रवतैंहिहाकिम
नस्यमामकमुकलैं ॥ १४ ॥ यहवत्तकू
रमस्वीकरीतबरानआयसत्योदयो
नगरीबसीपतिचोंडबंसियमेघबुदियमे
जयो ॥ दोडामहाजनदेवचंदपठायरा
नखुसीभयोयहजानिमापवमित्रखं
डवकुंचदोउनकोठयो ॥ १५ ॥ करिकुम्भ
हुम्भनरानतैंनिजधामरामपुरालयो
कतिदीहखंडुवतत्यरहिपुनिबपके
हिगपुगयो ॥ इतकुंचईश्वसिंहह
निजधामजैपुरत्यो कियेकोठेसमेजि
वकीलअक्रियमोहिबुदियदीजिये
॥ १६ ॥ तबलैवकीलहिंसंगकूरमस्वी
यपत्तनसंचयो रुकहीतजोप्रवरान

संगत तोकरैँतुमउच्चस्यो॥ नहिँ तोव कृत्ति
यमासमैँतुमतेँडुसंगरजोरिहैँपहिँलेँक
रीजिमिधूमि तोपननेरचम्पलिवोरिहैँ
॥१७॥ कोदेसरानरुभूपएइतउप्परेगुल
गामतेँपुरधुंधरीतददेमिलानरहेनिसा
सुरवसामतेँ॥ तेँहँजोपुरोहितरानकेदि
महोसुसंभरयंगयोतवदयारामजुविप्र
रांनहुभूपकोँहिततेँदयो॥१८॥ निज
विप्रलेँदुवहहुभूपतिनंदगामगयेतवेँ
बुंदीसचम्पलिवारहीरहिसगतपुरग
ठमँजवेँ॥ तेँहँसचिवहरजनहहुकोँसि
विकासमपियसंभरीअरुदेसमैँलेहसी
लकारनसिकरवलाहिदईरवरी॥१९॥ अ
चलेसमाधानीसहिततवदेसहरजन
संचस्योसीलोरपुरदिगकुम्पसुधठनजा
यरनतिनसौँकस्यो॥ अचलेसकेँमुदि।

कालगी पर दोहु सचुन ना जये पुनि फोज
 जैपुर तै चली तब छो रिभूप ति पै गये ॥
 २० ॥ सक बैद नम व सुसोम १८ ॥ १८ म हव
 कसा प्रष्ट मि जंगमी पुनि मूय ज्ञान उवा
 यने पुर सेन बुं दिय संगमी ॥ रन आज मु
 पव हो रि वी र द ले लना हर सु क ले र न
 आय बुं दिय कि न पै व पु या य वी र न कै ह
 ले ॥ २१ ॥ तब ही स ग त पुर सु खि कै उ प ना
 ह रो र न कै क्रियो आ सो ज पै सु त ड ड रे
 नि द कै म यो सु न ही जियो ॥ इ त जे पु सा
 ल म न द दि खि य छो रि जै पुर पु ग यो म द
 ता हि र म र कि व पुं दिय सी म सा हिं प य
 व यो ॥ २२ ॥ पु नि म ग य पै नु प कु म्पु बुं दिय
 य य ली ह य ने र ह्यो को दे स के र व की ज
 तै ह वै न प रि व र म कै लो ॥ इ व सं व
 क उ न म लो य रु मा त मा व व यो च लो

यद् नो हिं तोर न स ज्ञ होय रुणे न ह म के
 हं मु कालो ॥ २३ ॥ को दे सय ह सु नि इ को
 निज से न प ल न ये क खो ल न वा य वा हिर
 मोर छे ग ह जाल तो प न को ज शो ॥ उ त ए
 ह मा ध व ह सु नी त न डोरि रा म पु रा स खो
 ह ल सं ग ले नि ज भी त है क डि नै र कर व व
 नि प खो ॥ २४ ॥ इ त ह म य बुं दि य दो ह म
 तं ग मों हिं हि त वि स तार यो प र ता प को र
 इ ले ल को इ क थाल भो ज न कार यो ॥ सु द
 ले ल ठी क गि नी न डो दि य प्र न प्र म य व
 ज तें पु नि कुं च दुं दु मि व ज यो न प ह म को
 ए न सा ज तों ॥ २५ ॥ सु नि ता हि को ज न ही र
 स व नं द ग म दि सा च ली प्र रु कु म ह मि
 य नि षु पु ज न प्र पि पु क न प्र ज ली ॥ ति
 हिं वे र दि सि य सा ह के फ र मा न ल पि य
 वे ग ही तु म ह म प्र न ह दि म यो ल र न

इरानिनतैंसही ॥२६॥ इकसाहअहमद
 हेंपठानजुसाहनादरमारिकेंईरानपति
 बनिलंधिअटकरुआतइतधकधारि
 कें॥ तसमातआवहुआतहीरनथंभद्
 गहिंपायहोअरुजित्तिअहमदसाहके
 रिखीसतोरबढायहो ॥२७॥ तजिनंदगा
 महिंबचिजोदुतकुम्मदिल्लियत्येंचढ्यो
 परतापअोरदलेलसोदरदोहुसंगहिले
 बढ्यो ॥ मथुरागयेतबरोगकोमिसकेंदले
 ललहोरह्योपहिलेंहिअन्नतज्योदुतो
 अन्नपानछोरनहीचह्यो ॥२८॥ गंगोदमि
 हियपानकेंरुविभूतिविप्रनदेदईमलरी
 तिदेहदलेलनंतजितत्यहीगतिसोल
 ई ॥ परतापअप्रजतासजुतकछवाहदि
 ल्लियपुग्गयोअरजीनिवेदिरुतत्यहब
 रनथंभआवनकोलयो ॥२९॥ तवसाह

दैंहिं न दैंहिं यों कछु हून कुम्माहिं उच्च खो
तैंहें कुम्माप्र किव वजीर सों हठ सो हि पाव
न को धखो ॥ सुनि कुम्माहिं तु वजीर प्र किव
यनां हिं प्र पभरो सैंहें चलि हो न जो तु म
तो कहाय ह साह के सिर दो सैंहें ॥३०॥ य
ह प्र किव प्र ह म द सा ह सा ह त नु ज सं
वजीर द्वै किय कु प्र कु म हिं छो रि प्र नी
क जु ज न वीर द्वै ॥ तब कु म्मा सी य प्र भात्य
सों कथगे ह चालन की कही सुनि सं प्रि प्र
किय संग च ह्व डुगे ह की न प्र बै र ही ॥
३१ ॥ तब कु म्मा संग हि कु प्र के हल पि दिजा
वन प्र ह खो द र कुं च हं कि सु काम यों त
लं ज नै त द पै क खो ॥ तैंहें कु म्मा हिं तु व जी
र चिं तिय प्र हि तैं म म बै र हें ग हि या हि
दंड हिं बे ग ही प्र वनां हिं य हं ज य नै र हें
॥३२॥ सु हि कु म्मा भी रु नि सी य में सु नि खी

रिहे रनकों मज्यो हरकुं चरति रुदी हके
 जयने रले रुदु लो लज्यो ॥ परताप साल
 मनंद संगहि न्याय जे पुरमें मख्यो अरु
 जो नराय मदास रुत्रिय लै हला हलसे
 पयो ॥ ३३ ॥ यह वीर खत्रिय अग ही दु
 वधीस संगर जितयो संधान भाजन की
 दुती पर स्वामि संग लज्यो गयो ॥ तसला
 जलै निरख्य लही तिहिं वीर विग्रह हो
 रयो सुनि कुसुम सो नख नो लयो पर काल
 लै न लज्यो ययो ॥ ३४ ॥ सुतसा ह अहमद
 साहसाह इरु न लै इल संजु सो यह जा
 निदि स्त्रिय इल नै निज हत्य क मार अं
 कुसो ॥ सुहिय न द किवन दे समें थिय मं
 त अं ति क सु क ल्यो तुम भीर आवहु ह्यो
 नानि न दे सदि स्त्रिय को द ल्यो ॥ ३५ ॥
 थिय मं न नहु नु न थि के इ काल करवा

१०

२३

हिनि लैच ह्यो बजि वं वृ प्रान कृत्यां प्र
 चान क घोस को स ग लो व ह्यो ॥ ह्यु के व
 लाच ल लै त रा र न थो म धार न दो थ रें
 म डी घ वा च्च नु कार वा र न ग ज्ज डार न वि
 त्य रें ॥ ३६ ॥ उ डि धु लि नो र नि च्च क धु प्र
 रि च क च्च क्रिय पि च्चु र ल गि च्च द्वि शु म्म
 न मु मि के ग ज्ज नि मे ग ल च्च कु रे ॥ च
 द्वि संग मा ग ज्ज च्च ल च्चो पर मा ग स ज्जि त
 सं धि या ह ड वा क्क ल क र धु स ल्वा म ति
 वा र क ल ल की लि च्च ॥ ३७ ॥ त नि ने र पु सि
 म स ज्जि यो धि य मं ले उ च्च र लं व गे धु व मी
 र प क र वा य से ल न च्चो य थं व र हं क
 यो ॥ द र कु च्च न रि न र्म र ति म ली च्च वं
 ति य लं ध ये च्च रु हे लु र म धु र हि नो च्च
 व लु च्चि सं ग हि त ल ये ॥ ३८ ॥ अ स वा र पं
 च ह ज्ज र लो ल व क्क म्म स म्म लि च्चो म गे लं

हैंकुम्हारनपेंमलारप्रधाननन्हहिलै
गयो॥जयसिंहमंडितयत्रकीसमुजाय
बुरानिबेदईपुनिनैरबुंदियलैनकीति
हिंबुद्धिदुइरकेदई॥३६॥गजवाजिमा
धनभेदकिन्वसुलेरुसंगरपेंछल्योइत
कुम्हारकेसबदासखत्रियनन्हसमुहसु
कल्यो॥तिंहिंसामइस्वरिसिंहसौंश्रिय
पंतलीकनकारयोदरकुंचकेपुनिलंदि
न्यमलिसेनअभाप्रचारयो॥४०॥इम
जायजेधुरसीममैनगरीनिवाइऊउत्तर
रवकीलबुंदियभूपकेहिगहेतिन्हेंच
लतेकरे॥तिरियत्रसंगदयेरुभूपहि
केगप्रान्हयोंकह्योतबधिप्रचारनहन
आयप्रयानभूपतिकोचह्यो॥४१॥इल
नन्हकेरुमलारकेसबप्रीतिपुद्धनिबेद
येतबचाहिभूपसिराहिचारनकोरुचा

२०

२२

चालनकोभये॥ सकपंचत्र्यवरप्रदृष्ट
 का १८०५ रुचेतउज्जलद्वादसीरविबा
 रनादियपिंगलाजलतत्यैजवउल्ल
 सी॥ ४२॥ क्रमपंचदक्खिनव्यंघ्रिकतव
 हेरुभूयतिहेचव्योतजिनैरमधुकु
 दुग्गकांधकधारिबुद्धियैववह्यो॥ तं
 पोद्धकीतजिबामहक्खिनत्रोरसुद्धि
 उत्तरीकरिउद्धसुद्धिरुकनपंधरिगद्धि
 समुहभोकरि॥ ४३॥ दिससांतबुद्धि
 यफिकारीअल्लुल्लुलपिंगलिकाभई
 मसोनबुद्धियल्लनकेवनिशीतिभूय
 तिकोइइ॥ तयलंधिचम्मलिसंभरी
 दरकुचउत्तरहंकरेसुनिआततातम
 लारखंडुवपुत्रसमुहइगये॥ ४४॥ न
 यकोसंपैमिलिजायशीतिबुहायसम्म
 लिलेसुरे श्रियमंतहमिलिकेप्रवाधि

यवंबजित्तनकेधुरे ॥ सुतसाहप्रहमद
 साहनेइतजंगसत्रुनतेरच्योहरिमंथ
 भाष्टकरावत्योंतरकावतोपनकोमच्यो
 ॥४५॥ प्रतलादिमूपुटधुम्बिकेफन
 मालपन्नगचंपयो अतिचंडगोलन
 पातलेहमंडमोलनकपयो ॥ रुव
 जीरसंगरहोतमाहिनिमाजकारनउ
 लक्ष्मीमनस्तरतोपनस्वामिनैतहंसा
 षिद्धीहरजूकस्यो ॥४६॥ बलतोपस्त्री
 यन्नजीरकोहनिप्रपतत्यबजीरभो
 सुतसाहप्रहमदसाहयहलखिका
 लचिंतरुधीरभो ॥ कहिमाफप्रामास
 हेपरंतुप्रवेइरानिनकोहनेसुनियो
 सहादतपुचहमनस्तरजंगरच्योधने
 ॥४७॥ बहुवारतोपनमारदेरुइरान
 कोदलजित्तयोइतहीमहानदलंघि

अहमदसाहभीरुमज्योगयो॥ सुतसा
हअहमदसाहतवजयपायदिसिय
संचस्योमनसूरकोंहिवजीरदिसियई
सहृतवहीकस्यो॥ ४८॥ पुनिसाहचि
तियजेभयोमरहदृकोअवबुल्लनेप
व्वायकगारमं द्विअकियनोवअव
दुस्योघने॥ मिलनोहिहोयजरतो
दलतुच्छलेयहं प्रावनों नहितोलगे
तुमरेतिदम्हिलैरुदकियनजावने
॥ ४९॥ श्रियमंतकगारबंविजोदल
तुच्छकीनहिसीकरीचयसेनहम्हल
गेतिलैकरिदेसजावनअहरी॥ लव
साहनेदुववीसलकवलगेतिरुप्यय
मुक्कलेदलमाहिंनहनिदेसहृतवदे
सचालनकेचले॥ ५०॥ तहंनहहिं
तुमलारअकियवत्तवुदियमुल्लई

अरुमुल्लिमाधकोकहातुमसौंकजैपुर
तैलई॥ सुनतैंहिईश्वरिसिंहपैतवन
न्हकगारमुकल्योतुमनैंकहासिसुजा
नियुबकुमारखंडुवकोकल्यो॥५१॥ सु
निपत्तईसरिसिंहधुञ्जिरुपुबवत्त
सुस्वीकरीरुलिखीभईपहिलैंसु ही
तबतैंहिहेममअहरी॥ जुउमेदमाध
बसौंकहीसुमहीभलैंतुमलीजिये
हरिसौंहैहैमुहिंअप्यमन्निरुकुंचद
किबनकीजिये॥५२॥ सुनतैंहियह
तवनन्हअप्रायसकुंचदुं दुमिकोदयो
रुकहीनरेसहिहंकिमंडहुअनदे
समिल्योगयो॥ सुकहीमलारहुभूप
संभरभुमिचालतहीलहोयहईनते
हमसंगहैजयनेरजित्तनउम्महो॥
५३॥ सुहिमन्निमंत्रउम्मेदमाधवन

नहसम्मलिहीचढेदलभारजोकनञ्चोव
ञ्चोकनलोकसोकनमैंबढे ॥ कुसलेसना
मरुलायकेपतिरवासहेपठ्योतबेषति
जानिमाध्वकौरुञ्चकियञ्चप्यकबस
हंसवे ॥ ५४ ॥ सुलयोरुसत्यहिसर्वदंकि
यलंघिजेपुरगामकेलखिलकवदकि
नसनकाञ्चरिञ्चोदकेढिगधामके ॥ दल
केप्रयानञ्चमानहत्थिनदानपद्वतिसिं
चड्वढिफैलगेलनभातिसैलनरीति
कंदुककीलई ॥ ५५ ॥ दलभेटमारुतफे
दलेप्रतिमगहारुतमगायोवनजंतु
घोरनञ्चोरञ्चोरनप्रानखोरनलगायो
॥ करियोप्रयानमिलानप्रानिबनासके
तदपैकर्योतहंभूपडेरनञ्चायडुलक
रनेहनूतनविस्तस्यो ॥ ५६ ॥ सिरुपाव
दोयमहर्षञ्चोहयखासदोयनिबेदयेपु

निभूपपरिकरसबेकोंसिरुपावउच्चदये
नये ॥ रुकहीचलोहमसत्यसंधसदेस
आनविथारिहें नदनैजुतोडुसमत्यहें
तलकालजेपुरमारिहें ॥ ५७ ॥ पुनिकुच
कंकडिनेरवावियसीमबुंदियसंचरेम
रहदुलुहनइंद्रगडलखिशीलपूरव
लींटेरे ॥ दरसालदम्भहजारसोलहव
ज्जुरगडपेकरेतिचढेहिहायनपंचतें
नहिदेवदखिवनकेभरे ॥ ५८ ॥ तसमा
तवासवदुगाकोमरहदुलुहनउम्भहे
सुउमेदमाधवजानिहेंतिन्हप्रडुआ
निररहे ॥ श्रियमंतआनदईरुअक्रि
यकालदम्भदिवायहेंअरुनांहिंसीक
तएहतोहनिंकेंहमेंदलजायहें ॥ ५९ ॥
इमरोकिसर्वनदोडुसत्यहिआनिडेर
नपुण्येतेहेंदम्भवासवदुगाकेदसही

हजार चहे दये ॥ रुकराय भाफ हजारे स
त्तरिभूपताहि वचाय कें लके रे रिवापुर
सीम किन्न मुक्काम सर्व न आय कें ॥ ६० ॥
तव ही तहाँसन वाघ संतु वस्वी यनीरम
लारने पठयो यहै पुर लेन भूपति प्रा नके
रनकारने ॥ तँ हं कुम्हा किम हेति न्हे सु
रिजंग संतु वी लें कस्ती मु रि वाघ संतु वनी
उदंत मलार तँ सब उच्च स्यो ॥ ६१ ॥ सुने तँ
हि डुल कर विज्जि बुदि यभूय तँ का हि सु
कलीन हिं सि कर व सुभ त न दे डु तु म ह म
से न जे पुर ये हली ॥ यह प्र क्रि व के शि य
मंत सों द्रु त सि कर व संगर को ल ई सु नि नि
दि कुम्हा हिं न ह ह रि वि जि सि कर व जे पुर ये ह
ई ॥ ६२ ॥ प्र रु दे न सत्य विसासन न ह ह म दे डे
रने पंगयो विसवास मूप हिं पी ति पूर व व न
मंजु ल व ल्लयो बल वीर वो सहजारे तँ त म

संभाएहमलारहेसुहिलैरुअप्पहिंमुम्मि
 अप्पहिंकुम्मकदुकुठारहे॥६३॥यहअ
 किवंदेगजवाजिमूपहिंनन्हंकनकोम
 योरुमलारहृतियगोतमाजुतपुत्रदकिव
 नभेजयो॥यहगोत्तमामरहदुपुंगवभोज
 राजसुताहुतीजामातकोसुतहीनजिहिंस
 बद्रथदैरुस्त्रीनुती॥६४॥तवगोतमासु
 मलारथाहियजोपतिव्रतमैरहीतिहिंता
 रचूरियचूनरीबलतैइतीप्रभुतालही॥
 सुपतिव्रताप्ररुपुत्रखंडुवनन्हसंगहिंसु
 कालेपुनिलेहजारअसीचमूचढिनन्हद
 किवनकोचले॥६५॥तवतीनहहुमला
 रमाधवनन्हकेपडुंचानकोहुवसंगपह
 निचम्मलीतटदिन्नअनिमिलानको॥
 तैहैनेन्हकेसवदासरवत्रियबुल्लिकुम्मअ
 याल्यकोतसहत्थइलकरहत्थदैकहिया

हि विस्मिन्नित्रात्यको ॥ ६६ ॥ यहसूद्रपैश्वरि
 बुद्धिनिप्रनबुद्धिदेनसमत्यहे अरुतद्वुप
 ज्ञततोपिआसनप्रोतिलायकप्रत्यहे ॥ सु
 वियांमलारहु अकवर्द्ध हमारयाभिजकारस्ये
 तहे इहिभूयपैतिहिंकुम्भदेनकहीसुभूह
 नदेतहे ॥ ६७ ॥ तसमाततासअमात्यजीयह
 कुम्भसम्पतिमिन्नहे अबहीलतोपतिकेक
 हेहमलायछतियलिन्नहे ॥ परपत्रयासन
 लेखिदेहुसमस्तबुद्धियहोरिनेसुनिरहके
 सवदासलिरिखियबेहभूतनजोरिबे ॥ ६८
 ॥ सुमलारभूपहिदिन्नप्रोसवनहकोपहुं
 चायके लकैरिपत्तनही बहोरिसुकाभमं
 डियप्रायके ॥ लिरिखलउदेपुरजोधपुर
 कोटाहुहुलकरपेपये सबसेनसेजहुअत्य
 किन्नहिंश्रीलजैपुरदेसये ॥ ६९ ॥ लकैरि
 काविचरकिवनजमहप्रानभूपतिमंडई

३३

करियोंचढेसबकुंचकैरबुरघातछानियखं
डई॥मगमोहिबुंदियग्रामआयउतेदुभू
पतिकेकरेदरकुंचसज्जितसेनकैजयनेर
सम्पुहउप्यरे॥७०॥कइलासलौंयहबत्त
हैसिवहूजरद्ववआरुहेडमरुकाडाकिनि
लेमजीसुनिप्रेतहंकियसामुहे॥कलिका
रमोदितहैहसेकिलकारिजुगिनिउच्छ
लीगहकायगिद्धनिंगोदकौंचहकायचि
ल्हनिहूचली॥७१॥डगमगिसैलनसा
बुतैवनजंतुगेलनविकर्वरैफनमालपन्न
गपहरीसननच्चिभूनढउच्छरै॥लहरैहै
डोरनमोकनिंदतनीरसिंधुनसेतुभैवि
सुरैमवासनआसपासनबासनासनहे
तुभै॥७२॥रुकबंधरकवसनारिसन्निभ
नारिकच्छपकीधसीकलिकाअगलियय
कीफदैतिमदंतुलीकिरिकीनसी॥भय

बग्घकंपितछागज्यौंदिगनागत्यौंमदसौच
येभटभर्गभासतआत्मभूकटसर्गनासतसे
चये ॥७३॥खुरधूलिधुंधारेनांहिंप्राचियत्यो
अवाचियसुज्जइतिमहीप्रतीचियअोउरी
चियमानबीचियउज्जइ ॥पवमानथकि
यअकडकियचकचकियविचुरेपडु
मीमुरकियसत्तरवंडफिरावचकियत्यो
फुरे ॥७४॥सुरलोककुकियरासरुकि
यतानचुकियअच्छरीजियभीरुमुकि
यक्योवचैसबनीरसुकियमच्छरी ॥इम
सेनहंकतसचुसंकतकेसकंकतकेभयेप्र
तिभाऊमंकलबाजिडंकतभुम्पिडंकतह
ल्लये ॥७५॥भटकुंकुमीकरिचैलकेप्रभुगे
लजित्तनउम्पहैकतिबाजिराजनगरिता
जनभाजिआजिनकोचहै ॥कतिउच्चरैसि
रकुम्पकोधनुरेवलोषविधायहैकतियो

कहैं रत्नमोर में जयनेर नावम माय है ॥१६॥
 कहैं उच्चरें मम बैल इश्वरि सिंह पिदिप्रो
 हि हैं कहुं सिंह को न कहंत प्रो गुन चित्रक
 रन को हि हैं ॥ कहुं सिंह नी जय सिंह की दुभा
 ज्यो तर च्छु हियो बदे कहुं यों पलायन मो संदे
 कल जंवरु का हिं दुम्भी हैं ॥१७॥ इम बीर बु
 द्धात बीर बु द्धात सेन पिल्लत संचरे उ नियार
 नागर चारु मंगल येन दीत द उत्तरे ॥ दग्गिनी
 नतें हंसान जे नरु कान नाम ते सब लु हयेति
 नमो हिं पूल हता ब च्यो नृप के प्रताप न ह्यो
 मये ॥१८॥ पर ल्यो नरे सप्रभा ल्य ह रजान
 ह दु दु च द लो ल ह्यो तस मात पूल हता ब
 च्यो नृप का निर किय मे ल ह्यो ॥ बम हता
 जाय सु काय किय यु नि दु च करि उ नियार
 तस मात प्रान के प्राम लु हत बीर हं कि वि
 श्वरतें ॥ कृति बंदि छंडत मान सं डत आ

नमंडतअपनी दोडारुमालपुरारुहोवहु
रायमाधवकंधनी ॥ यहजानिईश्वरिसिं
हअक्वियजेदयतिदयेसबैसुनियेमला
रकहायपक्षियनांविशासरहोअबै ॥ ८० ॥
तवकुम्भकगारमुकलेचहुवानभूपहिफो
रिबेतिउमेदबंचिरुनांसुसोपदुजंगहुह
रजोरिबे ॥ पुनिकुचमंडिरुपिपलपुरजा
यवाहिनित्तरीउमरावतीननअपयकेतं
हंभीरमाधवकीकरी ॥ ८१ ॥ जगतेसलंब
पुरेसज्ञानतथाशिवापुरकोधनीपुनित्यो
हिजालमडोडरीपतिउल्लस्योबढतीअनी
॥ खंगारवंसिखकुम्भकेउमरावबंध्यवतीन
येअसवारपंद्रहसैलियेमिलितत्यमाधव
केभये ॥ ८२ ॥ पुनिपिपलसनकुअकेबहि
सनजैपुरत्योसरीतहंबेधिपादपकेतरेइ
कयातसंभरतेंदरी ॥ तसखिनकल्पहुती

जुसाखसुतुद्विभूपतिपैंचलीलखिताहि
 हहुनकोसिरोमनिबाजिकैंकिकब्ब्यावली
 ॥८३॥ द्विजदानभोजनतानिमित्तअनेक
 आदरतैकरसबसेनसम्मलिहकिंकेंपु
 निजायफागियउत्तरे॥चठिकंतहॉसन
 दूसरेदिनदबिजेपुरकीमहीपुरनामला
 कलशनजायमुकाममंडियवेगही॥८४॥
 रहतैयनेदिनबिलयेतैहंमंत्रजित्तनको
 मयोदलभीरवारिहजारतथहिरानको
 हुतपुगयो॥तिहिंमांहिंमालिकरानबं
 सियसंभुभारतभ्रातहोरुभवानिदासप्रध
 नपुत्रगुलाबकायथजातहो॥८५॥पुनि
 मघबेघमनाहमूपउमेदसाहिपुराफती
 जसवंतदेवगढेसत्योबियुरातआहवउ
 च्चती॥इनआदिलेदलरानकेमदभीरहु
 लकरकीमयेपुनिदेहजारकबंधकेमदआ

नितत्यहिपुगये॥८६॥तिनमांदिमा
 लिकदूदहरभरसेरमेरतियाजथामनरु
 पसचिवरुऊदहरकल्यानसेरउमेतथा॥
 तंहेअप्यअप्यविथारिअयसद्वारिडेरन
 उत्तरेइमपिकिवसूरनअनिदूरनपुब्वही
 मनतेवरे॥८७॥इतिश्रीवंशमास्करम
 हाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराश्रीउ
 मेदसिंहचरित्रेत्रयोविंशो२३मयूरवः॥
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 प्रा०मि॥श्री०॥नगरलदानांहीसुन्योसा
 हमुहुम्मदनास॥सकसरनमबहुससि
 १८०५समामेचकसावनमास॥१॥
 तिनहिंसुकामनतैमलारनिजभटगंगा
 धरसंहसअद्वदलसंगदैरुपदयोजैपुर
 परतिहिंजायरुजयनेरद्वरअररनतोम
 रहनि॥बुलवायेप्रतिवीरभीरुअबसम

ताकीसुववेकतमनअहमदसाहअनूप॥नहमनसरअप्रलीसचिनगरब्योपुनिअप्ररुप॥२४

खहोडुभनि कोटकेनिकटमालिनकुटि
यवाटिनसहितप्रजारिदियकूरमडुतुंग
प्रासादचढियहचरित्रप्रातुरलखिय॥
३॥ तव नृपईश्वरिसिंहकटकपिल्ल्योति
नउप्परसेखाउतसिवसिंहविदितनिक
स्योवाएनवरयहकूरमनिजप्रसनवेरदुं
हुमिबजवावै॥ लकवनरंकजिमायपीति
श्रीहनतवपावैतिहिंखुल्लिप्रररजयने
रकेसजववाजिसम्भुहकियउमरहदुभ
दनजयकारमिलिदुसहमारखगगनहि
थउ॥ ४॥ सीकरपालिको लोहकटकदकिव
नसिरबज्ज्योघरियदोयघमसानभुकति
गंगाधरभज्ज्योपंचकोसपडुंचायमुस्योप्र
तिमयसेखाउत॥ जायनिवेदियविजयन
पहिंवेदीनविरुदनुतप्ररुकाहियजोन
अधुनचढदुतोसत्रुनसनहारिहैनृपक

हियजहृत्प्रपनमिलरुसंगरबहुरिसुधा
रिहें ॥५॥ दो० ॥ परयेयहकहिभरतपुरक
गारजहसमीप ॥ प्रावहुसूरजमल्लद्वत
मंडतहुहमहीप ॥६॥ गद्वियडिगलैवेवि
हंतुमहिंवीरप्रतिप्राघ ॥ हिमदक्खिन
सिरहोहुअबदुपहरजेठनिदाघ ॥७॥ इ
मकगारहुतबंदिकेचडिगजहरविमल्ल
॥ जयपत्तनदरकुंचजवप्रायोकटकउफ
ल्ल ॥८॥ नगरलदानांतैकियउद्वतसबह
लनप्रयान ॥ सावनउज्वलभूतसकमिलि
सरनभधृति १८०५मान ॥९॥ हृषपूरबहु
लकरचेबगल्लगरमुकाम ॥ तंहंसनलि
यउमलारतबदसहजारदमदाम ॥१०॥ रा
नकटकअंतरगयडपुनिदक्खिनदलगय
॥ भिन्नभिन्नसबभदक्खिनेमेदिताडेरनजा
य ॥११॥ साहिपुरेसहिंप्रादिदेसबहिर

यनउमराव ॥ इकइकहयनजरिकरिबुहे
लरनबढाव ॥ १२ ॥ तदनंतरमरुधरकटक
पहुंच्योडुलकरनाथ ॥ अभयसिंहभटवर
अखिलसंबोधेहितसाथ ॥ १३ ॥ खासादु
वहयदुवहयीसारवतिपुरदसमान ॥ चा
रुकरभसुविनीतचउपीनरुजतपलान
॥ १४ ॥ ल्योहिक्कमेलकदिग्घतनुभारवाह
पंचस ॥ मरुपति एतेमुक्कलेपियसखदुल
करणास ॥ १५ ॥ तेसवअत्यनिवेदयेसेर
सिंहमनरूप ॥ इकइकहयपुनिअप्यने
अप्येभेटअनूप ॥ १६ ॥ तिनहिमुकामन
पंचसतकोदकेअसवार ॥ आयेसम्मलि
आदुरनचिततविजयविचार ॥ १७ ॥ अ
खयसामकायत्यअरुनगरनागदहना
थ ॥ माधानीमोहनकुलजजोधमुकबद
लसाथ ॥ १८ ॥ तिनहूकोसनमानकिय

दुलकरडेरनजाय ॥ इकइकघोटकअण्ये
प्रचुरभीतिउनपाय ॥ १६ ॥ रुचिरा ॥ तंहंमा
धवइककपटविथारियअग्रजपरिकर
कोरनकोकन्हवकीलबडुरिगोगाउतमि
लिकूरमणनभोरनको ॥ प्रतिउत्तरसमुझें
तिमकठारजैपुरसचिवननामरचेदैचर
दृत्थकहियअग्रजचरइनहिलखैतब
मोदमचे ॥ २० ॥ यहसुनिचरदललहिजे
पुरगतजानिपरायनहृत्थपस्योईश्वरि
सिंहदुलखितिनपत्रनद्वैअतिअकुल
सोककस्यो ॥ जिनअभिधानलिरैउन
पत्रनतिनप्रतिअकियतुमहुपढीहर
गोविंदप्रमुखसुनिबुल्लियएनबलकिय
तुमलरनचढी ॥ २१ ॥ ईश्वरिसिंहसुसुनि
गहिमोनरुजहसहितबललरनसजेहे
सहयनवारनगनबंहितबंभकअंनकव

कुलवजे॥ इतबगरुवबुधसिंहसुवननृ
पसमुदकबंधनसिविरगयोमारवमुदि
तमिलेनतिपूरबघोटकइकइकभेटमयो
॥२२॥ इतपंडितपडुं च्योगंगाधरपुनिपु
रअररनसेलहनें पुरजनपकरिसहरब
हिरागतविदितविडारियमुडिघनें॥ इ
अरिसिंहसुसुनिसज्जितकरितीससहं
सनिजकटकचढ्योसंगहिजदृअधिप
रबिमल्लडुबाहिनिगाहिनिहंकिबढ्यो
॥२३॥ सकसरनभवसुससि१०५ सम्मि
तसमभदृअसितगतहोजिदिनांकिरि
रदतुद्विद्विद्विअहिसत्वरुबसुमतिफुद्वि
यसमयविनां॥ हाकप्रचुरदिसदिसप्र
तिहारनहयनहजारनजूहजुरे असह
अचानकअनउपमानकघनरवअन
कनिकरघुरे॥२४॥ इतिश्रीवंशभास्करे

महान्चंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशीउ
मेदसिंहचरित्रेचतुर्विंशोमयूरवः ॥ २४ ॥
॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
।। म्मुष्वा ॥ मग्द ॥ कावनवरनलैसरस्वती
कोसरवस्ववेदिजाकोबस्त्रज्यौंदुसासन
केकरतैंदुदुष्पदुतेज्यौंपंचितप्रसरपुं
जवीजवसुधुतेंबरबुद्धैचारिधरतै ॥ चारि
धितैवीचिम्भरतंडतैमरीचिमिततरल
तरंगास्त्रोतगंगागिरिबरतैगोतमतेन्याय
राजराजतैज्यौंशयत्रैसैकूरमकटककळ्ये
जैपुरनगरतै ॥ १ ॥ आवतहीपंडितप्रधान
तंतेगंगाधरफौरैसेचखायलोहसुख्योत
जिखेतुहैलागोपीठिकूरमबिनांअमवि
जयजानिजह नसमेतुसस्त्रसंगरसचेतुहै
॥ बडिसवपाकेलोभलीनमहामीनजैसै
डोरिअचिवतैनीरतीरआनिलेतुहैजै

२

रनरेसअनिडास्यायोंमलारपेंज्योडाकि
निकेडेराडावरेकोंडारिदेतुहें ॥२॥ आव
तसुनतहुंढाहरकोकटकइतअपरअ
नीकहियपंकजखिलतुहेंबुंदीपतिमा
घवमलारअसवारहोतसिसकतुसेस
अंगकच्छपगिलतुहें ॥सिंधूरागलागें
रेंचिस्वागेंअनुरागेंअनिहडितानि
बागेंबढिअगेंकोंमिलतुहेंनयनगुल
नीआबीछन्ननैछाबीभूमिणडिनकीदा
बीनोंअंगूठनमिलतुहें ॥३॥ बाननभ
अदुभू १८०५ समानसकविक्रमकेमहव
चउत्थीत्यामभालनभिलनकोंनैरबग
रुंरुंरुंरुंरुंसेनसज्जकरिमंड्योमग
रुंरुंरुंरुंरुंरुंमिलनकों ॥आसिकअ
नीकीनीरुंरुंरुंरुंरुंनीकेफनफोरतफनी
केदारआरुंरुंरुंरुंरुंहाडाछत्रधार

श्रीरमाधवमलारलागेराहुद्धैकैकूरमकला
निधिगिलनकों ॥ ४ ॥ चढतचमूकैचौकि
चंडीचहकायगनगिद्धीगहकायखरखे
त्रपालखिल्लीपैंतरलतुखारसारणकवर
अपारनाहप्रचुरप्रसारजोनमंतकारकि
ल्लीपै ॥ घुमंदिघटालेहड्डुलकरवाले
बीरमालेमुज्जामालेचालेदीरिमनमिल्ली
पैकूदतकलाबानागपेचपलटावादेत
कूरमपैकावादेतदावादेतदिल्लीपै ॥ ५ ॥
प्रथममिलापरचितोपनकोतापकपिले
सकैसोसापबापकालकोबिथास्योत्योंक
रकिकरालसोरकालबिकरालफैलिका
लनविसालज्वालमालजगजास्योत्यां ॥
गोलनकेगोनपीलुमत्तेपोनपुत्तेकरिती
नांभोनतत्तेकरिप्रलयप्रसास्योत्यां नालि
नकोनाद्योंनिहास्योवगस्तुंजगमंदर

कोमास्यो ज्योपयोनिधिपुकास्यो त्यौ ॥ धा
घञ्साप्यपरतपलीतेघोरजामजुगबीते
दृष्टिफैरनपैफैरनरहेबरमरतजातसिल
गतसोरश्चोरश्चोरजातषेहजोरजिलहज
लसीजंबूदीपकीजरतजात ॥ जंगवगरू
केयोसकोसनपहुमिहुं धिधूमघोरनी
कीधुंधिधूसरपरतजातसक्वीकरिस्तर
जसमक्वीतोपलकर्षीमजमक्वीपरले
लेकालानकरीसीकरतजात ॥ ७ ॥ गानन
वर्गोलेधमसाननउडाननलेधाननकि
साननत्यौप्राननलुनतजातदाहनदुस
हश्चवगाहनविजयनेगचंडकछवाहन
शिपाहनलुनतजात ॥ दगिदगिदावता
कप्रतुलअलावलमिगमिद्रकतारगर
भारसीधुनतजाततार्किंतिलतोपनश्च
वाजललुनतत्यौहीतोपनकेताकेहश्चवा

जनसुनतजात ॥ ८ ॥ प्रा. मि. ॥ मु. दा. ॥ र. ची.
बगरूद्रमतोपनरारि रुगे प्रयगोल कपाव
कगरि ॥ मयेकचमालमईसबभोन गिरि
द्वारनगोलनगोन ॥ ९ ॥ उडै वरहेवर
त्यौं प्रसवारबहै जममग्ग किनेरबजार ॥
उडै दगि सोर रुला रुल प्रवम गिरि सुनिग
जगतग विनिगन्म ॥ १० ॥ हलै भुव पनग
सीस हज्जार मचै किरितुंडमचकनमार
॥ नचै जिममारुतवारिधिनावमयोद्रम
कोनियतंडवभाव ॥ ११ ॥ मयेजडजोगि
यहुदिसमाधिवढ्योसब प्रौर प्रजागर
बाधि ॥ मच्यौं विधिलोकबनावनमारक
रीहरिसौं हुतजाय बुकार ॥ १२ ॥ लमै प्रय
गोलकमंडतलोप उडै ध्वज दंड मयूरन
प ॥ यरत्यरभूजिमयोमिनिनीरसरै जिम
श्रीषमततसमीर ॥ १३ ॥ उडै हय प्रवम

मंगतिचक्रमनां इन्हपछनकहियसक॥
 रचेंबहुखेलमलंगतरुंडबनेंचतुरीप
 रिमुंडनमुंड॥१४॥ छिकेंगजभत्तिका
 रिलमारिदरीगिरिसन्निभहोतदरारि॥
 उहेंबहुसुखगारुअघायविनाश्रमइरण
 लुबलजाय॥१५॥ कडेंजितगोलकुंड
 निशारवनेतितप्रायतपुंषुवजार॥गहें
 सुखलोपुचरकवनचकलगेकडिगोलक
 डेतलकुंड॥१६॥ जगैकतिपुंजपताकन
 ज्वालज्जैजिममारुतहोरियकाल॥न
 योनाहडुखरुल्लुकमेहगिरेंबहुसोम
 अलकगह॥१७॥ हसेंनचिपेइनाप
 नगहारडरावतडाकिनिलेतडकार॥
 अनंतहिंनानियेउचरंतकहोकिमसे
 अथसंकतकल॥१८॥ नहोंपरिरंभनस्पृषु
 कप्रादिनहोंपगहनथोरअनादि॥ल

ललाटक आदिक चुंबन नोहिं नबीन बने
रसनार नोहि ॥ १६ ॥ नक कखहिं लीन व
अप्यतना हउटे नहिं क्योर लिफे लिउ हा
ह ॥ नख हक आदि बने रद नो ह मने किम
नाय यनी तिय मोह ॥ २० ॥ नहै परिरं मन
आदि हि च्यारिन क्यो लबहु कवल है ह म
नारि ॥ कही य हना गिनि से सहिं कत्य व
योत वना ग प्रिया भरि वत्य ॥ २१ ॥ इतें भुव
बुदिय को अधिराज उतें दृढ जे पुर भूपति
आज ॥ लरें दुव सज्ज च मूर चिला मधु जें
हिं कारन अप्य न धाम ॥ २२ ॥ सुन्यो इ मन
गिनि संगर सो र ही चुप रु किय मोहन
रोर ॥ कहे र सना जि म हो य ह जार परें ति
मना गिनि को दुख थार ॥ २३ ॥ बरा ह हिं
करिका इत चुद्धि डिगे किम रं तु लि वारत
हुलि ॥ कही त व लं इ टिके न हि को ल वयो

सुहिकुम्भदुलीप्रतिबोल ॥२४॥ भयेप्रध
लोकदुयोंभरभीतबनेत्रहमंडमनोंवि
परीत ॥ अरेइमद्वैदलखगानखेरिल
योमरहहुनकूरमघेरि ॥२५॥ ष०प०॥ द
गतकुहुहुं अर तोप पटमदनवितान
नञ्जातपहुवतपिअकचकाहुवसेदि
तञ्जातनइहिंअंतरआसारमुदिरउज्ज
लिअतिमंडिय ॥ बहुसुखसीतलवात
सेदञ्जातपहुवखंडियदुवघटियहोय
शातअलदगाढरुपनपनपुनिगहिय
पहुसमतदिनवगरुपहुमिबारिरुहिर
सामुलिवहिय ॥२६॥ दो०॥ मरहद्वैरुक्क
तमुदिरजुरेबहुरिजुजार ॥ इकऊंचेथ
लपरचढेमाधवहुहुमलार ॥२७॥ तोपत
होसनत्रियुनखटमाधवकीचलवाय ॥
कूरमपतिकेगजनिकटगोलेलमिय

जाय ॥२८॥ गोइतनैरविचरमगिरि सायं
समयविधाय ॥ भीमनिसा आगमभयोदि
सदिसतिमिरदिखाय ॥२९॥ फिरनकीव
तवहुवद्वलन अक्खियरोकहुजंग ॥ म
नसूरनसो सुनिपुरे आया सितलखिअं
ग ॥३०॥ बुद्धितिमिरकरिसवननहिल
द्वेडेरनराह ॥ लरतहुतेतत्यहिरहेत
जितजितुरगसियाह ॥३१॥ तीनतीनदि
नकोअसनरकथ्योकतिनलगाय ॥ ति
हिंकरिभूखेतुसहुवस्तरसप्तिसमुदा
य ॥३२॥ बगहोरिबाजीनकीगहिगहि
करनकराल ॥ सज्जहिरहिबैठेसवनक
ह्योजामिनिकाल ॥३३॥ माधवहुइक
ग्राममैरहिकर्षुकगृहरत्ति ॥ बदलिनाम
तापं हं वचेवितईनिंदविपत्ति ॥३४॥ क
वचसेऊउपधानकरपहुमिपृथुलपल्लं

क॥ सुत्तार्तं हं जयसिंह सुवच्यसिका मिनि
 धरिचंद्रक॥ ३५॥ सोवन न्हावन चसनकी
 कहांके शिकातीन॥ बुंदीसङ्ग इकखेत वि
 चखिनदाकी नीखीन॥ ३६॥ डुलकरकेपडुं
 चीहठनइकारावटीआनि॥ वितीकठिन
 विमावरीचटकनडुवचहकानि॥ ३७॥
 नित्यनियममंज्योनृपतिउद्विसवनसन
 अगग॥ एतेविचपिकर्योअडरमाधव
 आवलमगग॥ ३८॥ ष०प०॥ सकगुननम
 धृति १८०३ समयमिन्नमाधवखंडुवडुव
 बदलीदोउनपरघधरिसुरकसीडवनधु
 वइहिंदिनवहउषीखकुम्मआयउधार
 नकरि॥ जपिनृपहिंतुजुं हारइकतरुत
 रमायउत्तरिद्विजदयारामपठयोनृपति
 पुच्छनकछुकछवाहपैंहैतिहिंजायल
 खियजयसिंहसुवचबतदइमउइतैंहं

॥३९॥ शो०॥ श्रैसोह्मश्रावतसमयघोरम
चतघमसान॥ भूपतिहूनिजभूखकौंदे
तमोटबलिदान॥ ४०॥ इतहुहहुनृपनि
त्यकरिबैश्वदेवकरवाय॥ जथालाभलेश्र
न्नश्रुसज्ज्योकवचसुमाय॥ ४१॥ इहिंथं
तरजेपुरञ्चिषचव्योचमूजुतचंड॥
श्रभमुपतिपरइद्रसमैगेसजिवेतंड॥
४२॥ इतउमेदमाधवश्ररहिहयचढिस
मलिहोय॥ इलकरढिगश्रायेडुलसि
दलहिंपचारतहोय॥ ४३॥ नृपमलारह
रववल्लदेजयपुरसमुहजंग॥ कुंतभ्रमा
तश्रसच्यकरफेरततरलतुरंग॥ ४४॥
परेपलीतेतोपपरिश्रतुलदगीश्ररराय
॥ वासवकैधौं बज्रलेयल्लैश्रद्रिनघाय॥
४५॥ षण्प०॥ तोपनलग्गतश्रग्गिब्याल
रीढकवररक्रियदररक्रियकिरिदडू

कमटरबुपरिकररक्रियपृतनाविचकरि
पंथकढतगोलेसकसककरि॥मनहुसं
घमायूरधसतकाननकेकाधरिमल्लार
पिठिकोटाचमुपहोमोहनसिंहोतभट
वहजोधनागदहपुरअधिपगोलालगि
गयविहितबट॥४६॥त्रैसेकठिनअने
हकहियमाथवमलारकंहंहमकिहिं
दोरहैसु।खरितसुनिदियउत्तरतंहं॥
देखहुवहहुंसीसबीरकिहिंदोरबिहार
तललितसेरुनहिंलालइहांनिकसत
असुअरतमेरेहिकहेंरहनोंजुमतआ
निरहुहुतोममउदरसुनियहसिदाय
माधवसलजहुवप्रदोषपंकजकहर॥
४७॥दो०॥इततंगंगाधरसुदूजीअनि
बनाय॥पैलीघांसनउडिपरियजैपुरद
लविचजाय॥४८॥षण्य०॥गंगाधरहय

गरककरेकरमदलत्रंतररिद्विनवज्जि
 गरिद्विभीमगज्जिगरज्जिगभरफटलदो
 यचोफारकटतकीरकितरबूजन ॥१४४॥
 एरतारनखुदतधरनिधारनलमिधू
 जनभयकारमुंडमुंडनभिरतरुंडफिर
 तवनबन्धिरुखामारीदसामीरुनमई
 सिद्धाहरनसमरसुरव ॥४६॥ तंतेकीतर
 वारिबिखमजैपुरदलबग्गीतडितजानि
 अतितेजमुदिरमदवगुगामगीघेखोर
 विषमसानतुसुलदुवपहरकहरलष ॥
 नैकडिगनननदियउईश्वरीसिंहअने
 कपशूरमनतनहियहछलकरियहल
 नकीवमुकालिहुतहिउंदेरुपायदीरव
 ब्येकरहुमुकाममुकामकिहि ॥५०॥ हो ॥
 यहलखिहुलकरहाटकअजानीकम
 नजाय ॥सउचादिकवप्रकर्मसबभदर

निदिरेद्रुभाय ॥ ५२ ॥ तवतनाथ इकरावटी ।
तजिकटिबंधमलार ॥ नित्यनित्यमवसुक
मनिजविरचनलगितिहिंवार ॥ ५३ ॥ धिर
निकद्विजसुस्त्रिपुनि इंद्रदत्तश्रमिधान
॥ आसासनवेद्यारितिहिंसुनतभागवत
गानि ॥ ५३ ॥ अथरमदनउतरनसमय
विरवयदूतनश्राय ॥ अतथोनहिदूरम
यिपजनिहममजिजाय ॥ ५४ ॥ हलकरत
वसुधदनकहियउतरइकोउनअज्ज ॥
दूरमहमजान्योकि तवलेसनसुखतल
ज्ज ॥ ५५ ॥ तंतैकैसुकलितचहिरोक्येनेपु
रथह ॥ इतनैदुदुमिबज्जिअरकद्विचि
यकठवाह ॥ ५६ ॥ सुनतएहदुलकरसुप
दुदुतहियघारेदेह ॥ तुरगचव्याफदगे
हवजिमंडतप्रायुधमेह ॥ ५७ ॥ नराचः ॥
चव्यामलारलैतुखारनोहजारनचतेथ

येप्रवीरतानितीरजंगधोरजञ्चते॥बजे
 निसानखानजेदिसादिसानवित्थरेच
 मंकिपारिचिकरीडिगेरुदिकरीडरे॥५५
 ॥हजारपंचसेनदेसत्तेसकाजमुकलीरु
 मापुरीसमीयलंगयेतिलूटतेवली॥ह
 जारच्यंकहेलियेमलाखुप्यह्योइतेजिते
 जितेचलालखालखगतेतिलेतिते॥
 ५६॥सुलेनकीवइकसेहुलेहरोलहक
 देसुलेतुरंगतकरेधराधुजातधकादे॥
 उमेदमाधवेसहुसजेदुरुहसत्यहेक
 रिद्धजामकुमपैधिलेप्रचारिपत्यहे॥
 ६०॥करीनकेकलापकेकलापकेतुकेखु
 लेचलेसमगाखुखखुसासेनप्रमासकु
 ले॥खिचैकमानवीचवानहेडितुडदंत
 केकरेकदारकेकपारदेवहारकंतहे॥
 ६१॥करेतुरंगफेटभंगपंचरंगमंडकेसि

२०

रिल्लीनखगारीनहुंहुभीनखंडके॥क
 कपालभिन्नभालत्रंखिलालउच्छटै
 ॥बटैविसालप्रीवगालजत्रुजालत्योफ
 टै॥६२॥कुकेकुकेकुकेकुकेकुकेकुके
 लुकेकुकेकरीनदानतानगानत्रच्छरी
 लुके॥किकेचिकेकिरीटकेकत्रोटघोट
 कीटिकेथकेजकेहकेकितेकवाढबहि
 केसिके॥६३॥जगेप्रकोपत्रकत्रोपके
 कलोयत्योइगेकुगेविसालसोरफालदी
 यमालशीलगे॥जचेसुमस्रजंगकेतुर
 मलायमंतचरचैबकारिशरिकेडकारिडा
 किनीनचै॥६४॥गजैगस्वरपूरस्वरकूर
 नूरकेतजैसजैरजैमजैननोरकेअनी
 रकेमजै॥तनेप्रहारलुत्थिलारमारमा
 रकेमनेधनेधुमायघोरघायवायमत्त
 सेवने॥६५॥थपेप्रयानप्रानकेकज्ञान

कानपैजपैविसारज्यौअपारवेगधारसु
 मुहेधपै॥ छबेच्छलंगिछोनिहेहुसार
 संगिगेदबेफवेअगोटचंडचोटवाल
 ओटकेहबै॥ ६६॥ सनंकिचौकिचिबिह
 नीभनंकिगिहनीभमैखमैधटागरवाग
 भोगभागनागकेनमै॥ करैअनेकवावके
 कपावअयाहीपरैजरैप्रसूनभूरिभीरबी
 रअच्छरीवरै॥ ६७॥ मिलैअभीतजंपि
 जीतपीलुबीतदेपिलैखिलैसखानरखेव
 रोमयानभूचरीमिलै॥ खसैनसैअनेक
 सरकेकडुखसैहसैघसैकितेकनाकके
 कनाकजायकेबसै॥ ६८॥ थरखरीधिरा
 डुपिखिवतेगकीतरत्तरीवरखरीलंगेन
 जासफगाकीचरखरी॥ छगच्छीछछछ
 डडुकोलकीडगडुगीऊगऊगीददमिल
 गिनाकलेटगदगी॥ ६९॥ खरीखरीअ

घायर्यायकेपरेकरीकरीघरीघरीघुमाय
 जायडाकिनीदरीदरी॥ लजे लजे लजे लजे
 भायभीरुकेभजेभजेसजेसजेसि पाहले
 लमारदेभजेसजे॥ ७० ॥ बटे बटे पि साच
 बुकफिपरेकटेकटेकटेकटेगहेंकलेज
 नागहेंनदेनदे॥ सचीसचीभिरंसमहारि
 वादिनीयचीनचीनचीनचीनचीफिरेंनिहारि
 जुगिनीजचीजची॥ ७१ ॥ धकेधकेलरा
 ललोहलोहमेंधकेधकेधकेधकेगिरेंकु
 थालहालतेठकेठके॥ कडेकडेकिरंत
 लोमवचकेबडेबडेगडेगडेगडंतगि
 इरुलिपेंचडेचडे॥ ७२ ॥ मिचीमिचीच
 नेकचप्रसिखो नमेंसिचीसिचीमिचीसुज
 भमंतप्रतरीइचीइची॥ कुपेकुपेजुरेंकि
 लेकरंममेंरुपेरुपेलुपेलुपेलिखातपाप
 धारतेंधुपेधुपे॥ ७३ ॥ अनीअनीअरेंघ

टाकिधुम्परीघनीघनीजनीजनीलुभास
 आतप्रचुरावनीवनी॥भईभईभनैलि
 भिनकेकरैदईदईनईनईरचंतसखिजे
 धजेजईजई॥७४॥सुरेसुरेमरेकुमोतिदे
 खिवदुरेदुरेबुरेबुरेवजंतवंबडोलकेदुरे
 दुरे॥हिलेसिलेबहैकितेकखीजमेंखि
 लेखिलेखिलेखिलेखुईंअनेकसंगितैसि
 लेसिले॥७५॥असेअसेफिरेमलारराहु
 केअसेअसेलसेलसेलखैतमासधुञ्ज
 टीहसेहसं॥कहेकहेजुरैकितेकचंडिका
 चहेचहेवहेवहेफिरेवपासुगिदनीगहे
 गहे॥७६॥जडकिडकाडकाकोपडकिव
 जलोपरैखडकिखमारबुपरीअडकि
 पण्डउत्तरै॥दरकिवृत्तिदेखियौभरकि
 जैपुरेभजैकरकिसंधिककडीनरकिबा
 डकेवजै॥७७॥लवकिसेससंकलीभ

२६

२५

चक्रिभुमिबिक्वरैमचक्रिपिदिकाम
 शीमचक्रिपंकमैंगरै॥सिलगिसोरकी
 सिखाफुलिंगफेलतेबमैमनोजसुंडमा
 लिकारचैरुक्कालिकारमै॥७८॥खिरं
 तखेलकंतकेकरंतहंतदिग्गजीगिरंत
 श्रुतभोरुकीभरंतस्वासभाभजी॥कपी
 लखीनकेधुनीनकोपकेकसानुहेदु
 खीनितानधुंधिभानुदीहसीतभानुहे
 ॥७९॥रजोमईतमोमईमदालिभीर
 मूअईविमानजालदेवतानतालरीफि
 केदई॥घसेंछुरीदुसारवीरपारनीरघ
 लोस्वसेउतंगकेपरैमतंगमुखिसार
 सी॥८०॥समुद्रसत्तलेहिलोरश्रौरश्रौर
 लुपुनेभनेसिरहचंद्रभालकालकल्प
 कोकने॥अनंतमोहिंअंतलेउडंतचि
 लहंगकैहनंतहत्प्रंगकेभनंतमत्य

भंगहै ॥८०॥ बितंडवाटिकानदंतहस्ति
दंतउपरैकिरैसुकुंमकोहलेपलांडुघंट
निकरै ॥कदंतसुंडिककरीप्रवृत्तिपाथ
पीनकेकिलासनासईषिकारुआलुअंखि
कीनके ॥८१॥ कटिखकणिकावलीभटा
हदावलीभयेअरिषुकेअपषुबंदलोम
कंदउन्वये ॥बनेअरीपलासकानअंडु
नागवल्लरीकलेजपीलुपरिणिकाकसेरुता
रईकरी ॥८२॥ बनातयोअनेकप्रेतसाक
बंजनावलीकृपानयाप्रहारमारकीम
लारकीचली ॥कहैकितेकहायमायगाय
कायकेगहैलहैकपायलायकेघुमायघा
यकेसहै ॥८३॥ चहैबन्धायजेपुरेसंगेपुरे
ससोंकरैमलारभीमसेनकीगलारगंजि
कोलरै ॥इतैप्रबुद्धरामभूपरुद्धजुद्धयोम
योसुनोंसमस्तप्रीतिकैउतैजुरीतिकैर

चो ॥ ८४ ॥ यव्य ॥ उत्तैपुरमगरुकित्त
 रिततंतैगंगाधरउद्धतवमानत्रैविहंकि
 समुहदियहैवरमंडलगगरिमारलु
 त्तिपरिलुत्तिनिलगिगय ॥ मित्रमित्रमनु
 मिलतवद्धतसहिसहिविरहगियतर
 वारितरकिचञ्जततुमुलभरकिसुडमेजा
 कडलुमीरुनअनारकनजिमउदकउत
 रिउतरिवीरनचढत ॥ ८५ ॥ पुनिपुनिकंप
 तपुद्धमिवाहपुनिपुनिरनचञ्जतपुनिपु
 निहुदतप्रानगिरतपुनिपुनिभटगञ्जत
 पुनिपुनिमिरतपैदेतकिरतपुनिपुनिऊ
 रिकंकट ॥ निजजयपुनिपुनिभनतवन
 तपुनिपुनिनटउबुदपुनिपुनिकपालफु
 हुतपिहुलभरआलुकपुनिपुनिभयउ
 अमैरनुपुनिपुनिपुनिपुनिमगंगाधरगंजन
 चयउ ॥ ८६ ॥ संकुरयतिसिवसिंहतमकि

आयउ हरो ल त व मध्य ज हर विमल अये
द चंदो ल कुम्भा अय से खाड त सिर प्रथम
धार जारिय गंगा य र ॥ अतु ल तु मु ल उ
ल सिय ह सिय नार ह हर हर हर कुल्लिंग
कुपित अं सि न कुर त जुर त म च दु व सिं ह
जिम अ सि नारि र चि म से खाड त दु गुरु र व
रथ फार थ प्रति म ॥ ७७ ॥ दो ॥ ल गी सी कुर
ना ह कै ती न य मिन तार वारि ॥ सु म र गि र य
य ल त्रि स य म रे स वि व द मारि ॥ ७८ ॥ न
ल सि स क्यो ध न अं त रित अ क्क दु प ड्ढं चो
अस्त ॥ ल व ड्ढ रिसु रि म ड्ढ व ल रे सि वि र न नि
ज न स म रत ॥ ७९ ॥ कम ल य न ल गि सं कु
च न धू क न मं डिय धोर ॥ सा यं क्त य वि धा
न स व र च न ल मे ड्ढं चो र ॥ ८० ॥ ड्ढ ल क र
मा ध व ह ड्ढ ह क रिन लो चित क र्म ॥ ड्ढि व
ड्ढ रि ले ले अ र न मि रे क ह न र न म र्म ॥ ८१ ॥

कतिमरहदप्रसारकोंविचरेपुबहिबीर॥
 मगजैपुरतिनकोंमिलीश्रावतिरसतिश्र
 धीर॥६२॥ताकीसंगजुहेतिनहिंश्रानैंग
 हिदलअंत॥डुलकरसनअकव्योडुलसि
 श्रावनरसतिउदंत॥६३॥जवडुलकरजे
 रसतिजनअनैअननिउतारि॥श्रवनन
 कतिनकेसरिसबडिहृदिन्नविडारि॥६४॥
 करनबंधमगरसतिकमइतमलारफिय
 एह॥पंचसहंसदलउतपिल्योश्रुरनवि
 थारतखेह॥६५॥संभरपुरलगतिहिंस
 जवहुंढाहरलियलुहि॥इमजैपुरजनप
 दअसहफोजनहारवफुहि॥६६॥इत
 बगरुनिसआगमनडुलकरपरछलहे
 रि॥कूरमनहिंकडिजानकोंदियउछवी
 नांफेरि॥६७॥जामिकजनजागतरहेसे
 नइतररहिसेय॥इहिअंतरअभ्रनउफ

ए. वंभाउ. चउमेद सिंहजकोचेंदीलेवेकोउपायकरिचो ३१७ वरखः
२५

नितूदनलगेतोय ॥ ६८ ॥ पानीबुद्धतउद
यपरअनिचमक्कियत्रक ॥ कालोदितउ
ठिकत्यकरिचढेबडुरिडुवचक ॥ ६९ ॥ प
प ॥ डुलकरइतहयचढियबूढकंकटक
रिनिजबलउतजेपुरअधिराजचढिगग
जराजचलाचलएउत्तरमुखअडरवेसुद
किवनमुखओपत ॥ खुंदिधरनिखरसुर
नउरनआयुधअरोपतऊरिबाढबाढद
वगाढऊगिछितितुल्लुकलगितुच्छलन
गांढिवबजायडारियगजबजनुपांडवख
डवज्वलन ॥ १०० ॥ दो ॥ तंतेकोकरिसुख
तंहंसमरमारधरिसीस ॥ इकअनीचं
दोलपरपरइडुलकरदूस ॥ १०१ ॥ जेपुर
पतिचंदेलजहंहेनारवकछवाह ॥ गंगा
धरतिनविचगर्जिप्रियेप्रचुरसिपाह
॥ १०२ ॥ प ॥ गंगाधरथसिगयउकादि

चंदोलनरुक्कनकिवेँदूकनदूककुंतअ
 सिसरबंदूकन कतिकवचेभजिकढियउ
 दधिकूरमदलअंतर॥ मकरअग्गजिम
 मीनचसिततिमलखतदिगंतरकूरम
 हरोलकेतनद्विरदजिहिंअग्गैकढिगय
 सज्जवतंतैतुरंगततेतमकिभयोअरिन
 निचप्रलयभव॥१०३॥दो०॥सेनाअंतर
 अहविचलुहेसकटसलील॥मारेतोप
 नकानपैकठिनअथोमयकील॥१०४॥म
 धोकादकलंतैमरहमनुगोपीदधिमह॥
 कूरमलसिनुह्योचकितजवहरोलस
 नजह॥१०५॥य०प०॥तवहिमदरविम
 लपलदिअथोसहायपरजिमगजसं
 कठजानिचपलपनअनिचकधरअड
 रभरतपुरईसतिमहिहंकोरनतंडत॥
 मंडलअथुमेहसुसखंडनअरिखंड

तत्रप्रतिजोरहरतमरहद्वप्रसुरारकरत
खगराजरयविहननप्रहारलघुतूल
विधिगंगाधरसुपलायगय ॥१०६॥ दो०
॥सहोमलैहीजहनीजायअरिष्टुअरि
ष्ट ॥ जिहिंजाठररविमल्लडुवअमैरनको
दृष्ट ॥१०७॥ अ०प० ॥ सूरजमल्लसजोरमुर
रि मारेमरहदेमिलतवभ्रुफनमेदि
नागअतुरगतिनहे परेकुणायपंचासअ
द्वउत्तरसतघायल ॥ दीनोंदकिवनठेलि
तुमुलकीनेरिसतायलभयदारिनरूकन
थपिथिरपुनिकूरमचंदोलपरहरवल्ल
अप्यआयउडुलसिमिहिरमल्लगहिजाय
गुमर ॥१०८॥ दो० ॥ बडुरिजहमल्लारसन
लरनलग्योहरवल्ल ॥ अंगदहेडुलकर
अस्वोमिहिरमल्लप्रतिमल्ल ॥१०९॥ रदन
मध्यरसवारहतद्वमसंकटकछवाह ॥ अं

तरचाहतसामभ्रबलेतनरनजयलाह
॥११०॥षण्प०॥घरनिफेटघसमसतकंपि
कसमसतकुलचलदिसदिसलोहितलि
पतदिपतसुऊतदोऊदलइहिंअंतर
आसारप्रचुरपुनिरचियपयोदन॥चह
लपहलचतुरंगइहलपानियचहुंको
दनबुद्ध्योमलारतंहुंहुवनृपनपरअप
ननहिसुधिपरततुमअलपसत्यममहि
गरहहुभठजमिन्नरकखहुलरत॥१११॥
दो०॥बुंदियपतियहसुनिबचनसतसा
दियलियसंग॥हरजनइतरअनीकले
रह्योभिन्नरुधिरंग॥११२॥हयसतरकेवम
धवहुलेइतरनजयलीन॥सिवाइइसि
वन्नलहरकुम्पपृथकरनकीन॥११३॥लं
वसिवाअरुटोडरीअधियमिलेनयत्रा
नि॥तिन्हगोगाउतप्रेमलेपृथकजुख्यो

असिपानि ॥ १२४ ॥ एकहड्डकुरमउभय
 लुकमबंदिप्रनीक ॥ स्वाभिनदुलकरसंगक
 रिमंज्योपृथकसमीक ॥ १२५ ॥ ज्योहिउद्वेपुर
 जोधपुरकोदाकेदलकुल ॥ भिन्नभिन्नरहि
 कैमिरेजेपुरपतिसनमुड ॥ १२६ ॥ दुलकर
 ढिगदुवभूरहितुसुलरयोगहितेग ॥
 पानीआयुधपैजकरिदुदुनलग्गेबिग ॥
 १२७ ॥ भीजीपग्भसुदूरकरिदेआविकपद
 दोप ॥ दुकापीवतदुलकरदुकलहसुरो
 अतिकोप ॥ १२८ ॥ म०म० ॥ खिलसुतरजेकी
 सारिअनुकारमल्लारनिजवीरअग्गेबढी
 बैहडुप्रतिमल्लहरबल्लरचिहल्लहमगीर
 वरनीरबुंदीचढावै ॥ हडुसामंतहरनामह
 रजनसुनृपसचिबलेसेनदुकथोरकुजे
 मेघआसारभयकारअंधारभिलिअपुन
 रुपारनहिनेकसुजे ॥ १२९ ॥ सिवाईसिंह

कच्छवाहसिवब्रह्महरमाधवामात्यइक
शेरजुंहेतीनकच्छवाहखंगारहरलैरुइ
तगोगहरप्रेमकरवालकुंहे॥रानजगंतस
कटकेसइतसंभुअरुसाहिपुरभूपउमे
दरुप्येसाचिविगुलावअरुदेवगढकंतज
सवंतपुनिबेघमपमेघकुप्ये॥१२०॥जोध
पुरसेनपतिसेरुअरुसेरमनरूपकल्या
नसमसेरजारैयोंअखैरामकोदेसकटके
सुरनयेसुमनसेसफनपेसिडारै॥कुंतअ
सिंहलखिलिवत्यकतिसत्यगतिपत्यत
निमल्यनिअअत्यअर्थेभीमअनुकारिग
अपरिधकसारिकतिमारितरवारिथिररा
रिधये॥१२१॥नीरअरुधीरनिभधीरक
तिवीरहमगीरमिलितोरकरिभीरटारै
कालाबिकरालकतिज्वालदृगलालअ
रिसालभरिफालगजदालडारै॥भीसुभ

यदेतगिलिगोदपललेतअतिहेतक
 रिखेतविचप्रेतनचैत्रासतजिआसन्निव
 स्वासहियलासकरिखासरनराखनरना
 समचैत्रं॥१२२॥रोरचडुंओरअतिधोरवर
 जोररचिसोरतविदोरभदमोरसचैत्रंरोह
 घलिद्रोहगुलिकोहकलिकोहअलिजे
 हसंदोहबहुलोहबचैत्रं॥इहकडुंमिह
 लिसिद्धलगिलिद्विनुसंकपलपंकवि
 चकंककुदेसेनदुवलैनजयलेनमुहैन
 रनत्रैनकतिवेनथकिनेनमुहै॥१२३॥
 एहविचलेहकरिसेहभुवनेहपुनिमिह
 विचमेहविनुछेहबुह्योबंधिघनपाजु
 रुगाजरखयकाजजराजपरजानिसुह
 जरुह्यो॥लेहअतिधारिवृपरामहुरि
 रिअतिवारिकरिरारितरवारिरुकीप्रो
 पदमासइमवारिहविलासपललासन

आसमयश्चासमुक्ती ॥१२४॥ दो० ॥ ऊरुमें
थौंतेहंप्रचुरऊरपखोश्चानकआय ॥
सूरनसयश्चरुहयनपयभयेचलतजड
माय ॥१२५॥ रोकिरकतबहुवकटकप
लेमिविरननिहि ॥ अमितभदनछोरी
सजवश्चसिलुहिरुहयपिहि ॥१२६॥ व
हीदिवसवितायइमबडुरिविताईरत्ति ॥
दकिवनदलसप्तमिदिवससजनलगे
बुनिमुत्ति ॥१२७॥ एहसुनतआमेरपति
व्याकुलकिन्नविचार ॥ मरहहनरोकीर
सतिमंड्योप्रसभमलार ॥१२८॥ जनकल
हैलयाकरिसुदेमसुबुंदीनाहिं ॥ गंगाधर
कोसुल्लुंदेमोरहुअप्यनमाहिं ॥१२९॥ कू
रभपतियहमंनकरिखत्रीकेसवदास ॥ द
म्वहुततससंगदेपठयोतंतेपास ॥१३०
राजाकुलकुलजयतंहंगगाधरलियफो

रि॥दईसोंकछनैँहुलभमायाकरिमनमेरि
 ॥१३१॥अरुअकवीतुमरेलगेफोजखरच
 जेदम्मा॥दैंहैंनृपतिनतैंद्विगुनकरहुसाम
 हितकम्म॥१३२॥बुंदीकीबत्तनबदहुभरि
 धनसकटसुभाय॥कुंचकरावहुकटककेहु
 लकरपतिससुजाय॥१३३॥गंगाधरयहसु
 निगयोखरजरज्जतीखाय॥कह्योमलारहि
 कुम्भपतिबहुधनदेतसिदाय॥१३४॥अब
 नसुनहुउम्मेदकीलेहुअतुलबसुलाह
 ॥जगकहिहैंहुलकरजबरदंड्योजेपुरना
 ह॥१३५॥हुलकरकीयहसुनतहुवविगरि
 बुद्धिबिपरीत॥धरनलम्योगनिकाधरम
 जानोअप्यनजीत॥१३६॥सोसुनिहैंसतसु
 भटपतिवालकृष्णाद्विजवीर॥हुलकरसय
 ननिकायकोजामिकजयैँधीर॥१३७॥पुण्य
 केदलविचप्रकटकारकरियुमरगलार॥

किम कहि आये नन्ह तैं लोभी कित बमला
॥ १३८ ॥ कैसी संधा करि चलिय कै सोमं न
विधाय ॥ संधा कौं तुम कौं सत त है धि कहु
लकर राय ॥ १३९ ॥ कौं धन लकवन करज
कियर चिद लबी सहजार ॥ कौं माधव उमे
द कौं बुल्ले बिनु हि विचार ॥ १४० ॥ चलि दकि
न प्रभु नन्ह सौं नीचे करि होनेन ॥ तंते वंभन
सठ तुमहि लोभ देत कहु लैन ॥ १४१ ॥ कात
रपन ताको कस्यो धारहु न न धरि धीर ॥ वह
पूर बियाय ह कहत बल हि सिरा ह्यो वीर ॥
१४२ ॥ मन गोपल टिमलार को लभात बच
न प्रतीद ॥ तंते कौं बुल्लि रुत्वरित बुल्ल्यो ल
रन बिनीद ॥ १४३ ॥ सुनि गंगा धर वह कित
बल जिहें बुंदिय देस ॥ चारि अनुज हित पर
गनिहें ह कुम्भ नरेस ॥ १४४ ॥ बुंदी सहि बुल
वाय पुनि ताके डेर न जाय ॥ इक तरवत दुवै

ठिहैंसमसतकारविधाय॥१४५॥दींकाउ
चितनिवेदिहैंकहिकहिनृपउपटंकतोअ
प्पनदलकुंचहैंनहितोजंगनिसंक॥१४६॥
सञ्चीअंखिनिहारितवतंतेत्रसितविसेस॥
अकवीकेसबदाससोंकरडुमलारनिदेस
॥१४७॥सुनिखत्रीनिजस्वामिकोंजबहिसु
नाईजाय॥हितमाधवउम्मेदकोकरनोंही
अबन्याय॥१४८॥कोपतडुलकरविनुकरें
अंखिनधकतअलाव॥रसतिबंधपहिलेंक
रीअबप्राणनपरदाव॥१४९॥ईश्वरिसिंह
सिदायसुनिभयोअमाससिभाय॥गंधन
कुलकोग्रासकरिउरगजानिअकुलाय॥
१५०॥सबहिवत्तस्वीकृतकरियजैपुरपति
मयजानि॥संधिविधायमलारसनमिल
नविचारप्रमानि॥१५१॥अकवीकेसबदास
सोंसबउनकीसीकार॥अबकछुअकवीअ

पनीमानहुबत्तमलार ॥१५२॥हुलकरअ
 रुहमलोभकीवत्तसमक्षकरैँन ॥जोकहनी
 सुवकीलजनबदैँपरोसहिबैँन ॥१५३॥ष
 प ॥अपनेँडे रनप्रथम हहुहुलकरहुवअ
 वैँपलटिपग्घमल्लारहमहिँचडमित्रबनीवैँ
 कुँचकरनकेकालबंबपहिँलेतिन्हबजैँ ॥
 पिँहमहिँचढायचढहुइमवेहनलजैँ
 सुनिकेसवदासमलारसनकहियअनि
 कूरभकथितहुलकरसमस्तस्वीकारकरि
 चाह्योमिलनप्रसन्नचित ॥१५४॥सहमिअ
 षुमिनवमिदसमिएकादसिचितीद्वदसि
 केदिनमिलनथथोहुलकरकरिकितीइल
 सनतंबूदूरतबहिँइककुम्मतनायो ॥मंत्रके
 णिकापथकमंडिअपहुतंहंप्रायोदेपिहि
 इकातकियादरितपृथुलदिलीचारुचिर
 परपरिखदबनायजयसिहसुवबैँगेलेदि

गसुभटवर ॥ १५५ ॥ दो० ॥ इतहहु रुहु लकर
 उभयसुपहुर्मारिसन्नाह ॥ भिंदनजेपुरभूप
 कोंविदितचलेचढिवाह ॥ १५६ ॥ लयेउदेपु
 रजोधपुरकोटाकेभटसंग ॥ उभयहत्थमेंह
 ल्यदेजीतिपधरजंग ॥ १५७ ॥ स० ग ० ॥ तंत
 गंगाधरसेहुरखइराइसेतृबाउलातीनोंही
 हुलकरकेउभराबहरोलभये ॥ अरुविजय
 केमदमत्तचोतरफुआतंकडारततमासगी
 रलोकनकोंहवालगये ॥ प्रथमतोउदेपुर
 जोधपुरकोटाकीसेनाकेसिरदारदोयदोय
 मल्लारनेमिलिबेकोंअनुक्रमतंपढाये ॥ तब
 साहिपुराधीसरानाउतउमेदसिंहदेवग
 ढनाथचुंडाउतराउतजसवंतसिंहबधम
 पतिचुंडाउतराउतमेधसिंहसनवाडपति
 सेनानीभारतसिंहकोकनिषुषोदरानाउ
 तसंभूसिंहप्रधानभवानीदासकोपुत्रगु

लावसिंह त्यों हीर यों पति दूदाउतमेरति
यारद्वारसेरसिंहऊदाउतरद्वारसेरसिंह
कल्यानसिंहभंडारीमनरूपतथावरवसी
कायस्थप्रवेगमद्वत्यादिक ईश्वरीसिंह
तेसत्कारसहितमिलिआये ॥१५८॥ दो०॥
तदनंतर नृप हड्डुअरुडुलकरकरिहथजे
रि ॥ प्रविसे प्रति सीरावलजतरलतुरंगन
द्वारि ॥ १५९॥ चुरतदिद्विजैपुरनृपतिडुल
सिउद्योकरिहेत ॥ समुहपायंदाजतक
आयोबिनयउपेत ॥ १६०॥ मत्थैहत्थल
गायमिलिमोदपरस्परमानि ॥ इकूदिली
चाऊपरहिदमबैठेत्रयआनि ॥ १६१॥ ईश्व
रिसिंहप्रतीचिमुखप्राचीमुखएदोय ॥ क
हुककालसंलापकरिउठेद्रोहसबधाय ॥
१६२॥ मंत्रकेणिकामाहिंपुनिप्रविसेत्रय
द्वयपास ॥ डुलकरकूरमहडुअरुतंतके

सवदास ॥१६३॥ बुंदीपतिप्रतिउच्चरियजे
पुरभूपतिजत्य ॥ दूरर होकबुकालतोमं
त्ररचेंदमप्रत्य ॥१६४॥ तवनृपबु ल्योकर
तलुममरहृदीसंलाप ॥ मेंप्रबोधप्रनधी
तमेंनिधरकमंत्रहुआप ॥१६५॥ अक्षिनय
हरुतत्य हिरहोसंभराजस्वतंत्र ॥ केस
वकुम्भमलारकियपर हृदीविचमंत्र ॥१६६
॥ तदनुपगघनिजकुं कुमीलेके हुलकरई
स ॥ हीरनकेसिरपेचजुतधरीकुम्भनृपसी
स ॥१६७॥ हुलकरसिरप्रपनीधरीत्याही
कुरमराय ॥ धरियरकिवदेउनद ईडुब
नमाहिंधराय ॥१६८॥ इतरहुसुंभीकुम्भ
धरिविसदपगघमलार ॥ मंत्रनिलयदि
जमिन्नहुव इमदुवमुहितप्रपार ॥१६९॥
चारिपरगानमाधवहिंबुंदीनृपहिंदि
वाय ॥ हुलकरकुरमहृत्यकोलिनांपत्र

लिखाय ॥ १७० ॥ बडु रिचले उठिसिक्क
रिडुलकर अरु चडुवान ॥ कूरमपायं राज
तकचल्योतबडु पडुचान ॥ १७१ ॥ इमप्रवि
सेदोऊप्रडर निजनिजडेरन प्राय ॥ कहि
यठइइजेदिवसकुमहिं डुलकराय ॥
१७२ ॥ प्रबबुंदीपतिकेअरथमेजडुदोका
भूप ॥ सुनियहलियजयसिंहडुबपुनि
अभिमानअनूप ॥ १७३ ॥ पाबु ॥ कूरमप
डीएहकहाईमिठनसुअपियेयं हंभाडे
॥ तचतोवेअयेतुमपिडेअचडुमेदअ
वनहमडुडे ॥ १७४ ॥ सुनिहडुरुडुलकर
हससाहोवेरडुकुअवननिरवाहो ॥ तु
महिंउचितअवनअवतातेदिवसभयो
इकराहदिसवते ॥ १७५ ॥ यहसाहसडुडे
अोरबढ्योअतिपृथकतनायथूलबुंदी
यति ॥ अहोतहां कूरममगहेरतटरतजा

तदि नटे रतटे रत ॥ १७६ ॥ वीचमये तंते वि
सतालघर विधि वत्त कुम श्रुति घाली ॥ कु
मक हो सुनिये गंगा धर अ व जो तु म अ न
दु ये हं संभर ॥ १७७ ॥ तव भव दी य हिलूप न
जा नै मल्लार दु उ चित हि जो मानै ॥ गंगा ध
र दु दुं अ र खि सा नै इ त उ त के सं कु च अ
कु लानै ॥ १७८ ॥ अंबु ज म न दुं तर नि अर्द्ध
दय अ र ध क पा द खु ल्यो जि म अ लय ॥ सो
व त क षु क षु ज ग त स्व प्र स म बा नि क व य
स सं धि व नि तो प म ॥ १७९ ॥ तं ते र ह्यो पंच
दि न अं सै क हं तो रि हि त इ त उ त कै सै ॥ गं
गा ध र क र जो वि च्छे दि न अ क री नृ प हिं सु
न दु सं भ र इ न ॥ १८० ॥ से व क अ र ज म नि
हि त स त्थै इ क अ सा न क र दु म म म त्थै ॥
जै पुर प ति क व ल ह र जा नै प्री ति री ति न हिं
ज ड प हि च नि ॥ १८१ ॥ ब डु रि तु म्हे नि ज सि

विरबुलावत उत्तरता को मोहि नथावत
॥ प्रकवीनृपतिजाय ह मन्त्राये लुपिता
हिक्रियां पुनि हठलाये ॥ १८२ ॥ उचितनां हि
पुनि पुनि जावन प्रववरजत कुलकरुप्रा
दिसुमति सब ॥ यह सुनि विप्रनयन जल
अयोधु लठयो सो दीन हिखाये ॥ १८३ ॥
नियरन ते श्रुतिख पचनिकासी पयो किह
रिन किरात नपासी ॥ तंते कौद्रम देखि दु
खित तब प्रधि पति हृदय सदय तर मो
अब ॥ १८४ ॥ दयाराम निज बुलिपुरोहि
तचारन मह बुद्धान ज्ञानचित ॥ भेजे दुव
हुलकर डिगभूपति प्रकवी द्विज तंते स
बुचल प्रति ॥ १८५ ॥ पुनिकूरम डिगहम
हिं पठावत यह द्विजन महु खित प्रकुल
वत ॥ कूरम हठ लखि हम हठ साहेंडु कि
त द्विज लखि जावन चाहें ॥ १८६ ॥ कहिये रु

चततुमहिं प्रबं कैसी तंते त कत री लला
शैसी ॥ सुनिहु ल कर उत्तर त बहिर्को जाव
हु जो किल वन हठ कि नो ॥ १८० ॥ यह सुनि
हिज चार न जु ग प्रायो नु प को हु ल कर न
यित सु नायो ॥ सुनि च हु वान से न निज सु
जो क सि क सि वं ध च ल्यो च ढि बा जी ॥ १८० ॥
संग मये हु ल कर भट सारे वाड व पर द ल
सिंधु वि हारे ॥ हुं हारे पि क व न ज न प्राये
ध न्य ध न्य क हि वि रु द ब ढा ये ॥ १८१ ॥ इ म
कूर मंडे र न तो र न ग य प्र वि स न ल गे ल स्थ
बं दे ह य ॥ त ब हि द्वार पा ल न कर जो र अ क व
अ र ज जा त न हिं वी रे ॥ १८२ ॥ यह तो र न
डो ढी करि मा न हु अ ग व हु रि डो ढी न हि ज
न हु ॥ पा ड स र न का र न हु व पा ये यो तै र व
त पु ख त न हिं ला ये ॥ १८३ ॥ अ गों ई अ रि
सिंह वि रा ज त ज व नी अो ट्ठी च न हिं रा ज

त॥ जावततुरगचढेंदृगजु रिहेतोसंको
चपरस्परघुरिहे॥ १६२॥ अंतरद्वारगिन
दुद्धिंयातेत्यागदुमहाराजहयताते
॥ सुनिनृपरीतिनिपुनतजिवाजीप्रवि
स्योद्वारलियेंभटराजी॥ १६३॥ जेंपुरप
तिभटअल्पसहितजहंतकोनृपसमु
हपरिश्रुदतहं॥ इकजसवंतऊलायप
तिकुमरअरुइलेलधूलापुरईश्वर॥ १६४
॥ तिभहरनाथनरुकाराउतअजितसिं
हकूरमसेखाउत॥ सुमठनिकटइत्यादि
छसातहिजेपुरपतिउद्धो नृपजातहि
॥ १६५॥ पायंदाजअवधिसम्मूहसरिरी
तिउचितदुवहत्यमत्यधरि॥ सभाप्रवि
सिअप्रतिहतसासनवैठेउभयएकही
असन॥ १६५॥ यानरुअतरनिवेदिपर
स्वरकियसंलापघटीइकहितकर॥ उठि

करिसिखमूपपुनिश्रायोपहिलेंजिमकू
रमपडुंचायो ॥ १६७ ॥ तंतेतदनुपठायोदु
लकरकूरमप्रतिश्रकवीतिहिंदरवर ॥ अ
वटीकानृपकुम्पपठवदुपुनिबुंदीपतिडे
रनश्रावदु ॥ १६८ ॥ सुनिटीकापठयोतव
कूरमइकामहामृगइकतुरंगम ॥ इकसि
रुपावइकामनिभूखनपठयेदैइमसंगस
चिवजन ॥ १६९ ॥ तिनटीकानृपश्रत्यनि
वेदियसंभरनाथविहंसिखीकृतकिय ॥
दैनलगेवसुकूरमदासनसोनलयोरुग
येजिमसानन ॥ २०० ॥ दूजेदिनकूरमभ्रम
बाधनसंभरसिधिरगयोहितसाधन ॥ अ
गौरीतिमिलनकीश्रकवीपद्वतिसोहिअ
त्यमिलिरकवी ॥ २०१ ॥ दुवसिरुपावदीय
हयदिनेंइकइकहीजैपुरपतिलिनें ॥ मा
निकरामथ्यासनृपकोतवबुल्योहितश्रपि

तरकबहुसब ॥२०२॥ तोडुन हत्य द्वितीय
नघल्योअतरपानल हि कूरमचल्यो ॥ दु
लकरनजायमित्योपु निसुनतमत्तबंदी
नविरुद्धुनि ॥२०३॥ हितपूरवबैठेइक
आसनसुखसहहोनलग्योसंभासन ॥ कू
रमतत्यकरारनराख्योलोभउदंतसमस्त
हिभाख्यो ॥२०४॥ कूरमनाममलूकइकपं
चायणकुलजात ॥ आमेरपअरघ्योवहे
बरसिगामवसुव्रात ॥२०५॥ बुंदीपुरअ
यत्तपुरगैनोलीअमिधान ॥ सहितपरग
नसोदयोथिरकूरमतिहिंथान ॥२०६॥ ता
कीवत्तमलारसन कूरमकहियबहेरि ॥
रकवीसोहिमलूकहितअवनिअोरदिय
बोरि ॥२०७॥ सुनिमलारअकवीकुपि
तकिनेंतुमहिकारार ॥ वत्तसमस्तहिलो
भकीक्योवकरतछलकार ॥२०८॥ वसुम

तिबुंदियदेसकीलेसद्धतुमहिं मिलेन ॥
कोविदरहतकरारमैठलेहहुविलेन ॥२०५
॥ अतरपानयहअकिबदेकरमकोदिय
सिकव ॥ सुनदुरामनृपयोरहीप्रपितामह
कीतिकव ॥ २१० ॥ इतिश्रीवंशभास्करेमहा
चंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशोउमेद
सिंहचरित्रेणचविंशोमयूखः ॥२५॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
प्रा० मि० ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
चहुंदुभिहुलकरहलबलिजैपुरबलबी
चहुवसुबादनकोलाहलपहिलेचढि
कछवाहलयेनिजपत्तनपद्धति ॥ मनि
जिमउरगगुमायनम्यौनकरैफनउचति
खटवसुतुरंगससि १७८६सकगि ल्योज
यसिंहसुबुंदियजहरईबरीसिंहतससु
तअसहलईधुमिताकीलहर ॥३॥ दो० ॥

दुंढारे डमहुंढिरनगंजे प्रसभगलार ॥ स
 त्यकियो संकल्पनिजमाधवहडुमलार
 ॥ २॥ स० ग० ॥ यारीतिजनकजयसिंह
 नेंसंधाकरि स्वीयकरी अचलाईश्वरीसिं
 हप्रातंकतें छोरि आयो ॥ अरु बुंदीके दुर्ग
 तारागढमें नरुके कछवाहसिपाहरस
 करके हेति नको कढायबेको तिनके स्वा
 मिनारवलदानानगरनाथकुमार तथा
 हरनाथसिंह इनके उभयको अर्गें करिले
 जायबेको उदंतडुलकरसों कहायो ॥ तब
 जैपुरपतिके प्रस्थानके समय एदोऊनरु
 के कछवाहलारलेबेको मल्लारने बुलाये
 । अरु वेअदे सअधीन होयनअये तब
 सत्तसयसादी स्वकीयसेनाके संग हीपा
 निपकरि प्रेरिबेको पठये ॥ ३॥ जहाँ मरह
 इनको गोरदारजयी जानि जैपुरको जोध

जुगसाहसी सुवेदार की संगमयो । जब जय
के मद मत्त महि मंडल मंडन उमेद सिंह
माधव मल्लार कुंच करि देवगा मब घेरा आ
निमु कामदयो ॥ तहां तें सब सेनार खतर सा
लेकों तो दोडानगर की राह चलायो । अरु
इन तीन नके अमय सिंह धन्व धराधी सती
र्थ गुरु पुष्कर राज होला सौं मिलि वेको उत्सा
ह आयो ॥ ४ ॥ दो ॥ डुलकर कूर महडु नृप
सेन अलपलै संग ॥ पत्ते पुकवर तित्य गुरु
मरुपति मिलन उमंग ॥ ५ ॥ अमय सिंह
चिरकाल तें हो पतनी जुततत्य ॥ मिलि ला
सौं वगरु विजय अकरो सब न समत्य ॥ ६ ॥
सुतानृपति जय सिंह की नाम विचित्र कुमा
रि ॥ लये परगनां अनुजत सकिय मंगल हि
तकारि ॥ ७ ॥ महि मानी करि सुदिल मनर
दोरन अधिराज ॥ डुलकर सालक हड्डु नृ

पबुल्लेजिम्भनकाज॥८॥राजगढेसकिसो
रनिजभातसहितमरुपाल॥माधवसंभर
चारिमिलिकियभोजनइकथाल॥९॥हु
लकरमरुपतिकेहुहोपग्धसखापनअप
॥सोहुजिमायोरकिवढिगसम्मदपरिसम
ग॥१०॥विगस्योबाजेरायतबमद्यतजोम
ल्लार॥अभयसिंहपायोइहांप्रसभमंडि
अतिघार॥११॥इकइकगजदुवदुवअर
बइकइकबरसिरुपाव॥इकइकभूखन
नगजटितदियतीननकरिचाव॥१२॥ले
तिनतीबहिमरुपजुतअपयेपुनिअजमे
र॥अभयसिंहनिंदाइहांकिनीसोदरके
र॥१३॥बखतसिंहमामकअनुजपहिले
दिल्लियफत्त॥जवननदलहमसनलरन
अनतसुनियतअत्त॥१४॥बनेजंगतेबेग
हीहुलकरकरइसहाय॥सुनिमलारखी

कारकियवहुसतकारबढाय ॥१५॥ तदनु
तीनअजमेरुतजिलगेबुंदियराह ॥ विच
तैपलटिभनायपुरगोसंभरनरनाह ॥१६॥
हीसपत्नजननीतहोअरुऊदाउतिनारि
॥ मिलितिनसोपच्छोमुख्योबुंदीबिलसन
धारि ॥१७॥ मिलिमाधवमल्लारसनपुनि
कियसजवप्रथान ॥ तीननसरितवनासत
टदिनेअनिमिलान ॥१८॥ उज्जलपखड
समासतहंबुदेजलदकराल ॥ चढीसरित
कीओटकरिपलहेपच्छेखाल ॥१९॥ दल
विचजलगलहध्रुवढिबिथस्थोडेरनबो
य ॥ पानीपवनतुषारकरिमरेमनुजसतदे
य ॥२०॥ दूजेदिनअंबानगरपत्तेजलभय
पाय ॥ दोडात्योंपठयोउदलमित्योसुतत्य
हिआय ॥२१॥ सुखतैरहिनवरत्तसवतीन
नवितयेतत्त ॥ अष्टमिदिनमल्लारइकर्म

गयो महमत्त ॥ २३ ॥ षष्प ॥ दूतनदि सदि
 सदेरि हठन हेखो इककासर तीन तीनव
 लबकपटलगति संगपि द्विपरत्ररुनत्र्यं
 शिष्यतिकोपदिपत उल्मुकदमकावत ॥
 खासनाससननं किधरनितलपयनधु
 जावतनहि सहनमहनत्रोरननदनग
 बलजानि उद्धतत्रियमानहुविहायका
 लहिं कुपितसंजमनीसनउत्तरिय ॥ २३ ॥
 दो ॥ अत्र्यो अडरलुलायवहदेवीहित
 वलिदेन ॥ मारी अिसिहुलकररुपटिल
 गीजि नमनलेन ॥ २४ ॥ षष्प ॥ सिंगनल
 गिसमसेरतरफितु हीहुलकरकरतबज
 रंतपुनलो रिचल्यो वारुनहु टिदुद्धरदेख
 तयहहयव पटि रूपटिसंभरअसिगरि
 य ॥ सिंगनलुगलसमेतवंससहपिद्वि
 लिखारि वअररायमहसुइमखायअसि

पायउलटिकटिखुलिपस्योडुवलखिअदि
 जमगहृदलइतदेनियवलिअदस्यो॥२५
 ॥इतिश्रीवंशाभास्करेमहाचंपूखरूपेदसि
 गायनेदशमराशोउमेदसिंहचरित्रेपाइ
 श्रीमयूरवः॥२६॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
 ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
 प्रा.मि॥ दो॥ किन्नांबुदियतजनकोकलि
 यविसदकराह॥ योंबुदुदिनआचारहेमा
 धवहहुमलार॥२७॥ष०प०॥कन्याकोरवि
 भुग्गिअंसतुलकेलियपद्रहप्रतिदिन
 सीतप्रगल्भहोतवालनविनुदुसहआ
 योपुरइहिंकालहहुहुलकरअरुमाधव
 ॥दीपअप्रमाकिरिदानअन्नकूटककिय
 उच्छवमिलितत्यविप्रगंगाधरसुखत्री
 केसवदासजुतकरिमंचआनिभूपहिंक
 हियसुनडुवचबुधसिंहसुत॥२८॥पा.पु.

कासीविचसुरजननृपसंभररचियराज
 मंदिरनिकायवर॥सोपंडितसूरजनारा
 यनमंगतरहनकाजद्विजनुतिमन॥३॥
 वहप्रालयनिजकामनत्रावैपुख्यवढै
 जोवहद्विजपावै॥सुनिनृपकहियपुष्य
 तीरथथलहेनहिंदेयविचारिलखदु
 भल॥४॥सूरजनारायनद्विजउद्वहप्र
 द्वितीयतिनदिननदुतोयह॥खटनास्ति
 कप्रतिभटवनिखंडैमतखटप्रास्तिकदृ
 ढकरिमंडै॥५॥सौत्रांतिकनसमूलउरवा
 वैभाषिकनसजोरविडारै॥योगाचारन
 लखतउडावैमाध्यमिकनमिलिगरबगु
 मावै॥६॥जैननजालरादुगतियासैलो
 कायतिकनमुंदिनिकासै॥व्यासप्रपर
 वेदांतविचारनगोनदीययोगप्रवधारन
 ॥७॥दूजोकपिलसांरथविचसोहैमीमां

साजेमिनिमतिमोहें॥ द्विजवरूपपर
 यविचगोतमवैशेषिकवादीकृष्ण
 ॥८॥ कासीविचपंडितग्रहत्र्येसौकरैश्च
 जासौंबुधकैसो॥ अर्गैयहतंतेगंगाधर
 गोन्हावनकासीतीरथवर॥ ९॥ जवनन
 जानिगहनदलप्रेस्योपंचकोसिअंतरति
 नहेस्यो॥ तंतेतवसूरजनारायनरकथोस
 रनछिपायप्रीतिपन॥ १०॥ पुनिछन्नैदक्खि
 नपहुंचायोयहउपकृततंतेउरआयो॥
 पुनिराजामलमित्रसुपंडितअगरह्यो
 हितदुहुंनअसंडित॥ ११॥ जबजयसि
 हनगरबुदियलियसालमसूनुअत्यपु
 निअपिय॥ तबहिराजमंदिरतीरथप
 लमित्रद्विजहिंदिनैराजामल॥ १२॥ तबतै
 रहीविप्रकैवहभुवअवरुमेदलईबुदि
 यधुव॥ केसवअरुगंगाधरयातैबुलेन

पहिं दिवावन बार्ते ॥१३॥ पक्षपात इनको
 नृपजान्यो पुनिव हतीरथथानप्रमान्यो ॥
 द्विजवह पात्रकद्यो बुंदीपतिपे किम होय
 अदेयं देनमति ॥१४॥ तब दोउन डुलकर
 प्रतिअ करीर है टंकय ह प्रभुतवर करी ॥
 सुनिमलार बुल्यो जिनकी भुवतिनके देय
 विनांन मिलें धुव ॥१५॥ तब दोउन न नै छ
 लकिनां डुलकर नाम पत्र लिखि लित्रो ॥
 दाहीकी मुद्रामुद्रित किरि पठयो दलपंडि
 तहित अनुसरि ॥१६॥ तिहिं बुधलखि
 डुलकर दलत्रायो ब डुरिराजमंदिर अ
 यजायो ॥ नृपय हकथ चिरकाल मां हिं सु
 निजबजानी तब छिन्निलयो पुनि ॥१७॥ भ
 दसे दूरदराड सु डुलकर बुंदियपुर अ
 गहि पठयो वर ॥ तिहिं कर अ वसेसन
 धार्यो कूरमं डातो रि विडास्यो ॥१८॥ सं

भरवहरकमंडिसुहाईपेगीपुरउमेददु
 र्द॥ जैपुरसचिवतत्पद्मनाकंभृजतसतत
 पगीउरधाकै॥ १६॥ स० ग० ॥ मंडातूटतही
 जैपुरकेसूरवीरबुंदीहेतिननेंअपनीन
 दीतलबकोलैवाविचार्यो॥ अरुबनिकजा
 दूदासनादानीकाभानेजआमैरअधीसदे
 श्वरीसिंहउहोअमाल्यरख्योहोतापैआस
 डार्यो॥ लबबहबनिकघरकेसूरनतेघ
 बरायवनिताकेबस्रधारिछनैकदिआ
 वानगरगयो॥ अरुखत्रीकेसबदाससोअ
 पनीआपत्तिकोउदंतकहतभयो॥ २०॥ क
 हीसेदूखदुगडकरारकेदिनअदुअवले
 सहेतथापिआमैरईसकोमंडातोबिडार्यो
 । अरुयहजानिअपनेंसूरवीरनचड्योह
 कलेबेकोमोमैआसपाख्यो॥ यहसुनतही
 खत्रीकेसबदासमलारतैरुठिचल्यो॥ त

बनी ठिनी ठि पच्छे मनाय डुल कर नै सुत
 र सवार तत्काल ही बुंदी सुकाल्यो ॥२१॥ ता
 नै जाय नगर में बहोरिक छवाहन को केत
 न रुपायो । यह देखि चोतर फके लोक न के
 बुंदी प्राय वे में संदेह प्रायो ॥ तदनंतर क
 रार के दिन पूरे होत प्रावां नगर तै पृतना
 को प्रयान भयो । अरु उज्ज अहर्गान के अ
 वदात अर्द्ध की अष्टमी के अह द्रंग डुबला
 नमिलान दयो ॥२२॥ दो० ॥ दूजे दिन डुब
 लान तै कि नौ सबन प्रयान ॥ संभर को डु
 बस कुन सुभ थिर रक्वन निज थान ॥२३॥
 बाम दि सार हि राज सुक बुल्यो मो दित बा
 नि ॥ लाव कक कर चकोर ए अग्रे सर डुव
 प्रा नि ॥२४॥ षण्य० ॥ ताम्र चूड डुव बाम ना
 म डुल्लिय प्रसन्न खर गंधन कुल पु निख
 न क वाम डुव भो लि मधुर स्वर गह कि वाम

गो मा यु वा म सा र स व लि बु क्षि य ॥ स व ली
 टि टि म सु ख द वा म बु क्षि रु हि त सु क्षि य
 गो व त्स पु ष्य चू सी व दू रि रा दू प च्छि दु व वा म
 दू व दि स स च्छि म यो पा रा व त दू दे न भू प हि
 त धा म धु व ॥ २५ ॥ वा य स बु क्षि य वा म पु नि
 बु क्षि य वा य तु रं ग ॥ वा म व ग्घ मृ ग रा ज व
 लि दू व त र च्छु हि त सं ग ॥ २६ ॥ ष ष्य ० ॥ फिं ट
 वि ह ग च्छि प स च्छि म य उ च्छि प स च्छि क पिं ज र
 पिं ग लि का च्छि प स च्छि म र द्वा ज दू वि हं ग व
 र द कि र्व न दू व पु नि द हि क भा स द कि र्व न
 र व भा स त ॥ स लि ल पू र च्छि प स च्छि क ल स
 च्छि ति ला भ प्र का स त दि स वा म हिं तु र कि र्व
 न स र ल ता रा उ च्छि रि पो द कि य सु भ स कु न
 हो त द्र त्था दि स व चा दू वा न भू प ति च लि
 य ॥ २७ ॥ शो ० ॥ दू ल क र मा ध व ह दू नृ प ह
 के स त्व र त त्त ॥ पु र बुं दि य प्रा का र के वा हि र

हेरुनपत्त॥२८॥ पा० कु० ॥ नृपतदिमभोज
जुनिन्मायेबुंदियविप्रसबहिजिम्माये॥हु
त्वकरदुनिनारवहरनाथहिंकहिकहुहु
किल्लासनसाथहिं॥२९॥ दो० ॥ नारवहि
यचाहीनहीं भटकहुनकीवत्त॥वाहिर
शीतिदिरवायवलिपठयोन्प्रनुचरतत्त॥
३०॥ ताकीसंगहिवाउलासंतूदियमल्ला
र॥ तासागढपरजायतेबुल्लेकढनविचा
र॥ ३१॥ किल्लाकेसुमटनकहियहमनि
कसनजवहैंहिं॥ नारवहरनाथहिलर
हिंबहुरिचढ्योहकलैंहिं॥ ३२॥ तवसंत
पच्छोमुखोकहियमलारहिंप्राय॥ नारव
यहबंचहुनिपटभटननकहुतजाय॥
३३॥ दिनीसंतुवसंगतवहुलकरतुफु
हजार॥ इनजायरुहरनाथवहेंलिनी
पुकरिलवार॥ ३४॥ तिनकीसंगहिंकेद

तब नारव किस्ना जाय ॥ भीतर के कड़े सु
 भद्र खल पर तंत्र सि साय ॥ ३५ ॥ मोंहिं की
 रुड मेद के रक्खे विजय विथारि ॥ अथो सं
 तुव पुनि अथर संभर आन प्रसारि ॥ ३६ ॥
 पित कलिय द्वादसि दिवस कहुयो कूर म
 सत्य ॥ रक्खे हनु नरे सके सुवर्ग सुभर स
 मत्य ॥ ३७ ॥ गंडे संभर के गंडे पर के तन
 करि पात ॥ अथो फिरी उमेद की दिस दि
 स विजय दिखात ॥ ३८ ॥ पा. कु. ॥ तेर सि
 दिन अथि पंक सुहर तम अथो सवन अथ
 गणक नमत ॥ वेणी राम भद्र को द्वासन
 अथो करन वेद विधि सासन ॥ ३९ ॥ सदि
 त अथर्व नयी के पाठ कश्चि न संग निप्रबुध
 अठक ॥ समुह जाय भूषण हन क्रियुत न
 सिरा हि मंगल आसि रक्षिय ॥ ४० ॥ हो
 ॥ ले गुरु डेर न आय नृप नारसि रक्षि वि

ताय ॥ प्रातचहतरविडकपहरप्रविसेनग
 रसुभाय ॥ ४१ ॥ दुलकरमाधनसंगदुबजैपु
 रसचिवसमेत ॥ चदुवाननपतिडमचल्यो
 निजअभिषेकनिकेत ॥ ४२ ॥ मंड्योवनिक
 ननगरमनिबसनकनकविसतार ॥ विर
 ह्यारिधृतिवरसकोकियबुंदियशृंगार
 ॥ ४३ ॥ इतिश्रीवंशभास्करे महाचंपूस्वरू
 पेक्षिणायनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरि
 त्रेसप्तविंशो २७ मयूरः ॥ ३ ॥ ३ ॥
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 ॥ अ० मि० ॥ दो० ॥ इमउमेदप्रधिपतिलर
 तनिजपुररुचिरनिकेत ॥ पहुँच्योअग्ग
 प्रजानकेंदिद्विप्रसादहिंदेत ॥ १ ॥ जहाँ
 समरखंधीहन्यो नृपनारायनदास ॥ वहे
 शानअभिसेककोराजमहलआवास ॥
 ॥ २ ॥ तिहिंमंदिरनृपजायकेंनिजकटिबं

धनिवारि ॥ कियविधानविप्रनकथितवेद
 निकेतविचारि ॥ ३ ॥ अथसंक्षिप्तोऽभिषेक
 नविधिः ॥ तिलसरिसवसंभारतैपहिले
 नृपहिंन्द्वाय ॥ अथिपतिजयउच्चारकिय
 गणकपुरोहितराय ॥ ४ ॥ तदनंतरद्विज
 बरउभयजीवनकिंतुवराम ॥ इतरासन
 वेदेनृपहिंस्वजनदिरनायिताम ॥ ५ ॥ नृप
 तिनजनननिसासिअरुबंधनसुरभीच्छे
 रि ॥ संभरपतिबुल्ल्योअभयविप्रनउचित
 वहरि ॥ ६ ॥ पुनितैहंसाकीसांतिकियपु
 रोहितसउपवास ॥ विसदमालउपवीत
 इहिंभूखनसोमितमास ॥ ७ ॥ उचितमं
 चकरिवेदिलिखिविधिवतहोमविधाय
 ॥ पढैपंचगननामतिन्हसुनहुंरामनर
 राय ॥ ८ ॥ शर्मवर्मअरुस्वस्त्यायनअशु
 ष्यअभयनाम ॥ स्वापराजितजुपचमसु

१०

ए च हि प्रमुराम ॥ ६ ॥ पाकु ० ॥ कलसव
 डुरिसंपातवानकियपुरटमयसुसुंदरद
 रसनप्रिय ॥ नृपसितमूरखनलेपमाल्य
 लहितदनुबन्दिसनदक्खिनदिसरहि
 ॥ १० ॥ हेरयोवद्धिनिमित्तविचारनउक्यो
 प्रसन्नसिखाकरिधारन ॥ स्नानसालपु
 निनृपहिंश्रानिद्विजसौरभतैलन्हवाये
 नृनिज ॥ ११ ॥ शि ० ॥ सोधोपर्वतप्रगकी
 मिहीतै नृपमत्य ॥ नाकुप्रगकीमृत्तिका
 लाईश्रवननतत्य ॥ १२ ॥ हरिमंदिरकीमृ
 त्तिकानृपउमेदमुखलाय ॥ इंद्रध्वजथ
 लमृत्तिकाग्रीवादिन्नलगाय ॥ १३ ॥ राज
 प्रजिरकीमृत्तिकाहियलाईकरिखंड ॥
 गजरदुदुतमृत्तिकासोधेदुवधु रं
 ॥ १४ ॥ मिहीश्रानितडागकीसोधीपिदि
 समस्त ॥ नदिसंगमकीमृत्तिकालाईउ

दरप्रसस्त ॥१५॥ नदीकूलदुवमृत्तिका
 पंसुलीनदुङ्गुप्रार ॥ मिष्टीगनिकाद्वार
 कीलाईकदिनृपमोर ॥१६॥ गजसाला
 कीमृत्तिकाऊरुमयसुधराय ॥ गोसाला
 कीमृत्तिकादुवनलकीलनलाय ॥१७॥ प्र
 निमंदुरासृत्तिकापंडीजुगलपवारि ॥ रथ
 चरिउद्धतसृत्तिका लैदुवचरनसुधारि ॥
 १८॥ सर्वचंगपुनिसर्वरमिश्रितकरिलि
 पसाय ॥ पंचगव्यघटतेवदुरिदीर्नात्ना
 नकराय ॥१९॥ का. कु. ॥ भद्रासनवैद्योपु
 निभूपतिलगेपहनद्विजबेदमहासति
 ॥ चारिबुरनभवसचिवचारिजंहेकरन
 लंगेप्रभिसिक्तभूपकेहं ॥२०॥ पूरबद्वि
 रहिदयागमद्विजसश्रुतकनकघटसि
 चोन्पनिज ॥ हरदाउतनाहरदकिवनर
 हि सिच्योराजतदुग्धकलसगहि ॥२१॥

पद्मगोविन्द वनिकरहि पच्छिमसिंच्योस
 दधिताम्रघटलेतिम ॥ रहिउत्तरहरज
 नदासीसुतसिंच्योलेमिटीघटजलजु
 त ॥ २२ ॥ रकवहुबहिसदस्यनउच्चरिपुनि
 द्विजघटसंपातवानकरि ॥ राजसूयत्र्यभि
 सेकसंज्ञकहि सिंच्यो नृपहिंपुरोहितहि
 तचहि ॥ २३ ॥ पुनि के वेदीमूलपुरोहित
 आयनृपतिद्विगसुभमति सोहित ॥ स
 लक्ष्मिकसंपातवानघटलेपुनिसिंचिय
 नृपहिंविहितवट ॥ २४ ॥ सर्वोषधिजल
 पुनिसिरसिंचियगंधउदकत्र्यभिषेकव
 दुरिकिय ॥ तदनंतरबीजाभिसेकहुवपु
 धनसिंचिफलनसिंच्योधुव ॥ २५ ॥ रतन
 नपुनिकुसजलनसिंचिद्विजवदुरिकुस
 नमज्जितकियनृपनिज ॥ रूगवेदीपुनि
 विप्रमुदितमननृपसिरकंदलगायेरो

चन ॥ २६ ॥ चारिबरनजनबदुरिरीति व
 रिसरिततडागकूपजलघटभरि ॥ कल्पि
 बठानिचारिसागरजलसिंचो नृपहिंनि
 गममारगभल ॥ २७ ॥ गंगात्ररुजमुना
 गिरिनिर्दरद्वत्यादिकजलपूरिकलसब
 र ॥ सिंचो नृपहिंसमोदसमस्तनदास
 भावपुनिकरनूलगेजन ॥ २८ ॥ काहूस
 चिवछत्रगहिलिनीकाहूचमरमोरबल
 किनी ॥ वेत्रलकुटकतिकनकरधारेवंदि
 ननानाविरुद्विधारे ॥ २९ ॥ भईसंखनउ
 वत्तिगानध्वनिद्विजनसिरास्यो नृपहिंवे
 दभनि ॥ कनककलसपुनिगणकधारि
 करसिंचोभूपहिंअक्विमंत्रवर ॥ ३० ॥
 आसं० मि० ॥ तेकशुवृत्तनविविधवनाये
 पुनहुसामनृपनृपनसुहाये ॥ सिचहुसव
 सरतोहिनेश्वरब्रह्माविष्णुतथेवमहेश्व

र॥३१॥वासुदेवअरुसंकर्षणपद्मप्रद्यु
 म्जरुअनिरुद्धुसिंचदु॥इंद्रअग्नियम
 निरुदितिपासीपवनधनदकैलासविला
 सी॥३२॥ब्रह्मासेसदसहिदिकपालकर
 कवहुतोहिभूपअरिसालक॥रुद्रधर्मम
 नुदक्षरुरुचिसुनिअद्वाभृगुअचिरुवशि
 गुरुनि॥३३॥सनकसनंदनसनतकुमा
 रदुपुलहगुलस्यमरीचितथापदु॥कश्य
 पअरुअंगिराप्रजापतिएसिंचदुनृपतो
 हिमहामति॥३४॥अग्निष्वान्तप्रभाकर
 ज्योतीपुनिकव्यादवर्हषदत्योही॥अ
 ज्ययारुउपदुतसुकालीअग्निपितरसि
 चदुमणिमाली॥३५॥लक्ष्मीवेदीसची
 रत्नातिपुनिअनसूयास्मृतिसंभृतिदुसु
 त्ति॥समाधीतिसचतिस्वाहातिमस्यधार
 दुजातरसिचदुइम॥३६॥लक्ष्मीक्रियाकी

तिधृतिपुष्टिदुमेधाबुद्धिसातिवपुतुष्टिदु
 ॥ लज्जामिद्वितथावसुयामीप्ररुंधतीलं
 बानृपनामी ॥ ३७ ॥ भानुसुहृत्विश्यासा
 ध्यामरुत्वतीदुबहुविप्राराध्या ॥ संकल्या
 दूत्यादिधर्मतियसिचदुसंभरतोहिसु
 जसप्रिय ॥ ३८ ॥ दितिदनुप्रदितिप्ररि
 द्याप्ररुसुनिकदूकोधवशाप्राधासुनि ॥ वि
 नतासुरभिरुक्कपिलाकालादितिमुखसिं
 चदुकश्यपवाला ॥ ३९ ॥ पुनिबहुपुत्रसुपु
 त्राभामाकरदुविजयतनबहुरिसयामा ॥
 विजयकृशाश्वकधूविरचदुउतसुप्रभाज
 याप्रदर्शनाश्रुत ॥ ४० ॥ तिनकोपुत्रदुविज
 यबढावदुसिचदुभूपतोहिहितलावदु
 ॥ भानुमतीरुत्रिशालात्यैपुनिमनोरमा
 रुवादुदारव्यासुनि ॥ ४१ ॥ सिचदुदुतीप्र
 रिष्टनेमितियपार्थिवतोहिबढावदुहि

तहिय ॥ बहुलात्योंहिरोहिणीराधाअ
 नुराधाएंद्रीहतबाधा ॥ ४२ ॥ मूलरुदुव
 आषाढाज्योंहीअभिजितअवनधनिष्ठ
 त्योंही ॥ वरुणतारकाभाद्रपद्रादुवरेव
 तीरुदस्रमभरणीधुवं ॥ ४३ ॥ विजयविधा
 रनकाजतोहिपद्मसुधामयूरखप्रियाए
 सिंचडु ॥ मृगीहरिरुमृगचर्मासुरभापू
 ताकपितादंष्ट्रासुलभा ॥ ४४ ॥ स्वेतमद्र
 चरिकापुलस्त्यतियइतीतोहिसिंचडु
 पुहवीपिय ॥ श्येनीअप्ररुमासीकोंचीजिम
 धृतराष्ट्रीपंचमीसुकीतिम ॥ ४५ ॥ दिन
 करसूतअप्ररुनकीएतियसिंचडुहडुतो
 हिकरिहितहिय ॥ आयतिनियतिरात्रि
 निद्रापद्मसबसंस्थानहेतुएसिंचडु ॥
 ४६ ॥ सेनाउमासचीरुवनस्यतिधूमोर्ण
 गौरीशिवानिरति ॥ जोत्नाबुद्धिनंदिनी

बलयात्रानृक्याहुतेरहींसदया ॥४७॥
 इतीकालकेप्रवयकजानहुतेतवसिर
 अभिसेचनतानहु ॥रविससिकुजबु
 धगुरुकविसनितमसिंचहुएग्रहनव
 आहिकसम ॥४८॥ स्वायंभुवस्वारोचि
 यत्र्योत्तमतामसरेवतवाक्षुषत्योच्छम ॥
 वैचस्वतसावर्षिदक्षसुतब्रह्मसुतरुम
 नुधर्मसुतहुनुत ॥४९॥ रुद्रपुत्रपुनिरो
 च्यभौत्यपहुएमनुतोहिचतुर्दशसिंच
 हु ॥ विश्वभुकरुनिश्वपचिचहुसुनिब
 दुरिसुशांतसुमुखविभुत्योपुनि ॥५०॥
 मनोजवरुश्रेजस्वीबलिजुतएकतम
 रुप्रतिकपुनिवृषनुत ॥ कृतिधामारु
 दिविस्पृकसुचिपहुदेवपालएचउदह
 सिंचहु ॥५१॥ प्ररुरेवंतकुमाररुबर्षावी
 रभद्रनंदीहुसुबर्षा ॥ पुरोजवाख्यविश्व

कर्मापद्सुरनमुख्यतोकोपसिंचद् ॥
५२ ॥ आत्मारुप्रसुमानदक्षदुजिमह
विषगविष्टप्राणपदुस्ततिम ॥ सत्यरु
आह्यनरेससुद्धजससिंचद्देवप्रंगिर
सएदस ॥ ५३ ॥ क्रतुरुदक्षवसुसत्यका
लमुनिरोचमानधृतिमानमनुजपुनि
॥ विश्वेदेवकामजुतदसमितहृदुनृप
तिसिंचद्दुएकरहित ॥ ५४ ॥ मृगव्याध
रुसर्परुनिर्हृतिजिमप्रजेकपातरुप्रहि
र्बुध्यतिम ॥ पुष्यकेतुबुधभरतमृत्युपद्
किंकिणियाणुरुद्रएसिंचद् ॥ ५५ ॥ भाव
नसुजन्यसुजनजिमवाजरुच्यसुतसुवर्ण
वर्णतिम ॥ प्रसवदक्षप्रावयस्तुएपद्भृ
शुप्रभिधानदेवतासिंचद् ॥ ५६ ॥ मनमरु
प्राणप्रपानहंसहयनारायणरुजगद्वित
रुननय ॥ दिविश्रेष्ठमिनुचितितोकोपद्

इतेसाध्यसंज्ञकसुरसिंचदु ॥ ५७ ॥ धाता
 मित्रत्र्यर्षमादृगजगपूषाशक्रत्र्यंशवरु
 एरुभग ॥ त्रष्टाविवस्वानसविलापदु वि
 षाबदुरिवारहरविसिंचदु ॥ ५८ ॥ एकज्यो
 तिद्विज्योतिजया त्रिज्योतिचतुज्योतिपु
 नितया ॥ पंचज्योति एकशक्रदुभलइंद्र
 द्विशक्रत्रिशक्रमहाबल ॥ ५९ ॥ प्रतिसद्य
 तरुमितसमितत्रमितदुस्तजितसत्य
 जितरुसुषेणपदु ॥ श्येनजितरुप्रतिमि
 त्रमित्रजिमपुरुजितधाताप्रपराजितति
 म ॥ ६० ॥ स्तुतस्तुतवानविद्यतध्रुवज्योतीं
 वरुणविधारणार्द्धदृशत्योतीं ॥ अत्र्यादृ
 शएतादृशजानदुकीडनमुनिप्रमिताश
 नमानदु ॥ ६१ ॥ शक्तिमहातेजादुसरभ
 जुतमहायशाक्षिपधातुरुपदुत ॥ पीम

सहस्रतिश्रुतिउच्यते नयन्नादुपुन

वासकामजय ॥ ६२ ॥ पुनिविराट एइंद्र
 मित्रपद्मनवजलधिमितमरुतगनसि
 च्छु ॥ चित्रांगदरुचिरथजेसैचित्रसेन
 वीर्यवानतैसै ॥ ६३ ॥ ऊर्णायुप्रनघउ
 ग्रसेनपुनिसोमसूर्यवच्चतिष्णपसुनि
 ॥ द्विविचित्रधृतराष्ट्रकीर्णजिमकलि
 च्छुगिरादुराधहंसतिम ॥ ६४ ॥ बृषप
 र्णारदपञ्जन्यकुहाहाहूहूविश्वावसु
 पद्म ॥ ताम्रकसुरुचिदुगंधर्वनगनए
 नृपसिंचदुतोहिमोदमन ॥ ६५ ॥ आ
 हूतीरुशोभयंतीजिमृबेगवतीप्ररु
 प्राप्नुवतीतिम ॥ ऊर्करुवेकुरिबभ्रुप्रम
 तरुचिभूरुटभीरुशोचयतीसुचि ॥ ६६
 ॥ भिन्नजाति एतेप्रच्छरिगनसिंचदुतो
 हिनरेसक्तिधन ॥ अनुत्तमारंभावि
 श्चामीमनोवतीमेनकाधृताची ॥ ६७ ॥

सहजन्यारुसरूपजैसैसुकेशीरुपल
शातैसैस्तुस्थलापुंजिकस्थलापुनिप्र
म्लोचारुपूर्वचित्तिसुनि ॥६८॥ साम्बती
रुपंचचूडाख्यात्ररुउर्वशीप्रनुम्लोचा
ख्या ॥ चित्रलेखिकाविद्युत्पर्णातिलोत्त
मारुसुगंधिसुवर्णा ॥६९॥ सुवपुत्रदृश्य
लक्ष्मणाहेमामिश्रकेशिप्रमितात्राहेमा
रुचिकासुवृतासुबाहुजैसैसरस्वतीरुसु
बोधातैसै ॥७०॥ बहुरिपुंडरीकारुमुदा
रासुराधारुसुरसाहुसुतारा ॥ कामलारु
सुनृतालयार्ज्योबासोलीरुहंसयादी
त्यो ॥७१॥ सुसुरसरतिलालसाइतीपहु
प्रच्छीतोहिप्रच्छरीसिंचहु ॥ दैत्यराज्य
प्रल्हादविरोचनधन्वीबाणतथाकीरति
धन ॥७२॥ इत्यादिकलैदैत्यदिव्यजल
सिंचहुतोहिहहुभूपतिभल ॥ विप्रचित्ति

आदिकसबदानवसिंचहुतोहिमंत्रजि
 तमानव ॥७३॥ हत्यप्रहेसव्यासपुरुषा
 दैनपौरुशेयसलिलेन्द्रवधरसन ॥ वि
 द्युतसूर्यसुकेशीमखहासिंचहुएआद्य
 राक्षसतहा ॥७४॥ बलिसुसिद्धमणि
 भद्रसुमनजिमनंदनअरुकुंडूतिशंख
 तिम ॥ मणिमानरुबसुमानमंदरसपिं
 गाक्षरुप्रघोतमहाजस ॥७५॥ चतुरभी
 मसर्वानुभूतियमपद्मचंद्रअरुमेघव
 र्णसम ॥ भूतिमानकेतुमानत्यौवरश्वे
 तविपुलत्यौमअप्रभाकर ॥७६॥ मौलि
 मानप्रद्युम्नजयावहकुमुदवलाहकय
 क्षपक्षसह ॥ विजयाकतिवलाहकसुवी
 रहुपद्मनाभशतजिह्वसुगंधहु ॥७७॥
 हिरण्यक्षपहुपौर्णमाससमसिंचहुरा
 जहुहुएसत्तम ॥ शंखरुपद्ममकरकच्छ

यजिमकुंदमुकुंदरुमहापद्यतिम ॥ ७८ ॥ नि
 लखर्वएऽप्रायमहानिधिसिंचद्वुनबहिबि
 चारिवेदविधि ॥ एकवक्त्रसूचीसुखज्योही
 कमलविषाकउलखलत्योंदीं ॥ ७९ ॥ दुष्पु
 रणज्वलनांगारकपुनिकुंभपात्रउपवीर
 पांसुसुनि ॥ चक्रखंडरुच्यकर्णमहामन
 पात्रपाणि विपुलकञ्चोखंदन ॥ ८० ॥ बहु
 रिवितुंडप्रतुंडद्वीपद्वीतोहिपिसाचजा
 तिद्वसिंचद्व ॥ पुनिनानामुखवादुसिरो
 धरदांतविबुधप्रहालसून्यधर ॥ ८१ ॥
 तेद्वचतुष्वहपरशिवकेगनसिंचद्वतो
 हिहद्वधरिनीधन ॥ महाकालनरसिंह
 अगकरिसवमातरसिंचद्वसुभजल
 धरि ॥ ८२ ॥ ग्रहखंदनामकविशारवसह
 नैगमेयणसिंचद्वगुहश्रुह ॥ आकिनिये
 गनिखेचरभूचरसिंचद्वतोहिसमस्तन

रेणु ॥ ८३ ॥ गंधकुमारविष्णुश्चरुश्चरु
 इडुश्चरुणिमहारखगविनतगरुडडु ॥
 संपातीशुतएसुपर्णसचसिंचडुनृपउ
 म्मेहतोहिश्चव ॥ ८४ ॥ शेषश्चनंतवासु
 किरुवामनकुंभश्चंजनोत्तमतक्षकग
 न ॥ सुपर्णरिरेरावतश्चहिवरमहापद्म
 केवलरुश्चश्चतर ॥ ८५ ॥ महानीलधृतरा
 शुबलाहकरलापत्रखड्गककेटिक ॥ म
 हाकर्णगंधर्वसनखिकपुष्पदंतनडुष
 रूपश्चकुलिक ॥ ८६ ॥ खररोमारुकुमारश्च
 नंजयशंखपालश्चरुपाणिगरलमय ॥
 इत्यादिकसबश्चायनागवरसिंचडुतोहि
 महोपधर्मधर ॥ ८७ ॥ ऐरावतश्चरुकुसु
 दपद्मजिमपुष्पदंतवामनश्चंजनतिम
 ॥ सुप्रतीकश्चरुनीलइतेपडुसुवर्षंतो
 हिमहागजरकखड्ग ॥ ८८ ॥ विधिहंसरु

१०

२८

शिववृषभप्रीतिधरिउच्चैश्रवाहयरुधुच्य
 तरि॥ कौस्तुभशंखचक्रत्रिसिखारख्यदुव
 ज्जरुनंदकृष्णस्त्रसमाख्यदु॥ ८६॥ अथ
 निपतोहि सिंचिकैएसवविजयविथारदु
 लावकीनश्च॥ बृद्धशाखातपयशदमस
 त्यशानमखब्रह्मचर्यशम॥ ८७॥ आयुरु
 चित्रगुप्तएजेतेसिंचदुतेहिकहेशुतिते
 ते॥ दंडरुपिगलमृत्युकालपदुअंतक
 बालखिलपजयमंडदु॥ ८८॥ दिगोच्यासि
 सुरभिषुनिज्येहीसबगायनजुतसिंचदु
 त्येही॥ व्यासनाकुभवशामनपराशरदे
 बलपर्वतमार्गवतपपर॥ ८९॥ जाबालि
 जमदग्नियोगेश्वरकएवकुशारणिबेहवा
 हवर॥ शुचिश्रवागाधेयरुवर्द्धनरथूल
 कच्छपअत्रिरुकात्यायन॥ ९०॥ विदुरथ
 रुएकतबलाकहितगोतामभरद्वजकुति

मृडत्रिन ॥ शांडिल्यरुमोद्गल्यरुगालव
बृहदश्वरुडभसुतनारंगव ॥ ६४ ॥ यव
कीतजयजानुघटोदरैभ्यः प्रात्मधामा
जैमिनिवर ॥ कुंभजडुंदुरुमृदुसुचित
पमयद्वध्रबाहमृषवदुरिमहोदय ॥
६५ ॥ एतेषु निष्प्रमिसेकर किव रति सिं
चहुतो द्वि उमे रम ही पति ॥ पृथुदिली
पदुक्त्यंत भरतः प्रथमनु ककुत्स्थयुव
नाश्च जयद्वय ॥ ६६ ॥ अनेनारुमां धाता
ज्यो ही प्रात्रुजितरुमुचकुंदद्वत्यो ही ॥ पु
रुव बाइश्वा कुरुयदुपु निष्प्रवरीपना
भागतथासुनि ॥ ६७ ॥ भूरिप्रवामहाह
नुपुरुजिमवृहदश्वरुसुद्युम्नभूपति
म ॥ मृश्चिद्युम्नतथाप्रद्युम्नदुसंजयपुनि
इति सुखनृपसिंचदु ॥ ६८ ॥ परजन्या
द्विषेयनानातरुश्रीषधिरत्नः प्रनेकवो

जवरु ॥ पुरुषश्च भ्रमेयांगभृतमरमूजल्लते
 जश्चनिलश्चरुश्चर ॥ ९५ ॥ मनबुद्धिरुश्च
 व्यक्तात्मापद्मसुतादिहृदुनपतिसिचहु
 ॥ रुक्मसोपश्चरुशिलाभोमनिमपाताल
 ल्यनीलमृत्तिकतिम ॥ १०० ॥ पीतरक्तसि
 तश्चसितभोमसचश्चमिसिचहुडत्या
 दितान्दिश्च ॥ जंबूशाकभौचकृशापुष्प
 रक्षुशाशास्मलीदिहृस्वाम्यवर ॥ १०१ ॥ उत्तर
 कुरुहंगएवतश्चहृत्केतुमालभद्राश्च
 डलावृत ॥ त्र्योहरिवर्षकिंपुरुषभारतर
 म्यखंडसिचहुद्विलभारत ॥ १०२ ॥ इन्द्र
 द्वीपवसेरुतथापुनितास्रपर्णरुगभस्त्रि
 मानसुनि ॥ नागद्वीपसोम्यगंधर्वहुवरुण
 च्चभयतद्वीपहुमिचहु ॥ १०३ ॥ हिमकूटहि
 मवाननिषधगिरिनीलश्चतश्चरुग्गवा
 नफिरि ॥ मेरुगंधमादनमंहंद्रजिसमाल्य

बान्धुमलयसद्यतिम ॥ १०४ ॥ शुक्तिमा
नगिरिस्तु सवानसुनिविंध्याचलगिरिपा
र्यात्रिपुनि ॥ इत्यादिकसबपुण्यमहीधर
सिंचदुतेहिमहीमतिसंभर ॥ १०५ ॥ शुक
यजुसासुच्यथर्वचारिश्रुतिसिंचदुतेहि
प्रसन्नपायनुति ॥ इतिहासधनुर्वेदत्रायु
पदुपुनिगंधर्वशिल्पउपवेददु ॥ १०६ ॥ शि
क्षाकल्पव्याकरणज्योहीज्योतिसंबंदनिरु
क्तिदुत्योही ॥ सिंचदुत्र्यंगवेदकेराखदत्त
हिरूपउमेदविहितबट ॥ १०७ ॥ राखट
त्र्यंगरुवेदत्र्यारिपुनि सीमांसासृतिन्या
यतथासुनि ॥ अरुपुराणविद्यादुचतुर्द
ससिंचदुएनृपतोहिमहाजस ॥ १०८ ॥ पं
चरात्रत्र्यरुवेदपाशुपतकृतांतपंचकसं
ख्ययोगमत ॥ विविधशास्त्रइत्यादिनरेश्च
रसिंचदुतेहिदिव्यजलघटकर ॥ १०९ ॥

१०

गायत्रीगंगागांधारीजयबुल्लडुमहाशिवा
 नारी॥सुरदानवगंधर्वेक्षपुनिराक्षसप
 चगमुनिमनुगोसुनि॥११०॥देवनकीमा
 तापुनिज्यैहीदेवनकीपतनीसर्वर्ष्यैही
 ॥दुमरुनागदैत्यरुच्यच्छरिगनश्चक्षत्रा
 स्त्रराजाश्चरुवाहन॥१११॥त्र्योषधरत्नका
 लश्चवयजिभस्थानकपुल्यप्रायतनसव
 तिम॥जीमूतरुजीमूतविकारदुउक्तप्रनु
 क्तविजयविसतारदु॥११२॥लवणोदरु
 दुग्धोदघृतोदकदधिमेंडोदतथामघोदव
 ॥इक्षुरसोदरुसुहोदकवरगर्भोदकसिंच
 दुएसागर॥११३॥बहुरिच्यारिसागरनिज
 जलकरिसिंचदुहोहिकनकमयधरभरि
 ॥प्रयागनेमिषप्रभासपुष्करउत्तरमानस
 तथाब्रह्मसर॥११४॥नंदकुंडगयशीर्षपंच
 नदकालोदकरुस्वर्ममार्गप्रद॥त्यैहीहिष्म

२०

२८

रकंदकभृगुतीरथकलिकालाश्रमश्चग्नि
 तीर्थप्रथ॥११५॥गंगतीर्थतृणविंदुकताश्र
 म रुतंडुलिकाश्रम॥स्वर्गकपिल
 तीरथश्चरुवातिकत्यौत्रागस्त्यमहासर
 खंडिक॥११६॥श्रंगद्वारकुमारीतीरथकु
 शावर्तविल्वकश्चघहरकथ॥नीलरेवत
 रुद्रपूर्वदपर्वतशाकंभरीसुगंधामुनिमत
 ॥११७॥कुशाश्रमकभृगुतुंगरुकनखलधा
 राकुंभाकपिलाश्रममल॥प्रज्ञतुंगश्चरु
 चमसोद्भिदनश्चश्रंगंधकालंजरविनशन॥
 ११८॥रुद्रकश्चशिं दारमोचजिममहालय
 रबदरीश्रमतिम॥नंदाससितीरथरबिती
 रश्रवांसवतीरथनासत्यकश्चथ॥११९॥वर
 गान् वेश्रवरातीर्थपुनिद्रुहिण्डुश्रयमश्च
 नल्ल सुनि॥विरूपारथतीरथपवित्रजि
 मधर्मतीर्थश्चरुतीर्थइतिम॥१२०॥रुचि

१९

२६

रा॥ ऋषिवसुसाध्यमरुतप्रादित्यकरुद्र
 मिहसतीर्थजितेविश्वेदेवतीर्थभृगुतीर्थरु
 प्रक्षप्रस्रवणसकलतिते॥ मानससरस्वारा
 हसरोवरशालिग्रामसरोवरहकामाश्रमरु
 सपूर्वसुपुत्रात्यौहिनि कूटमहावरह॥ १२१॥ चि
 द्रकूटकतुसारविष्णुपदकापिलवासुकित्ती
 र्थमहासिंधूतमसूर्यारककुंभकपुंडरीक
 अविमुक्ततहा॥ तपोद्वारसिंधूदधिसंगम
 गंगासागरसंगमहृच्छोदकरुविदुसरमा
 नसफलुतीर्थसुमनोरमहृ॥ १२२॥ लोहि
 त्यककुंभावसुंदपुनिधर्मारण्यकमुनिन
 मनेवस्त्रापथरुद्रागलेयकतिभवदरीपा
 वनमभ्यमने॥ वह्नितीर्थअरुमेवतीर्थनृ
 पहरुसप्तऋषितीर्थजुपेपुष्यन्यासकार्ण
 श्वहंसपदअश्वतीर्थमणिमंथसुपे॥ १२३
 ॥ ही॥ दीविकाअरुद्रमार्गस्वर्णविंदुसि

सृजोऽप्राहल्यक एरावतकर वीरदु इष्टजो
॥ भोगयशवणिकनागमरुणामोचनिका
स्य हपायमोचनिक उद्देजनसंपूज्यास्य
ह ॥ १२४ ॥ देवब्रह्मसर घृतसरदधिसरव
रनाम सिंचदु इत्यादिसकलतीरयसुख
यासजे ॥ मंडदु जय ए नरे संमटदु अघसर्व
कौंतावक विथरायतेजखंडदु अरिबर्गकौं
॥ १२५ ॥ ह. गी. ॥ गंगारुद्रदिनीहादिनीसी
ता चक्षुनदीजथातिमकांचनासी सुप्र
भारेत्वारुसिंधुहदातथा ॥ अघश्रेयशश्रेयकु
सपावनी विमलोदकापुनिजानियेशिप्राह
शोणरुतर्पसरयूचंद्रभागमानिये ॥ १२६ ॥
यूमासुरस्यतिश्रेयनादागंडकीरुद्रराव
तीपोलापिशालामानसीरंभाहुसुवसुहा
वनीकेआसुवशादेविकारुशिवाविभागा
पावनीयमुनारुदेवहदावितस्ताकौशिकी

पुनिमुनिमनी ॥१२७॥ चर्मणवतीरुविद्वि
 काकृतीरुअच्छादाधुनातपतीरुनिर्विध्या
 तृतीयावन्दनाश्रुतिमंमुनी ॥ सुरसाकड्डु
 यतीअवतीधृतपापागोमतीपुनिशोण्ड
 सुक्लिवेदमातावाहुदारुमरस्वती ॥१२८॥
 श्रेणीरुपर्णाशुसुद्धतिवेदधुधुरिंदाज
 आशुनिसदान्नीरुत्यौहिनेणुमतीरुदेवसु
 तितथा ॥ मंदकिनीरुथलाशिनीरुपिशाचि
 कीपुनिपिपलीत्पिकादशार्णासिंधुरे
 ग्नात्यौहिकरतोयाभली ॥१२९॥ दूजीकुमु
 द्तिकाशिनीयान्नी कुहूपुनिमंजुल
 दित्रोपलान्परुन्दिअवणाशुक्तिमीलावा
 दुला ॥ तापीकफूपमलापयोस्मीअंदरानि
 यथावतीवेणसितादूजीहुनिर्विध्यारुभी
 मादुर्गती ॥१३०॥ तोयारुवेतरणीमहागो
 रोरुगोदा मंगलान्तरागाशनीमथ्योरुनंधु

दुष्णावर्णसज्जला॥

निमंदगारुभयंकरावात्यारुकावेरीरु
मालाद्रुमुक्तिदसंवरा॥१३१॥पुनिता
णीपुष्पभद्राद्यत्यलावतिमद्रनीत्रिदिवा

यात्ररुवंशधीरलांगुनीसुभगाघनी॥

कृलावतीरुषिकारुस्यषिकुल्यारुवर

गाक्षयादूजीपयोस्मीमंदवाहिनिकाल

हिनिर्त्योदया॥१३२॥व्योमारुदेवी

यालाकंपलारुसुवाहिनीदूजीद्रुकर

यारुकेनवतीसुभद्राहृगिनी॥ताम्यारु

रुणासुप्रकारात्रदिकारुहिर

कारादूसरीइषमारुप्रभवतीनई॥१३३॥

आलोपलात्ररु-

यालारुबडवामालिकावलयवतीद्रु-

जे।रुमहेंद्रवाणीवाद्रुदादूजीरु

रावनवासिनीनंदारुपरनंदासुं

रा ॥ १३४ ॥ वसुवासिनीपुनिप्रापगाइत्याहि
 सबयंहं प्रायकै जलपापनासकविविधनिज
 निजदिव्यघटपरिलायकै ॥ उमेमद्वनूपवर
 तोहि सिंचदुमं चइहिं गतिबुल्लिकै संपात
 वानहिरण्यघटगहि सिंचयोहितखुल्लिकै
 ॥ १३५ ॥ वहकलसबरसबमिश्रजलमुतसव
 न्धोपधिजलप्रसो रसजगंधबीजप्रसूनफल
 मणिनीरपरितर्जकस्यो ॥ सितसूत्रवेष्टितबं
 धुजोसितवस्त्रकर्त्तनचित्रयोपुनिषीरवृच्छल
 तातपत्रकसुद्धहाटकजोभयो ॥ १३६ ॥ वहक
 लसलैतवगगाकपुंशवउक्तमंत्रसुनायकैसि
 च्योनरेसांहं स्वस्तिपढिद्वमवेदरीतिविधा
 यकै ॥ पुनिगंधतेलनक्ष्त्रंगुञ्जदिसुद्धहान
 दुमंडयोसितवस्त्रधरि कविमुकुटसुतविच
 दरिजोद्विजकांदयो ॥ १३७ ॥ अथिदुसुचंद
 नकुंकुमादिकद्रव्यमंगलभूपलेद्वरिप्रजिह

एक मूर्ति में उपचार अष्टि अमृत पले ॥ मधुपर्क
 मूरवन वस्त्रकै गण करु पुरोहित पूजये पु
 निविप्र इतर दु पूजिके उनके दु प्राशिषक
 लये ॥ १३८ ॥ दौ ॥ विहित पट्ट विप्र नत रनु
 बंध्यो नृपतिललाट ॥ बंध्यो पुनि मनिगन
 जटिल नृपसिर सुकुट सुघाट ॥ १३९ ॥ वृष
 माञ्जरि तरसुकी बड्डीर सिंह कीरवाल ॥ तर
 ऊपर कुमंत त बहि डारी मंच विसाल ॥ १४० ॥
 तिन ऊपर उलम वसन दीने विसद विधाय
 ॥ पुरोहित सुतिहि मंच परदयो नृपहि वैराय
 ॥ १४१ ॥ द्वास्थ दिखाये पुनि नृपहि सचि वपौ
 रजन आत ॥ वनिक प्रकृति इत्यादि सब कहि
 कहि किनि सुहात ॥ १४२ ॥ ग्राम वसन गज
 हय कनक गो अज प्रविष्ट ह्यपि ॥ गण
 कपुरोहित उभय पुनि पूजे नृपहित थपि ॥
 १४३ ॥ ल्यो हिली नरक साम पनु पाठक पूजे

विप्र॥ गोरसमोदककारिबद्धरिसन्नहिजिसा
येद्विप्र॥ १४४ ॥ रजतकनकगोबद्धतिल
अन्नपुष्पफूलद्वय॥ भूमिदानद्वयानिमय
द्वियन्निसन्नहितद्विस॥ १४५ ॥ पुनिकारिप्र
ग्निप्रदक्षिणाथनुस्वानकरधारि॥ परसि
पिद्विचूरवधेनुकीशुकथदनउच्चारि॥ १४६ ॥
तदनुविहितलक्ष्मणलक्ष्मिलितजातिमानह
यलाय॥ सर्वेष्वधिजनकलसकारिदीनोस्तु
विधिन्तनाय॥ १४७ ॥ बद्धकनकभूषणवित
रिपदेपुराहितमंत्र॥ करदुश्रवनतिनश्चयक
सुसंभररामस्वतंत्र॥ १४८ ॥ तजयद्वयद्वय
द्वयप्राद्यद्विराजात॥ निमयहराजानरन
पनितृतिमहयनसुहात॥ १४९ ॥ श्रावोहंगं
धर्वजिमनित्यताहिनरनाह॥ तिमरकवहु
नरनाहकोंसदापूज्यवरवाह॥ १५० ॥ नृपति
दिसावद्धसुप्रकारिश्वावेजवद्विप्ररिष्ट॥

पुनिरकचुडुसबहयधस्योयहभरतोपरशि
 ष्टु॥१५१॥अबतैयहनृपभक्तिकरिआवहि
 तैरेअगग॥गंधमालअनुलेपकरिपूजहि
 प्रीतिसमगग॥१५२॥स्वस्तिवचनआशि
 यविबि धविप्रनकेडुपढाय॥तोहिहडुनृ
 पपूजिहैपद्मचितहयराय॥१५३॥मधव
 रकरडुपूबतैदाकविनतैयमतोहि॥पच्छि
 मउ - तैसदावरुनसंभुसखसोहि॥१५४
 ॥सबदिसतैरकरडुसबहिपूज्योहयइहि
 राह॥गणकपुरेहितभूपकोवडुरिचढायो
 वाह॥१५५॥तदनंतरवारनचिहितआन्यो
 रचिसनमान॥मंत्रसुनायेगणकवरताके
 दन्विबनकान॥१५६॥नृपकोगजपतिहो
 दुहृशीगजकीर्णोभूप॥गंधादिकपूजास
 दालहिहैतुजयरूप॥१५७॥नृपकोरकर
 दुनागपतिरनमगगृहसवडाम॥तजिपसु

भावहिंदिव्यतालेदुवपीलुललाम॥१५८॥रे
 रावतगजकोतनयनामत्रिषुसिराहिंदिया
 सुररनमेंसुरनकीनोंश्रीगजचाहि॥१५९॥
 तोविचताकांतेजसवश्रावदुनागननाह॥
 नृपहिंचढायोपूजिइमइभपरविहितउद्या
 ह॥१६०॥गणकपुरोहितसचिवमदभयेग
 जनचद्विसंग॥होयमहापथनिजनगरपि
 रेन्पुलोवउमंग॥१६१॥देवालयजहंजहंमि
 लतहंतहंपूजनकीन॥परिकरजुतप्रासाद
 पुनिप्रविश्याभूषप्रवीन॥१६२॥सचिवमटा
 दिनविविधवसुदानमानसनमानि॥विप्र
 जिमायेप्रयुतमितश्रामनायनिधिप्रानि
 ॥१६३॥दीनप्रनाथनदक्रियनाविप्रकउचि
 तबहुदत्त॥सिकरबसवनदियसस्तिपुनिभ
 पप्रसनक्रियतत्त॥१६४॥इतिश्रीवंशभा
 स्करमहाचंपूस्वरूपंदक्षिणायनेदशमरा

श्रीऽउम्भेदसिंहचरित्रेऽष्टाविंशोमयूरः॥
॥२८॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
प्रा. मि. ॥ दो. ॥ पंचगगनधृतिश्च० ५ सकस
मयबाहुल्यकवबलच्छ॥ रतिपतितिथिनृ
पकैभयोऽभिषेचनइमच्छ॥ १॥ पुनिकि
र्त्तोजिनजिनतिलकऽभिषेचनकेऽंत॥
कामसनतिननामनकहंसुनदुरामद्वितिकं
त॥ २॥ प्रथमपुरोहितनिजतिलककिर्त्तौ
मित्त्वनाय॥ तदनंतरउपदेसगुरुविरच्यो
देषियराम॥ ३॥ तदनुतिलकमल्लारकिय
पुनिमाधवकछवाह॥ इंहिंदिनद्वनगाद्विय
अ धररहिकियरीतिनिवाह॥ ४॥ साहिपु
रयुम्भेदवृपपुनिकियतिलकप्रवीन॥ रा
नाउतसंभूबहुरिरानसेनपतिकीन॥ ५॥ त
दनुकहंमल्लारकैकियनारवहरनाथ॥ ख
नियकेसवदासकियसुमतिवहुरिहितसा

थ॥६॥ देवगढपजसवंतपुनिमेघवेधमप
 तत्य॥ कोटापतिकटकेसपुनिअरेवैरामका
 यत्य॥७॥ बहुरिकरोलीपतिसचिवसोपुरभू
 पवकील॥ किन्नतिलकडनहेउभयडुलकर
 संगसुसील॥८॥ साहिपुरेसहिंअदिलीसो
 पुरसचिवसमेत॥ नजरिनिछावरिकिन्नड
 नअतिहितविनयउपेत॥९॥ तदनंतरवृ
 पउद्विकेंदमपनिवेदिहजार॥ कुलदेवीपूजन
 कियउरचिखोडसउपचार॥१०॥ पीतांबरह
 रिपूजिपुनिभेटनिवेदनठानि॥ गिरिनितं
 बखासामहलतैहंसंसदकियअनि॥११॥
 दुवहयदुवसिरुपावडुकगजमनिभूरवनर
 क॥ किनेडमनृपकीनजरिडुलकरविनय
 विवेक॥१२॥ याहीमितजयसिंहसुवमाधव
 उच्छवमानि॥ किन्ननजरिबुंसीसकीपीतिय
 चितपहिचानि॥१३॥ संतपुनिडुलकरसुर

भट्टकहयडकसिरुपाव ॥ कटकडकपुनि
 कनककोकिन्ननजरिकरिचाव ॥ १४ ॥ इक
 इकसिरुपावहयडकडकनजरिविधाय
 ॥ रामरावडुलकरसचिवप्ररुततेद्विजराय
 ॥ १५ ॥ सेदुमुखडुलकरभटनकिन्ननजरि
 इहिंरीति ॥ प्रेमसिवाडसिंहमुखमाधवभट
 नसप्रीति ॥ १६ ॥ इमहिनजरिनिजभटन
 कीलैनृपसंभार ॥ पठयेदेरनमिकरुदे
 माध वप्ररुमल्लार ॥ १७ ॥ उदयेनेरको
 वाकटकडुलकरत्रायसपाय ॥ पत्तैपुनि
 निजनिजपुरनतेरसिरत्तिविनाय ॥ १८ ॥ दि
 वसचउहसिगोठिकरिविविधभंतिबुंश
 स ॥ उभयजिमायेकटकशुतमाधवडुल
 करईस ॥ १९ ॥ सहकुटुंबपहिगवनीडुल
 करकीनृपकीन ॥ दुवबाजीसिरुपावदुव
 इकगजप्रपिनवीन ॥ २० ॥ पा० कु० ॥ नव

१०

हीरनसिरुपेचसुभाय करंगगुलाचजटित
 धनायक॥ वृथसिं हजुत्रालमसननिर्वोसे
 नृपय हंमल्लारद्विदिनो ॥२१॥ इकसारन तते
 द्विजकोदियइकत्यो हासंत हितप्रपिय ॥
 रा मरावमल्लारसचिवद्वितगजरुप्ययदिय
 पंचसहंसमित ॥२२॥ इतनेहोमेद्वित
 प्रप्यशिरये चारि स्त्रीयकरियप्ये ॥ गमरा
 यमुत प्रनंदराजद्विइकप्रचद्विदियइक
 मिरुपावद्वि ॥२३॥ पूरवियाद्विजवालकथा
 द्वितहयमिरुपावद्विइसतमित ॥ इल
 करद्वितस्वामिद्वितदीनेइकइकहयमिरु
 पावनवीने ॥२४॥ दो ॥ प्रश्नके प्रनुचर
 सद्वितमचकोइमसतकार ॥ बुदीपतिक
 विकरिविधकियप्रसन्नमल्लार ॥२५॥
 संग ॥ अंगेबल्लभकुल दीक्षाहीसोतांग
 स्वामिगोपीनाथनेमंवेदेवकोनप्रायमि

दाई। तब रामानुज दीसाले रुरन पंडित
महाराव राजा उम्मेद सिंह जैसे श्रीमैरके उदर
तै बुंदी कडाई ॥ अब तखत बेर तही देसमें
जय श्रीरंग नाथ कहिबे कोडुकमचलायो।
अरु पन्न महु रक्षापनमें प्रीति पूर्वक श्रीरंग
नाथ नामधेय लिखायो ॥ २६ ॥ अरु अर्गे
अपने पितापिता महादिकन कीदान करि
सुरी समस्त संप्रदानन कौरखोजि खोजि
बुलाय दीनी ॥ अरु अर्नी आपतिमें सुखी
रसुभदादिक समस्त स्वामिधर्मसेवामें र
ज्दरहेतिन कौरायमजब रक्ष बाजिन कीब
खसीस कीनी ॥ उनके अभिधानराव रजेंद्र
राय सिंह सुनिबे कौरसावधानी करिये ॥ अरु
रुद्रपितामहके वितरणवारिधिकों विद्वज्ज
नबानीके तरंड करितरिये ॥ २७ ॥ दो० ॥ हड्डा
हरजनसचिवहितदेसिविकागजदास ॥

हिंडोलीपुरसौंदयोपटासहंसपंचास ॥२६॥
देवनत्तिसिवसिंहसुतभारतहितकुंदीस ॥
पत्तनखेडासौंपटादयोसहंसचालीस ॥
२६॥ अमरसिंहरद्वोरसुतअभयसिंहहि
तत्तत्त ॥ पटासहंससुत्तीसकोपुरअलीसु
तदत्त ॥ ३० ॥ नाथाउतपित्तलतनयजय
सिंहहिचहुवान ॥ पटाहजार पचीसजुतन
गरदयोनिम्मान ॥ ३१ ॥ बंधुभवानीसिंहभट
महासिंहहरहेत ॥ बीसहजारपटादयोधी
वडदंगसमेत ॥ ३२ ॥ सेरसिंहसामंतहरह
हुअरथअनूप ॥ पटासहंसधृतिजुतदयो
भजनेरीपुरभूष ॥ ३३ ॥ हरदाउतहिंदूसुत
जनाहरकोहितसंग ॥ पटासहंसपंद्रहस
हितदियउपगारदंग ॥ ३४ ॥ लोकमहासिं
होतहितप्रथितदिखावतप्यार ॥ दंगजे
तगढसौंदयोपटासुपंतिहजार ॥ ३५ ॥ द

शरथसिंहप्रयागसुतमहासिंहसुकुलीन॥
 अष्टसहस्रकोतिहिंपदासुहरनिपुरसमदी
 न॥३६॥ मुद्गकमहरमरजादसुतभटनग
 राजनश्चत्य॥ पंचसहस्रकोदियपदानग
 रमोहसमसत्य॥३७॥ बुद्धिसिवाईसिंह
 मन्त्रश्चमरकबंधजताहि॥ पंचसहस्रको
 दियपदाचंद्रबाटपुरचाहि॥३८॥ पंचोली
 माथुरप्रथममयारामकायत्य॥ दिव्यउगा
 मवदुद्धञ्जुतसहसिरुपावसमत्य॥३९॥
 पदास्थामधनियहितदेमितितीनहजार
 ॥ लारागहनिजदुग्गाकोकिन्नसुकिल्लादा
 र॥४०॥ महदुचरिनदानहितसंभरप्री
 तिप्रकासि॥ सहस्रपंचकेग्रामदियबीक
 रियावरवासि॥४१॥ स्वीयभट्टजगरामसु
 तदुद्धिभवानीराम॥ मुद्रादोयहजारमि
 त्तदयोसहस्रपुरग्राम॥४२॥ इत्यादिकस

वंसवकनदेधनदामउदार॥ करनविदामस्त
 रकांनलिक्रियचित्तविचार॥ ४३॥ इतिश्रीवं
 शभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणाथनेदशाप
 राशौउमेदसिंहचरित्रेएकोनत्रिंशोमयूरः
 ॥२६॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
 प्रा०मि०॥ दो०॥ इतिंअंतरमरुपतिअनुजव
 खतसिंहकछाय॥ दिल्लीसनलहिजनव
 लअग्रजद्वनअथाय॥ २॥ अभयसिंहआतु
 रतवहिपठयेबुंदियपत्र॥ संभरसहितसहाय
 कोंआवहुहुलकरअत्र॥ २॥ हुलकरहुहुनरे
 सप्रतिअक्रियपत्रउदंत॥ सुनिबुंदियधव
 सज्जहुवसहमलारहुलसंत॥ ३॥ जननिनर
 निनहृतिहितदिनेंकटकपठाय॥ गंगराडको
 दानगरवंसवहालभनाय॥ ४॥ सज्जिअप्यहु
 लकरसहितक्रियबुंदियसलकुञ्ज॥ मरुपति
 सोसत्वरमिलेउभयकरनजयउच्च॥ ५॥ राम

पुरसुमाधवगयोबुंदियतेद्विहंवर ॥ एदुवमरु
पतिभीरइमप्रायेपुरअजमेर ॥ ६ ॥ वरवतसि
हसमुहवदुरितीननकिन्नप्रथान ॥ रक्विनि
कठपरदलदयोसंभरनगरमिलान ॥ ७ ॥ तं
हंहुलकरकछुरीतिकहिरद्वारनसमुफाय
॥ अग्रजकेअरुअनुजकेदिनांमकराय ॥
८ ॥ दूजेदिनइकवत्तदुवबुंदियकठकविहा
न ॥ सुपदुरामदिजेअवननयमतिधर्मनि
थान ॥ ९ ॥ पांकु ॥ अगेइकसंकरगढस्वा
मीबुंदियभटरानाउतनामी ॥ तिहिंसिवसिं
हसंदिरनराउतबकारपुरपहयोंकन्हाबु
त ॥ १० ॥ सोसिवसिंहदुतोनुप्रसत्यहिअरि
सुतराजसिंहगतत्यहि ॥ करतप्रातसंध्या
बुंदियपतिसिवसिंहसुनिजनाथरक्वि
ति ॥ ११ ॥ डेरासनसंभरढिगआवतराजसिं
हवहमित्यो ॥ ^{रिसावत}हिसिवसिंहहिंतुपकगरि

खलगाभजिराजसिंहमारवदल॥१२॥सां
हिपुराधियत्रनुजसदोदरहोसिरदारसिंह
मरुपतिभर॥कच्छाउततससरवगह्योतव
यहउदंतदुंहीससुन्योंसव॥१३॥दो०॥उहि
उद्यारेदेहनृपसंध्यातजिगदिमंगि॥हयत्ररे
हिहंक्योमनहुंअणपरदुंदुमंगि॥१४॥चल
नलगोभटसंगनिजतिनकोंसपथदिवाय॥
अपपदीदेअअकोलियकच्छाउतजाय॥
१५॥सत्यसहितपिकवतरह्योरानाउतसिरदा
र॥राजसिंहकच्छाउतसुमाखोसंभरवार॥
१६॥इमरिपुहनिबरधीचुवतअयोदुनिनि
जत्रेन॥रह्योलखतरदोरकोचित्रलिरव्योस
सैन॥१७॥षण्प०॥यहकरालउदयोसउक्यो
पृतनात्रयअंतरदुवदिसदुदुभिज्जिभीरुग
यमज्जिदिगंतरहहुकबंधनह्यनजंगण
कवरजवडारिय॥सुनिहुलकरथहसोरभये

उपदेसकभारियनृपत्रप्रभयसिंहउम्मेदनृप
समुगायेदुवनीतिसनकहिदेसकालत्राग
मकलितकियउसामकरिहितकयन ॥१८
॥दो॥ तदनंतरदकिवनगयउरचिदरकुच
मलार ॥ निजपत्तनबुंदियतरफत्रायउसंभ
रवार ॥ १९ ॥ याकु० ॥ हरदाउतनाहरमगत्रे
तरमहिमानामेदियविधिसौवर ॥ नगरपग
रांथंभिनृपतितबजिमिगोरि-त्रायउबुंदि
दियत्रव ॥ २० ॥ भाद्यवलच्छपच्छजयमत्तो
दकिवनद्वारदोयपुरपत्तो ॥ घरघरमंगल
मानभयोपनलगोलीकृष्णधुवंतन ॥ २१ ॥
पिच्छेसनजननांदुवत्राईपतनीनीनसुहा
गसुहाई ॥ यहैरानिनपतिकीहितत्रायरि
किनीविधिजुतनिजरिनिचावरि ॥ २२ ॥ अ
वउम्मेदनृपनीतिजमाईगद्विप्रजासुबुलायव
साई ॥ मेननतेयउपद्रवमेदियवारहरवेदद

१०

३०

वायसवसकिया ॥ २३ ॥ गो ॥ बुंदियनागरविप्र
 डकसरवेचरप्रमिधान ॥ चारेचोरनदक्षत
 ससहंससत्तपरिमान ॥ २४ ॥ कुतवालसुचसु
 चोम्जुतरखोज्योभृपतिराम ॥ चर्नैन्वृपहिनि
 वेदयोचुनमहलसुवधाम ॥ २५ ॥ सोधनसं
 भरव्यातकारिसरवेचरहितदीन ॥ श्रील्लमे
 टयडनैलिलरिल्लगेचसनहितलीन ॥ २६ ॥
 चोरनजारनहुसहदुरवधमधरनसुवधूर ॥
 राज्यविगारेकिलयजनकयनलगोकूर ॥ २७ ॥
 जनबुंदियजयसिंल्लियकतिसटसेवपत
 त्या ॥ रमनातयासहिंरहियनहुवहुवहुव
 सत्या ॥ २८ ॥ तिप्रचहुहरनृपहितविमूल-
 गलहलात ॥ भीतप्रायहाजरिभयेबुंदीमं
 डलव्रात ॥ २९ ॥ भारबृहपपितामहहुमि
 लिप्रायेतिनमाहिं ॥ कहतसकुचिरविष
 ल्लकविइमभागसहसप्राहि ॥ ३० ॥ पाकु

सुनद्राममहिपालधर्मधनस्मृतिजाकोंब
 रजतश्रृंगैसन॥ पुरुखनकों अनुचितपदमै
 दियकरहुमाफश्रपराधयहेकिय॥ ३१॥ हा
 जरिदमसबवसीभूतद्रुवधामचंडउम्मेद
 तपतधुव॥ फगुनश्रसितमोहितदनंतर
 कोटागयउम्मेदधरावर॥ ३२॥ महारावसन
 मिलिहितकिनींबदुरिआयबुंदियरस
 लिनीं॥ हुजनसलसुकुहकश्रसूईबुंदि
 यलेलपस्यादुरवकूई॥ ३३॥ जानीइनश्रकरी
 सुहिकिनीजैपुरदबिपडुमिनिजछिनीं॥
 श्रबउमेदबुंदियभुगैन्ननश्रसोमंत्रचहिं
 मिलिश्रप्यन॥ ३४॥ इतिश्रीवंशभास्करेम
 हान्वंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौउम्मे
 दसिंहचरित्रेत्रिशोमयूरवः॥ ३०॥ ७॥
 ॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७॥
 श्रींभा॥ इंद्रवंशा॥ एवंसमालोच्यसधी

सर्वैस्समंकोटेश्वरः सज्जनशक्त्यभूपतिः॥
 दालेलिच्छां प्रतिनेन वास्थितं प्रीतिः ॥
 स्पेषितवान् स्वदोह्लिविमः ॥ १ ॥ तस्मिन्नुदन्तं
 त्रधमेन लेखितं कूर्मादयोऽनुरहस्यको
 विदाः ॥ भोरवराजन्द्रतवाभिषेचनं कर्तुं स
 पुद्युक्तधिया नृयं स्थिताः ॥ २ ॥ श्रीमन्तन
 न्हाद्रु कुमारिकेश्वरं घोरामिसंपातशला
 द्गुधूर्वहम् ॥ कार्योपुरं स्तुत्य कृपाणपाण
 यः श्रेयो गमिष्याम उपायसद्गलाः ॥ ३ ॥ स
 न्नहसेनां मदवन्तु लङ्गजामुत्कुलसत्प्रेथ
 लसत्तुरङ्गमा ॥ राणजिसंध्यासुतदह
 नायकांधुल्लुकरान्तहितकज्जबान्धवा
 म् ॥ ४ ॥ आकर्णमाकर्णितकारण्डकामुका
 विस्फारसन्त्रस्तसपत्नसञ्चयाम् ॥ श्रान
 द्रकान्तायसवर्मबाहुलां चाकव्यवञ्चन्द्र
 कचन्द्रकाज्जलाम् ॥ ५ ॥ सन्देशहारोक्तिगु

हीतनिश्चयां विख्यातयानाऽऽसनसंधिनि
 यहाभ्ये धात्रयोऽस्त्रासविलासं वैभवांसङ्ग्राम
 वित्सादिनिषादिसौभगाम् ॥ ६ ॥ शौरडी
 र्यसन्धानितशूरशात्रवांप्राप्तापडक्षीणवि
 विक्तमन्त्रणाम् ॥ प्रखोलदुच्चूलितं चैजय
 न्तिकाधारार्योद्धृतसमस्तसागराम् ॥ ७ ॥
 शार्त्ताक्यादीकविनादकन्धरां नैस्त्रिंशि
 कथासिकधन्विदुर्हराम् ॥ प्रोद्दगडदुस्फो
 दकुमारपहिशांजिष्यामउम्भेदमलारयाम
 लाम् ॥ ८ ॥ इतिकुलकम् ॥ तूणव्यतीत्ये
 षदहर्गणान्वयं निजित्यसंख्येबुधसिंह
 जान्दयम् ॥ दास्यामउन्मार्जितसर्वकरठ
 कंबुन्याधिपत्यं भवते निरङ्कुशाम् ॥ ९ ॥ ई
 र्यापरः सालमनपरिच्छदं सिप्रं लिखि
 त्वेति स भीमनन्दनः ॥ श्रीमन्तमन्त्रिण्यथ
 रामचन्द्रकेऽलेखीद्वितीयन्दलमात्तकि

१०

३१

ल्विषः ॥ १० ॥ अनुष्टुप्पुष्पविपुला ॥ पुण्येष्ट
 मात्ययोर्वाढं रामचंद्रमलारयोः ॥ अजायत
 पुरावेरंकरेणामिभयोर्यथा ॥ ११ ॥ तदाली
 चमहारवः पूर्वास्मिन्नलिरवहलम् ॥ नि
 चं कुतंमलारिणापितोमोदायबुद्धिका ॥ १२ ॥
 भवेद्यदिमदायत्ता तदायत्तावयन्तव ॥ कुम्भ
 यः खिलराजानः स्यामाज्ञाकारिणोऽधुवम् ॥
 १३ ॥ एतच्छ्रुत्वा दलोदन्तङ्कोटाधीश्वरले
 खितम् ॥ लिलेखनकर्मन्त्रीत्यंरामचन्द्र
 स्तदुत्तरम् ॥ १४ ॥ आत्मनोयंस्वतन्त्रत्वस्य
 ज्ञानस्यापयितुं ननु ॥ अयुक्तमकरोत्तीर्त्त
 र्जलारोमात्प्रसृतः ॥ १५ ॥ नमोऽस्तुचिते
 बुद्ध्यास्कन्धावारमनोरमम् ॥ देवानांप्रिय
 उम्भेदसिंहानाम्मोग्यमस्थिभुक् ॥ १६ ॥ उ
 दयद्गुपृथ्वीभुजगत्सिंहस्यतंविना ॥ का
 र्येस्मिन्नास्मदादीनां श्रीमन्तोत्तरे ह्यः ॥

॥१७॥ शणेश्वरविभित्सुस्त्वनन्देलेखयत
 हलम् ॥ बुन्द्याङ्गेटेडधीनायाम्प्रीतास्मइति
 सत्वरम् ॥ १८ ॥ शीर्षाद्ववर्षेदूतेनाप्यस्मा
 कंसम्पतेनच ॥ करिप्यत्येवपुण्यशांबुन्दी
 न्दीज्जनशस्त्रिकीम् ॥ १९ ॥ वणदूतंवि
 दित्वैवंरामचन्द्रेणचालितम् ॥ राणादी
 त्वासम्पतेनेतुंतत्रकेभैमिरुद्यमम् ॥ २० ॥
 उयजातिः ॥ इतस्सबुन्दीपतिरत्तधर्माचा
 णक्यकामन्दकवाक्यवर्मा ॥ प्रामीश्रयोयि
 ब्रजदत्तभर्मास्वाध्यायसाध्यायसहायकर्मा
 ॥ २१ ॥ बृहद्भवासन्वल्गोत्रपालस्तथातप
 स्सक्षतयानुपेतः ॥ अशीर्षापादोह्यपिधम्म
 राज्ञी राजापिदांषाकरताविहीनः ॥ २२ ॥ श्री
 दोप्यरवर्षसबलोपिसोम्यः शिवोविरूपाक्ष
 पुराः ध्वरत्रः ॥ अभीष्टमेनोपिनिरस्तजाड्ये
 द्दरन्भजेपुरुषोत्तमोपि ॥ २३ ॥ अनूनवा

णःकमनोपिसाङ्गःसत्यप्रियोभाम्बदलीक
 शाली॥यद्यप्युदारोदृढमुष्टिदण्डोविरेच
 नोप्यच्चदनन्तसतिः॥२४॥अनकदंशो
 पिसपशुपणिःसत्स्वर्णकायोपिनचक्रिष
 त्तुः॥अनाश्रुश्रापःशुचिरेवसाक्षादजिह्व
 गोभूमिभुजङ्गभागी॥२५॥प्रचण्डसहण्ड
 जितारिपक्षःषाडुण्यशक्तित्रयतत्वदक्षः॥
 कृतांपराधान्विनियम्यदुष्टान्नाज्यंचकार
 परकार्तवीर्यः॥२६॥व्यतीत्यवीरःशिशि
 रं वसन्तं तं शैवचोष्णोपगमंगुण्डः॥प्राप्ता
 सुवर्षसुपरोपकारीव्यधत्तबुन्धंविबिधत्
 न्निनोदान्॥२७॥अनोकुहेरुङ्गुरितेरत्तुणो
 धैस्तत्रादंशेलीरुचिरोबभूव॥जाताःसम
 स्ताहरिताहरित्काःशृङ्गारशालिन्यवनीर
 राज॥२८॥अलङ्कृतोदग्निगुहारधारका
 दम्बिनीकालहरित्कडारा॥ववर्षवाती

च्छलदम्बुवाराननल्पकल्पप्रकटप्रसारा॥
 ३६॥ चिरायममृद्विरहोपघातीपानीयपा
 नीयपुरःप्रपाती॥तापन्तडित्वांस्तपनस्यत
 र्जनस्रावयद्भूमिमतीवगर्जन॥३०॥इति
 श्रीवंशभास्करे महान्वंप्रस्वरूपेदक्षिणायने
 दशमराशौ उम्भेदसिंहचरित्रे एकत्रिंशो
 मयूरवः॥३१॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥
 प्राणमि॥दो॥इमपाउसआगमउदितप्र
 तुलप्रवृत्त्यासार॥अंक्रनमुवअच्छदि
 यकियपूरनकासार॥१॥यंहंअर्गैगुन
 गोरिदिनहीतोउच्छवपूर॥बुद्धसहोदर
 जोधकेबूडतबहुदुवदूर॥२॥पाकु॥अ
 वसावनअवदाततीजदिनउच्छवकिय
 विकर्यातहुहुइन॥रानीजननसुधादसु
 तार्दपारवतीप्रतिमावनवाई॥३॥बहु
 विधिभूवनवसनवनायेप्रीतिउपेतताहि

पहिराये ॥ दैपदुसंगअलंकृतदासीनामतीज
 वहप्रकटनिकासी ॥ ४ ॥ गइजेतसागरतडा
 गतटभूपद्रुपत्ततत्तसबलेभद ॥ इकअप्यो
 रदेवीसंसदजं हं भूपसभाइकअरबनीतं
 हं ॥ ५ ॥ वारसुंदरिननटनवनायोअगुलमे
 घअलापउवायो ॥ बलितं हं घटिकादोय
 मितार्इपुनिदेवीमहलनपधराइ ॥ ६ ॥ त
 दनुनरेससेवकनहितहियमाइकबस्तुम
 घबिनुबंदिय ॥ ल्योहीकुसुमनहारकिलं
 गीसोमितअतरपानतिनसंगी ॥ ७ ॥ दैइम
 सवनचव्योबुंदीपतिअयोमहलनमनप्र
 सन्नअति ॥ दूजेदिनद्रुयहंमिचिठानीप
 च्छेचढतपर्योवनपानी ॥ ८ ॥ एहुंचोनिदि
 निजालयसंभरफुहितदागचल्योइहिअ
 तर ॥ विक्रमसकरवदनमबसुबसुमति १६
 ०६ अलविरावअचानकमोअति ॥ १० ॥

दो०॥ सावनविसदचउत्थितियिरनिघटि
 यदुबजाता। जलनजैतसागरमिल्योउडि
 यसेतुअररात॥११॥ षष्प०॥ अतिजवफु
 हियसेतुमनहुँतोपनगनहुदियकेलगत
 सतकोटिकूटपबयजनुतुदियबुरजनत्रा
 तउडायकोरि कोसनफटकारं॥ मगविच
 विटपमिलेसु हीनवलकलकरिडारेनिम
 हुनिवानसुहियसकलविकलनकरुकि
 रुकिरहेप्राकारपृथुलअदकेनजलतोप
 तनबहुजनवहे॥१२॥ दो०॥ इमफुटत
 सरसेतुकोसुन्याअचानकखान॥ कहुक
 कालअचिरजरह्योपुनिकियसवनप्रमा
 न॥१३॥ प्राततालत्रेसोलख्योहुवमबबे
 भवहानि॥ मानहुँवनिकथनाब्यथरलु
 ह्योरंकलआनि॥१४॥ जोधसिंहजिहिंम
 च्यथिलबुज्योअगप्रमत्त॥ जोसबअंगउ

पांगजुतकद्व्योतगंडकतत्त॥१५॥लिनीद्वं
दियजानिद्वतउदयनेरजगंतस॥पयथेषु
त्रउमेदप्रतिलिखितनिहितविसेस॥
१६॥अकरीहमद्रुप्रसन्नप्रतिअवहृदुन
अधिराज॥अरहिद्रहांसनअयहेदीका
केसवसाज॥१७॥कोऊकोविदसचिवनिज
भंनद्रुसत्वरअत्य॥हितउपज्योकलुपुच्छि
हमसंसवतजहिंसमत्य॥१८॥नृपतिपुरो
हितमुक्कल्यादयारामसुनिएह॥पहुंनि
विप्रतबदुवनृपनसंध्योसरससनेह॥१९॥
अभयसिंहमरुधूपकोइतअयउअप्रवृत्त
न॥निजभदसवबुद्धेनिकटहोतकलेवर
हानं॥२०॥अकरीअवममजातअसुइत
सोदरबखतेस॥मोच्छतहीहोवननगंथो
अगैंधन्वनरेस॥२१॥सोसठअवमरेण
रतनागोरहिरकेवेंन॥मारिबिडारहिंमम

सुतहिंलहहिंजोधपुरअंन ॥२२॥ रामसिं
हमपुत्रयहहेकुपुत्रमतिहीन ॥यासां
सबतुमपलदिहोरहिहोनाहिंअधीन ॥
॥२३॥ कुलकुडारकंटकयहेपापीखलपहि
चानि ॥तुमहुकहांतकरक्रिवहोकरनृपहि
ममकानि ॥२४॥ लार्जेअवरहितकहुतो
पहिलेकहिदेहु ॥याहिदिवाबहुइतरक
हुवाहिजोधपुरएहु ॥२५॥ नहिंतीजो
अबइहिमिलेपिअसोहुमिलेन ॥अहु
नयहबुल्लेतुमहिअवमुहिंवठलअवेन
॥२६॥ मेरतियाउपदंकिइकहुदाउतरहो
र ॥बुल्ल्यासुनिरव्यापुरपसेरसिंहभटमो
र ॥२७॥ हमहत्थिनठिल्लैभुजनयल्लैअ
दिनवत्य ॥खंडेइक्रिवनखग्गवलमंडेर
नबिनुमत्य ॥२८॥ तिनजीवतकातरब
अल्लनअकवहुनरनाह ॥कुलकुडारम

वदीयसुततदपिकरहिंनिरवाह ॥२८॥ अथ
तऊयहकुमरं पैजोयं हंकन्या होय ॥ सीपें मुग्गा
हिंजोधपुरहमन्नतनासनकोय ॥२९॥ यहसुनि
वृषबुल्लोबुद्धिरितरमदनसनएस ॥ कैली
यासतसबनकोअकवहुमोदिअसेस ॥३०॥
चंफाउतरहोरतं हंनगरआउचाईस ॥ कुसल
सिंहबुल्लोसुनहुहुकमसधचअधीस ॥३१॥
असीभासतकुमरकीकरिहैनीचनसग ॥ उ
चितनकोआदरधैरं रंगंअनुचितरंग ॥३२॥
सातोहमसहिहैसबहिपैडेरनपरवाय ॥ दुहु
कारिहुकहुं हसहिततोरहोनहिंजाय ॥३३॥
यहउदंतहुयजोधपुरसुनहुभूपचहुवान ॥ अ
भयसिंहतजितवुतदबुद्धियउमहाप्रस्थान
॥३४॥ रामसिंहवैद्येतरवतकुलहिं कलंकित
कार्जानतहेताकेजगतवहहिलयोआचार
॥३५॥ इकहूहीअंत्यजअधमअमीनामअध

रूप॥ वहवाढककंडोलकोमित्रकियउमरुभृ
 प॥ ३६॥ भगिनीताकीभावंतीनामसुरूपाना
 रि॥ रानिनपरपटरागिनीकरिक्खीगृहडारि
 ॥ ३७॥ पाकु०॥ दिनविपरीतजोधपुरकेरतौते
 विधिअसेनृपहेरे॥ सरिनकोसतकारनकेव
 स्वरनसनअनुचितजडअकेव॥ ३८॥ नहिंस
 चिवनदासनसनमानैअरुबालिसनीचनहि
 तअनै॥ मरुपतिमित्रमृत्युजवपायोसुनिटी
 कामह्वारपद्यो॥ ३९॥ गीतिहिंसंगमत्तइक
 बारनपरिणतप्रबलअवतमदधारन॥ अभय
 सिंहसुतकोतुकअयोसोगजनिजगजसंगल
 रायो॥ ४०॥ कुलकरकेइभतेनिजहास्योतवस
 रमारनताहिविचास्यो॥ तोपदगायहनहुईहि
 अकरव्याजगभुविप्रनिद्रिकहिरकरव्यो॥ ४१॥ ब
 खतसिंहनागोरधराधननिजधात्रीपठईकछु
 कारन॥ बुल्लिरुतासबसनउतगयेबुलिधरि

सेकिमच्छमनचराये ॥ ४२ ॥ चंपाउतवहकुसल
 इकदिनत्रायउसभाजानिरामहिंइन ॥ तास
 पिदिइकदासपदायोत्रधोवस्त्रकरिसैनकदा
 यो ॥ ४३ ॥ दक्षपुरवर्कह्योपुनितसोबहेतववि
 कमलयुसासो ॥ सोपेदुसहकुसलरह्योस
 हिन्मभयसिंहन्नादेसचित्तचहि ॥ ४४ ॥ बहु
 अमुचितहमत्रयमवनावैकविलोलाइक
 हतन्प्रलसवि ॥ सुनहुसमसंगरप्रसुस्वामी
 विथरीडममरुपतिबदनामी ॥ ४५ ॥ वरवतसिं
 हसुनिमोदवदीवलीनजोधपुरदाबलगावि ॥
 इतिश्रीवंशभास्करे महाचंपूस्वरूपेदक्षिणाय
 नेदशमराशौउत्तमेदसिंहचरित्रेद्विंशोऽध्याय
 पूरव ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
 प्रा० मि० ॥ पा० कु० ॥ इतदुंदीसमंत्रइकधासो
 सहरसितारागमनविचारयो ॥ संगलयोनिज
 दीपसहोदरभजनेरीपतिसेरसुभद्वर ॥ १ ॥

हृद्यपुनिनाहरहरदाउतअरुदलेलहरजन
 अमात्यसुत॥ इत्यादिकनसहितनृपहंकि
 यसुनिप्रयानदिसदिसअरिसंकिय॥२॥
 नृपहिचलतकोटेसनिवाखोतउनरुको
 हलतासनिहाखो॥ सकरखदनमघृति२८
 ०६महद्विसदतहंहुदियरकिससचिवह
 रजनकहं॥३॥ पतिसंभरचह्योदकिसन
 प्रतिरहिबेधमदकरतिमहामति॥ दरकुं
 चनइमपलअवंतियआइअपरपसगत
 त्याहिकिय॥४॥ हंकेपुनिलगतनवरत्ते
 अष्टमिदिनरेवालटपत्ते॥ तंहदकिसन
 पतिचोकीदारनमंग्योकरवहसरितउतार
 न॥५॥ सुनिनृपकहियहमनकरदेहंजब
 उनअकिसवयपारनजेहं॥ तबतिन्हभूष
 पितायविडारेपोतनकरिनिजतंत्रपधारे
 ॥६॥ श्रीजंकारइसदरसनकरिमांधाता॥

जुतपूजिपयनपरि॥रेवानदिपुनिलंघिबुडे
 रयपत्तनगरबुरहानपुराहय॥७॥जोतिर
 लिंगसिवप्ररचनमंडियविष्कर्मप्रतिमा
 हरसन्निधिय॥पुरप्रवरंगाबादगयेपुनिगो
 हावरीबहुरिहायेधुनि॥८॥आह्वयपनड
 पनासनिहितसबविरचिप्रगबुंदीसच
 न्नियतव॥उज्ज्वलसितहूमगयधरिनयधु
 रवापगावनामकहुलकरपुर॥९॥पुर्यापु
 रमल्लारहुतोतबरखंडूनृपसतकारकियोस
 व॥समुहजायबथायरुलिनेहयसिरुपाव
 निबदनकिने॥१०॥मुदितरचीदिनप्रतिम
 हिमानीहुलभसिकारअनेकादिरवानी॥अ
 हकतिरहतमलारहुआयोविबिधहेतमि
 लिदुहुनवढायो॥११॥बुदियस्ववरिगईनृ
 पपैतवसचिबनअगेहुखितप्रजासब॥ह
 रजनधनछिनतननहारैबनिकनदेप्रमि

सापविगारै॥१२॥चोरनतैमिलिद्रव्यचुरावै
 खैसिखोसिसचकावसुखावै॥सुनिउदयो
 सकियोनृपनिश्चयनिकस्योसत्यतबहिमं
 ड्योनय॥१३॥भजनेरीपतिसेरसिंहभट्टह
 रजनकोपकरनपठयोमृत॥तिहिंश्रायरु
 मादुंदापत्तनहृद्घेरिलियोवहहरजन॥
 १४॥कोदेसहिंतिहितबहिकहाइभजने
 शिपगहलमुहिंभाई॥अप्यहिदयेसंगइन
 कहमकरदुसहायखदासनहेब्रम॥१५॥
 कोदापतिसुनिकरित्तरिताईपृतनादेनस
 हायपडाई॥जोपहुंचैनहुतेविचकरिजय
 गहिहरजनहिंसेरबुंदियगय॥१६॥तारा
 गहकारविचदाखोबंधनलहितबदर्प
 विसारयो॥वापगांवमल्लाखुइजितनि
 जकल्यायपयममंडियइत॥१७॥बुंदीसहु
 बहुधनखरच्योजंहलगनकालइकवत्त

सुनीतेंहं॥अगहनमासविसद अह
 तज्योछत्रपतिसाहूविग्रह॥१८॥इलकरधर
 अतिसोकलासुहुचसुताविवाहिवलनचिंत्यो
 धुव॥अलुजवापगांवहिनृपरकियग्रहरज
 नपुत्रअरज्यहंअकिय॥१९॥द्वैदिनसि
 क्यमोहिनृपदीजैतरितअनिमिलिहो
 दिनतीजो॥द्वैदिनसिकरुक्ताहितवदिनीक
 हुनसंकभजिजावनकिनी॥२०॥इतहहु
 रुहुलकरअलुरत्तेपहिलेंहुवपुण्यापुरप
 ते॥होतहंसचिवसदासिवहितमयनल्ल
 पितृव्यकर्साजितनय॥२१॥संभरपतिस
 मुहवहअथीदिनदसरकियसनेहदिसा
 यो॥इतहरजनसुतवापगांवहरहिजनक
 हिंसुनिपकस्योविरोधचहि॥२२॥नृपअ
 लुजहिंफोरनकियहुनअहुल्लोनिहितवभ
 जिकोरागय॥इतसंभरहुलकरपुण्यासन

पत्तेउभयसितारापत्तन ॥२३॥ हृहुहिंश्रात
 सुनलहरखायोसमुहनहृकोसइकश्या
 यी ॥ देराकाफरखोहदिवायेपुनिमहिमानी
 साजपयाये ॥२४॥ साहृभूपमखोबिनुसंत
 तिपृथुलराज्यकिमिरहैविनांपति ॥ साहृ
 षितामहीतारातंहंश्रुप्रधानश्रीमंतन
 कृजहं ॥२५॥ मंत्रविचारिपनालागढस
 नरागवृत्ताश्रुसंभानंदन ॥ श्रुगैंनृपसि
 वराजकर्णनिभभूरखनकविहिंदयेवाव
 नहृभ ॥२६॥ संभद्रवताकालघुसंदरदि
 दौजाहिपनालागढवर ॥ ताकैसुतयहरा
 मनामहुवसोश्रुवकियउसितारापतिधुव
 ॥२७॥ राजागमवहृरिसंभरपतिमिलिवाये
 दुवनहृभहामति ॥ बैवेदुवइकतखतव
 रक्षरचलेदुष्पौरमोरछलचामर ॥२८॥ डो
 लेनयपुनिनहृमगायेराजारामविवाहर

२०

३३

चाये ॥ साहृपहरामडमबेरोइतडकलरनरुं
सल्यांपेरो ॥ ३० ॥ दो ॥ कहिप्रगो श्रीमंतहि
जवाजेरायप्रधान ॥ रघूनामभट्टधुं सल्याप
दयोहिंदुसथान ॥ ३१ ॥ तिहिंजनपदुडवा
नअरुवानदेसलियजिति ॥ हाकिमपंडि
तभासकररुथ्योतं हं करिकिति ॥ ३२ ॥ प
छेपुनिद्विखनगयोभूतसुनिवाजेराय ॥
सावरुं श्रीमंतसुतनद्धनजनै न्याय ॥ ३३
॥ नद्धुकमलं नृतवकतिकपिसुनभट्ट
ओर ॥ खानदेसगुडवानमें शयेबनिबर
जेर ॥ ३४ ॥ तत्परघूमठभासकरसाखोइत
करिजंग ॥ अपनथाबांरकितं हं साथोहि
सप्रसंग ॥ ३५ ॥ वलयहंसुनिधुंसल्यातबले
धरतबिरोध ॥ अबआयउश्रीमंतसौंजुहर
चनसजिजोध ॥ ३६ ॥ इलकरपतितं हं वीच
परिदोउनबेरमिठाय ॥ अनिरघूश्रीमंतके

२०

दिव्योपयननगाय॥३७॥इतिश्रीवंशभास्क

रंमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमगणेशोउ

त्सिंहचरित्रेत्रयस्त्रिंशो३३मयूरवः॥ ॥

॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥

श्री०मि०॥द्वौ०॥हरजनपुत्रदलेलदूतकोराजाय

प्रसन्न॥परयेलिखिनृपत्रनुजप्रतिवापगांव

द्वपयन्त॥२॥अपरहृदुममसंगअरुकोटा

आवहुदीप॥तांबुंदियपुरतरवतधरिमर्ने

दुमहिंमदीप॥३॥दीपसिंहगपत्रदूतपठये

अग्रजयास॥लखितिन्हमंददलेलकोसु

पहुलज्योविसयास॥३॥व०प०॥नगरसिता

रानीचहहुनाहरहरदाइतनिजनृपसम्भ

तिबिबुहिंजानिअपहिंसुबुद्धिजुतहुल

करप्रतिक्रियअरजअगनभवसुसत्रह

३७८० लक॥देडालियजयसिंहडारिमिच्छ

नृपअोदकआवांपुरीरुहुनीउमयथान

लयेहमरेडुतबदोडासुदिनतुममाथवहिं
 तोवरवसहुमममुवदुअव॥४॥दो॥शुष्को
 हुलकरसुनतयहसोररहोपुरकाव॥अक
 खीनपकहरोहमहिंलोवनतोहुपपाव॥५॥
 हामसनामिन्नप्रदुहुकेविगाराईनिजवत्त॥
 मनिहुमनाहरतेमयोबुदियभूपविरत्त॥
 ६॥अमीनन्हअमाथइतरामचंदअधर
 त॥रानहिंसामुलिलेनकोंपवयेकोरापत्त
 ॥७॥इतनिअधरनामहिजनिजवकोत्त
 कोटेम॥उदयनेरपठयोतबहिफोरनरान
 नरस॥८॥तानेमिलिजगतेसकोलिलो
 मनपलदाथ॥इकिवनदेसप्रधानोदिय
 हुमपत्रलिखाय॥९॥हेहुदियउसेदहित
 अत्रचितहुलकरकीन॥करहुकथितको
 देसकोतोहमसर्वप्रधीन॥१०॥मोलीरह
 लदुतलेनिकसेनेरविहाय॥तोलोअरिबि

यशस्यप्रतिदयारामद्विजराय॥११॥कोटेस
हिंजान्द्रुकुहकमित्योसुजैपुरमांहिं॥सुनि
होरंचकदिननमैहंतुमतेंहितनांहिं॥१२
॥सुसुनिरानचलमतिकहिय कहु
दिनपरखविधाय॥दक्षिनपत्रपठायहेतो
लगदिदुधराय॥१३॥भैसरोरपतिससुरहो
चुंदाउतभटलाल॥तापेहंकृष्णदलेलसु
तइतदिगपत्रउताल॥१४॥पत्रशवराजोप
पदरानांकोलिखाय॥सोममहिगभेज
हुस्वसुरप्यारेप्रवसरपाय॥१५॥इमलि
खिपठयोउदयपुरप्रपन्नबनिकवकी
ला॥साहुमिलायोरानसनकरिहठलाल
कुशील॥१६॥लघुमितिपत्रलिखायदि
यकृष्णकथितपरिमान॥जलकुल्याजि
मिरानसनफेखोफिरतप्रजान॥१७॥कख
तसिंहनागोरपतिइतसठमंडिमरोरादि

लीदलबुल्योवदुरिदेनजोधपुरजोर ॥१८॥
 अरजीअहमहंसाहसुनिपुनिपठयोबल
 पूर ॥ जवनसलाबतरवानजहंसेनानीकरि
 सूर ॥१९॥ कूरमईश्वरिसिंहकीतनयासन
 बिरव्यात ॥ राजसिंहमरुराजकीपहिलैसंगप
 नजात ॥२०॥ अतिआवतजोधपुरसुनिदि
 लियदलसोर ॥ कुम्भहिंमरुपतिमीरकोंबु
 ल्योगिनिबरजोर ॥२१॥ तबकूरमअमीरप
 तिउत्तरपठयोएह ॥ फौजरवरचभेजहुततो
 आवहिंभीरसनेह ॥२२॥ षण्य ॥ अगौंलुपक
 रतेसहायसुनिबिपतिपरस्परफौजरवरच
 लेतेनजदपिहेतोपरसंगरजाभातासनहु
 म्भमेदिरीतिसुधनमंगिय ॥ तबमरुभूपस
 नेमलकवदमनभरनादियसजितबअ
 नीकजयसिंहसुवकोटाभेजियकगरहिं
 हमसंगहोयजवननहनहुताबुदियतुम

वसकरहिं ॥२३॥ यह कहाय करि कुंचच ल्योम
 रूपति सहाय परम रूपति सौं अति मोद मिल्यो
 वीरथ गुरुपु कवर भगर मेर तात दनुजाय दोउ
 नमिलान दिख ॥ इत दि ली दलई सउ दथप
 लन इ ल भे जिय हम संग होइ अ गति स नृप
 सह माध वसे वा लुर त अग्र जहिं मारि अ प
 हिं हय इ त अ नु ज हिं जै पुर त खत ॥२४॥
 यह सु नि स क्षिय रा न हो न दि लिय दल सम
 लि इ त को टा अ धि रा ज कु म्भ क ग र व चिय व
 लि इ य त यार त व लु कर न कूर म किं कर प ल
 ॥ सुं दि य लो भ वि धाय र च न दि लिय दल तें
 र न पुर ज न किं क क लु का म तें हं को टा किं ग
 य उ द य पुर ति न क हि य जा त को टा स स जिं जै
 पुर स म्भ लि द ल प्र चुर ॥२५॥ दयारा म हिं ज
 त व हिं रा न य ह सु न त सि रा द्यो अ क्ति य ह म
 र न हं त न हिं को टा स नि वा द्यो य ह सु ना य वे

पत्रलिखेदकिवनपहुंचावन॥दिबैतेहिज
 हत्यप्रीतिबुद्धियपरलावनहिजइयारासते
 दलसकलसहसितारसुकलियतदुयुध
 यहहुहुलपरतमकिकगरबंचतकोपकि
 य॥२६॥दो०॥एनिमलारसिजिनन्हपररु
 द्विचल्योनिजदेस॥सुनतनन्हप्रहोफिर्यो
 बुल्योचिनयविरस॥२७॥कमहुकोपम
 लाररुमसुनहुलतमभरक॥सचिवप्रदु
 यंहुमुकर्यहेअयोविहितविबेक॥२८॥प्राप्तुश्री
 पतिराबहुतसबसेहनप्रतिनिधिकोउपप
 दपायोजिन॥तिनपुरवअर्गेममप्रपिताम
 हविश्वनाथवितयेअनेकप्रह॥२९॥नारदा
 हुवप्रनिचिअनाथसुततहुहेपुरवअर्ग्या
 विनयजुत॥श्रीपतिसंगपेसरहिबिसनति
 नहिंपेसवाकहनलगेजन॥३०॥वाजिराय
 भयेबालासुतमामकजनकपेसवानयबुत

॥ श्रीपतिरावमरे प्रतिनिधिजबतुमपंचनह
भरीजसकियतब ॥३१॥ श्रीपतिकी तब मुक
रख्य सचिन्नगतिबाजेरायहिंदई छत्रपति ॥
अंकछापजिमखनितउघारे सोतुमसुनहु
गद्य करिसारे ॥३२॥ स० ग० ॥ श्रीसाहूराजा
छत्रपतिहर्षनिधानबाजेरायबालाजीपंडि
तप्रधानराअंकछापमैखुदायहमारेपिता
पैसबाबाजेरायछत्रपतिनेमुख्यप्रधान
कीने ॥ अरुउनकेदेहांतकेअनंतरश्रीसा
हूराजाछत्रपतिहर्षनिधाननन्हांजीवाजे
रायपंडितप्रधानराअंकसितारेअरनेछा
पमैखुदायदीने ॥ तदनंतरजबछत्रपति
साहूपरलोकगये । तबपनालागढसोपितृ
अकसंभाकेपुत्रराजारामअयकेसितारा
केअधीसभये ॥३३॥ अबवेहीअंकनईछा
यमैराजारामकेनामसहितखनाये । सोसब

रा.
१०

महरजः
३६

इत्यादिकत्रभ्युदयकेफलतुमपंचननेप्रसं
सापूर्वकमिलाये ॥ तुमहानेहेदराबादकेनबा
बनिजामनमुलककोजेरकरिरुंपेय्येमेसि
कात्रपनेत्रककोखुनायजागीरीपटांमिहं
राबादहापड्डोउनकोंदिवायबंदगीसितार
कोकराई। अरुगुजरानकोमालिकनामागा
यगनालभाठिहजारसेनाकोसिरदारफिराऊ
मयोताकोंकेकरिदडलेरुगुजरातकोंप्र
पनेंप्रधानबनाई ॥ ३४ ॥ तुमारेप्रतापतेडू
त्यादिकत्रभ्युदयकेसिसबननेंसितारको
कुमारिकेश्वरकह्यो। तिनकेरुद्विगियंससरा
जाकेराज्यमेंस्वामिधर्ममन्त्रिकोनरह्यो ॥
असोअदिमश्रीमतकोसुनिहुलकरनेंदया
शमद्विजकेपरायेंदलदिखाये। अजकहीको
टादिककूरबुंदोससोवेरकरेसोपापिघुपंडि
तरामचंद्रकेसिखाये ॥ ३५ ॥ दो ॥ सुनतपत्र

श्रीमंतकरिरामचंद्रपंरीस। सज्जितहिंदुस
थानपरकिर्नोडुलकरईस॥३६॥ कछुदिन
पहिलेनन्हसैरामचंद्रकहिबत्त॥ संध्याको
अधिकारसबद्धिन्योपिसुनप्रमत्त॥३७॥ नि
दाबद्धरिमन्तारकीकहिकहिकितवकुठार॥
अप्यहिहिंदुस्थानपरडुवमालिकडुसियार
॥३८॥ अकलाकोयहकपटलखिनन्हदयो।
सुनिवारि॥ कियतयारमन्तारकंहवलिबिसा
सबधारि॥३९॥ राजीरासटवातबहिडुलक
रनिजडमराव॥ दसहजारदलसंगदेपठथो
अगारुचाव॥४०॥ अकवीतुमपहिलेचल
डुडुडुहिंदुसथान। चातुरमासबितायहम
आवहिंकटकअमान॥४१॥ तबसटवाइर
कुंचकरिलंघिनगरउज्जेन॥ आयोसुनिदिस
दिसउठियअदकभूपनयेन॥४२॥ इतिश्री
वंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदश

१०

३५

मराशो उम्मेदमिंदचरित्रे चतुस्त्रिंशो मयूरः ॥
 ३५ ॥ ३५ ॥ ३५ ॥ ३५ ॥ ३५ ॥ ३५ ॥
 प्रा० मि० ॥ पा० कु० ॥ इतकोटापतिको बहिराथो
 बुद्धियल्लज्जकुशावहप्रायो ॥ दि० घ० रा० तोपन
 रनमं द्वियखो मन्तरा कपिसिरकचुखुर्वदिय
 ॥ ल० र्गो क० ह० न० से० स० दि० ग० ज० ग० न० वि० र० च० द्रु० वा० द्रु०
 ज० ना० स० वि० र० च० न० ॥ इ० न० को० बी० ज० र० हे० छि० ति० जी०
 लो० र० च० क० च० न० ह० मे० न० हि० ता० लो० ॥ ३॥ दि० स० दि० स०
 यहकोलाहलच्युतबुद्धियद्मविन्दियहले
 लसुता ॥ नहिं चूपतदपिकव्योच्यंतरहल
 चालुककायथहल्यचलाचल ॥ ३॥ अ० व्य० ॥
 सोलंगीसंग्रामसिंहजोगउरनंदनकायय
 मीगीरामकठेप्रिकरननिकंदनमारिकरन
 च्यपरमारिनिवारसमसेरन ॥ दि० र० न० कि० य०
 दालेलिभज्याभीरुकतजिडेरननेनकासम
 लियरुकिइनतवसुजायकोदारहियकोदि

सहिं। द्रुतकटककरुभोरश्चनद्रुमकहि
य॥४॥ दो॥ गोबुंदियनुमंकेहेंआयोरखत
लुदाय। नचबिनुंवरनबादुरतसत्वरदंडुस
दाय॥५॥ दुजनससुउत्तर दयादिवसभीरंके
एन॥ कछुककालुअनैरहडुसदवाअतससे
न॥६॥ राजोरदरकुंवरचिकोलासनलाहदंड॥
दुतपडुंअओअजमेरदिममंडतअमलअखंड
॥७॥ खत्रीकेसनदासंकेपर्यसटवापत्र॥ वरु
त। सिंहसनबैरतुमअनुचितकरहुनअत्र॥८॥
कूरमप्रतिकेसकहियवजततुमहिंसलार
॥९॥ जोर्चाहहेंअवजंगताढहिहेंसबदुहार॥९॥
शुनिराबहुश्वरिसिंहहमरहदुनभयमानि॥
लिनअदुयनमरुपालसौबुल्योनलरनबानि
॥१०॥ अरज्योदुतचगवतेसहसटवार्नातिसु
नाय॥ अंशुनिपुनिदिलियकअकवालिसेने
तबुलाय॥११॥ दुलकरकोयहसुनिद्रुकम

तबनबावडोरितत्त॥सय्यदखानसलावतडुप
 च्छोदिलियपत्त॥१०॥कुमहिंजानिसहायक
 रामसिंहमरुय॥केसवहटिरोवयोकुलह
 इहिंकारनवकुलाय॥१३॥सम्मतिहरगोवि
 रकीलेकचंथनपराम॥कुमहिंअक्रिययके
 सवहुहेयहरवामिहराम॥१४॥माधवअरुड
 मेदसायाकेपीतिअजस्रहनेप्रावतजात
 छदयनंगयेदुमयस्र॥१५॥कोउकवत्रफेरवक
 रिनिपिताकीलिखवाय॥तेसेहिनिरिसेकु
 मकादिनोबिदितदिरवाय॥१६॥सुन्नखिय
 अजयसिंहमुवमनीसत्यहिमुद॥बुद्धिसभा
 अंतरबन्योकेसवअपरकुद॥१७॥केसवअ
 क्रियजोरकरइतरनकोछलएह॥असुकी
 जंतनुअंतरितनिकसेजोममलह॥१८॥अ
 नीतदपिनमाहसुखसुनदुरमन्युहय
 करिहददिनोकेसवहिंपापीगरत्वपिवाय

॥१९॥ बुल्योतं हं जयमिह सुवहेपामरमति ।
 हीनः ॥ मिलितं हीमल्लारमैरं वरुं जैपुरकिय
 र्शन ॥२०॥ न्यारिपरमानसोदरहिं हृद्दिहिं बुं
 दियदेस ॥ कितवदिवायं प्रसभकारिवाकोफ
 लसहिएस ॥२१॥ कहांसहायकतवकुमति
 मूररखवहमल्लार ॥ वाहिषत्वावनप्रानत्रव
 बुल्लहुक्यौ नलवार ॥२२॥ सुनित्रप्रकियके
 सभसुप्रतिस्वामिहनें जवदास ॥ त्रताकोन
 द्वितीयतं हं गिलतसिंहत्रजग्रास ॥२३॥ वि
 सवकैसत्रध्यानकरिपुनिपुनिविरचिप्रना
 मगहिभाजनपिनौंगरलरतिप्रच्युतहरि
 म ॥२४॥ लितजहरत्रावतलहरनीलनहर
 यदुभासि ॥ विनुत्रागमजोदेतविखसोपाव
 लश्रुतिसासि ॥२५॥ इमकाहिदुकधटिका ।
 अत्रधिं केशवद्योश्याकाय ॥ बहुलश्रिनिता
 कोविभवलाडकूरमलाय ॥२६॥ आयोजैपुर

कुम्भइममंत्रीपदुनिजमासि॥सुवायहृवद
नातिसुनिविविधलिखियविसतरि॥२७॥
सुनिदुलकरश्रीमंतसौत्रकव्योयहृवपराय
॥हृवपरायलिनिंद्रुकमविस्वनजैपुरलाध॥
२८॥दुलकरहृवुरुनरुपुनितजिगसितारा
तत्त॥सकहयनमधृति१८०७चैत्रसितपुण्या
पत्तनपत्त॥२९॥तनयस्वीयउपवीततहंब
लिनिजअनुजविवाह॥पुण्याक्रियश्रीमंत
प्रभुअतिहितउभयउच्छाह॥३०॥महिमानी
उमेदकीबहुश्रीमंतवनाय॥प्रीतिसहितअ
नुकूलपनदिनदिनअधिकदिरवाय॥३१॥रा
मचंदकैकथितकरिसंध्याकोअधिकार॥अथो
खालसैकिअथवताकीअसजमलार॥३२॥
ष०प०॥सुनदुनहृहमअगलियउमालवज
वननसनतवपत्तनउज्जैनमहाकालैसनि
केतनपरमारसुअनहंमैरुसंध्याराणजिय

॥ ती न न त जि हिय गं रि स त्य इ हिं री ति स प थ
 कि य इ क चित्त स्वामि कारि ज कर हिं अ रु जो हो
 व हिं काल बसि तो ता स सु त न जी वें सु जन हि
 य ल गा य पा लें डु ल सि ॥ ३३ ॥ दो ॥ यह करार
 जो मु खि अ रु च लि हे कु म ति कु चाल ॥ ता हि
 म हा कालि श्च र इ प्र ग ट कर हिं पे माल ॥ ३४ ॥
 ह म रें डु व संध्या य ह सु जान त तु म डु अ जै य ॥
 रा म चं ड क थित करि संध्या न हिं अ प मे य ॥
 ३५ ॥ ल प्प य पे स ठ ल क व त बं दे म लार वि च्च ल
 कि र ॥ संध्या स न श्री मं त लि य से ना प ति ति हिं
 र कि र ॥ ३६ ॥ पा व कु ० ॥ डु ल कर को श्री मं त क
 थित किय संध्या ज या ल गा व न नि ज हि य ॥
 ना म च मार गौ द त स प त्त न अ य उ ता हि म ना
 व न अ प्प न ॥ ३७ ॥ ले ति हिं स ग ग ये थु र य ज
 व र चि य मं न डु ल कर संध्या त व ॥ हिं डु स थान
 मी हिं अ प्प न डु व स्वामी न न्त यार किये थु व

॥ ३८ ॥ गद्योपरंतु उहाँको बहुतर वित्तहायनि
 करामचंदकर ॥ जीनरहें अप्पन बसय हथन
 लोकरें दिवहु दुष्टुष्टुपन ॥ ३९ ॥ यहत बहु
 दुंन नन्ह प्रति अक्विय आहिक कर अप्पन
 करर क्विय ॥ श्रीमंत दुयह अर्जमनिनिय
 हिंदुसथान अधीन दुहुंन किय ॥ ४० ॥ दो ॥
 तबने हिंदुसथान की खरनी को कर सब ॥ दु
 लकर संध्याधीन दुक् आहिक पित्त अखर्व
 ॥ ४१ ॥ सिकवदेन श्रीमंत पुनि संभर डेरन
 आय ॥ तरजनि वेदे हसतुरग कर दी दुक् अ
 तिकाय ॥ ४२ ॥ मूरवनमनिन अनधे दुक् दर
 सिरुपाव उदार ॥ दिनी बुंदिय सिकव दुक् क
 रिसंभर सतकार ॥ ४३ ॥ सकसुनिन भव सुहुं
 दु १८०७ समसावन पंचमिस्थाम ॥ बुंदिय
 आयो करि विजय धरनी पतिनि जधाम ॥ ४४
 ॥ इति श्रीवंशभास्करे मन्नाचं पृथ्वरूपदशिणा

यनेदशभराशोउभेदसिंहचरित्रेपंचत्रिंशो
 ३५॥भयूरवः॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३
 प्राग्मि॥दो॥कोटापतिसंकल्पसबकरे
 नियतिप्रतिकूल॥रामचंद्रसनहितरथो
 मोहभयोसुसमूल॥१॥पलदायोजगतेस
 एनिसावधानद्ववर्सेहि॥बुंदीपठयोकृष्ण
 बलिभजिसुपराजितभोहि॥२॥जैपुरसम्म
 लिपुनिजुरनगोकरनप्रयान॥वरज्यो
 सटवाकुसुमतवथकिर्बेगनिजथान॥३॥
 त्रैपेअनुचितद्वरगकिर्बेजडकोटेस॥
 नफल्योउद्यमनेचकोभीकरहोअवसेस
 ॥४॥उदयनेरसनरानइतदयारामद्विज
 संग॥पठयोदोकाउपकरणअनुसरिप्रीति
 उमग॥५॥हाटकसारवतिउभयहयमदक
 लङ्कमातंग॥सूचीसुखसिरपेचइकडुव

सिरुपावसुरंग ॥ ६ ॥ दौंकाकोयहसाजदिय
 द्यारामद्विजसत्य ॥ परंपराहसत्तरपुनिसु
 नियेरामसमत्य ॥ ७ ॥ अगैसुपुद्रुसुभादरु
 तनुपनारायनदास ॥ रनरानारतनेसकी
 दारोदुसहचास ॥ ८ ॥ मंडुपुरपनबाबकोह
 कामदलियमारि ॥ संभरकोसीसोदतवव
 दुआसानविचारि ॥ ९ ॥ पा० कु० ॥ प्रथमराज
 संग्रामभीरकरिबाबरकोबहुकटकहन्यो
 रि ॥ चारिअमान्वालीसघायसहिबिजय
 कियोबुंदीसधर्मबहि ॥ १० ॥ इकामुगलयह
 पुनिमार्योअपनेसिरउपकारविचार्यो ॥ अ
 नसहितयहमंनशनकियविनईपुनिबुंदी
 सहिबुलिया ॥ ११ ॥ तुमहमतेककुमेदअइ
 प्रतिइच्छतलेदुरकिवनिजउमति ॥ रचित
 वनभकह्योसंभरपुद्रुपहिसरवगाकोसदुव
 प्रेसदु ॥ १२ ॥ बिरतीनहायनबिचलैहंतव

तुमपरहृदुनहितवहं ॥ भजदुप्रथमविज
 यदशमीदिनपुनिगुनगंगिदिवसश्चाद्
 वहुन ॥ १३ ॥ वरसगंतिदिनवहुगिपदावहु
 ताहमहेतगिनंतुमरोवहु ॥ यहनृपनमगम
 स्वीकृतकियश्चवरदुप्रीतिरीतिडमबंधि
 य ॥ १४ ॥ हात्कमाजउपतडकहयडकतर
 वारिमुद्विजिद्विमनिमय ॥ इकानिसंगड
 क्विसिरवासनचाराइकमुल्लमितिजाम
 न ॥ १५ ॥ असिपहिसकेकोससहितचहि
 इकसिरुषेचइतेमेजनकहि ॥ तवतैच
 रीतिवहश्चादसोगनहिंनहिंसितनसुहा
 दे ॥ १६ ॥ दयाराभद्विजसत्यरानश्चवर्षका
 संगरादुपठयेसब ॥ बुदिअगनसचिबद्विज
 लार्येविजयदसमिदिननजरिकार्ये ॥ १७
 ॥ दो ॥ उज्जश्चमावसिनिमतदनुचेकीदा
 र्जफेरि ॥ तारागढसनकडिगयउहरजन

वह छल जोरि ॥१८॥ इतदक्खिनप्रबुद्ध
 भयमुनिनमधृति १८०३ इसमास ॥ इलकर
 संध्यासज्जहुवलगिदिगविजयहुलास ॥१८॥
 ॥प०॥ विजयदूसमिदिन वीरसेनहं किय
 सागरसमसंध्यातहं इलकरहिं कहिय कछु
 कामगेहमममैचभागों दाप्रवेशिवह करिहु
 तथ्यावत ॥ अथपुत्रलहु इतअगप्रवनिम
 चुनंअपनायतयहकहिजयासु गयनिजन
 गरइतमलारहं कियकटकदिसविदिसवत
 फुदियहुसहचरहिं कानदक्खिनरटक ॥२०॥
 इलकरहुतहुतहं किलविचमलिइतअ
 यउदुनसुनतहुं दीसजायससुहुगुहलाय
 उअरुहयनमधृति १८०३ अथमासअगह
 नपरवउज्जल ॥ हुहुंननैनवाजायबिदिती
 पनकियकनलतवसदलेलसुतकुशाव
 हअंतहपुरतजिमज्जिगयहुहुहुमलारता

क्रीतियनपठद्वीपीहरविरचिनय॥२१॥ दो॥
 नगरसमीधीनेनवाकरउरएसबलिनाति
 नमंनृपबुंदीसतबअमलअपनीकिन्न॥
 २५॥ इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेद
 क्षिणायनेदशमराधाबुमेदसिंहचरित्रेष
 द्त्रिंशोमखः॥३६॥ ३ ॥ ३ ॥
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 प्रागमि॥निश्याणी॥ इमसुतभीरुहलेल
 कातजितियनपलायाताकेदेसअसेसमे
 नृपअमलविधाया॥पुनिडुलकरसंभरस
 हितअमरखउफनायाखनीकेसवबैरपेज
 यनैरचलाया॥१॥ फहीपन्नगसंकुलीफन
 पलादिफिरायाखुलेनेनमहेसकेनवमाल
 लुभाया॥लग्गावावनसंगहीरनकोतुक
 आयाजालवनायाजुगिनीकरतालवजा
 या॥३॥ गिद्धनिचिल्लुनिगेनमैंगनकेगह

कायाधरिविलगीमानुकेसबमानुछिपाया
 ॥ शृंगमचकेमेरुकेधरखंडधुजायाहाकन
 कीषनकीमचीइलडाकलगाया ॥ ३ ॥ सुनि
 आवतइफिरिनकटककूरमअकुलायाहु
 तकमारहुदीसपैलिरववायपदाया ॥ छंडी
 छोनियरावरीहमसामबनायाहुलकरस
 मालिहोयच्योअबददउपाया ॥ ४ ॥ किनी
 प्रथमकरारजोनेहनेकमितायाअबकेसे
 अपराधपैमह्वारकुपाया ॥ किसकप्रायसनी
 कियाहुमभारिगिरायादासतइपिअमैरका
 इनकाननसाया ॥ ५ ॥ अगैरचकदीसैपैअ
 तिदंडनगायासमुकावहुतुमसंभरिहुलक
 रहअथाया ॥ एकाकीअबअपकाअबलंब
 बनायाएकमारअमैरकामुनरीनसुनाया
 ॥ ६ ॥ विनयभैसुनिबैनएसंभरसकुचाया
 मंत्रविरचिमह्वारनेहियगूढरकुलाया ॥ ७ ॥

लकर अकरी भूपत नहिं बेसि साया दकिव
ननिहा अदरी बलिदपवढाया ॥ ३ ॥ सारत
कसवदासको उनबेन लगाया जिहिं बनेते
बुदीसचहु रिचउदेसगुमाया ॥ सोइ कुलकर
नराकही अच अंतक आया असे कहि अप
राय विनु पदु सचिवन साया ॥ ८ ॥ ताहि के
हुहुहे सपेइ लमे बलि आया भारन कानहिं
मंत्रपे अलिदपवकाया ॥ याते रुपय दंड
कांलेहे मनभाया बुदापति मुनि बेन अपति
बेन लिखाया ॥ ९ ॥ करम लसतु मरे कहहु ल
करम मुमाया पेपिसु नन कामनि के लुमदप
दिरवाया ॥ याते आयसनन्ह कालहि कटक
चलाया कसवदास बिना सकाइन ओ गुन
गाया ॥ १० ॥ सारन कानहिं मंत्रपे धन लेन थ
काया प्रत्यागम इच्छे नही एह हर आया ॥
याते अप्यहु अप्यहु दमदम सिवाया लेति

नकाँतरिजाँहिगेदलरगचदुगनाया ॥११॥

एकगारकुरमसुनतडतमंत्रउपायदेनाँद

नचचितकरिलरलचितलाया ॥अकुर्याद्वि

यीदिंदसौरनहेमनमाथवीरनबुल्लहुकु

हेनलरुजहुसुहाया ॥१२॥ कुरमयाकीकुर

कारकुरीकुरिजायायातेंहरगोविंदहुअवस

रयहपाया ॥बुल्लोमिरेजिबुमंदललकवस

जायजवच्यहेतबलीजियेभटसंगरभाया

॥१३॥ मरहदेमनधीरुहुजवबाजिउठया

तबहीपायनलमिगिहेआदकअकुलाया ॥तु

मत्रांभेरअर्धासुद्वैसिरठनधरायाविअनु

अरहिजदीनकाइतअतसिरवाया ॥१४॥

पिअमंगनहारकामिनअवनरवायाते

पुहुकोपहुचैनहीअसिवासदराया ॥कहा

जेठदिनकरकहांखघातखिसायाकहांसि

हगजगिपुकहांकिरिदुबलकाया ॥१५॥

कहिकहिहरगोविंदइमकूरमचहिकाया
 हगिनारायनपुत्रनिजपरवपुत्रमिखाया॥
 सबजेपुरपतिकेसुमत्सुतसंगदिवायासे
 खावादीमुलकमेंपहिलैहिपयाया॥१६॥
 अछेतीपतुरंगगनसबतत्यचलायाकूर
 मजबमंथो कटकमंडीतवमाया॥मोहिग
 लकडकडनाकहेयहछुआयादीविन
 काउतपत्रंइबलवेगबुलाया॥१७॥अथ
 जितनेअंतरगइमदिवसगुमायाइतते
 दुलकरहइनुपदरकुंचचलाया॥जैपुर
 तेनयकासुपनिजदलउतरायाजिलिज
 लानाकुंडपेगडालरुकाया॥१८॥नहानी
 तबसचिवनिजकठवाहबुलायाबुल्यो
 तेनवजबमेंदललकववताया॥चाकोक
 डुडुयारअवअरिअंतिकप्रायाविनुउद्यम
 तेरकहेंदिनबीसविताया॥१९॥बुल्योहर

गोविंदतवतुम आखुलगायातिनकदीप
 मजेवप्रोबलसबबिखराया॥ नदानीयह
 जंपिकैनिजगेहपलायाइतआमेरप्रधीस
 कांप्रवत्रासद्वयाया॥२०॥ हयत्र्यवरधृति
 पोसबदिनयमीदिनपायातासनिर्सांकजा
 मज्जुगनूपनिद्विगुमाया॥ जानीबनिकवि
 रोयकैमानिबिगरयाइमकूरमअलिनि
 कैमरनामनलाया॥२१॥ कुनैंगरलअम
 नदकमतिमंदमगायासुतोताकोपानकरि
 दुवनेनमिचाया॥ काहूनहिंजानीयहेभृप
 नैविखखायारवातसमैइकपत्रमैइमअ
 कलगाया॥२२॥ सुनियेसंभरप्रातजेअनु
 चरनउयायाइश्वरलेहमितेनहीजुगजु
 गजेगाया॥ यालकेसवदासकोपायासु
 द्विपायात्रैसैलिखिआमेरपतिइमैवरनि
 हाया॥२३॥ जानैसचिवनप्रातजबपुरद्व

लमायाइतरवंडुडुलकरतनयनृपडेरन
 च्याया॥ अकवीचडिअपनचलेमटलेम
 नभायाबाहिरतैलखिप्रायहेपुरसुनतसु
 हाया॥ २४॥ सहखंडनृपसंभराचडितब
 हिचलायासंगनयेभटतीनसतनिजपर
 खगिनाया॥ जैपुरवेप्राकारडिगरहितुग
 विहायाडकाअटाचडिकेसकलपुरत्याह
 गलाया॥ २५॥ जैसेजैपुरसिल्यमतजयसि
 हवप्रायामेदीकेडकअंगतेकहिभिन्नता
 या॥ अहदूरमसचिवनमुनीदुर्वदखनया
 यातवपुरदकियनवारकाहुतअररखुला
 या॥ २६॥ सिनिकाहगोविंदचडिबाहिरक
 डिधायाभियाधरत्याहोचडिदुवमसुरक
 लाया॥ आयनिकटबुंदेससांसवहत्तक
 हायाजैसीविधिगतर्त्तिमेंनृपगरलचढा
 या॥ २७॥ दोहसचिवनकोसुनतइनसप

थकरायातवसञ्जीगिनिसेनमेयहृत्तपयाया
 ॥सोसुनिद्रुलकरसेनलेजेपुरद्विगन्ध्याया
 करिमुकामप्राकारतदनिजथूलतनाया॥
 २८॥ इतिश्रीवंशभास्करमहाचं पूरुचरुपे
 दक्षिणायनेदशमराशावुमंदसिंहचरि
 नेसप्तत्रिंशोऽ३ मयूरवः॥ ३ ॥ ३ ॥
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 प्राणमेवादि०॥ पौसत्रसितदसमीदिवमड
 मजयपत्तनत्राय॥ पुनिप्रबंधत्रपुनोकर
 नलियबुंदीसबुलाय॥ १॥ अकवीतुमजा
 वद्रुनृपतिलखिपुरराजनिकाय॥ अंतह
 पुरुतत्रपुनो जामिकदेद्रुजमाय॥ २॥
 तवपुरअंतरजायनृपधरिचीकीसबुदाम
 ॥ कहियत्रायमत्सारप्रतिभयेनृपद्विरखदजाम
 ॥ ३॥ उचितदाहकछवाहकीअपुनविलं
 वविधेय॥ इतकालरंकरहेश्रुतिअकरव

तसुहिश्चय ॥ ४ ॥ पाकु ॥ सुनिहुलकरक
 सुसोकसाहितहुवै जेपुरसचिवबुलायैव
 हुव ॥ हरगाबिंदबहुारविद्याधगतिनहिक
 सोहाहहुनृपसत्वर ॥ ५ ॥ तवतिनअरज
 मलारहिंकिनींकोकालुमअपनधरिदि
 नीं ॥ कोससबहिंनहिं हत्यहमारै किहिंवा
 सनउपहारनिकारै ॥ ६ ॥ इनअक्खियह
 मसनलैजावहुनहिंनिइसकिमकोसरु
 लावहु ॥ यहसुनायनिजकोसनतैतबसा
 मग्रीहुलकरपठइसब ॥ ७ ॥ ताहिसंगब
 निकरुविद्याधरलैतबउमयगयपुरअंदर
 ॥ राज्यबडाकसुकामनआयोहुलकरतैखं
 पननृपशयो ॥ ८ ॥ दो ॥ महलनबिचनि
 कुदरुचिरजयनिवासअभिधान ॥ किन्न
 हाहकलवाहकोतिहिंदिगबिहितविधा
 न ॥ ९ ॥ बिगरीइश्वरिसिंहमतिचरसइक

पहिलेंहि॥ सुपडुरामसोपेसुनदुनरकञ्ज
 इमकेंहि॥ १०॥ मत्तमयो जयसिंहसुनजे
 पुरगदियपाय॥ खाननामडमपालडककि
 नोसचिवबढाय॥ ११॥ जवनवहेउनमत्त
 मोनूपकोहेतनिहारि॥ अतिअनीतलसो
 करनपरनारिनघरडारि॥ १२॥ कुरमआम
 वपानकारिइकदिनबुल्ल्यावाहि॥ महिर
 श्रीगोविंदकचितकडुमंत्रनचाहि॥ १३॥ वा
 वरज्योइतरनतदपितंहकिर्वाकुम्भअजा
 ना॥ आधीरनकहल्यतेपानकरसकोपान॥
 १४॥ पुनिवासैंगलबाहंकारिफिस्योनिरकु
 महेय॥ जवआसवमदउलर्योसोथोतव
 सठराय॥ १५॥ निवाकान्तिइकदैथिषववा
 रिसंभुवनाम॥ माडुवढायोसचिवकरिदे
 सिविकागजगाम॥ १६॥ अंत्यजन्नाकअन
 कइमरकरडिगपदुजानि॥ मर्योसुकूरमले

१०

गरलप्यं हं हं किवेन मयत्रानि ॥ १७ ॥ बारना
रिद्रुक्कामवसमन्नातियकारिमेल ॥ सांद्ज
शरचिसहगमनजयनिवासगृहवैल ॥ १८ ॥
दूर्जेदिनद्रुलकरतनयकिनीं गंडुवचत्त ॥
कूरमगृहसुंदरसुनतपातुरिबहुगुनरत्त ॥
१९ ॥ लसिन्ध्रीतिनमां हिसें चुनिचुनि
कल्लिमंगाय ॥ घरहमभुगनरकिवंहंगि
नतसमर्थनन्याय ॥ २० ॥ यहउदंतप्रवरो
द्वयतसुनिपातुरिभयलग्नि ॥ एकादसि
वासरजरीरकादमलहिप्रग्नि ॥ २१ ॥ ग
निनद्रुयहभयसुनतद्रुकगृहसोरविचाय ॥
प्रथनीबन्धारी उडुनकीकारनप्रानबिलुका
य ॥ २२ ॥ लवप्र्यातुरनाजरजननप्रकवी
वाहिरप्राय ॥ जानवनेसत्वरजतनरानीज
नउडिजाय ॥ २३ ॥ प्रायद्रुलकरमंगयंहंसा
धर्वकेद्रुवकील ॥ बनिककन्हकाविदबहु

रिक्कुरमप्रेमकुसील॥२४॥तिनयहसुनिधुं
 दीसप्रतिश्रकथोश्चुचितकर्म॥भूपसुनत
 अतिकोपभरिधख्योत्तरनमदधर्म॥२५॥
 षण्य॥असनायितहरिश्रंगमनहुंविच्छि
 यश्चलमारियसागरसापनश्चसहश्रंरिज
 नुकपिलउधारियकालीमनहुंकरालसुंम
 उपरनिस्तल्लिनिय॥दलनजंमदंभोलियक
 रिपलत्योकिस्तर्जोप्रियश्रीबलधरकिसिसु
 पालकेअतिमश्रागसुज्जलियद्वमभूपसु
 नतरवंदुवश्चनयकररिषुच्छुल्लियबलि
 य॥२६॥सुनहुबलमल्लारसहामिच्छनउर
 अथनपठयेतुमपुण्येसधर्महिंदुनदृढश्रुण
 नश्चनयश्चजइकसुनियतनयभवहीयक
 हतयह॥नृपजेंपुरपतिनारिगेहडारहिंके
 रिश्चगहसबशामलज्जएकहिंसुमिश्चब
 खंडुववरजनउचितउनमांहिंहमहुनहिं

लोअबहिहडुनहियतुमतेनहिता॥२७॥
 हो॥हेहमरीबेटीबहिनिउनकेआलय
 माहि॥त्योहीसमकुचुतुरतुमउनकीहम
 घरअहि॥२८॥अज्जविपत्तिजुएकवि
 चसोदुजेविचसोहि॥मनुजनकोजबत
 जमरनतोपरअवसरकोहि॥२९॥हमसि
 यतुमआसानकियइनपरडारिचपेट॥
 जोसमुकुडुलतधनहमहितोबुदियवह
 भेद॥३०॥यहअनीतिजोनीतिकरिमने
 हमहुप्रमत्त॥अखिलदिरवावेअंगुलि
 नाविकरअविकरकहियत्त॥३१॥धरमच
 लावननयधरनतुमसहायभुवलीन॥अ
 धरमकरिलेवोउचितपाकदमनपदवीन
 ॥३२॥सोदरतेहुसखाअधिकसोकूरमलु
 यरुहर॥यातेसंबुवमातवेतिनकोतकृत
 कूर॥३३॥नृपतिअखिसखीनिरखिजानी

यह्मरिजाय॥ हितकरिडुलकरहडुकोलि

नौहदयलगाय॥ ३४॥ कालदेसब्यालीचक

रिचितधरमदुहचाहि॥ तस्योअपुनपुन

कोसंभरनृपहिसिराहि॥ ३५॥ इतिश्रीभ्या

भारकरेमहाचंपूररूपेदसिणायनेदशाम

राशाकुमेदसिंहचरिनेअपुनिशो ३६ मयू

रवः॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥

३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥

प्राग्मि॥ ष० प०॥ पुनिअकिवयमल्लारप

विसिजेपुरबुंदियपतिशूरमसचिवनकह

डुमोदरकरवडुचाशुडुमतिप्रकदजायप्ररु

काकुम्मनृपतियनकहावडु॥ धन्यसतीतु

अधरमसोहिहमतियनसिखावडुककुवी

धहीनरवडुचकहियआगसबरवसडुमो

हियहनिजनाथमित्रममसिरनिडरसास

नकरडुसरवीनसह॥ १॥ दो॥ सुनिडुमह

इ. न. रे. स. त. व. बि. स्वा. से. स. व. जा. य. ॥ अ. क. र. वी. ड.
इ. न. नै. क. अ. व. ह. म. तु. म. सं. ग. स. हा. य. ॥ ३. ॥ त.
ब. हि. पा. य. बि. स्वा. स. ति. न. प्र. ति. उ. त्तर. दि. य. र. ह.
॥ ४. ॥ प. का. र. हि. अ. प. का. र. य. र. नृ. प. तु. म. कि. न्न. स. नै.
ह. ॥ ३. ॥ स्वा. प. ते. य. अ. व. द. ड. को. म. ग. हि. य. ह. म.
ह्वा. र. ॥ क. लु. क. थ. य. व. द्ज. त. न. क. रि. सो. पे. सं. भ.
र. वा. र. ॥ ४. ॥ कौ. टि. पं. च. कु. ल. क. र. क. हे. ले. न. द.
म्भ. ह. ड. ला. य. ॥ बु. ल्बो. तं. हं. नृ. प. क. रि. वि. न. य.
जु. ल. म. र. स. ह्यो. कि. म. जा. य. ॥ ५. ॥ ब. द्ध. त. बे. र. ह.
कि. व. न. द. ल. न. कू. र. म. दं. डित. की. न. ॥ ल. खि. अ.
स्व. व. सु. ली. जि. ये. इ. ह. गि. नि. नि. ब. ल. अ. धी. न.
॥ ६. ॥ का. रि. ज. पर. ख. र. च. ल. क. ला. मू. ल. हि. र. कि.
सं. ग. ॥ अ. प्र. थ. प. दु. न. की. रि. ति. य. हे. अ. क. र. वी. ह.
इ. न. अ. ग. ॥ ७. ॥ क. ला. ब. द. ह. त. पु. नि. मू. ल. क. रि.
मू. ल. मि. त्तं. सु. मि. ता. य. ॥ जै. से. र. ज. का. मू. ल. जु. त. ल.
थी. न. पु. नि. ल. ह. रा. य. ॥ ८. ॥ जा. ती. पु. नि. व. सु. उ.

पजहिंश्रीसोरकिवउपाय॥अकवहुदमभुद्धा
 उचितहस्तजिहुलकराय॥६॥हममबहिं
 आसानयहदेखहुमक्तिउदार॥कुल्याजल
 होयनकबहुपूरनपारावार॥१०॥तबनिहारि
 भूयतिविनयकालदेसअरुकाज॥दम्पकी
 दिहुकदंडकरवेहुलकरराज॥११॥तीन
 अंसुश्रीमलकेचोथोनिजकरचित्त॥असे
 क्रमअधैरसतबंदनमंग्यवित्त॥१२॥कति
 कदम्पमनिगनकतिकभूखनकतिकनवी
 न॥कारिकिसमतिगजहयकतिकदंडमोहिं
 तबदीन॥१३॥बारीसंभुवरसानबलिपीलु
 पालपकराय॥दम्पधरेतिनमैवयेहरपेदि
 दकहाय॥१४॥कीलिलतबदेऊनकरिलेल
 कवनहडलमि॥कीदिअंकपूरनकेयउप
 कटलोभवसपमि॥१५॥हुलमाधवकहुअ
 स्वभवरवेदउदेपुरवारि॥पत्तोपलनरामपुर

पायपरमानचारि॥१६॥निजपतनीरद्वोरि
लियेदीहदलचक्रधारि॥कूरमउद्ववतासकि
यक्षप्रभुममासुउत्तरि॥१७॥यातेदुलकरसंग
इतश्यायोनीहंकववाहाकन्हरुपेमवकील
दुवलरवजपदायेलाह॥१८॥षण्ण॥ईश्वरि
सिंहनिपातसुनतदुलकरदलमुकालिष
स्त्रियमाधववंगबन्धिपत्रसुश्यायेचलिसंगा
नेरसमीपरह्यो कतिदिनमुकाम करि॥बारह
दिवसवितायगयेजयनेरगर्भभरिसुनित्रा
नकटकजयपुरसहितबुंदियपतिदुलकर
बलियजह्वनरसरंडुवसजवहत्यिनचदि
सम्भुहहलिय॥१९॥दी०॥जह्वनृपगीपाल
जहंनगरकरोलीनाह॥मंत्रकरनमल्लारसन
अप्रायेमिलनउछाह॥२०॥वहश्ररुखंडुवड
कहभंबेरिचलितेहिंबेर॥प्रथमकहलेरहि
पृथककैलतफोजनफेर॥२१॥मिलेपरसपर

मनमुदितसर्बेविहितसतकार॥ इहकृत्तनेकप
आरुहेमाथवअरुमल्लार॥२०॥ इहकृत्तनेकप
मुहूर्तअवप्रविसेनहिपुरपरि॥ अथअथि
सहलकरकहियसंध्याआतवहोरि॥२१॥
पादु०॥ इमकहिनगरप्रवेशकरयोनिजम
हलनमाथवअरुमल्लार॥ इहचाननमल्लार
आदिसवगयेजसेवचोकलगगतव॥२२॥
चहंगजनडेरनपुनिअथैथलिउचरिकाटि
बंधविहायि॥ इहलकरनिजबुल्लेजाभिकजन
माथवअरुमल्लारकियोजयपत्तन॥२३॥ हो०॥
संध्यापुनिगणजिसुतसजिहुदरबुदुरेन॥
जयपत्तनअथैजयाअतिजबहुत्तअन
॥२४॥ गीतिका॥ सुनिकेजयाजयनेरअवत
हहुकरमहुचहेदलमैनकीवनरीरिआरवजा
नसमुहकेपहे॥ सहभूजहुदपुनरुवदुवले
मलारहुसंनम्योइमचारिचकनचालिमा

अथारिचकनमैभ्रयो ॥२७॥ मुदपायमुत्ति
 यदुंगरीतकजायसमुहणमिले सबपुच्छिमं
 गलमाहिंमाहिं बहोरिपत्तनत्योपिले ॥ अरु
 चंदशेरिमुकामअप्यनदेजयातं हंउत्तस्यो
 पुनिमंतमित्तमलारतेंदमवित्त बंदनकोक
 र्यो ॥२८॥ लबहीमलारपन्चीसलकवलयेति
 दीउनबंदये श्रीमंतकेपुनिपंचसप्ततिलकव
 दकिरिनप्रसये ॥ अरुजेपुरेसदुहनसोमहि
 यानिजिभनकोकहीसुनियेमहीपतिराम
 जोडुकव्होचहीडुकनोचही ॥२९॥ देव ॥ दु
 लकरवत्तसुअहरियेसंध्याकियनोहिं ॥
 बुल्योजेपुरदेतविगमिहीकहिरिनमाहिं
 ॥३०॥ हेरिरीतिबुंदीसकीअरंभततुमए
 ह ॥ येहडुअकपटप्रथितगाढकुहकयहगे
 ह ॥३१॥ सोदरकेहंजयसिंहअग्गहालाहल
 अपियमारपुत्ररुमाततदपिपपियननत

पियमानहनियमारुफजलधिविस्वासनिम्न
 अत॥ दुंदाहरकेहोलविदितयाहीगतिबद्ध
 ततीतेनहमहिनिश्चयतुलतसायतहमम
 न्योसकलकछुविततुरगपुनिमेदकरिकुंज
 करवदुबोरिछल॥३५॥ तदनंतरमरहदुद्र
 यन्प्रंतरदूजेदितक्यविक्रयकछुकरनबहु
 तप्रविसेसंकाविततिनकीबंधनतोरिइक
 षडवापुराद्रि॥ सोसेरसाउतसरनचनरह
 बंधिछपाईलसिताहिरुबुल्लिलावनलगेउ
 नतवकारियरवगन्प्रयहहकामचिमपत्त
 नप्रविलप्ररुद्धारनलगेप्रर॥३६॥ सुन
 तसोरगहिसजवलीकपत्थरप्रसिलदुनपुर
 केमिलिमिलिप्रचुरलगेमारनपरहदुनहे
 जनचारिहजारचारितिनकेविभागकरि॥
 प्रसतीनप्रसुहीनभयेलवदुकाथायभरि
 बाहरगयेतिपुरजनबहुतभजतहर्भेदकिये

लभटनबुंदीसकटकत्रायरुषवेकरिकितेक
अतिजवप्रदन॥३४॥ दो०॥ अानतवामी
अपनीदक्षिणलोकप्रदोस॥ अपराधी
जैपुरजननरचो अलीकहिरोस॥३५॥ मनु
जसमर्थनकेमरततक्योमाधवनास॥ भा
वीनिजन्तिततभयोसंततडारिनिसास॥३६
॥ दुलकरराजसमीपहोकुम्भसचिवइहिंका
ल॥ अानबचनपायनपहोबनिकसुकुह
बिहाला॥३७॥ देखिताहिदुलकरसदयबुं
दियसचिवबुलाय॥ अकवीसंमरपासह
हिंधरदुजिवावनजाय॥३८॥ दक्षिणजन
नहितोदुमनअबअपसइअन॥ दुहंतज
नहुंढारकेहनतफिरतरुकिहेन॥३९॥ मय
रामकायत्यतबदयारामद्विजराज॥ पत्तले
बुंदीसप्रतिकुहजिवावनकाज॥४०॥ सं
ध्याकुपितएहसुनिविरचनजैपुरबाधा॥ व

३०

दुमाधवथपियबिनयत्रपियतबन्परा
 य॥४१॥प्रचुरबिललियदंडुनिन्धरुपद्वई
 कहिएह॥यहंभैजदुघायलत्रखिलदाह
 करदुमृतदेह॥४२॥जनहजारघायलजब
 हिदलपदायसबदिन॥तिनसहंसकुषापन
 लरिलकमिडितनिधिक्लिन॥४३॥रादकेगो
 लंदाजइकादिनीतोपदाय॥निजरुनिर्दो
 किनिदेससोजातीरोनहिजाय॥४४॥रुर
 तबन्हिपरफोजैलभ्येगोलकलील॥बहु
 रितासबियहबल्योशूरभसुक्योकोल॥४५॥
 दुंचतबहिदुवसेनकरिसंध्यादुलकरसत्य
 ॥भंकरोरजायहमयेसंगरन्वन्समत्य॥४६॥
 दुजितबहिजयैरध्वसंध्यादुलकरसत्य॥
 गोलंदाजहिंलैगयोभ्रातुरनभ्रउदास॥४७
 दुख्योइहिकियदुकमबिनुहैसपदोसयहेन
 ॥दोऊतुमसागलदमननवनकियैहितने

न॥ ४८ ॥ विनयपिक्रिविदोउनबहु रिदुवल
 क्वहिलियदम् ॥ आगसकिन्नोमाफवहक
 रियकुंचजयकम् ॥ ४९ ॥ आयोतवकरिसि
 क्वइतनिजपुरसंभरनाह ॥ टीकाजेपुरमु
 क्लियरक्विसनातनराह ॥ ५० ॥ इतिश्री
 वंशभारकरेमहाचंपूखरूपेदक्षिणायनेद
 शमराशावुभेदसिंहचरित्रेणकौनचत्वा
 रिश्री ३६ मयूरवः ॥ ३ ॥ ३ ॥
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 प्रा० मि ० ॥ पा० कु ० ॥ इतमनसूरअलीअ
 मिधानकअहमदसाहवजीरअचानका ॥ प
 दयो कटकरचनधमसाननहननफुरका
 वादपडानन ॥ १ ॥ नवलरायकायथसेनानि
 तिहिंदुतजायरारितवतानी ॥ बंगसरवान
 मुहुमहबीबीगजउतहुधरेनगरिबी ॥ २ ॥
 अचलापननहिनेकउधारैराज्यफुरकावा

दसमहारे ॥ नवलरायतिहिंसनकिन्नोरन
 नारिसबलवसतदपिभईनन ॥ ३ ॥ काय
 यतवकरिसपथसंधिकियदेविसारदलता
 सलुदिलिय ॥ वीवीतिहिंदुवभासदरिब
 लिकिन्नोअनिवजीरहितुकलि ॥ ४ ॥ नव
 लरायकायथहृद्योतवसहंसपचासकृदक
 लुद्वीसब ॥ लरियहमीरुवजीरपलायोअ
 तिआतुरदिलियपरआयो ॥ ५ ॥ कडुरुप
 यतिहिंदनकहायेबलिसहायमरहद्वुला
 ये ॥ राजाजुगलकिसेरमदजनवद्वुरिदि
 वानराभनारायन ॥ ६ ॥ एदुवलैनदकिन्न
 नअयिसंध्याहुलकरसंगसिथाये ॥ अतिअ
 वेरिजानिबीवीभयप्रविरीजायकमाऊपद्व
 य ॥ ७ ॥ लहिवजीरसनवरचहुतचबीवी
 बिदनउतहिगयेसव ॥ रामसिंहद्वतधन्व
 धरापतिइकदिनकहियलैनसिरआपति

॥८॥ भट्टरद्वोरसभाजबन्धावततिनकेलोच
 नसोहिडरावत॥ लगतबुरेमोकोसठसारेके
 सोविधिन्प्रबजायनिकारे॥ ६॥ ढड्डीन्प्रमि
 यकद्योबनिसकवीतुमरेजनकयहेइह्प्र
 करवी॥ चंपाउतकुसलेसकद्योतबयहसुत
 अथमभयोतोह्प्रब॥ १०॥ जवडेरनपर
 वायहमारेदुदुकारहेतबकढहिंनिकारे
 ॥ सुहिइनसोकारिवेगबिडारदुकेबिलंब
 तोइनकारिहारदु॥ ११॥ अनुगपरायअन
 यसुहिधास्योडेरनपारिकुसलदुदुकार्यो
 ॥ अरतबचहिनागोरगयोयहमन्थ्योसुनि
 वर्यतेसमहामह॥ १२॥ समुहपठयोविज
 यसिंहसुतजिहितियकुसलवधायविन
 ककुल॥ कथनयहेवरवतेसकहायोअये
 लुमसुजोधपुरप्रायो॥ १३॥ बब्बोतबहि
 दोह्दिसविग्रहचाहेकरनपरस्परनियह

॥ रामसिंहसनसबहिरिसायेद्वतरमद्वहनि
 जनिजघरन्प्रये ॥ १४ ॥ इकबदल्योनरेरदू
 दाउतरह्योन्ननादरदूसहिराउत ॥ सेनाबहु
 रिउभयदिससज्जियबंबपणावन्नानकरन
 बज्जिय ॥ १५ ॥ चलतवेरमृतसेरतुरंगमकि
 यत्तबन्नप्रजदेनहयनृपसम ॥ बुह्योमरुद
 उचिततुमरेहयहेरदुरजककुलालनन्प्रा
 लय ॥ १५ ॥ भीरवमधुरयोरीन्नेचतभरसेर
 सुपैसहिभोन्नप्रेसर ॥ जान्योन्नपमतिमंदन
 जानैपैहमरुमिधर्मपहिचानै ॥ १६ ॥ चले
 उमयपुनिकटकरवेतचदिपटकेवाजिमट
 नहरिहरिपदि ॥ हल्लियन्प्रातु कमीगहजा
 राधुज्जियपहुमिपुरंगमधारा ॥ १७ ॥ हसन
 लगेतुहनदिगदंतिनतुमुलरागसिंधुबहु
 बलंतिन ॥ कंकटफटतवाहकरवास्ननहुड
 नखोजिरचलहरमालन ॥ १८ ॥ हंडनचल

कतिरिबिहिरिमावत आयुधतजिबत्यन
 कति आवत ॥ कतिकनफहतहृदयकले
 जेभिदतमत्यकडुतकडुंभेजे ॥ २० ॥ अंखि
 तिरतसेनितकडुं अंखीमनडुं श्रोतविच
 रोहितमंखी ॥ सायककडुंलगिनाभिसुहा
 यतीपिडुलुलदि कडुवखुविषावत ॥ २१ ॥
 एडीकदि कडुं कउछहतफाकनागरंगक
 जलुफहत ॥ अंखकडुं ककटिकटिभुवअ
 वं विंजमनडुं असिधनवरसावै ॥ २२ ॥ क
 डुं कदंतगिरिरोचिप्रकासैं भूमिमनडुं हीर
 नगनभासै ॥ नयनगडी कडुं सुच्छनिहारै
 मीनबदनवनसी छुबिमारै ॥ २३ ॥ इतक
 डुंरीहकभिन्नउलहतकदलीछदनदंड
 जलुफहत ॥ कडुं ककरतकरतै करभनकु
 लमहिलाजननऊरुजनुमंजुल ॥ २४ ॥
 लीलाकडुं कपुरीततिलोहितसलिलअरु

नञ्प्रलगतनिभोद्विवा॥अवनिलसैधमनी
 मनत्रेसैकुचलयनलघनात्सयैरे॥२५॥
 अशिकतिकपुवत्सतगिरिहमरुचिरपौ
 कनदकीपुदुरोजिम॥विचताराचलच्य
 मितविराजतलखतमंद्मचअतिलज
 त॥२६॥सुनकुङ्कुलोभकलेजाभारतपा
 रत्नलुहृत्पाकप्रकारत॥लोढतसीसकुङ्कु
 लविलयेद्वतनजलुनारेखदुरये॥२७॥
 उरकीकुङ्कुसिरवाकदिशैसैजात्तन्प्रसित
 रिसममकजैसै॥भिरिकुङ्कुदोपवजतञ्चिसि
 भारिकुम्भरिहारिमदिरजनुकारि॥२८॥संत्तर
 हुगिकाधसतसुहानीपिचकारिनहुद्वज
 लुपानी॥लोहितफलकतिरतकुङ्कुडालत
 कम्भविमिसकिरालिलकिलीलत॥२९॥या
 रनिकसिपदिसवविधावतद्वृमनद्वंजम
 लपनदिसावत॥सरप्रनकुङ्कुगिरतसरा

अथ उद्वेगकिपिच्छोरिसिखिप्राश्रया
 ३० ॥ खगकडुं कडुं नखटकावे बडइतरु
 किङ्कारवजावे ॥ दसनप्रटकततेगदुधा
 गेकडुं वनजलुकरकवारी ॥ ३१ ॥ कडुं कडे
 लसिरसो सिरटकरदुवउद्वतजवभिरतप
 शूद्र ॥ कडुं गुदिकागनधसतकपालनज
 लुसिरथाप्रविसतमधुजालन ॥ ३२ ॥ इम
 कतइलीतनुनविदरं भृगपतिबालक
 लाद्यविमारे ॥ तोभरधसतकुंजरनतिकरु
 सैलनवेधवेणुजनुसिकवे ॥ ३३ ॥ जुहइ
 मनागोरजोधपुरशोरिकुसलसेरव्यंचतधु
 र ॥ रवोजनचंपाउतहिंसिजायेअरिदलम
 असेरधसिअथो ॥ ३४ ॥ इकजंबूरलम्याया
 केउरकासिकदयो सुदुसहरीदकफुर ॥ इहिं
 चतमीहलहतदूहाउतत्रायउकठिउतत
 चंपाउत ॥ ३५ ॥ सुजमलतवसेरसहोदरु

ल्यो कुसलद्रुत्रात्प्रातवरासावधानद्रु
 वसेरयहेसुनिपकरिखगसम्पुहहंयोपु
 नि॥३६॥ दुर्दुर्नयीरतामिलतादिरवाहनाम
 फनमनुहारिवनादि॥ तदनुसेरुह्योरनत
 इतमुच्यतेन उद्धतकरमंडत॥३७॥ अथ
 इतम्याचद्रुसलप्रवारजहरजरेनतुपहि
 वहजरी॥ बीजद्रुसहप्रमैतुमवायेअव
 नकरुद्रुतिनकेफलप्रये॥३८॥ उपदिसे
 रद्रुमकहिअरिमारियकारिदोपमस्तक
 सबकारिय॥ औहितकुसलसंमिद्रुतबु
 हियफेवतरेरुत्तियलमिफुहिय॥३९॥
 वेरुद्रुनलिहिनैरविहायेपुमयलोफहन्दि
 लतिनपाये॥ सुभएमेरुद्रुअोरपंचसतवा
 यलपरेअद्रुसतधुम्मत॥४०॥ सिरकाहि
 यअप्रमैमरुपतिसनप्रनिरयेचिद्वियनिना
 हिर्वहपन॥ कलिद्रुमवरुतसिंहजयकिर्ना

लमिहृन्प्रानिजोधपुरलिन्वौं॥४१॥वेदि
 तरवतजयपटहवजायसाजवदुरिरनका
 जरुजायो।हुवयहरननवनमधृति१८०४
 हायनपापरायकियहारिपलायन॥४२॥
 जिहिहिंमइकपुरोहितजग्गुवहरीद्वितीय
 रवीसरपतिहुव।सरहदुनसननृपहिमि
 लायननृविकयहुहुनकमाउन्नावन॥
 ४३॥जयामलाराग्यसमुहजवन्प्रान्यौं
 सिविरामसिंहिंश्रव।संध्याकौतंहेहु
 मतिमुहाइमूढमरुपसनकियमित्राहु॥
 ४४॥पठ्यपलटिकहितबसुसर्वेहेहुत
 जवतुमाहेजोधपुरदेहे।इतजगतेसरान
 केन्प्रामयबह्योअतीवअसाध्यजराबय
 ॥४५॥कुमरप्रतापहुतोकारतबहुहिंया
 हकभदचरिमिलेअव॥नाथरानजगते
 सरहेदरकलाराघवदेवपापपर॥४६॥मा

रतसिंहरानदलसामीदेवगढपजसंगंतह
 समी॥बुल्लियचखप्रवमंत्रविचारसिंक्रिय
 अप्यनतवकेदकुमारहिं॥४७॥करासैहि
 प्रतापनेदुसुपराजसिंहप्रमिथानकुमारह
 व॥अप्योरानकोहिअवसाननपैसंरसयअ
 पनेदुमानन॥४८॥सोदुपहोयवेरअउस
 रिहकुलकुतकदनअप्यनोकरिहे॥काहि
 अनायातोविरअप्यकुअिरयहनाथअपक
 रियअपुदु॥४९॥वेरविचारियहेअरिनव
 लिसाहिपुरपचमलियसमालि॥सोचि
 सनजगतसयहेसुनिपठसोदुकमविजादि
 नीतिपुनि॥५०॥जोतुमसापिधरयाहित
 जानतपंचहिभटममकुकमप्रमानत॥जि
 ककुतलोचिहिचहिघरजावकुसहिनिहिअ
 त्यविरोधरचावदु॥५१॥कडुनतिनपठयो
 दलयहकहिचहिचहिकरनगैयैसवपंच

हि॥ तदनुवसुखधृतिः १८०८ सकविक्रम
कृतमासजेठजगतेसगनमृत॥ ५२॥ इति
श्रीवैशम्पायनो महाचंपूस्वरूपेदक्षिणाय
नेदशमसर्गोऽथोदयेदसिंहचरित्रैचत्वारिं
शोऽध्यायः ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३
॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
प्राणिः॥ पापुः॥ यहसुनिर्बुद्धियसोक्ता
पञ्चिजासन्ध्यारिणवचनित्वच्छ्रियः॥ इ
तमदसत्सुपरिपञ्चुडाउतरानाकरनकुम्भा
रिहंराउत॥ १॥ कारजायप्रतापहिंकड्डि
यवद्धभयसुनतग्राहकनवड्डिय॥ सोऽप्रव
रनउद्देपुरसाभीनयजुतभयोऽधुनधरिना
मी॥ २॥ जिरकियोपरतापजनकजवताको
खानपानसद्धनतव॥ अपरचंदपूरविय
इकड्डिजनिकुदवहैरकथोसेवकनिज॥
३॥ सेवतिहितमनधनवद्वीच्यंतरकि

१०

४१

नघरीनहिंअही॥अवनृपहीयप्रतापनि
 प्रवहसचिवसुरयकियअतुलप्रीतिसह
 ॥४॥सिविकागजताजीमसमपियथिरसु
 विप्रदाकुरकाहियापिया॥मनतनंदिनिलय
 सेवनमतिअमरचंदवसिरानमयोअति
 ॥५॥अलिदेयाहकचरिबुलायेलेसरि
 ज्योनिहिहदयलगाये॥हकदिनअभ्रअभ्र
 युमडेअतिकहियप्रतापतबहिकाकाप्र
 ति॥६॥सुनहुजनकसासनअनुसारीमच
 कजानुजिहिदिनदुममारी॥सोरीहकसं
 धिगअवसल्लतधनजबहीतलबहिदुर
 वल्लता॥७॥यहवृपसहजसरलपनअ
 कवीरिसगिनिनाथहदयधरिरकवी॥अ
 तुरसठनाहकअकुलायोस्वीयनमरबधो
 रसिधायो॥गासकनवंनमश्रुति३८०६र
 मयहोतसबहियमयधारिविरचिअनुनि

तह्य ॥ पुत्रभीमजुलनाथपलायोअतिज
 वनगरसादडीआया ॥ १० ॥ तंहीटिकोनक
 रिपुनित्तरितहिदेवलियापहुंचोभरदाइ ॥
 उमटधरतहनेतरआयोव्याहनसगधनत
 लविधायो ॥ १० ॥ दो ॥ उमटकीकन्याउभ
 यपरनिपिताअरुगुन ॥ बुंदीपुरआयोबहु
 रितकितनृपहितनुन ॥ ११ ॥ क०प० ॥ सक
 नवनमधृति १८०६ समयआमआवनयह
 आयेदेवपुरालगससुरवजायबुंदीसबधा
 येअननदभसतन्यारिदयेसंभरनृपदिन
 अति ॥ आरहवासररकिविदिदिकियबरवसि
 पाजिकतिलवनाथभीमजनकरुतनय
 आयेहुहुंदारइतमाधवनरसबरवतेरज
 हहेसभालिकहुकाजहित ॥ १२ ॥ दो ॥ व
 रवतारिहपरुइसअरुमाधवजेपुरइस ॥
 सरहहनभेदनअमलउभयमिलेअवनी

स॥१३॥मालपुरासनइकमिजलहुरोएवाव
 लडाग॥पुहुकछथाहकबंधपतिजत्यामिले
 जयलाग॥१४॥कवप॥सुनुसहितसीसेद
 नाथतिनप्रतिप्रयानकियसुनिमाथववरव
 तेसजायससुहवथायलियतसुमरुप
 वरवतेसकुलीतत्यहिवपुछोस्यो॥न्याअर
 हितसठनाथमिलतमाथवमनमोस्योकछ
 वाहकहियसीसाहसनकरहितुमहितमेवा
 रपतिपरतापनाहितुपताउचितगहहुता
 हितुमपुछमति॥१५॥दो॥अप्रमरानजग
 तेसअतिकूरममाथवकाज॥कोदिदमनि
 जवरचकियरोकनजेपुरराज॥१६॥ऊरुज
 हरगीविदकेकहंसुउपछतपुलि॥कूरमन
 पछतधनभयोलेनउहेपुरपुलि॥१७॥कूर
 ज्योजदपिरुलायपतिकुरसलसिहकछवा
 हा॥मनीतदपिनमंदमतिअधहियधारि

अथाह ॥१८॥ माधुभीरकूरमन्यपहिंसुनि
 भारतजसवंत ॥ राघवदंडवउमहएमिलेआ
 निहृदमंत ॥१९॥ कनकचत्रधरिनाथसि
 रचामरविसहदुराय ॥ मिलिदुनतीरनांसु
 लकल्लदुनलगेआय ॥२०॥ बरवतसिंह
 केभरतइतविजयसिंहअवनीस ॥ तरवत
 जोधपुरकोलस्योसुभगद्वयधरिसीस ॥२१
 ॥ याहीवरसउमेदवृपस्वीयसहोदरहीप
 ॥ पदिनाथोसावरनगरमंडिउछाहमहीप
 ॥२२॥ सयाताउतसगतेसकीकन्याअनुप
 कुमरिदुलहनिहीपविवाहितवआयोनि
 लयपथारि ॥२३॥ इतबुंदीसउमेदकीसत
 तसुहागिनिनारि ॥ ऊदाउतिरानियलियो
 दोहदलचनधारि ॥२४॥ ताकेअधुममा
 ताकोअधुममंडिअनंत ॥ समरसिंहदुपहु
 लसकलकियदुकातमतिमंत ॥२५॥ तदन

गणेशसुनिजाहिङ्गुकरपदवीमहलदुजनस
 लारकरबलमयउ॥२॥ इतयहसुनिबुंदीसले
 नानिजसचिवपरायेतबहुदीपनदितिन
 हितरजिपच्छेपहुंचायेगागरनीपुरअभय
 सिंहरहोरसुतासुनि॥ परनिताहिङ्गुतजा
 यदीपअप्रायउकोटापुनिबुंदीसहितुनाह
 काबिमनकहुदिनतत्यअतीतकरिगापुनि
 सवामपुरइद्रगढदेवकाथितदृढचित्तध
 रि॥३॥ दो॥ अभयसिंहरहोरकोदेवसिंह
 होभाम॥ पत्नीकेपरतंत्रतिहिंकिर्नाअनु
 चितकाम॥४॥ पत्नकोटादीपप्रतिपठ्ये
 यागतिपत्र॥ तुमकोबुंहियहोसजोआव
 हुतोहुतअत्र॥५॥ तुमरेउपरतनकहुअ
 ग्रजअनुकथान॥ मंत्रकरनहमसोमिलहु
 थाप्याहिंज्योनृपथान॥६॥ एकगरसुनिह
 द्रगढपहुंचोदीपप्रमत्त॥ अग्रजहितु

विरोधद्वमतकोबालिसतत्त॥७॥ करिद्वय
 निपुबुंहीसकोदेवसिंहधरिद्विस॥ पठयो
 जैपुरदीपकोविद्यहरचनविसेस॥ ८॥ सु
 निमाधवजैपुरसुपद्विआवतहहुउमाहि
 ॥ पठयोससुहदीपकेसचिवमुकथहर
 साहि॥ ९॥ कूरमगद्वियकोनपरवेदाख्यो
 सविनाद॥ पदाहजारपचासकोदयेनम
 रुकंडोद॥ १०॥ आचतअंतरद्वारतक्या
 मरतासचलाय॥ द्वमबुंहीपतिकोअबुज
 रकथोजैपुरस्य॥ ११॥ ष०५०॥ तदनंतरन
 भनंरअद्वअचला१०१०मितहायनमा
 धवदिल्लियद्रयापतवनिप्रातिपरायनसा
 सनअहमदसाहदयोकरिसोहिदिरदयो
 ॥ कछुवासरलहंकट्टिसिकवलहिअालय
 अयोराधुनाथरायश्रीसंतसुतनहअनु
 जजवरेनजुतमगमाहिमिलतसमतिरचि

यद्हरगोविंदहिं गहनद्रुत ॥ १२ ॥ पावकुं ॥ दि
 ल्लियगमनकुम्भजवकिन्नो बुदियपुरकग
 रतबदिन्नो ॥ कांजमटममसंगपयावद्गहित
 मैन्पुत्रं तरजिनलावद्ग ॥ १३ ॥ तबभगवं
 तसिंहमाधानीपठयोभूपतिप्रीतिप्रमानी
 ॥ वैदिल्लियमाधवधुरआयोर्कथोमचि
 वत्नीभकडुआयो ॥ १४ ॥ दी ॥ सिद्धभयो न
 हिंलोभसोसिकवदईरिजिसाह ॥ हरगो
 विंदप्रमात्यद्वलगो जेपुराह ॥ १५ ॥ रस
 कताकीसंगहोमाधानीभगवंत ॥ नन्ह
 लुजाभगमे मिलतत्रभरवकिन्नप्रनंत ॥
 १६ ॥ पकरनहरगोविंदकोविंद्यो कटकवि
 यारि ॥ भूपसुनद्भुभगवंतभदतं हंशरीतर
 वारि ॥ १७ ॥ मारिवद्भुतमरहद्भुमदजित्याहु
 हरजग ॥ कुम्भसचिवगहननदयोत्रान्या
 जेपुरदंग ॥ १८ ॥ इतसंथाहुलकरउभयत्र

चलकमाऊं चरि ॥ जहनकेकुंभेगदहलसो
 तरनवहोरि ॥ १६ ॥ खंडुडुलकरपुनकेगो
 लीलगियमत्य ॥ ततकालहिअकुलायति
 हिलज्योकलेवरतत्या ॥ २० ॥ लेतयतकिचैर
 येकोदिइकादमदम् ॥ दिक्षीपरहोअचहेक
 रननहजयकम् ॥ २१ ॥ जवनईससत्यरज
 बहिसुनियहअहमदसाह ॥ मरहहनस
 सुहचल्योसजिनिजकदकसियाह ॥ २२ ॥
 षष्प ॥ सकनभससिधुति २७० समयप्रचु
 रलंदलदिलियपतिसंख्याडुलकरसपुरन
 अनरिहंकोसत्यरअतिमिलतसेनहुव
 मचिरकलहदाहनकरवालना ॥ लुत्थिन
 लुत्थिचिलमिगलकिछोनिथमजदालन
 चलिचउप्रकारआयुधचपलचक्रअच
 लजिमरीठयजिदकिवनअनीकजिथो
 दुसहमारुगअउजवनेसयजि ॥ २३ ॥ दा ॥

अहमदसाहपलायइमपच्छोदिल्लियपत्त
 रवानकलीजहरामखलपकथोखामिप्रम
 च॥२४॥नयनफोरिजवनेसकेकारापटक्यो
 कूर॥अलमगीरसनामइकसाहकियोव
 निस्तर॥२५॥अगगहिरवानकलीजइहिलि
 नानादरबुल्लि॥अंधबंधअहमदकियोव
 लविरोधअबरबुल्लि॥२६॥मरहहेदबलमु
 लकदिल्लियपत्तदोरि॥कछुदमदम्कलीज
 दिकलीसामबहेरि॥२७॥अंबरससिधुति
 १८१० अहमदकितवकलीजकुचाल॥ग
 हीअलमगीरकोंबेयाशोयतिबाल॥२८॥
 कछुसिवायथनभेदकारिनिलजकलीजन
 बाब॥मरहहेदुवमुकलेजेरकरनपंजाब॥
 २९॥मारकनादरसाहकोअहमदखानपवा
 न॥उततेवहउत्तरिअटकआयोकटकअ
 मान॥३०॥जिहिजनपहपंजाबमेंलिनाअ

मलजमाय ॥ हाकिमनिजधरिवाहुखोइतको
अमलउठाय ॥ ३१ ॥ तिनसोमरहहुनलबहि
रजेजायहुतरारि ॥ उतकिनेदिल्लियअमल
थानाअपरविजारि ॥ ३२ ॥ कलिकनगरपंजा
वकेलुदिसहितलाहोर ॥ मरहहुंजयमत्तम
नआयेजेपुरधोर ॥ ३३ ॥ मिलनकाजमल्लार
सोनअपहुहुनरेस ॥ बुंदीसगकारिकुञ्जबलि
पलेजेपुरहेस ॥ ३४ ॥ साअनहुहुमल्लारअरुसं
अविहितनिबेक ॥ मिलिआरिनससुलिर
हतफेहुदिवसकिलेक ॥ ३५ ॥ हरजगपुनद
लेसतंहेहोजेपुरपालिसत्य ॥ लाअहदयन
पताहिलेआयेनिलअसमत्य ॥ ३६ ॥ नृपमा
अकगोजयनगरकुलकरदकिवनदेस ॥ रहो
रनउपरचल्योसंध्याकुपितबिसंस ॥ ३७ ॥
इतिश्रीवंशभास्करमहानंपूज्यरूपेदक्षिणा
यनेदशमराशावुभेदीसिंहचरिनेहिचल्य

रिशो धूमयूरवः॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १

प्रादिमि०॥ षष्ठ०॥ रूपनगरनृपराजसिंहजव

हेहत्यागोकियसुज्येषुसामंतसिंहतवतास

तखललियत्रुजबहादुरबहुभिभातसामं

तनिकास्था॥ लिप्रीगदियधिनिचुनत्रुपन

सिरधास्थासिरदारसिंहनिजसुतसहितनृ

पसामंतविपत्तिसहितलियतबहित्रुनिरां

ध्यासरनराममरुपजिमदीनरहि॥ १॥ १०॥

मकनभससिधृति१८१० समयहीउदयनर

द्वतराह॥ राणप्रतापदुर्गबसतजतभयनि

जदेह॥ २॥ तवजाकारामाहिंदुवगजसिंह

सुततास॥ मांनृपभेदसवरमवयपेनहिनी

तिप्रकास॥ ३॥ षष्ठ०॥ रूपनगरनृपससुत

संगसामंतसिंहत्रुवत्याहीमरुपतिगममिं

ददोउनइमनेतवसंध्यासुनहिंमजिनव

ल्योइनकेचरिमारन॥दोउननिजभुवर्देन
 विदितनिजकित्तिविथारनसुनिगहबहा
 दुरसिंहडतविजयसिंहसमालिगयउमेर
 तानगरहुवदलमिलतमकसिवद्युति॥८॥
 संगरभयउ॥४॥दो॥विजयवहादुरउभय
 उतइतसामंतकराम॥संध्यादुहुनसहायक
 रकल्पियेज्याजयकाय॥५॥सारङ्ग॥संध्याज
 यात्रेविजेसिंहद्वारयोमेरतासेतजुहब
 डेजेर॥भारिमथोसेरकमीसंपभारभोकुड
 लीमाफलाडारिपुकार॥६॥बाराहकोरहुमे
 पीरकंपूरहानलयेकामडीपिदिनेचर॥
 कंपसंबेदि करीचिकरीपरिधुज्जीधरिनीहु
 भैकल्पकाधारि॥७॥अदित्यत्रामागद्विधु
 रितेहंकित्तीकिसत्रद्वोपरसाकर्मसंकि॥यो
 थानव्याथमनीधारत्रुंधारउत्तेशिवेततु
 लगेत्रुकार॥८॥योसत्त्वसंवाहिनीजा

हिनीविगदीकमिलीश्रीचलीउज्जलीतेग
 ॥ आक गिपेचकरचापटकारसकसंधा
 वरैजुहिजुकारा॥६॥ फहेगिरतुंडमूर्धाप्र
 लीकालि हेकहनत्रथोउच्छटपालि॥
 भूपक्ष्मश्रीकूपबुद्धमनोसहलोलाकरकेक
 दीनासिकालिह॥१०॥ श्रीनीश्र्वैगलश्रीस
 रवेकतीमसोदगिररत्तमभासरीलोम॥तुह
 उदंतातुत्यारुहुआदराकहेहकादीकहोक
 थरअस॥११॥ केतेचिरककदीरगकीधा
 एजुनारकेतेकरपारकहार॥कहुकहोवीर
 भातंगकेरुतफहेकहोपेदश्रीउच्छनेअत
 ॥१२॥ नञ्जेकहोव २ मिर्केरुडजञ्जे
 कहोयुज्जुदीमालकासुद॥ डालिकहोडानि
 नीरनरमतपीडकहोजुगिनीगतसोग
 त॥१३॥ जुहेकहोजीश्र्वकमलसंभासुफुहे
 कहोफिलिभुक्तउदाम॥ ककेकहोभित

जैसेसकंकालहुकंकहां हायकेघायबेहाल
 ॥१४॥ दगोकहोलीपकींतोपबहुकलमोक
 होउच्छलेपालमंडक ॥ चकवकहोगोदशि
 दीबडीचाहअकवकहोसाकिनीवाहवना
 ह ॥ १५ ॥ दुहेकहोएकहापायतेरुंडसुहेक
 हाननकभगिरेसुड ॥ बजेकहोमाधुरिना
 रशीपीनपुजेकहोकालिकालेवपापीन ॥
 ॥ १६ ॥ पोरकहोभूपहेअनकीछाहगेरकहो
 अछरीकंदमबाह ॥ मारकहोअमाहेरव
 गासासंतहारकहाउखरहतहाहत ॥ १७ ॥
 दुमेकहोकुमिकेकंदसोनायधुमेकहोवी
 रकेलीरकेआय ॥ रोकहोगोधंकरनभेपुछ
 मोकहोप्रेतनीगार्केपुछ ॥ १८ ॥ गेसत्य
 ओफारफहेकहोतलमानोजगनाथकेभत
 केपत ॥ बजेकहोचुरासारवविरफारउहेक
 हांसीरकेगोरअंगार ॥ १९ ॥ खखरिसेतुहि

ऊँडे कुंकुल लजंगी व जैंगो मुखामेरिका
 होला। इल्ले फिर निदिके मिनबे तंड फुले
 फिर फिर नीकां कफरंड ॥२०॥ वानैत केतेम
 रभूत को बल्य सो है धनं मारते संकुल मत्य
 ॥ कहु कहु उच्छुट चार चो छत्र पी पी छ कभ
 रवी लोहिता ॥ मत्र ॥ २१ ॥ यो मरता खनमं
 उयो महा जुहु जुहु म लंद कियनी काल से कु
 ल ॥ संध्या जया भ्रातयो दत्त गो देरि न कवी
 विजै सिंह का फोज ऊँगे रि ॥ २२ ॥ दे मार रद्वो
 उडार धनं कहु हि चो तो परवाना रवजा नाले य
 लुहि ॥ संध्या य ह जंग जित्या बडे जोर भज्यो
 विजै सिंह गो दुमाना गोर ॥ २३ ॥ हो ॥ विजय
 सिंह मरु भूष म जिमयो नगर ना गोर ॥ जाय
 बहा दुर दुर दुरो रुय नगर रद्वार ॥ २४ ॥ प्रथ
 म विजय सिंह हिंद मन जया न बहि बर जो
 र ॥ तो पन जाल कराल रचि गढ विद्या नाग

२५॥ इति श्रीवंशभास्करमहाचंपूखरुपे
 दक्षिणायने दशमराशो उमेरसिंहचरित्रे
 निचत्वारिंशो ४३ मयूरः ॥ ७ ॥ ७
 ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
 प्रामि० ॥ दो० ॥ बुंदीनृप उमेरदत्तरामानु
 जमतधारि ॥ देसविधारि रिति दृढसंप्रदाय
 न्यनुसारि ॥ १ ॥ प्रतिमादकश्रीरंगकीदक्षि
 नाहिलुमगाय ॥ सिक्कृति १८११ मितसक
 सुकबदिरकादसितिथिपाय ॥ २ ॥ मंदिर
 महलनमंदिरचिसिल्यविधिमतसक्त
 ॥ चिरन्निप्रतिष्ठानिगमविधिवहथप्योच्य
 तिभक्त ॥ ३ ॥ तचंतयहश्रीरंगकाच्यतुल्यपह
 उच्छाह ॥ जंठप्रसितकदरिहीतरामनर
 नाह ॥ ४ ॥ यादिवरस १८११ कोउच्छासितह
 हीवासरपाय ॥ धूपमुजिष्ठाहूजन्थोसुतरु
 मानससक्त ॥ ५ ॥ नातारसिक्कसिद्विच

जातकद्विजनविचारि ॥ तदनंतरजोवृत्तदु
 वसुनदुभूपहितधारि ॥ ६ ॥ सकजगतीध
 ति १८२ मायसितसुकवारस्मरदीह ॥ ऊदार
 तियनियजन्यांकुमरबहादुरसीह ॥ ७ ॥ अ
 जितसिंहअरुयहकुमरसादरदुवसुकुमार
 ॥ बालकपाकरजिसबहुतदिनदिनअधि
 कउदार ॥ ८ ॥ विजयसिंहमरुपालइतरुद्ध
 नगरनागोर ॥ संख्याकोसंकटसहतकछुन
 जनावतजोर ॥ ९ ॥ अरसइ कथेरारह्योताप
 नलग्योताप ॥ संभ्रानहिजावतसहीदुपह
 रजेददिवाम ॥ १० ॥ अकुलतववसतेससुत
 चकविचारियचित ॥ दुवइहेपडिहारदुत
 दुहेदेवदुवित ॥ ११ ॥ अगंसनइहेरहत
 मरुजनपदकेसाहि ॥ चककरनमैजेचतुर
 नकरमरतदुनाहि ॥ १२ ॥ यथैमरुपतिके
 अविदुसेवारहिगेहा ॥ कामपरैजवचूको

अथैतवनिजदेह ॥ १३ ॥ करैयहहिसेवाक
 नजबजवसंभवहोय ॥ इतरकालकहुँ यरन
 रिजदेतअसुरसाय ॥ १४ ॥ अथैजिनरुमि
 यानगहविजइजवनलियमारि ॥ यरतडरे
 नाहिनकमनविरचोचुकविचारि ॥ १५ ॥
 अभयसिंहमरुईसकोपुनिजिनअपारस
 पाय ॥ पील्लारवपतिदक्षिणीदुवदियमारि
 गिराय ॥ १६ ॥ कोलोहमयागति कहहुँहन
 कोअचार ॥ जेरचिवाजीजीवकोरेवलेअजब
 रिवल्लार ॥ १७ ॥ तिहिहुँलकेदुववीरतवहुँह
 बुलियअत्थ ॥ कहीहनहुंसंध्याकुटिलदिन
 पनियन्चपतत्थ ॥ १८ ॥ सुनतजयाकोरेनम
 उभयवनिफलनिअप्या ॥ वनिजविचारयोव
 चकनविपयिबजारबनाय ॥ १९ ॥ दुवदिल्लार
 पुनिइकहिनराशुनतकोलहिसाय ॥ कलि
 तकइअपरायकरिरेविनिरेविजिह्वतरवराय

३
 ४
 ५

वं.भू.

॥२०॥ बकतपरस्परजैनबनिउभयलित्थगर
 अनि॥पलदतपायनधौतपटहोतपदन
 हान्॥२१॥ सिथिलपघसिरतसरकिउमी
 कंदनआय॥कलमगडेगिरिकानलमुरवग
 लखासनमाय॥२२॥ इककहं कहिहोअब
 हिमिनिरकरीमंगूढ॥मोदकरवावतमातत
 वमारोइदुरुमुढ॥२३॥ जेपइतरतेरेजनक
 कुलीजिनादितछोरि॥मकरीदसचूतमाहि
 लैनकरवीजियतानिचेरि॥२४॥ महतइकप
 लपरगडोदेवकाकरिदाव॥रेवचतचित्पन
 इकरिनिघह्लातगालिनधाव॥२५॥ जिम
 तिमविरचतकरिजतनअधोवालउतसर्ग॥
 लसिइतउतविहसनलगेवलदकिवनभ
 दवर्ग॥२६॥ इकमारतमुहीउछरिखिजिइ
 कइतनखात॥संथाकीछोहीमयेलरतपह
 रतलात॥२७॥ धौतवसनअंतरइइनक

छिक्छिहृदकोपीन॥दुक्त्रसिधेनुदुराय
 तहंलरनभयेइमलीन॥२८॥लरलबनिक
 कोलुकुलरवनउलरयोकुटुकुअपार॥प्रहस
 नरूपकजिमपचुरप्रकदयोहाखपचार॥२९
 ॥सितकतिजनकतिजनहसितविहसित
 कतिकवनात॥कतिककरतवकोपिकाक
 तिअतिहासजनात॥३०॥अहहसिकतिन
 नउदितआचुरितककतिअंग॥कतिकन
 अयहसितरुकतिनपरिउपहसितप्रसंग॥
 ३१॥कहुंहुंनिकसनसंकुचनअठकुरन
 कहुंअपि॥बल्योप्रथमदेवतविसदरससं
 अहलरुपि॥३२॥करतदतथावनकरसज
 यापदालयजस्थ॥कोलुकुयहअकरथोक
 तिजलासोजाकरतस्थ॥३३॥यनिकुलररक
 रेवहुतमुष्टीमल्लकमार॥पेडुकराविअकुय
 प्रसदरसनीयनिजद्वार॥३४॥अहिरजतजनप

२६

करत उदर दुस ह हसन दुरवात ॥ कोत ह
 लय हल रवन को जुरे घुरे नहि जात ॥ ३५ ॥
 संख्या के सिरय ह सुनत अंत कला यो आय
 ॥ बुझी तव बुझी बुझि कनिर रिनिवे
 न्याय ॥ ३६ ॥ इय भारवत सहसन अनुगदं
 मिन लाये देरि ॥ लात नगर बहत नलरत कु
 कत गये रंजोरि ॥ ३७ ॥ अति समीप जावल
 अत कपीति हारन किय पूर ॥ रा रित द पित्र
 बुधुतर चत दंभी नर हे दूर ॥ ३८ ॥ कहत इ
 कुअ पराथ करि आरत य ह पुनि मोहि ॥ इ
 तर कहत संख्या अथि पकरत न्याय सब को
 हि ॥ ३९ ॥ हसत तो लत बसत किलु हि अ
 जान नलेत ॥ अटिका दि काम न के धरत दी
 न नडे नि सदेत ॥ ४० ॥ पुनिकहि इम संतन
 पय न लरे नर वन रि सलाय ॥ तालि न दे संख्या
 त के गालि न दे त गि नाय ॥ ४१ ॥ कडि करि न

जातनिकटदर्शनयाउरदोरि॥ गडकत
 हियकालिकगईफोरिपंजरफोरि॥ ४२॥ दित
 समयबुझेहुवहिहोतप्रचानकुहाक॥ क
 हियेसंध्यात्रायकारिकोहममाहिपंजाक
 ॥ ४३॥ भारिवयहरुसत्वरभजतमासोइरु
 अप्रिसार॥ कदिगोइकरोवतकुहकइरु
 हुयहअंधार॥ ४४॥ मण०॥ कोलाहलकु
 नकंदकमरतसंध्याकुलइनकेभयेरुइनके
 रागविप्रहुहुमिइतिनकेविजयसिंहभरु
 ईससुनतकियमोहीसियायो॥ अप्रभयसिंह
 सुतअथमपिहुलआतुरदुरवपायोसकहु
 वभृगांकनसुइक१०२समयथिहुनहु
 छलबिसधरिमरुपालरात्तसंध्याभयसुक
 ह्योइंदनजतनकरि॥ ४५॥ दो०॥ जयातन
 यजनपूजवाहिपहुजनककोपाया॥ विंदिर
 हीनागोरप्रलितोपनरारिचलाया॥ ४६॥ ॥

हतिश्रीवंशमाकरमहानंपूर्वरूपेदसि।
 एतन्नदशमराशौ उर्मदसिंहचरित्रेचतु
 श्वत्वारिशो ४४ मयूरवः ॥ ७ ॥ ३
 ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७
 प्राग्मि० ॥ रोला ॥ विजयसिंहकोविटिक
 लहजनकूथ्याकुलफियकरितवसंधिक
 बंधदमदसलकवदडदिया ॥ जनकल
 योश्चजमेरुप्रबसु पच्छोडरिप्रथोवलिसं
 धरपुरबंधधानदायादहिं थप्यो ॥ १ ॥ निल
 यनयांकनामविचिश्चमंगुलबनवायेमेर
 तारुनागोरलरजिब द्दमलगाये ॥ करि
 जनकूश्चकुश्चकुश्चनरिषिच्छोपुश्चिप्रयोरु
 पनगरसनरारिचिरचिरद्वोरदबायो ॥ २ ॥
 सत्तुविजहापुरसिंहमन्निप्रतिबलमरह
 दृन्निनिमित्तोडरन्निप्रकटदिरसरा
 यन्निप्रकट ॥ सत्तुनगररयालोकरायसायत

१०

२५

हिदिनीयाहिकुशागहप्रपिकुंचननरु
 पुनिकिनी॥३॥काकादनासंगबहु रिसमस्त
 रवहादुरसुतवाजरायसो ग हजनम्योजन
 नीरु॥इनदोउनमुतउलदिथयोजनरुह
 किरनधरबुदियत्रावतभूपजाथसकहल
 याधर॥४॥सबकोकरिसतकारमंदिमंजुल
 महिमानोसंभरदिगुनिरिक्वचिहितीहि
 लमयकहिबानी॥कोटापतिदुतकुमतित्र
 यिकुचकरीआकृतीवाजीपरनविनोदभा
 निमंइनरतऊती॥५॥तासनसाकरितज
 हिरंवरदुवंदहस्यपावनप्रतिजगतीधुति
 १८१३अहशामनररासुतुश्रावन॥बेलक
 कुशाविलासव्याधिकरिंदहचिह्नयोसुचि
 वगल्लमहनेसवेगलवअजितबुलायो॥
 ६॥दिजहुकरानतिरायद्रंगअनतापदुयोहु
 लविपुमिहनातीसुअजितबुह्योपित्यल

सुत । आर्कोतव द्विज एहलयुहि च्यनतास
 नलायो अष्टपचास च्यवस्य बहुगदियवेद्य
 यो ॥ ७ ॥ दो ॥ इतसंध्याउज्जैनतैयहसु निद
 ला अथाय ॥ कोदा विंदिय अनरवकारिसेनाअ
 युतराजाय ॥ ८ ॥ बुल्ल्याहमेरु कुकमविनुअ
 जितसिंहहुवईस ॥ अण्यदुयाते दंडअवश
 मंतहिगिनिरीस ॥ ९ ॥ मुद्रावारहलकव
 मितदिनीतवसहिदंड ॥ दकिवनको फिल्यो
 दुसहचैरोतहर अरवंड ॥ १० ॥ आयोइतउ
 लरिअटअउइतकडकअमान ॥ मारकनाद
 रसाहकोअहमदसाहपठान ॥ ११ ॥ सकअ
 तिजयतीधृति १८३ समाख्यापुतसमयवस
 त ॥ किनीजिहिमथुराकतलहत्यापरसठ
 हत ॥ १२ ॥ आतपकातरपुनिगयउशीरवम
 ल्यातयेह ॥ मजुजहजारनमारिकेअतुसु
 जनजुतएह ॥ १३ ॥ पाकु ॥ परमकसुखव

दललामकसुहिमुरसिदाबादजुगनामक
 ॥ १४ ॥ देसअंतरतदासकजवनसिराजुहील
 सासक ॥ १४ ॥ जिहिअंग्रेजजमतइतजाने
 पुनिकारिअमलबहतपहिचाने ॥ सचिव
 केहुतरसपुरदाकारनधुतअबुतलैभज्यो
 बद्धयन ॥ १५ ॥ सुपैरह्योअंग्रेजनसरनेबल
 जिमकोसबसिरजगकरने ॥ इत्यादिकहेतु
 ननबाबयहसजिपैयो कलकत्तासाग्रह ॥
 १६ ॥ जित्तिपुरसुसहसनसेनाजुलदुर्गको
 देविलियमलिनाहुत ॥ पुरजिहिरसचउ
 ससिमिलपायेजेअंग्रेजप्रबलपकराये ॥ १७
 ॥ अतिसंकटकारतेअटकेपैमायेनतदपि
 ताहंपटके ॥ इहिसंकटकेदीब्याकुलअ
 तियुनरबिमिलदविमरेकीलगति ॥ १८ ॥ जि
 यतबचेतेईसप्रातजिममंदराजयहसुहि
 सुनीइमा ॥ तबकरनेललैवसाहबनहस

ज्जिलरननकमतगोरनसह ॥१९॥ सतपंद्र
 हमितप्रवरसिपाहनहुतत्रायोप्रहितन
 हियदाहन ॥ अश्रमससिवसुससि १८१४
 सकत्रागमसमररचोसुचिगिम्हसभागम
 ॥२०॥ कलकत्ताजित्तिसुत्रिकादेवलि
 नवावउपरदलबाहे ॥ सत्तप्रयुतवल
 सहप्रयोसरसज्योनवावपलासीसंगर ॥२१
 ॥ भिरतभज्योसुकालतोपनकारि
 यत्र्यंजप्रतुललरि ॥ अमलकंपनीकी
 तादिनउतदेसवंगविचकछुकजर्म्योहुत
 ॥२२॥ दो ॥ इंद्रगढाधिपदेवहुतपापकु
 मायप्रमत्त ॥ नृपकेसीदरदीपपहंपठ्येजे
 पुरपत्त ॥२३॥ यहउदंततिनर्मलिरथोअ
 बडरिधूपउमेद ॥ अण्णहिलेनअमात्य
 कौंभेजहिहुतलरिवमेद ॥२४॥ मनहुंमना
 थंमत्तिसुमत्तिरकषद्धीरजरंच ॥ विन्नति

हमहकिवनबिरवयपठइनीतिप्रपंच ॥२५॥
 ककुबसुनिजरनिवेदिकेलेश्रीमंतनिदेश
 ॥ अथ हिहमकरिहंअरहिबुदीनगरनरेस
 ॥२६॥ भावीवरिसरभूपकेपायेदूतनपत्र ॥ अथ
 परमेहदेवहिमिन्योएसुनिपापअमत्र ॥
 २७ ॥ गीतिका ॥ इतसकरीधृति २७ १४ अथ
 कलगातरसेनदकिवनतेचलीरघुनाथमा
 लिकनन्हसोदरश्रीमलारबहेबली ॥ इत
 अतबुदियेकरमीपनरेससमुहजातमी
 महिमानिदेइकरतिरकिवरुहवपनदिरवा
 तमी ॥२८॥ रघुनाथपत्रमलारसंजुतबंदि
 केनृपतेकहीतुमइसमारहुदेवसिंहहिण
 पपापियज्योचहो ॥ करिकुचयो कहिरकिय
 नीजयनेरद्योनिथसंचेगाहमीमनामकादि
 दिकोपनजालतोपनकेजर ॥२९॥ ककुवा
 हकेमदतेभजेसवमीमइयाहिंलीरिंकेह

१०

नञ्चानमंडियञ्चपनीततकालजोगढतो
 रिक्ते०॥ पुनिटौकपत्तनधेरिघत्तनदेसजैपु
 रकोदल्योकच्चवाहमाधवभूपसोसुनिञ्चा
 जिकोनहिउज्जल्यो॥ ३०॥ इतिश्रीवंशभा
 स्करिमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमरा
 शौउमेदसिंहचरित्रेपंचचत्वारिंशो ४५म
 यूरवः ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 प्राग्मि ०॥ दी०॥ नृपउमेदकरउरनगरद्व
 तगयञ्चवसरपाय॥ देवरुदोलतसिंहदु
 वद्वहोजनकसुतत्राय॥ १॥ नतिजुतल
 गोनृपतिपयबैठमिसलविचारि॥ कक्षी
 भूपतुमहितकरतस्वामिधरमञ्चनुसारि
 ॥ ३॥ इन्द्रगहेश्वरदेवइहदुल्ल्याञ्चनृतव
 नाय॥ सेवकहमप्रभुकेसकलकरेइकमम
 नकाय॥ ३॥ मनहंसः॥ सुनिकेइतीकनरे

सवेदलबुल्लिकेँउनकोँदयेउनकेलिरवेसव
 सुल्लिकेँ।तिहबन्दिदेवसितायनाकहुबु
 ल्योतवभूपकुपिनिदसमारनकोहयो॥
 ४॥रुकहीदयोहयनाहिंसाहमभुल्लयेतुम
 नैतथापिबिरोधचीजइतेषये॥कहियोह
 न्योवहदेवसोकसम्हारतेपकस्योसुदोलत
 सिंहरवमानिकारते॥५॥करिकेदबुदियदु
 गताकहंप्रसयोअरुअप्यइंद्रगहारवप
 रानभैगयो॥निजअनमंदियरकिलहा
 किमहांभलेउनकेवधूजननेनवासवभु
 कले॥६॥भमरावली॥नृपनेइमपत्तन
 इंद्रगहारवलयोरहिंकेकहुबासरकेतनम
 हुदयो॥पुनिलेनपरमानकोपृतनासठइ
 भदलाविचपुरवसुतोक्रमयोविजइ॥७॥
 अजिनीयहबुदियअनरचेतपिरेभदको
 उनतासनसंभुदकालिभैरे॥सुनिकेयह

स्वत्तउलीपतित्र्यातभयोन्पकेदलपैसह
 सारतिवाहदयो॥८॥बजिहकाललकव
 डीधमचकमचीनिसमैचउसद्विश्चान
 कत्रायनची॥तजिनिंदरुतोकडुलैसमसे
 रचल्योसुमनौबडवानलसागरपैउरुल्यो
 ॥९॥उमड्योजनुकच्छकुसस्थलकरनपै
 पटक्योबपुसत्रुनकीसमसेरनपै॥हनुमं
 तकिलेकहिंलैनमलंगिबड्योकपिलेधर
 केपुरवतैजनुसापकड्यो॥१०॥इमतोकर
 जोगुनमैचकिरंगरुप्योलखिकैतिहिंखत्त
 वलीदलजातलुप्यो॥बरक्तावरत्योमुडुक
 म्मकुलीनबलीभटसम्मुहजायरचीधमच
 कामली॥११॥बिनुघोटकदोउनकीतरवा
 रिबहीकबलौसुकहौंनृपरामनजातकही
 ॥तरकैसमसेरबिदरिबकत्तरकौंउच्छटैसिर
 लदिनिरंतरत्र्यंबरकौं॥१२॥फुदियोपगिरे

विरवीरसतानदिपैलगिलोहितछुहिछु
 छकनछोनिलिपै॥बरछीनकितेकमहा
 बलबेधकरैकमनैतकितेककलंबनज्ञान
 हरै॥१३॥तरवारितनुत्रनमाहिंदुरैदमके
 चुभिमहबलाहकज्यांहदिनीचमके॥उछु
 दैगलगलरुपालकपालकटैवितुमस्त
 ककेककबंधकरालअटै॥१४॥गिरिकेइ
 मसंहारिसत्रुनकेमटकेबरवताबरलोकब
 नैबटकेबटके॥गिरितैदुवबुदियकीपृ
 तनाविगरीपुहुंचीभजिसंमरभूपतिपैसि
 गरी॥१५॥पुनिहहुनकेपतिसेनवनीपर
 ईहुतहीतिहिबुदियअज्ञानफिरायहइक
 रलैनलगेफिरिहाकिमबुदियकेहठगोचम
 येसवसत्रुनकेहियके॥१६॥दो॥अनयो
 राअरुढीपरीलेरुअमलनिजकोन॥आम
 इद्रगढकेसकलक्रियइत्यादिअधीन॥

१७ ॥ ग्राम्भीपरीमोहिं गढबंध्यो नृपरनव
 द्वा ॥ ल्योहिं इंद्रगढत्रिपररच्यो दुर्गचतु
 रह ॥ १८ ॥ कनिमडकत्रायतकियउमहल
 नमध्यनिवान ॥ बलिबिंजासनिदेविगि
 रिसुभगरचेसोपान ॥ १९ ॥ संदानितपुनि
 देवसुतदोलतसिंहजुकीन ॥ तारागढति
 हित्रसुतर्जेग्रामयकछुकप्रधीन ॥ २० ॥
 नृपतिपठार्इनेनवायाकीमातरुनारि ॥
 याकैतं हं द्वेषुत्रइकसोदुमखोगदधारि
 ॥ २१ ॥ द्रुतनृपबुल्यो देवकोभक्तरामतब
 आत ॥ दयो कृपाकरि इंद्रगढजाहित्रद
 चयजात ॥ २२ ॥ कछुयहहमभावीकद्योब
 लिक्मर्तेषुबवत्त ॥ इमनृपलीनो इंद्रग
 द्यसिधत्तपरधत्त ॥ २३ ॥ वेदइंदुधृति
 १८ १४ अद्दविचमाधवमाधवमास ॥ ख
 चोलीपतिहृदयो इमनृपदलसिरत्रास

॥२४॥ तोकमहासिंहोततं हं जैतगढाधिप
 जोध ॥ तिलतिलतेगनतुहयोरचिबहुस
 चुनरोध ॥२५॥ अपराधीकोमरिद्रमन्त्र
 आयोनिजनेर ॥ जैपुरपरमत्मारइतवं
 व्योहुरैर ॥२६॥ इतिश्रीवंशभास्करे
 महाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशो
 उम्मेदसिंहचरित्रे षट्चत्वारिंशोमयूरवः
 ॥ ४६ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 प्रा० मि० ॥ ष० प० ॥ अकवीमाधवप्रगह
 महुजैपुरपतिहैहंतबहिरामपुरतुमहिं
 दुवहिदुलकरपतिहैवरससत्तगयवि
 तिद्रंगकरमनहिंदिने ॥ यतिदुलकरस
 ज्जकटकजैपुरपरकिनेमाधवनरेससुनि
 भीतमनदमालकवग्यारहदयेवनिनम
 परगनजुतवहरिगुदुवपत्तनप्रथये ॥

॥१॥दो०॥पत्तनचंद्राउतनकोरामपुरास
 हृदस॥जोतिनींजयसिंहसोकिनींहुल
 करपेस॥२॥दोंकनगरकेप्रांतहिगदूजो
 रामपुरासु॥कहियतरायबसंतकोवहदि
 नींहुदिश्यासु॥३॥दुवपुरजनपदसहित
 दैतवमेढ्योदुमत्रास॥दकिवनकोदलद
 रिदियमाधवमाधवमास॥४॥हंगी०॥
 सकवानचंद्रभुजंगभू१०१५जयलेनयो
 जनकूबल्योसंध्याजयासुतसेनसजिह
 देसदकिवनतेचल्यो॥गोदावरीनदिल
 चित्त्योप्रवरंगपत्तनलंघयोबुरहानपत्त
 नलंघिबेगमितानमेकलजादयो॥५॥
 ओंकारइसहिंपुजियोजनकूप्रवंतियउ
 लखोगहभैसरोरमुकामदेदरकुंचहंकल
 जोपखी॥सुनिएहबुंदियभूपतत्यहिज
 यकेहितमंडयोमहिमानिजिम्मलजाहयो

कहिनैरलावनकोंभयो ॥ ६ ॥ तेंहेंद्रगह
 पतिदेवकीतियपत्रविन्नतिमुक्कलीअरु
 योंलिखीतुमअइछोनियलेदुपिकरुवुद्धु
 भली ॥ तिहिंविंकेजनकूकहेकदुर्वेनहुं
 दिअभूपसोंहमरोसहायवनायकेतुमनि
 करवसेदुरवकूपसों ॥ ७ ॥ हमरोनिदेसलि
 येविनांतुमइपुअपननांकरोउनकोंवअ
 पइइंद्रगहनिजराज्यप्रमुपनजोधरो ॥
 सुनिहहुबुल्लियेसबातुमरेजुप्राननई
 सहेतिनकोंसुनायकरीसुहीसुनिरावरी
 इतरीसहे ॥ ८ ॥ करनोंतुमहेहितमांहिअ
 हितहितोवहमधरजायहेतुमसज्जिअ
 वहुजंगकोंअवहहुहत्थदिरबायहे ॥ अ
 योयहेकहिभूपबुंदियसाजसंगरकेभये
 सुनियोमलारुनन्हभ्रातनिवारिंदीउन
 कोंदये ॥ ९ ॥ जनकैजयसुतकुंभकेतव

पत्तजैपुरवेगहीकछुदम्ममाधववंडदैडरि
 नम्रतागतिकेगही॥पुनिसुकृतालनजी
 बरवांसनजायकेजनकूलस्थोनहितत्य
 मिच्छरुहिल्लसौंभरहडुभारसद्योपख्यो॥
 १०॥त्रयत्रयसौंरनयंभगिरिइतफोजद
 किं नकीलरैविचसाहकेभटसज्जतेनहि
 दुर्गद्वोरनअदरै॥लरतैपरंतुच्छतीसम
 सवितायव्याकुलवेभयेखंडारिजैपुरदु
 र्गहीहिगतत्यकगरप्रेसये॥११॥कछ
 वाहसेवकसाहकोइमताहिहमगढअ
 षिहैमरिजाहिंयेभरहडुकोरनयंभमैंनहि
 थपिहै॥तुमछन्नथावदुरतिमैहमदुर्गत
 कहिजायहैपंचरंगकेटनकुम्भभूपतिको
 हिअत्यरुपायहै॥१२॥खंडारिसुकृथअ
 नीपरिहडुतोपचवारिकोधनीखंगारबरि
 यबंचिजैइलरतिगोसजिकैअनी॥लरि

साहसेवकताहितवरनथंभञ्चंतरलैंगये
 तिहिंकारिखगननन्हवीरभजायवाहिर
 केदये॥१३॥कडिसाहकेभटवर्गदिल्लिय
 जायवृत्तनिवेदयोइमवानभूधृति१८१५
 पोससितरनथंभकूरमकेगयो॥संभाररवा
 नरूपानकेतहंकुम्भसंचितकेकरेबारुह
 सीसकबिलरकियतडागजीरणउद्धरे॥१४
 ॥दो॥बहुदुरदुगारनथंभडिगजयपुरकु
 विप्रनुकार॥निजनामकमाधवनगररच्ये
 विविधविसतार॥१५॥कुलकरपहंपदयो
 इकमसुनतएहश्रीमंत॥दुर्गलिङ्गरनथंभ
 हुतप्रवकरिजेपुरअंत॥१६॥तंतिवहप
 ययोतबहिदेकुलकरदलसंग॥गंगाधर
 दरकुंचगतिजिलनप्रथोजंग॥१७॥जन
 पदनागरचालजिहिकमिपत्तनककोर॥
 कीनेजेपुरकदकसांजुद्धतुधुलवरजोर॥

॥१८॥ षण्य० ॥ प्रतिजवहयन उदायधस्यो
 परदल गंगाधर मंज्यो प्रायुधमे हृदुस्योव
 द्विरेह दिवाकर रंभुदिपद्मिहयखुरन
 दुरनलमो सागरजल ॥ लगोपबयगुरन
 मुरनप्रतलादिमहीतलकाहुकोभयो न
 हिंजयकलहयै बहुमटकटिकटिपरिग
 द्रुपपद्मिलुत्थिद्यादितमनहुं बनिजका
 रंदाहरिग ॥१९॥ दो० ॥ सुभटमरेनपंच
 सतद्वत उतकेप्रनुरत्त ॥ घायदुसहलगो
 धनं गंगाधरकंगत्त ॥२०॥ जैपुरबडुमर
 वजुगपरेभिन्नतजिप्रान ॥ सत्यासीतिन
 केसुभटमरे इतरद्वकिमान ॥२१॥ जोध
 सिंहप्रभिधानद्वकनाथाबुतकधवाह
 मिसलदाहिनीकोमुकुटचोमूपत्तनना
 ह ॥२२॥ बगरूपतिदूर्जोबहुरिकूरमचतु
 ररुजोत ॥ रनगलाबसिंहहरद्वोवाममि

सलउद्योत ॥२३॥ एउमरावनअग्रणीजे
 पुरकेगिरिजात ॥ भयेनसमुहइतरभट
 दुर्मनभावदिखात ॥२४॥ इततंतेगंगाधर
 दुघनखगानसहिघाय ॥ तबमुरखीहकिरि
 नतरफकरनअनामयकाय ॥२५॥ समा
 अष्टिधृति १८१६ प्रमितसकलगतस्तु
 हंमंत ॥ अगाहननेरकुम्भदुवदुवगतप्रा
 नलरंत ॥२६॥ इतगंगाधरकोमुखोरुनिहु
 लकरमल्लार ॥ जेपुरपरहंन्योजबहिपडुर
 चिकटकप्रसार ॥२७॥ षण्य ॥ हकिरिन
 धरकोथंमचढ्योहुलकरजेपुरपरदरकुंच
 नकरिदोरअचनिकक्षतदारतडरजनपद
 नागरचालप्रथमबिंद्योअनियार ॥ भयो
 चकितमोगीसधरनिफुहतहयधारसिर
 दारसिंहनारवनमितसयनजेरिलगोपय
 नतिहिंदंडिगमनअग्गेकियउहुलकरल

गिजेपुरप्रयन॥२८॥कुसथलमृतफतम
 लतासद्गुवरतनसिंहसुतताकोइकलघु
 पुत्रनामविक्रमसाहसजुतजगतसिंहर
 द्दौरहितुसहसारचिसंगर॥छिन्निनगरब
 रवाडभयोपतिप्रप्यबंधिघरइहिहेतुआ
 यमह्वारइततीफनतापचलायकैरद्वोरप्र
 मलपच्छोरचियगोकछवाहपलायकै॥
 २९॥दो०॥दक्षिणजैपुरवेरसुनिजगत
 सिंहप्रमिथान॥सुतकबंधसिवसिंह
 काबैठालेनिजथान॥३०॥तबकूरमरतने
 ससुतराजाउतकरिरारि॥छिन्निनगरब
 रवाडलियदियरद्वोरनिकारि॥३१॥याते
 इलकरभीरकरिवहकछवाहभजाय॥ज
 गतसिंहवरवाडपुरबहुरिदयोबैठाय॥३२
 सकरसससिवसुससि१८१६वरसश्राम
 थलच्छसहस्य॥इलकरसनबुंदीसहग

॥२४॥ तोकमहासिंहोततं हं जैतगढाधिप
जोध ॥ तिलतिलतेगनतुहयोरचिबहुस
चुनरोध ॥२५॥ अप्पपराधीकोंमारिद्रमन्टप
अथोनिजनैर ॥ जैपुरपरमल्लारइतव
अयोदुहरबैर ॥ २६ ॥ इतिश्रीवंशभास्करे
महाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौ
उमेदसिंहचरित्रेपदचत्वारिंशोमयूरः
॥ ४६ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३
॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
प्राग्मि० ॥ षष्प० ॥ अक्वीमाधवअप्रगाह
महुजैपुरपतिहेहंतबहिरामपुरतुमहि
दुवहिदुलकरपतिहेहबरससत्तगयवि
लिद्रगकरमनहिदिने ॥ यतिहेदुलकरस
ज्जकटकजैपुरपरकिनेमाधवनरेससुनि
भीतमनदमलकवग्यारहदयेबनिनम
परगानजुतबडूरिणदुवपत्तनअप्रथये ॥

॥१॥ श्री० ॥ पत्तनचंद्राउतनकोरामपुरास
 हृद्देस ॥ जोलिनीजयसिंहसोकिर्नोडुल
 करपेस ॥ २ ॥ लौंकनगरकेप्रांतहिगडूजो
 रामपुरासु ॥ कहियतरायबसंतकोवहदि
 नोडुकिरिप्रासु ॥ ३ ॥ दुवपुरजनपदसहित
 देसवपेड्योडूमनास ॥ इकिवनकोदलत
 रिदियमाधवगाधवमास ॥ ४ ॥ हंगी० ॥
 सक्थानचंद्रमुजंगभू१८१५जयलेनयो
 जनकूषव्योसंध्याजयासुतसेनसज्जिर
 देसइकिवनतेचव्यो ॥ गोदावरीनदिलं
 थित्योप्रवसंगपत्तनलंघयोबुरहानपत्त
 नलंघिबेगमितानमेकलजादयो ॥ ५ ॥
 ओंकारइसहिंपुजियेजानकूषप्रवतियउ
 लखीमाहभैसरोरमुकामदेदरकुंचहंकल
 जोपरयो ॥ सुनिएहबुंदियभूपतत्यहिजा
 यकीहितमंडयोमहिमानिजिमतजाइयो

कहिनैरलावनकौंभयो ॥ ६ ॥ तेंहेंद्रगह
 पतिदेवकीतियपत्रविन्नतिमुक्कलीअर
 थोंलिखीतुमअइछोनियलेइपिकरुइजी
 भली ॥ तिहिंविचिकैजनकूकहेकडुबैनभु
 दिअभूपसोहमरोसहायवनायकैतुमनि
 करुपेदुरवकूपसो ॥ ७ ॥ हमरोनिदेसलि
 थोंविनातुमइपुअप्यननांकोउनकोवअ
 पइइंद्रगहनिजरज्यप्रमुपनजोधरो ॥
 सुनिहइबुल्लियफेसवातुमरजुपाननई
 सहेतिनकोसुनायकरीसुहीसुनिरावरी
 इतरीसहे ॥ ८ ॥ करनांतुहेंहितमांहिअ
 हितहितोबहमधरजायहेंतुमसज्जिअ
 वइजंगकोअबहइइहथरिवायहें ॥ अ
 थोयहेकहिभूपबुंदियसाजसंगरकेभये
 सुनियोमलारुनन्हभातनिवारिहोउन
 कोंदये ॥ ९ ॥ जनकैजयसुतकुंअकेतअ

पत्तजैपुरवेगहीकछुदम्ममाधवचंडदैडरि
 नक्षत्रतागतिकेगही॥पुनिसुकतालनजी
 वरवांसनजायकैजनकूलखोनहितत्य
 मिच्छरुहिल्लसौंमरहडुभारसद्योपखो॥
 १०॥त्रयश्चसौंरनयंभगिरिइतफोजह
 किवनकीलरीविचसाहकेभटसज्जतेनहि
 दुर्गछौरनश्चदूरै॥लरतैपरंतुच्छतीसमा
 सवितायव्याकुलवेभयेखंडारिजैपुरदु
 र्गहीहिगतत्यकगार्षेसये॥११॥कछ
 वाहसेवकसाहकीडमताहिहमगहश्च
 प्पिहैमरिजांहिपैमरहडुकोरनयंभमैनहि
 थप्पिहै॥तुमछन्नश्चावदुरत्तिमैहमदुर्गते
 कडिजायहैपंचरंगकेतनकुम्भभूपतिको
 हिप्रत्यरुपायहै॥१२॥खंडारिसुकथश्च
 नोपसिंहदुतोपचैवरिकोधनीखंगारबसि
 यबंचिजोइलरत्तिगोसजिकैश्चनी॥लरि

साहसेवकताहितवरनथंभ्रंतरलैंगये
 तिहिंकारिखगननन्हवीरभजायबाहिर
 केदये॥१३॥कडिसाहकेभटबर्गादिल्लिय
 जायवृत्तनिबेदयोइमवानमधुति॥१३॥
 पोससितरनथंभकूरमकेगयो॥संभाररवा
 नरुपानकेतहकुम्भसंचितकेकरेबाहुर
 सीसकृषित्तरकिवतडागजीरणउदरे॥१४
 ॥दो॥बहुदुरदुस्मारनथंभडिगजयपुरदु
 विअनुकार॥निजनामकमाधवनगररची
 विविधविसतार॥१५॥दुलकरपंहपठयो
 दुकमसुनतएहश्रीमंत॥दुगलिदुरनथंभ
 द्रुतअबकरिजेपुरअंत॥१६॥तंतैवहप
 द्योतवहिंदेदुलकरदलसंग॥गंगाधर
 दरकुंचगतिजितनअप्रायोजंग॥१७॥जित
 यदनागरचालजिहिंकमिपलनककोर
 कीनेजेपुरकटकसांजुदुसुलवरजीर॥

॥१८॥ अथ ॥ अतिजवहयनउरायधस्यो
 परहलगंगाधरमंड्योत्रायुधमेहदुस्योव
 हिरवेहदियाकरखुदिपडुमिहयखुरन
 हुरनलमंगेसागरजल ॥ लमंगेपद्मयगुरन
 मुरनअतलादिमहीतलकाडुकोभयोन
 हिंजयकलहयेबहुमटकटिकटिपरिग
 द्यपपडुमिलुत्थिच्छादितमनहुंबनिजका
 रतंडाहारिग ॥१९॥ दो० ॥ सुमदमरेरनपंच
 सतइतउतकेन्द्रनुरत्त ॥ घायदुसहलगो
 धनंगंगाधरकेगत्त ॥२०॥ जेपुरबडुउमरा
 वजुगपरेभिन्नतजिप्रान ॥ सत्यासीतिन
 केसुमदमरेइतरछकिमान ॥२१॥ जोध
 सिंहअभिधानडुकनाथाबुतकछवाह
 मिसलदाहिनीकोमुकुटचैमूपत्तनना
 ह ॥२२॥ बगरूपतिदूर्जेबहुरिकूरमचतु
 ररुजोत ॥ रनगुलाबसिंहहरद्योवामामे

सलउद्योत ॥२३॥ एउमरावनञ्चग्रणीजि
 पुरकेगिरिजात ॥ मयेनसमुहइतरभट
 दुर्मनभावदिरवात ॥२४॥ इतलंतेगंगाधर
 दुधनखगानसहिधाय ॥ तवमुरख्योदकिरि
 नतरफकरनञ्चनामयकाय ॥२५॥ समा
 अष्टिधृति १८१६ प्रमितसकलगतस्तु
 हेमंत ॥ अगहनसैराकुम्भदुपदुवगतप्रा
 नलरंत ॥२६॥ इतगंगाधरकोमुखोसुनिह
 लकरमल्लार ॥ जेपुरपरहंकोजबहिपदुर
 चिकटकप्रसार ॥२७॥ षण्य० ॥ दकिरिन
 धरकोथंमचढ्योदुलकरजेपुरपरदरकुंज
 नकरिदोरअवनिदसतद्वारतदुरजनपद
 लागरचालप्रथमविंढ्योउनियार ॥ मयो
 चकितभोगीसधरनिफुहतहयधारसिर
 दारसिंहनारधनमितसथनजेरिलगोपय
 नतिहिंदंडिमनअग्गीकियउदुलकरल

गिजेपुरप्रयन ॥२८॥ कुसथलमृतफतम
 लतासद्गुवरतनसिंहसुतताकोडकलघु
 पुत्रनामकिष्कमसाहसजुतजगतसिंहर
 द्दौरहितुसहसारचिसंगर ॥ छिन्निनगरब
 रवादमयोपतिप्रप्यबंधिघरइहिहेतुत्रा
 यमल्लारइततीपनतापचलायकैरद्वोरप्र
 मलपञ्चोरचियगोकछवाहपलायकै ॥
 २९ ॥ शी ॥ दक्षिणजैपुरवेरसुनिजगत
 सिंहप्रभिधान ॥ सुतकबंधसिवसिंह
 कांबैठालनिजथान ॥ ३० ॥ तबकूरमरतने
 ससुतराजाउतकरिरारि ॥ छिन्निनगरब
 वाडलियदियरद्वोरनिकारि ॥ ३१ ॥ याते
 डुलकरमीरकरिवहकछवाहभजाय ॥ ज
 गतसिंहबरवादपुरबदुरिदयोबैठाय ॥ ३२
 सकरसससिवसुससि १०१६वरसशाम
 बलसहस्य ॥ डुलकरसनबुंदीसद्दुगे

कच्छुकरनरहस्य ॥ ३३ ॥ इति श्रीवंशभाणकरे
 महाचंपूकरूपे दक्षिणायने दशमराशौ उच्यते
 इति हचरित्रे सप्तचत्वारिंशो ४७ अक्षरः ॥
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 प्राणमि ॥ पञ्कटिका ॥ लियप्रजितसिंह
 पदपुङ्गवमारलद्युपुत्रबहादुरबहुविरिणार ॥
 बुंदीसमित्त्योवरवाडुजायसम्पुहमल्लार
 प्रायोसुभाय ॥ १ ॥ करियुभयरहेदिनदुव
 पुकामतंहसुनियसुद्धिपंजाबधाम ॥ स
 जिसेनरवानश्रहमदपठानउल्लंघितप्रद
 कप्रायोअमान ॥ २ ॥ पंजाबप्रमलन्य
 पनजमायदक्खिनकिहाकिमदियदुव
 य ॥ यहसुगतकिनदुलद्वरप्रयानचदि
 संगभयोवृपचाडुवान ॥ ३ ॥ सिसुजानि
 सिखावनसुतननीतिलायोसुदिरमान
 राजरिति ॥ वयससवरसुजेयोदुमारलद्यु

पुत्रश्च उवेसधार ॥ ४ ॥ तिनकों पुनि
 बुंदियसिकवदिन्नमल्लारसंगनृपगमनवि
 न्न ॥ मल्लारचहसूत्रादिनैरलुहेजयपुरके
 बिरचिबैर ॥ ५ ॥ पंजाबश्चमलमंडतपठा
 नजयनैरछोरिकियउतप्रथान ॥ इकबंधु
 महासिंहोतजत्यकियतुपकजारिनिस
 विचश्चनत्य ॥ ६ ॥ सुहरनिपतिदसरथ
 सिंहसुप्तकीनोंप्रयागसुतप्रानलुप्त ॥ खो
 ज्योवहमारकसुनतभूपसुमित्योनभज्यो
 परित्रासकूप ॥ ७ ॥ करितदनुहड्डुलकर
 प्रथानपुरकोदपुत्तलीदियमिलान ॥ किय
 सेनपठाननसीससञ्जश्रीमंतविजयरन
 करनकञ्ज ॥ ८ ॥ गाजुदीखांडतकैहराम
 माख्योप्रभुश्चालमगीरनाम ॥ यहसुनतमु
 लकपंजाबछोरिइतनादरघ्नश्चापेसुदी
 रि ॥ ९ ॥ तबत्रासनिजामनसुलकपायम

रहद्वसकलबुद्धेसहाय॥ जिततितदुतोसु
 दकिवनअनीकसुबदिल्लियआयोचहि
 समीक॥ १०॥ उततैसुखानअहमदपठान
 आयोसवेगदिल्लियअमान॥ सुनिदुल्ल
 रअप्रकिवयनृणहिंएहमुवकरतरंगतुमजा
 दुगेह॥ ११॥ गोबुंदियतवसंभरनृपालआ
 योमलारदिल्लियउताल॥ संकरदाफरन
 लूतठानिसज्ज्योपठसनजंगजानि॥ १२॥
 जनकूजयसुतसुनतआयदत्ताकुसेन
 आयोसजाय॥ संभासुतआयोबहुरिसर
 जबमंडिलरनसंध्याजरु॥ १३॥ अरुसठ
 कलीजनिजधर्महीनआलीगोहरदिल्ली
 सकीन॥ दैपुनिमरहदुनकीदिदम्पकिय
 तिनसहायनिजविजयकम्प॥ १४॥ दि
 लीदलदकिवनदलदुरंतमिलिद्वकासज्ये
 अबविरचिमंत॥ बज्जिगनिसानजितति

तबिसेससंजिगप्रवीरदलदबिदेस॥ १५॥
 दुवविबिधतोपसज्जितहरोललहरातधु
 जाफहरातलील॥ मृगराजमुखीकतिलं
 बमानबाराहमुखीकतिवरविधान॥ १६
 ॥ विश्वधारमुखीकतिततिविसालकरि
 राजमुखीकतिप्रतिकराल॥ सिंदूरलय
 नलोहितसुहातदगिप्रलयकालततरि
 नदिरगत॥ १७ ॥ कतिकांतलोहमयपू
 शुलकायसुभरीतिसुल्बमयकतिसुहाय
 ॥ कियसबलधातुमयसज्जकेकइमपुनि
 गुब्बारसंखयप्रनेक॥ १८ ॥ आरूढनिवु
 रचरणनअसेसबिकरालज्वालजनुका
 लवेस॥ अंगारबमतखिनखिनअपार
 दुगसज्जचारगढकरनहार॥ १९ ॥ मिलि
 द्यातदिसादेवतमिदायसतकोदिनादस
 जितसिदाय॥ इवसतहरोलजिन्हबेल

नारकुहालहृत्थमगसुद्धकार ॥ २० ॥ सतह
 वकुवागधारकसुअगमेदततरुथकार
 तमग ॥ तेतोपखिनहुअटकननदेतलेज
 तअद्रिसिरमलपलेत ॥ २१ ॥ सुवधसतच
 क्ववरखनभयारत्रिसतीइमतोपनहुवत
 यार ॥ हुवहलनलकवघोटकदुरुहसत्व
 रक्षिककभतिभतिसदह ॥ २२ ॥ जरजाल
 सखंपरखालजीननखरालचालरयका
 ललीन ॥ नतगोधिचपलचपलासमानके
 तककलीनउपमानकान ॥ २३ ॥ खुरजतम
 तहलनदनखेलभनुससिकुलंकखुरता
 रमेला ॥ अतिकमनखेहउहुतअनुपधर
 नीकिरच्छकनदेतधूप ॥ २४ ॥ जैवैधुपरा
 जयरोयजालअरुविजयसिद्धिसाधनद
 ताल ॥ अरिपवनपिकिवजित्योअसैस
 व्यालहुजिनसेवतयालनेस ॥ २५ ॥ अग्नि

सीसलखतजिनफांदधापप्राकाररचनबो
 रतधराप॥ लखिजिनमलंगतिरखीलजंत
 कुलटाकटाच्छडारनतजंत॥ २६॥ छेकत
 द्यालुउड्डानअनिजावतसखोनभुवकंप
 जानि॥ कसिकसिअरालकीदंडकंधव्य
 र्थीकरंतज्याजेरबंध॥ २७॥ विचग्रीवहे
 मअरेखलविराजिसोहतसुहिलस्तकछ
 विहिंसजि॥ मिलियालनअरालंबमा
 नबहुभल्लअजवसुहिइकवान॥ २८॥
 गुनहोतसिथिलज्योगतिगहीरत्योत्योहि
 खिचतयहजानितीर॥ हदछविकलापपु
 युबालहस्तसोहतहयधन्वीइमसमस्त॥
 २९॥ बरनेत्रछादिनीदियबरबानिजवनी
 जजिसालिग्रामजानि॥ बजिप्रोथनप्रवि
 रतगंधबाहुरिजातपराजितजलुसहा
 ह॥ ३०॥ स्वचरनसमेदिमलपतसुहात

जनुवारिमेदिनामर्मजात ॥ आर्क्तीपिरतक
 तिप्रतिउत्तालजलनिधिप्रनोकसुहिच
 मनजाल ॥ ३१ ॥ पलटतदराजगतिबाज
 पूरजमजनकदर्पदरकजर ॥ आशुतव
 पुरोमनछविप्रखरबसेवतकिचित्तरथप
 हनसर्ब ॥ ३२ ॥ दिह्लीरुसितारामिलिहु
 रुहजिनक्रियतयारइमनाजिजह ॥ सत
 शीयद्विरहक्रियसज्जसंगअहुकप्रलंबत्रै
 चतप्रभंग ॥ ३३ ॥ बारिधिजिहाजजिम
 लगतवालहकेइमपथययभुवहलात ॥ ग
 लिमंइमरतमहप्रवरगातविजयाऽमिभि
 ककटकहिंवनात ॥ ३४ ॥ पूथुकुंभसिरिक
 रिपिहितपीनकंशुकिउरेजजनुयगितकी
 न ॥ रननगरउच्चप्रहालरूपप्रतिरथवि
 सालउच्चयप्रनूप ॥ ३५ ॥ हुवकुंभकुंभ
 सिरकदिपंतमंजुलवजलंबितकेत

मंत ॥ जिनरक्खिवामदक्खिनजरुत्तसूत
 हिंसिरवायदरिजातसूर ॥ ३६ ॥ घुम्मतघु
 मंडि घनसधनधीरजावतमिदातपवमान
 जीर ॥ सुंडाफटकारतनभसुहातजिहिंत्वा
 ससंक्खिसिसुमारजात ॥ ३७ ॥ भननंकि
 भूपरुंभनभ्रमंलकियपत्रभंगितियकुच
 किंकंत ॥ पच्छिनहदातबमथूनपूरगाज
 तायुरैलमंडतगरुत्त ॥ ३८ ॥ अप्रादोपरचत
 अंगुलिउठायकाकोहरभोगकिकालकाय
 ॥ भासतकलापग्रीवाप्रमानमंदरगिरिवा
 रुक्खिधेरमान ॥ ३९ ॥ देलायमानअप्रव
 ननदिरवातगिद्धकिजलायुपच्छनहलात
 ॥ अंधुकुमलंबर्जाकेनअंगमारैमलंगिवा
 जिन्मलंग ॥ ४० ॥ जंजीरजवरजिनकेसु
 हातपद्धतिहलपद्धतिरचतजात ॥ सजि
 डाकरुहारदुवविदिसंगमारतबहुवेणुकर

चिमलंग ॥ दुतिस्याममुक्तकचदरसदेत
 पब्यरहेकिगरदायप्रेत ॥ वारुइबिहित
 चरसीविसालजेकरतदरतमयचिचजा
 ल ॥ ४२ ॥ मगयसचरनडारतमरोरश्चुइ
 मुतदिसवातयातिश्चोरश्चोर ॥ वारुइपुष्प
 जिमचलतवानइमचलतसेरजितमित
 श्मान ॥ ४३ ॥ इकनिमिरवनिवर्तनश्चु
 तरायदूजोनवनतनिकदहिदिसाय ॥
 पच्छिमसनपूरवपलादिजायईवायुलेत
 नैरुतनिराय ॥ ४४ ॥ सतदुवइमजंगम
 अद्रिसज्जिबलहुवतयारनतरबज्जि
 ॥ जवननकुरानपाहि कियनिमाजजुरि
 हं कियथारुहियाजिराज ॥ ४५ ॥ सव
 जीरनिजामनमुलकसत्यसबसाहसेन
 सज्जिगसमत्य ॥ इतदुवमलारदतातथा
 रसंभासुतजनकुरनसिंवार ॥ ४६ ॥ जल

गंगन्हायकरिदानजत्थपठिबिषुक्वच

दसनामपत्थ॥सजियोँबनिदिल्लियदल

सहायलहिकालचलेकरमुच्छलाय॥

४७ ॥ इततैँदरकुंचनभरिउडानपहुँच्यो

हित्रायदिल्लियपठान॥दलकौँपुरवा

हिरकढतदेरनहिँमिलतभईदलअपर

नेर॥ ४८ ॥ इतिश्रीवंशभास्करेसहाचंपू

स्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौउमेद

सिंहचरित्रेअपृचत्वारिंशो ४८ मयूरवः

॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥

॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥

प्रा०मि०॥दो०॥लहलहमजन्नुँकोललि

तलकियाबाहिरतत्थ॥मंडिमरनदुवद

लमिलेसस्त्रनगरिसमतथ॥ १ ॥ सकर

सससिबसुससि१८१६ सिसिरअगम

उदितथनेह॥संकरपहँपठयोसमरत्थ

तासूतननेह ॥ २ ॥ पृतनाइममिलतैप्रथ
 मलगीतोपनलाय ॥ रसनाइकसततीन
 रवजेकिमबरनेजाय ॥ ३ ॥ भुजङ्गप्रभात
 म् ॥ दग्येतीपसंदेहछोनीदरारीबह्यो
 यमप्रावाजधोंधोंविथारी ॥ फर्बेलोल
 नीलाकरीकुंभफुहेंपताकानकेकुंजतुहेंबि
 हूहें ॥ ४ ॥ बनेंफेरपैफेरज्योबाक्यबादी
 गिरचोत्सैलोत्सादीनिसादी ॥ उडेंबाजि
 प्रायासधारबिसारैविमानावलीबीच
 प्रायासडारै ॥ ५ ॥ जगेंधोरप्रधारमैसी
 रज्वालामनोमहकैप्रहमैविजुमाला ॥
 हलैसेसकोज्योफटाकोहजारसिद्धैल्यो
 महीकांतकल्याभिसारा ॥ ६ ॥ लगेचोट
 पैचोटमातंगलोटेउडेंपत्तिजोटैबुचैको
 नप्रेटै ॥ घनेंधुमिधोंधोंकुंभहत्थिघोर
 बनेंज्वालमालाप्रधारबेरै ॥ ७ ॥ ॥

कञ्चुकालंदेतोपयोरारिकिन्नीलरेफेरि ।
 लेखंगहैवमालिनी ॥ धमंकीधराबाह ।
 केबाहवज्योबब्धोबीरकोभीरुकोनीर
 लज्यो ॥ ८ ॥ मिलेदुग्धपानीयज्योजो
 धमत्तेकलारेदवीसेचलेकालकत्ते ॥ क
 र्तेकुंभवाहित्यसुंडाकलावाकहोरुडघु
 म्भेत्प्रदेदतकावा ॥ ९ ॥ छिकेकंधराजी
 नवाजीनछुहेफबैलीनजालीनमेसंगि
 फहे ॥ उडेत्प्रस्थिसंघातकेत्प्रोरत्प्रोरैछ
 लमेघमानोघनग्रावछोरै ॥ १० ॥ कर्तेउ
 च्छर्तेदोपजालीकरकेफर्तेपेटनागोदफे
 लैफरके ॥ कढेननछोरैनलग्गीकनी
 नीलसेषटपदीफूलज्योसंगलीनी ॥
 ११ ॥ बरकेरैकंधरात्प्रसबाहाउडेमू
 र्दमजादहीसारत्प्राहा ॥ दिपैबीरसुंडि
 ज्जज्जैदिरवावैपरैसस्त्रैसस्त्रहेदी

नपावै ॥ १२ ॥ अथ च्छेदधन्वीनकेहंसवै
 धीं नमंतीजुरैकोदिद्विधानिसैधै ॥ तर्कसू
 रद्वारबेधीतभासाउडेबाजकेवाजकेप्र
 नभ्यासा ॥ १३ ॥ गिनिलसर्कसचुहेद्वार
 यथालहं प्रचिनारिसुपमन्निलया ॥
 निहारोयहेचापमरीतिनव्यासुनहीवन
 भीरुसव्याऽपसव्या ॥ १४ ॥ बर्जपत्रणासो
 कत्योभिविथारमहादणकीपूर्णतादीति
 मार ॥ इत्येकनरीदिजकोत्र्यानिज्याज्या
 तितिद्वारद्वारसाधुत्योर्त्त ॥ १५ ॥ न
 धारतऊतामसीवृत्तिधारज्यकाकुपि
 ताकोतबहुद्वार ॥ परहीनसंशाहकेच
 मपतीभलीजाविनात्र्यिदालियभती ॥
 १६ ॥ बहेशलजुरीदलीत्योवरच्छीह
 बरालभीपदिज्यातीरपच्छी ॥ दिपेभूरव
 लरीवनीकोसहेहहलमलथोथारवरेह

उद्धेद्धे ॥ १७ ॥ महातारमै प्रेतअलाप
 मारै नचै जागिनी लोनभैरौ उतारै ॥ हसै
 डाकिनी साकिनी घुम्मिहल्लै घनी रासमै
 घुमरी घेरघल्लै ॥ १८ ॥ जगीज्वालज्यो
 कंतकेदंतजारै मरीयोडरी दिगाजीचीहमा
 रै ॥ अमाइंदुको रूपअदित्यधार्योचिके
 चकचकीनहाहाउचार्यो ॥ १९ ॥ फुबै
 रवगल गोबजेतोपफोरै घखारीमनोप्रात
 कीघातघोरै ॥ मचेकोपउच्छाहथायीन
 मावै तथाहासबीभच्छसोभावतावै ॥ २० ॥
 विधाताबढीसृष्टितैदर्पछंड्योमनोमो
 तिबिकेयबाजारमंड्यो ॥ कुहूरत्तिमैऊं
 पिगिहीकिलोलेडुबेसिंधुअंधारजेभार
 डोले ॥ २१ ॥ घनैबानजोधानकेउडुचा
 रै मनोपूजिवेअच्छरीफूलडोरै ॥ बढैसा
 र्पेभारविस्कारवानीभदंकारअचारमंडे

भवानी ॥ २२ ॥ बनेवावरीकुंभबाँनेतबुल्लै
 सतीकरनारेरद्वैखीजरबुल्लै ॥ अनीपानके
 जानकेहोतसूनीपुकारैबढेरेबढेयोचिपू
 नी ॥ २३ ॥ मरेमरेमीरुकुकेपलाविरवरे
 रवेवीरअकैबदिकावे ॥ अरेसंगिकसं
 गितेअप्रअप्रसजुरवेदुषीकोदिहैतिकवजे
 री ॥ २४ ॥ अनेवीरसुरेनकाँमीरुधावेब
 केजीतमीरबनीमिबनावै ॥ विदूदारिदंती
 नवेधेवरखीअप्रधोहैचलैअस्रकीरिल
 अखी ॥ २५ ॥ सुहीनारिवज्ञोजहैमैबिसा
 लामनीबित्थरीलंबमानिकमाला ॥ लगे
 सुडिपेस्याहकेसलहल्लैकिथोकरुका
 लीथपेधूमइल्लै ॥ २६ ॥ मयेरंगकुल्लम
 लेलहिभालबलीबदभोवीरजीइअुचालि
 कितेपतिधोरनकोमुंडमारमनीधेजुऊध
 न्यवचाअहरै ॥ २७ ॥ कहांअुचरीसर

कोंमडिमालीबनविंगरेबांहगावेबिसा
 ली॥ कहोंमिन्नकुंभीनलोहीछक्केकि
 र्थोतिदुतेफालफुल्लिगतके॥ २८॥ मनं
 कारभेकारभरीबिथारैघटाभहकीजानि
 निर्घोपडारै॥ कहोंहोपकोखंडिखंडारव
 दकेयुलाबीकलीभ्रातमानोचटके॥ २९॥
 छिदेकेककुंभीनतेकसाबुहेतिज्योवातते
 तालतेपसातुह॥ कहोंकुदबुकेनकोमी
 डितोरमनोसपमसुदनिबूनिचोरै॥ ३०॥
 कहोंवीरबैघनेधायधुमैरुपहेकहोंलु
 त्थितलुत्थिधुमै॥ अहारैकहोंअचिगो
 मायुअतीप्रहारैमनोपन्नगीमोरपती॥
 ३१॥ कहोंडकिनीलिमलोहीकुलेजीर
 गेपहज्योअहतरंगेजी॥ हबकेकहोंधा
 यदुखैहजारैमनोतेगकेतापअक्रंदमा
 रै॥ ३२॥ विनोदेकहोंककुबुल्लैबनावै

मनोंषदिइरानकोजैमनावै॥ तमकेडतैसं
 गदिल्लीसितारेउमंगउतैमिच्छइरानवारे
 ॥ ३२ ॥ दुहुंअरयोहत्यअच्छेदिरवाथेय
 नेहत्थित्यांसतिअपतिघाये॥ सितारारु
 दिल्हीथकेदिरसारेमवीअनइरानकोमा
 नमारे ॥ ३४ ॥ छक्योलोहसंभातनेदहबु
 द्योतथाबीरदत्तापयोनिगतुदयो॥ जयान
 र्दकेजीरकेवाथलगामिदेवकिवनायेघन
 हारिमंग ॥ ३५ ॥ अछूतीअनीइकाम
 लारकठ्याबलीदेसइरानकोजोरबठ्यो ॥
 दुयोभजिकेरवानगाजुहिदिल्लीपराने
 ययोजुहकीहोसपिल्ली ॥ ३६ ॥ दो० ॥ पु
 निलजिखानकलीजतजिअलीगोहरसा
 ह ॥ इवसरनागतजहकोलगिभरतपुर
 राह ॥ ३७ ॥ पावकु० ॥ मिलेअवरदिल्ली
 पतिकेतवसजुनमाहिंनवावसुभटखन

इकहाफिजरहमत्तुल्लासठबिरचिहरामसु
 जाहोलाहठ ॥ ३८ ॥ बुद्धरिनजीमुहोलाबा
 लिसपुनिसादुल्लाखानमिलनमिस ॥
 अहमदखानपठानमाँहिँइमजुलमीमिलि
 सबभयेदासजिम ॥ ३९ ॥ इतिश्रीवंशभा
 स्करेमहान्वंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमरा
 शोउमेदसिंहचरित्रेएकोनपंचाशत्तमो
 ४९ मयूरः ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 प्राग्मि० ॥ दी० ॥ दलविगस्योदिल्लीसको
 मरहद्वनगतमान ॥ बच्योइककुलकरब
 लीजित्योअहमदखान ॥ १ ॥ षण्प० ॥ जि
 त्योअहमदखानसाहनादरकोमारकदि
 ल्लीदक्खिनदंडिबढ्योनिजजयबिसता
 रकअंतरवेदीआदिविखयमंडतअप्य
 नवस ॥ प्रविस्थोपूरबमाँहिँरचतसाधी

नडुकमरसगंगारुजमीबिचगयउकल
 हविजयकोतुककरतमूपालप्रच्यहज
 रिभयेसबअधीनहितअनुसरत ॥ ३ ॥
 दो० ॥ आलीगोहरसाहइततुरकनपतिह
 ततेर ॥ आहवजयइरानकोजानिभयोग
 तजेर ॥ ३ ॥ संध्याकोसंग्रामतेइलमला
 रुडाय ॥ भिसकनिकीआचरिभनितदि
 नैधायदवाय ॥ ४ ॥ पठ्यौकगरनन्हप्र
 तिद्रुतलिरिबदकिवनदेस ॥ इहांपराज
 यअप्यनोंसबविधिभयउअसेस ॥ ५ ॥
 ष० ॥ सुनततमकिश्रीमंतसेनपठ्यौव
 होरिसजिसेनानीनिजसूनुरच्योविश्वा
 सरावरजिनिजकाकापुनिनिडरधीरची
 माअभिधानक ॥ भटदेउन्सिरभारअपर
 पिरियडुकमअचानकअरुजाडुधुवका
 काउमयदलडुजंगइरानदलसत्तरिहजा

रत्नमसंगमतरुंदुद्गुगाहप्रसेसरवल ॥
 ६ ॥ सुनिचीमांविश्वासरावदुवलेदलदु
 हरमुदितचलेमरहहप्रवनिमिच्छनमर
 उहरनानारंगनिसानउदितबज्जिगध्व
 निष्प्रायत ॥ कुंभिननानाकेतुखुल्लिहंकि
 यरेवेत्यतपकवरप्रसारछादितपद्मिप्र
 चुरकुंतप्रंबरपिहितप्रावाजमुलकफु
 हियप्रसहबढतसेनसंगरविहित ॥ ७ ॥
 नागराजफनफूतकमठदृढपिद्विकर
 कृतगिरतभारतजिगडुदुदुबाराहवरक
 तदरिदिगजडुगमगतलागतवपथुलो
 केसन ॥ इहिगच्छितपनमहलदहलफु
 हिगसबदसनंमवासत्राससंकितदुमन
 हेरतसबप्रालोचिहियचतुरंगप्रचुरद
 विवेनचढतकिंहिंसिरकोपकृतांतक्रिय
 ॥ ८ ॥ गिरिनचूरमिलिग्रावधूरिप्रंबर

संकुलिथटमिदिदुगममेवासवनतफहर
 वत्तुब्रतप्रतिप्रलातगरिप्रगिलगिफै
 लतहयनालन॥तरुतालनतुंगत्वदह्योजि
 वतगजबालनवजिहुंबवप्रतिबादकापड
 हविजयमर्दलपशावरसवीरबहतसिंधुन
 रुचिररागप्रतुलप्रारापरव॥ ६॥ फोज
 नलगिलगिफैदुरतप्रतिहतरथमारुत
 मिच्छनथरथरसुलकहोतधरधरदुरहारु
 त वन्यसत्यदलबीचरहतथकिथकिह
 तरहस॥महुँरैसलिलमिलायतकलचंदो
 लपकतससंतनुतवृजरनतल्पसमनम
 उहाततीमरनिकरकैनमनिखंगरकिरय
 कुपितश्रीमंतहिरनकरनसर॥ १०॥ हो०॥
 मरहद्वनदलद्वमप्रमितमत्थधरतव्रहम
 ड॥हिंदुसथानप्रविष्टदुवप्रिगनहनन
 अखंड॥ ११॥अहमदखानपठानइतव

द्विगोत्र्यंतरवेद ॥ दिस्त्रियपङ्कचेदक्विनी
 खलनप्रसारनवेद ॥ १२ ॥ दिस्त्रियपुरप्र
 बिसेदुसहमरहद्वेष्टकमत्त ॥ अलीगोहर
 कां अटक्वितिपभयेधरिष्ठत्त ॥ १३ ॥
 नन्हपित्व्यकसूनुसनमित्यो अानिम
 ह्मार ॥ अक्वियदिस्त्रियकरदुअवसुद्ध
 धरमअनुसार ॥ १४ ॥ मुगलनकेतवसब
 महलधीरनलिनधुपाय ॥ गव्यपंचजल
 गंगकरिदियदिस्त्रियधिरकाय ॥ १५ ॥
 वास्तुकर्मअरुहवनबलिसुरपूजनकरि
 स्तर ॥ धारिनिगमहिंदुनधरमप्रेस्योदि
 स्त्रियपूर ॥ १६ ॥ श्रीखमस्तुमुनिससिधृ
 ति १८१७ इमबनिदिस्त्रियईस ॥ दलस
 जितक्वियदक्विनिनरचिसत्रुनसिररी
 स ॥ १७ ॥ अहमदखानपठानउतबहु
 द्विनअंतरवेद ॥ रक्षोअमलअप्यनरच

तभूपनडारतभेद ॥ १८ ॥ दिल्लीपतिइत
 दकिवनीहुवसोसुनिहुसियार ॥ पलक्यो
 अहमदखानपुनिकुलहिंदुनखयकार
 ॥ १९ ॥ सप्तचंद्रधृति १८१७ मानसकमा
 यसिसिरलाहिमेल ॥ मकरत्रये हतअहि
 मकरत्रयेतुरुकअठेल ॥ २० ॥ पृतनाल
 कवपठानकीदिल्लीकीहुवलकव ॥ जायमि
 लीसबइकजुरितमकिउठावनतकव ॥
 २१ ॥ पाठकुं ॥ बहिइततेविस्वासरावब
 लियीमाअरुजनहुमलारचलि ॥ नैनमि
 लतअसिबरकरिनगोलरनखानअहमद
 सनलमगे ॥ २२ ॥ अलहुमम् ॥ मिलिइतते
 मरहुइआतरनबित्थर्योउततेअहमदखा
 ननकिवहयउप्यर्यो ॥ बादीप्रतिबादीकि
 व्याकरणन्यायकेकल्पकरचिरचिकोदिमि
 रेपदुभायके ॥ २३ ॥ चञ्चला ॥ र्योइरानद

किं नीमिले चलाय द्वैः प्रनीकसस्त्रके प्रहा
 रधारवित्थरे मच्यो समीक ॥ उत्तमंग उच्च
 टके कपालभूरि मालके कमिन्न द्वैः गिरै
 सिपाहके भिरै कराल ॥ २४ ॥ अच्युरीनके
 छये वितानरूपले विमानचायसौरहे कि
 लो लिखिल्लह गिहृत्यो सिचान ॥ जुग्गिनी
 नकी जमाति अनिके नचीजरसरसा किनी
 नके समूह उल्लसे सिराहि सर ॥ २५ ॥ सिं
 हके अच्युरीह कालिकारुबेलको महस
 आयसंगहीखरे बने तमासगीरवेस ॥ दान
 सुकिदि करी करंत चिकरी पुकारि सेस अयो
 बराह कुम्भहोसकोरहे विसारि ॥ २६ ॥ र
 लैमरे कबंधमत्तके फिरै उताल भूमिकेत
 न्ज जानि अनिरानचै विसाल ॥ काचकी
 चुरी समान होतर वंडर वंडके क उल्लटै प्रहार
 धीरुही फटै हटै अनेक ॥ २७ ॥ कालखंज

१०

५६

उच्छृटेकटेगिरंतस्त्रीहलोमहोतरवगाश्चि
 मेसुमारहीनप्रानहोम॥जीतजैश्चनिकमीरु
 मज्जिबोविचारिजंगज्योनिमन्वारिप्रानचा
 नकोगहेतरंग ॥ २८ ॥ प्रोथत्योहयच्छुदा
 कटेनिगालकश्यपीनहोतभ्रंगहीनहोगिरि
 विभंगतंगजीन ॥ स्वगघातदारहचलेभ्र
 नेकरत्तरवालवपुमायउच्चरैफिरैश्चनेकमे
 निहाल ॥ २९ ॥ मंदकेकमीरुमज्जियेदर
 सहैनमास्थोकमीसमालकोसमैरुकार
 शोपकार ॥ केकवीरहत्थकोभलेदिरवाल
 स्वगश्चानिभुभ्रंत्यमूर्खनाविलावलीन
 नातजानि ॥ ३० ॥ दंकरैश्चमापचापवान
 कोवनैवितानकालकोनिदानलेनज्याल
 गैप्रवीरकान ॥ केचलेहृथानसंगिकुंतत्यो
 हुरिकदारकंकटीकरालसरचिचलेमिरेकु
 वार ॥ ३१ ॥ हत्थदेमहीकिंतकधुमिभुकेडे

हकंत छाककापिसायनीमनोंगमारले छकं
 त ॥ कालसेकरालखातकेफिरें छुटेकलंब
 बक्रबिंबचक्रकेचलेमनोंकिसक्रसंब ॥ ३२
 ॥ उल्लमंगकंधरगिरें अतीवबाहुअंसंब
 सपिद्विपंसुलीलीगीमनोंकिपत्रबंस ॥ ते
 ग ह्यहारकेकरतकेचंततालसीसहेस
 रोजततथकुंतलावलीसिवाल ॥ ३३ ॥ धी
 रकेकरीनतेमलंगिमपयोधरंतकूटलेकिडे
 हरीनदीकितेहरीकरंत ॥ बरुहीनहेकि
 तेदुरेकरीनपायबीचनाथश्रावकीनकेमनों
 कियंमभोननीच ॥ ३४ ॥ अंजनावलीपिसा
 अहहकेकरें विसालपाहुनीबुलालन्योति
 कुमिनीनरेवपाल ॥ छुटिजातकेनकेगु
 यानधानपीन छेहिलधवर्णअगज्योकु
 कालचिन्नमिन्नहेहि ॥ ३५ ॥ होतसरसी
 यंन उछाहमाहिंदेप्रहारदेनलेनमिन्नोपेव

हैं कि वामनावतार ॥ होत अंगहानि पै कि
 तेन केरु केन पानि जानि हारि में मिथ्या सद्युत
 केरि वल्लाखानि ॥ ३६ ॥ अइ प्रकार ह्ये गिरि
 किले तुरवार वगडति बं विलेत भ्रात इमना
 कि वपु कि विभूति ॥ केतुर तलि सके करी नये
 करे प्रकासलाख रंग भास राधमास ममना
 पलास ॥ ३७ ॥ डाकिनी किली कबीर अंच
 लेत के डारि मालिनी विहारी ज्यो प्रभु तले
 तमाल धारि ॥ के प्रबीर धीर कहि सत्रु कान
 ये प्रकार विचकार बुद्धि में करे तिचिन विच
 कार ॥ ३८ ॥ के गहा प्रहार के हने सकोपम
 त्यइ वुलोह कार कुटपे मने मना किली ह
 रिह ॥ प्रतं कपत सगेद को सिरत वक्रयो
 नलेत के प्रबीर व्याहि अचरी उतारि लेन
 ॥ ३९ ॥ रंग माहि बंदि के अनंदि बंदि देत
 रंग पि कि वजं जोर ह्ये अइ करु कि कप

लंग ॥ केकतेगमारदेहरे करीनउत्तमंगतो
 रिष्टुंगमेरुकोबलमनों किधारगंग ॥ ४० ॥
 केप्रसनयदते श्रुधायहोतगिद्धकंकज्योप्र
 छनद्वारकेप्रवेसरवबहेनिसंक ॥ हत्थिघा
 यफारमेदुरे कितेकमीरुहंतब्रधकोउगान
 जानिचौरज्योदरीबसंत ॥ ४१ ॥ कुञ्जप्रंध
 रंजदैनचोपिसाचहासकाजसाकिनीकवा
 यदंतकेकरे बिरूपसाज ॥ इसकेहिथेगयेहु
 सीरकेकहैउलारिनाथलेहुधारिनेकजुहु
 दंतकोनिहारि ॥ ४२ ॥ सद्यस्वीयरनडारि
 होपमेकितेकसरहोयनम्रगतप्रातमात
 कालिकाहजूर ॥ होतसत्त्वछोरिएकवार
 केकितेमहीपदीपिकाकरे नलेलहीनज्यो
 दसापदीप ॥ ४३ ॥ दोयप्रेतप्रंतलेफिर
 कहांकपेरहेतरेतकारलदिवेनगेजरीब
 जानिरेत ॥ जंगमेमलंगकेकमल्लवेलगा

५०

तजोधरंगमां हिरंगलें करै किते कजोधरोध
 ॥ ४४ ॥ सत्रुकंठदंतदेषिवंतरसुकैकसराय
 हुनि पछारिसार हूलन्योधनेंगरार ॥ मेघबहै
 मिलेप्रनीकहै प्रकोपबातमेलखगत्योके
 वारकुंतसंगिबानबुंदखेल ॥ ४५ ॥ केक
 रीनप्रंगलीतरखकेकरै प्रकासपानुअंध
 कारयेकरैअनेकजानिभास ॥ सोरकीसि
 रवांसिलगिजोरकीसुगजिजातओरकी
 कहौं किलीकथोरकीयदादवात ॥ ४६ ॥ हो
 तजंगयोलहीसमास्तदकिबनीनहारिउघ
 मीकहाकरै नदेवमद्रप्रानुसारि ॥ बित्यरे
 धुमंडिकेइरानमिचुजै बनायखीजमैभये
 गयेघनेअरीनमानरवाय ॥ ४७ ॥ कुरडवि
 का ॥ यानिपकरिजुकेप्रबलइमदकिबन
 इरान ॥ करनअजयदूरीकरनकरनविज
 यपतिमान ॥ करनविजयपतिमानरंगकरु

रवेतजंगरुचि। रुचिधरप्रहमदखानजयो
 हृतप्ररिहृपानसुचि। नसुचिभजेमरहृन
 सुचिभजेस्यानिपकरि। निपकरिलयेव।
 धायगयेप्रचरिपानिपकरि॥ ४८ ॥ दो०
 ॥ चीयाकोसिरकीचटकखोजिकत्करनरवेत
 ॥ हारयोकरिप्रायासहरहास्योतदपिनहे
 त॥ ४९ ॥ जयालनयसंध्याजिमहिजनकू
 प्रपरसजग्गि॥ नमित्योरंचकपलचरण
 गोलरवारिनलग्गि॥ ५० ॥ ष०प० ॥ तनय
 नन्हकेतिमहिबीरबिस्वासरावबुद्धिन
 कश्ये। सुरगनिसंकपानपकरदुपठनबुद्धि
 होरीजियदुरियारनिडरगरीप्रसिनागि
 नि॥ करीबहुतलरिकुमरदुजनतियदुस
 हृदुहागिनिसुरलोकसव्यप्रचरिसहित
 गंधर्वनगीतसुगयीश्रीवंतसुवनहारिनस
 सुमितरवारिनतिलतिलभयो॥ ५१ ॥ ॥

दो० ॥ रामरावनारुवरघुवबालात्र्यंबकली
 र ॥ रामचंद्रत्र्यंबारतनसखारामहमगीर
 ॥ ५२ ॥ इत्यादि कउमरावसवदक्किवर्नके
 तजिदेह ॥ नाकगयेबंधननवलनाकक
 लचननेह ॥ ५३ ॥ इति श्रीवंशभारकरे म
 हाचंपूररूपे दक्षिणायने दशमराशौर
 म्पदसिंहचरित्रे पंचाशत्तमो ५० मयूरवः
 ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 प्रा० मि० ॥ दो० ॥ पहिलें जिमहुलकरपु
 शितवच्योत्र्यामुबल एक ॥ जायभरतपुर
 जहकै किन्नां आयनसेक ॥ १ ॥ डोरिकली
 जहुभरतपुर सुनिमल्लारिहं प्रात ॥ गर्येहि
 दरबाहम जिप्रालयनिजप्रकुलात ॥ २
 ॥ कियस्वागतमल्लारको सुदितप्रहृषि
 मल्ल ॥ रसतद्रव्यसव नजरिकरिहर्षोद

किरनदहल ॥ ३ ॥ तबहुलकर कछुदिवसत
 हंरिहिरचिकटकनवीन ॥ भंडप्रैटरपुरादि
 सबलूदिपदाकरलीन ॥ ४ ॥ पुनिमगके
 युहुलयु नृपनदंडतविजयदिरवाय ॥ गाग
 रनीश्याममल्लगहजवकरिविंथोजाय ॥ ५
 ॥ कछुकरारिरहोर करिदयोउचितपुनिदंड
 ॥ परिपायनमल्लारकैसद्योहुकमअखंड
 ॥ ६ ॥ हुलकर बहुरिप्रथानकरिकोटाज
 नपदअथाय ॥ दिनकछुधोंटमुकुंददररह्यो
 सुकामरचाय ॥ ७ ॥ अहमदखानपठान
 इतदकिरनजित्तिदुरंत ॥ आलीगोहरसा
 हपुनिकियादिल्लियतियकंता ॥ ८ ॥ मुकुर्य
 बजीरनबाबकरिलखनेऊनगरेस ॥ मुग
 लनराज्यजमायगोलंघिअटकनिजदेस ॥
 ९ ॥ इतदकिरनश्रीमंतसुनिखीयपरज
 यशोर ॥ चहिसतरअपुनचल्योजवनन

डारनजोर ॥ १० ॥ षण्य ॥ संध्याजन रूपदृढ
 येकेदाररावकं हं अरुदत्ताकेपहधयोमाह
 जिप्रवीरतं हं कमसननाती पुत्र अण्डरराणजी
 कये ॥ दासी शौरसदुबहिसचिव धन मन
 करिसंये सजिसंगसुभट्टत्यादिसवक्रमप्र
 पंचजित्तनकार्यो श्रीमंतनन्हदिरचनविज
 यदिल्लिय उपर उपरयो ॥ ११ ॥ दो ॥ इ
 किवनके विपरीत दिनहुकमविगारनहार
 ॥ इवइंगेजन उदितकरतअवहिकरता
 र ॥ १२ ॥ करत निजलश्रीमंत कडु बहिव
 पुरोगा विसस ॥ आननतजि परलोकगतसा
 हसुतसचिवेस ॥ १३ ॥ तवमरहदुनपुरि
 तखतनिजशुकेसिरनाय ॥ सुतजोगी श्री
 मंतकोरकव्योभाधवराय ॥ १४ ॥ रुचिरा ॥
 बुल्योइतबुंदीसनुपतिनिजदीपअनुज
 जयनेरग्योअपकलताससकलविसुत

करिहोतसदयअतिहेतचह्यो ॥ अरुसिरुपा
वकरीजुतरनरसरसिककापरनिनगरद ।
योपरिखदबिरचिबुलायबचनपटुअ
प्पिअभयहियलायलयो ॥ १५ ॥ हीरकम् ॥
जैपुरनृपमाधवइतवारितकरजानिके
नारव सिरदारसिंहबिंदियद्रुतअनिके
॥ कारनरनथंभअग्गदकिवनजयनेरए
हमरोहमरोउचारिकुप्पिगरचिबेरए ।
॥ १६ ॥ जैपुरउमरावनसनमाधवतबयोक्की
दकिवनसनमेलकोउममभटनकरोसही ॥
नारव सिरदारतदपिडुलकरपतिभिटयो
समुहकरजोरिमोरुरक्वननिजभूनयो
॥ १७ ॥ मन्निअपराधकुप्पिकूरमअब ।
अप्रायके बिंदियउनियारमारतोपनमच ।
वायके ॥ संवतधृतिअद्रुअवनि१८१८ पा
उसगतकालमेंविकूलडुवनारवइमसंग

रविकरालमें ॥ १८ ॥ रनकरिकछुकाल
 बहुरिनारवभयमंधिकेमाधवमहिपालक
 पयलगियसयवंधिके ॥ देकहुदमदम्
 स्वामिआयससिररकवयो होतुमअसुना
 यदासहेहमहुमअकवयो ॥ १९ ॥ बुलि
 आला ॥ उदयनेरनृपराणइतराजसिंहदि
 यच्छोरिकलेवर ॥ सहअंतहपुरपुरसकल
 तेहंसहसाहुवचासयोस्तर ॥ २० ॥ सोल
 हआदिकतेवसुभटअंतहपुरप्रच्छनहार
 गत ॥ रानिनप्रतिचित्रतिरचियमंडिउचि
 तव्यवहारधर्ममत ॥ २१ ॥ अकिवयनृपपर
 तापकोअन्वयकियइकलिंगनभृअच ॥
 शुच्छतहमयतिप्रकटसालहअरुनतीस
 प्रमुखसब ॥ २२ ॥ जोरानियआधानजुत
 केकोउकताकालनिहारहि ॥ यहनहिता
 अरिसिंहकोवेठारनहमपहविचारहि ॥

२३ ॥ उत्तरतव अवरोधसनप्रकटहिसुनि
 रानीनपठायउ ॥ नहिदोहदलच्छनछि
 पतक्योतुमयहसंदिग्धकहायउ ॥ २४ ॥
 सुमदनयहउत्तरसुनतरानप्रतापकनिष्ठ
 भ्राततव ॥ गदियपति अरिसिंहकियपरि
 पादीव्यवहारसद्विसब ॥ २५ ॥ अरिसिंह
 कुतवअरजयहं पठईनृपपरतापतियन
 प्रति ॥ तुमधारतआधानतोरंचकनहिंम
 मरज्यमोहिरति ॥ २६ ॥ राज्यसिंहसंत
 लिरहतमोहिमातसबदासहिजानहु ॥ नृ
 पतायहममजोग्यनहिपदुअप्यहुनहिं
 छद्मप्रमानहु ॥ २७ ॥ पठईरानिनअक्खि
 पुनिअबतुमनृपअरिसिंहउदयपुर ॥ क
 रहुनाहिंसंदेहकछुधरहुराज्यअधिकार
 सारधुर ॥ २८ ॥ इतमाधकजयपुरअधिप
 णिनिविगरेमरहदलोमगहि ॥ उनकोहो

निजहिगन्धमलकियसुदेससाधीनउचित
 कहि ॥ ३६ ॥ सत्वरयहकदुवत्तसुनिजयपुर
 स्तिरमरहहसजेजब ॥ पठयोबुंदियपत्रलिखि
 तरितदरितकृद्वाहभूपतव ॥ ३० ॥ करनभी
 रयहकालहेपूतनानिजममपासपदाबहु ॥ म
 रहहुनसनमंजरचिवाउनकोयहकोपनठा
 बहु ॥ ३१ ॥ संभरपतिइमपत्रसुनिअजि
 तसिंहनिजपुत्रभेजिदिय ॥ सहंसपंचदल
 संगकरिकुम्भकथितस्वीकारसकलकिय ॥
 ३२ ॥ सकविकमधृतिधृति १०१८ समयकु
 मरअजितइमवीरसिलहकरि ॥ नवहाथन
 षयविचनिडरमीराग्योजयनेरहरकभरि
 ॥ ३३ ॥ सुनिमाधवअतिजवसुपुरवअग्ग
 रीतिसवलंधिरुअप्रायउ ॥ सुलियडुंगरिषार
 मिलिविबिधसद्धिसतकारवधायउ ॥ ३४ ॥
 इतिश्रीवंशभास्करेमहाचं पूतारुषेदक्षिण

यनेदशमराशो उम्मेदसिंहचरित्रे एकपचा
 शत्तमो ५१ मयूरः ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७
 ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
 प्रा० मि० ॥ दो० ॥ अजितसिंहमिलिकुमरद
 ममाधवसनसहमोद ॥ पदुं च्योडिरनया
 यपदुं विरचतलरनविनाद ॥ १ ॥ क्रियत्रपु
 ब्रमाधवकहिय बुंदियपतियहवत्त ॥ मुनि
 रनपटपस्वीयसुतयं हं पठयोत्रनुरत्न ॥ २ ॥
 कारनपायविसेसकदुदकिक्कनदलक्रियदे
 र ॥ माधवसुनिरकथ्यो मुदितकुमरदुदुचपके
 र ॥ ३ ॥ कीडाबहुप्रारयेदक्रमदिनदिनम
 हलदिवाय ॥ समुहरकथ्योतरवतसिरपुनि
 महलनपधराय ॥ ४ ॥ दयारामतं हं हृद्वि
 जक्रियविन्नतिकरजोमि ॥ जयहरिलियलि
 खवायजबनृपसनलिखितनिहेरि ॥ ५ ॥
 तं के हं जुसमपिं हं हमतुमकोकचवाह ॥

१०

५२

धरहिं प्रकदायादधुवचिंतिरावगिवाह ॥ ६ ॥
 लयोजनकतुमरेलिरिवतत्रचिंतदेनप्रच
 राह ॥ ७ ॥ अथसंभारप्रचक्रमगिनिसहस्रविहि
 तसमेह ॥ ७ ॥ तौमुद्रकमसिहाततेहनि
 डप्रहृनगराज ॥ अथिनकरमहेसंकेकरा
 स्वामिजयकाज ॥ ८ ॥ कृत्तयोसोद्वचिलेव
 अचनकरहुतितपदित्तानि ॥ तौपुरपनियह
 सुनिसंभवप्रयोनिरिवतसुप्रानि ॥ ९ ॥
 इतिवनपदकयिलेयलपिमानिसयनचि
 त्तुमारे ॥ १० ॥ अथकुमारद्विसिकयदियथाधनकु
 रममारे ॥ १० ॥ मायपदालयमनकजिप
 कियकुमारसलका ॥ अथिकयदित्तपिच
 अतएवउतउतगिनकुउदार ॥ ११ ॥ इमक
 द्विदकममदुवअरबदुवसिदपावसुरसाज ॥
 नमभस्वनडकरुचिरनपकिचनमरिहित
 कान ॥ १२ ॥ अथरुदवापउमराचनिमरेषु

पुरपसमत्य ॥ लक्ष्मनताकोपुत्रलघुपङ्कचा
 वनिदियसत्य ॥ १३ ॥ द्यारामतेहंअरजक्रि
 यकूरमप्रतिपदुप्यार ॥ कियतुमभेदकुमार
 कीसंभरपतिसतकार ॥ १४ ॥ नियमगिन्ये
 हितमाहिंनहियातेयंहेकुवएह ॥ पैअब
 संभरभूपतेअर्द्धलिखावहुलेह ॥ १५ ॥ ज
 यपुरकेदफतस्जबहिलियमाधवलिरववा
 य ॥ सुनहुराअचितिपालसेसुनिवेयोग्यसु
 भाय ॥ १६ ॥ राला ॥ संभरपतिकेसमुख
 कीसइकआवहिंकूरमकुमारसमुखअध
 कीससुपुनिआवहिंसनेहसम ॥ कूरमडेर
 नहुहुजाततोरनलगआवहिंकुमारहिंपा
 अंदाजअंतरहिमिलिलेजावहिं ॥ १७ ॥
 नृपतिपरस्परदेहिमिलतमस्तककरअनि
 कुमरहोयअतिनघयहहिआचारप्रमानै ॥
 जानुजोरिन्पजुगलरहेइकतरखतवरबर

वैदसनमुखकुमरइकतसतहिहिततत्पर
 ॥ १८ ॥ न्दभरभोरछलहोयउभयभूपनरु
 परलंहेकुभरदासकरर किवरहेतसपिदि
 खरोलंहे ॥ पापदानसनमानभूपनिजह
 ल्पुडावहिंकुमरहिंअप्यहिंइपसुजलि
 दुवहत्थनयावहिं ॥ १९ ॥ अंगलगवहि
 अतारउभयनृउभय करनकरिकुम
 रअंगकरइकअतरलावहिंहिनअनुभ
 रि ॥ पायंदाजप्रदेसअवधिभूपहिंपहुंचा
 वहिंकुमरहिंमाहियडोरिसिकवदेसिवि
 पदावहिं ॥ २० ॥ इकगजदुवसिरुपाव
 अपरबदुवभूपहिंअप्यहिंकुमरहिंदुवसि
 रुपावअसदुवदेहितअप्यहिं ॥ इकभू
 रवनजिंहिअन्यअपिभूपहिंहितथार
 हिंकुमरहिंतासनअइअधरभोरविथा
 रहिं ॥ २१ ॥ इरभइनकेसिविरअतइम

एदुकरैः सबलीनीयहलिरक्वावस्वीयदफ्र
 तरमाधवतव॥ संवतधृतिधृति१८१८स
 मयमाघ पांडुरपंचमिदिनइमबुंदियनिज
 नेरत्रायप्रबिस्थोकुमरनइन॥ २२ ॥ ॥
 इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूखरूपेद
 क्षिणायनेदशमराशौउमेदसिंहचरित्रे
 द्विपंचाशत्तमो ५३ मयूखः ॥ ७ ॥
 ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७
 ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
 प्राणमि०॥ दो०॥ संवतनवससिधृति१८१८
 समयमाधवकोउककाज॥ त्रायोगहरन
 थंमतं हंबुल्योसंभरराज॥ १ ॥ सचिव
 तासत्रायिसमुग्गिगोबुंदियपतितत्य ॥
 पुरखंडारिसमीपदुवसुपहुमिलेहितस
 त्य ॥ ३ ॥ संभरनृपकेकुम्भसनसुमलमि
 लंडकसहि॥ उभयमिलतनृपत्रयिनको

१०

५३

चरगयोसवनद्वि ॥ ३ ॥ दियलियगजतु
 रगादिसवकियकबुदीहमुकाम ॥ इतलुं
 दियनृपअंगनामुख्यगईसुरधाम ॥ ४ ॥
 महिलेसकरवदवधृति १००६ परलहिप
 तिपदबैसाख ॥ इडरपतिजाभोगिनीपरी
 सुमेवकपाख ॥ ५ ॥ पुनिसत्रहधृति १०१७
 सालपरअंग इनमेवकपाय ॥ ऊदाउति
 गतअसुमईइ द्वीदिनगदछाय ॥ ६ ॥ अ
 बवसुससिधृति १०१८ अर्द्धकेपुसिमवे
 तअनेह ॥ महिषी हडुमहीफकीदियऊ
 लियतजिदेह ॥ ७ ॥ खवरितातरंडारि
 हीपहुंचीसंभरयास ॥ नृपहुवलखिअहु
 चितनियतिअंतरकहुकडदास ॥ ८ ॥
 सुपहुहुहुनतत्यहिसुन्यो अबहकिशनह
 लआत ॥ केदाररुमा हजिकमिगधहन
 संध्याघात ॥ ९ ॥ सुनिवाधवजेपुरगयड

आथउखपुरउमेद॥ दिसदिसमचिदक्खि
 नदहलभूपनसिखतमेद॥ १० ॥ रेला॥
 इतसंध्याउज्जेनआयमालवनिजबसकि
 यप्रयनदोयरहितत्थदावमरुधरजित्तन
 दिय॥ चित्तिजयाकोबैरचंडसजिकककच
 लायेयेंहंसबनूपनवकीलइधसद्धनद्रुत
 आये॥ ११ ॥ इमसवेगअजमेरपत्तरनखु
 ल्लिपताकनविजयसिंहसनविजयलेन
 कियमंनकजाकन॥ यहसुनिमरुधरईस
 भीरुबुंदियपुरभूपतिबुल्ल्योदेदलबिहि
 लमंडिमंननजुळनमति॥ १२ ॥ इतअ
 मिशुलिधृति १६१६ अदअसितसुचिब
 द्विअरकजुतभूपभुजियाबहुरिजनिगसं
 ग्रामसिंहसुत॥ बलिमरुपतिदलबंविह
 हं कियसहायहितसमुहआथउविजय
 सिंहबाहतप्रमोदचित्ता॥ १३ ॥ दियडेरा

बुंदीससुरसागरतडागतददकिवनदलकी
 देरभनलभूपालतिमहिभट॥यहं वकील
 अजमेरमेजिमरुगजसामसनअदुलरु
 हैहमदोहमिह्योमरहहन ॥ १४ ॥तब
 दबनहुंवारचल्योदकिवनदलसतरलुहि
 यपुरमोजादचारुआपनधनचत्वर॥स्वी
 यपिलव्यकारुताबुद्धिइहुरपुरसनयंहंउ
 दअंकुमरिअपिधानमरुपव्याहनसंभरकं
 हं ॥ १५ ॥अतिधृतिधृति१८१६आषाह
 नवमिअवशातलमनपरबुंदीसहिंसबिने
 ददइहुलहनिबिवाहिवर॥रकव्येभिज
 आवासनृपहिंसनमानिपकवचयहुवद
 तिदिनमुदहुहुंनदोजिसितपरवचंद्रोद
 य ॥ १६ ॥पुढीभदनमोजादइतसुकीटे
 ससचिवगयअरेरामकायत्यमिलनम
 रहहनअशमय॥संख्यामाहजिअदुनदि

सुनपूरेप्रवसरलहिसभरमरुपसहाय
 होनकारनअनेककहि ॥ १७ ॥ देकबुद्ध
 नैदम्भमेरिजिमतिममाहजिमनबुदिय
 अपरबेगप्रथितअन्योकरायपन ॥ कटक
 अचानकमुररिचाहि हडुनदंडनचितअ
 नीबिबिधउम्भहियमुदिरभद्वलहरु
 मित ॥ १८ ॥ इंगप्रातदक्खिनिसुनत
 माहधरतजिसभरअयोबुदियअरहिस
 अहोहुरचहिसंगर ॥ पुटभेदनप्राकारस
 जिवाहतअरिआगममानहुचत्तकम
 रासधनधनभदसमागम ॥ १९ ॥ चित
 माहजिलहिचाहदेरिइतवपुदक्खिन
 दलबुदियसहसाबिटिकियउतोपनक
 लकलकल ॥ अरेवेरामदलअपिसज
 बुद्धकोदेसहिंसत्रुसल्लदलसुनतच
 लोदबतद्रुतदेसहिं ॥ २० ॥ अनतापर

पतिञ्जितप्रथमजेद्रुवकोटापतिपदता
 सयहपायत्रायबुंदियरनकियत्रति ॥
 संध्याकेभरिश्रवनबन्यौजयकारलासबल
 जिह्मगलहिद्रुणजानिअकबुमारतमार
 लत्रल ॥ २१ ॥ इममाहजिअपनायबु
 हिमाधवहरबुंदियसंध्याकौसाबातसौ
 रकौकूलचलनकिय ॥ दंकिवनप्रबद्रुव
 हितरफतापनमचितोपनकुलगोलनशा
 कारलगेकोपनरथलोपना ॥ २२ ॥ थालस
 लिलगतिथरकिमहीडुंगरडुगभरगतअ
 तलबितलवसवानलज्जितुललपपथल
 द्यात ॥ वनिबनिप्राननपिसुनबीररसबाह
 तनारदधमिथमितोपनधूमसहजछापत
 धनसारद ॥ २३ ॥ तुहननिजसिरत्वरित
 सूरनचहेरुचहेसिवइतमारनअरिअत
 लउतसुहिसनअनिचुडव ॥ कालीखप

रकतिनगोदगततदपिनदनमहिषीवनदे
 तनचपलकरदुःखवासपचनकहि ॥ २४ ॥
 सुरभिपरागसमानखेहरविमधुपदृगन
 खिरिचंधीकरतत्रनूरुसहितकर्दमवि
 धायकिरि ॥ तारागढसिरतोपलौनकच
 मालउतारतबंदीगिद्धनिबुद्धिसूरगति
 गिरिहिंसिंंगारत ॥ २५ ॥ अक्कागलिन
 जिमप्रदततिमिरफारतगोलेंतिमतोप
 अदितिकेतनुजकरहिंसंख्यापावनकि
 म ॥ देतनिसेननिदेरिसूरश्चारेहतकधि
 सिरइतकेअसिआघालबाहुडारततिन्ह
 बाहिर ॥ २६ ॥ तकितकिचिद्धनतोपदा
 रवेधतत्रप्रणुगोलनपद्यतिनकेपालशुक
 लधुम्मतककगोलन ॥ धमकिखनंकृतधुधि
 धुधुलबलमिनपरखप्परबिधुरतजरिबा
 जारधारतप्परकठधुप्पर ॥ २७ ॥ भीरुनकु

स्वच्छविभांतिनठतजलद्रंगनिवाननसेह
 गरसबीररव्योबिक्रयद्रमप्रानन॥ बिरहि
 निकेउरविबिधमयेतपितपिसुवसुदलके
 जिममनिबिकांब फरसग्रीरवमदाहक
 फला ॥ २८ ॥ अहुरुगोपुरउडतथंममड
 पथहरवतगगनसिद्धगतिग्रावलोलच
 लतुलहरवत॥ माधत्रयोदसिअसित
 अकससिधृति १८ १९ सकअंतरमाहजि
 कंमिलवायसज्जीबुदियद्रमसंगर॥ २९ ॥
 सुनियहदेनसहायकटकपठयोकूरमप
 तिकहोहडुजयकरहुहेतिबलकरहुस
 उहति॥ यामंडहेडापुरपहोयकूरमस
 नानीरजाउतद्वारकादासअयोअमि
 मानी॥ ३० ॥ साहिपुरपठमंदल्योहिथ
 थयोसहायदलसुतलधुमालिमसिंह
 बिरचिसेनेसमहाबला॥ विजयसिंहम

रुराजजदपिबुंदियरनजान्योभेजीतदपि
 नभीरमूढकृतघनपनमान्यो ॥ ३१ ॥ अथ
 द्वुपहरइतहडुभूपकटिबंधनखोलतपल
 पलविचप्राकारभटनललकारतडोलत
 ॥ सुतदुवपृथ्वीसिंहभूपजेपुरपतिकेजे
 हतासबधाइजंगहोतअइबुंदियतहं ॥
 ३२ ॥ उच्छ्रवताकोअतुलसुनतसंभरन
 रसकियमरनमंडिरनतुसुलबहुतदिन
 कियनिसकहिय ॥ जान्योतुदतनाहिने
 रबुंदियमाहजिजबअहरिसामउपायप
 अपद्योचुपप्रतिलब ॥ ३३ ॥ कोटापति
 काकथितमन्सिगर्भहंमेड्योअप्यमि
 लहुअबअप्रायछुद्रसाहसहमछड्यो ॥
 सुनिचुपअरिक्तसामचिंतिनयमिल
 नविचारियमाधानीभगवंतदुग्गरकथो
 रखवारिय ॥ ३४ ॥ अकियहमकोमा

रिनगरत्ररिलेनविचारहितोभाइमरितु
 महुदेहुपुनिसुवेदारहिं॥माहजिहितु
 मिलापकियउचुपनिकसियहेकहिअथ
 सुतीरनअवधिसमुखसंध्याहुतोरसाहि
 ॥ ३५ ॥ हथजोरिकरिहुलसिजायबैरेप
 रिरहुहुवसायराधसंध्यासमेतहुहुनवि
 नोहुहुव ॥ करनजोरितवकहियनप्रमा
 हजिअगसनिजसुनिहितजुतसंभरहु
 विकचकिन्नेहुगवारिज ॥ ३६ ॥ अकिव
 यतुमकाटेसकुटिलकोक्योनइएकियसु
 निजोरितससयनपिकिवपुनिलपुबुहिय
 प्रिय ॥ खरनीकेहुहुदमचंहेअद्विकवि
 निदिनेहितअन्योन्यबढायविदामरहु
 हुनकिन्ने ॥ ३७ ॥ याहिवरसरए१६बुद्दी
 सकेरसिरदारसिंहसुवहुहुदरपतिजाउदव
 कुमरिरानीअोरसहुव ॥ कनमारुसुखअ

सितपक्वसंगतप्रथमिदिनउच्छवतिहिं
 खिनप्रतुलबद्धरिविरचियहड्डुनइन॥
 ३८ ॥ केदेसद्गुत्राननविगारिप्रतिस
 यसदायहियप्रवेरामसरसचिवसहि
 तकोटाप्रवेसकिय॥ विजयसिंहमरुईस
 बुसिइतहड्डुमहीपतिदीपकुमरिनिज
 वहिनिताहिव्याहियमंजुलमति॥ ३९॥
 सककृतिधृति१८२० मितसमाराधप्रव
 द्वातदसमिदिनप्रतिहितकरिउच्छाह
 लगनसद्वियकबंधइन॥ सालप्रकृतिधृ
 ति१८२१ समयतीजफगुनसुदिबासर
 ईडरपतिलधुसुतादीपसोदरव्याहोवर
 ॥ ४० ॥ जोधपुरहियहविजयसिंहमरु
 पालव्याहकियनामभवानकुमारिवहि
 निउच्छवकरिव्याहिय॥ याहिबरस१८२१
 श्रीमंतमाधवदुदेहविहायोपहनरायन

रावप्रनुजताकोतवपायो ॥ ४१ ॥ तिंहिं

काकारद्युनाथरावपरवैरविथारियतनिम

जितवसरनदुंगरेजनद्रुतधारिय ॥ सकुड्ड

हिं १८२१ कथितसमीपसाहअलमदि

स्त्रीपतिदियअंग्रेजनअर्थतीनसूबास

हायमति ॥ ४२ ॥ बंगालारुबिहारतथा

उडुसाएअयहनमैतवअंग्रेजभयेहाकि

मजमातजय ॥ सबानयसिरसाहरुदनिज

गतिजवजनीइस्तभररीअंकिदईइन

कौदीवानी ॥ ४३ ॥ प्रथमरुहेलासचिव

नजीबुद्दोलाकभयदिल्लीतं वचिसाहबंग

अंतरवचिवेभय ॥ कछुहायनतं हं कहि

मखीसुनिकथितरुहेलाल हिमरहदूस

हायविसोदिल्लियलखिवेला ॥ ४४ ॥

नजफखानजिहिंनामजवनसोकियवजीर

जवसकलिअंतरसुनइअधिकअभुरामइ

हांश्च ॥ सिक्प्रसादमुनसीजुश्चाहिश्च
 युनाश्चंग्रेजनजिहिंबहुग्रंथबनाइविदि
 तकिर्बेच्छापासन ॥ ४५ ॥ जिनेमैइकभू
 गोलश्चादिहस्तामलजानहुतेहंइन्हसू
 बातीनमिलनसूचित १८२१ सकमानहु ॥
 ताहिनेइतिहासतिमिरनासकप्रबंधकिय
 तामैपावनपटसाहश्चालमकोसकलिय
 ॥ ४६ ॥ सोहयदुवबसुसोम १८२७ कितो
 अंतरश्चबइकवहुश्चोरनेइहिरीतिपरत
 अंतरप्रमुपिकवहु ॥ मुद्रितकियइकग्रंथ
 विदितपंडितवंसीधरसोमारतवर्षीयश्चा
 दिइतिहासनामपर ॥ ४७ ॥ तामैबैठनत
 खतसाहश्चालमसकसूचियसोहयदुवब
 सुसोम १८२७ प्रमितजानहुपुहवीपिय ॥
 बहिद्यदिअंतरविबिधलेखकारहिइम
 लावतहेतसदोसनहमहिंलेखअनुसा

रलिखावत ॥ ४८ ॥ परिद्रमवत्तप्रसंग
 अत्यममदुकहिप्रायेवर्तमानअववृत्त
 सुनहुप्रभुसबनसुहाये ॥ जहजवाहरमल्ल
 याहिहायनप्रदुपिअबलुहीदिल्लियजा
 यसाहधनकोससहितसव ॥ ४९ ॥ अ
 म्माजनकरविमल्लमर्योदिल्लियरनअंतर
 ताकोवेरविधायकरियथहजहजवाहर ॥
 इतमेवारेमदनसठनतसकरपनधास्योबुं
 दियजनपदबीचविविधवसुहरनविधा
 स्यो ॥ ५० ॥ कुणितबहिबुंशीससेनसज्जि
 यतिनउपरलयेपकरिसीसेदकारिअसि
 करनिजतसकर ॥ निवसथदहलाभंगदला
 दिंदहरकेपतिकन्हाउतरकेदकियेअव
 रुद्रसागसकति ॥ ५१ ॥ मुंडितडडुमुच्छ
 करिरुडारेकाराधरपस्योपयनसगलाउत
 स्यामपुरेसजेरिकर ॥ सुसुनिरानअरिसिंह

सचिवपठयोनिजबुंदियकन्हाउतनछुराव
 नकाजउपायसनतिक्रिय ॥ ५२ ॥ सुनि
 नृपतिनकीञ्चरुञ्चोरकाराबाहिरक्रिय
 अद्भामितसवसौंहिंदमदमकेअलुब्धलि
 य ॥ यहरानाञ्चरिसिंहकथितकरिदुष्कर
 कीनीनतोन्नुहिंनहिंलोभधर्मरीतिहि
 चितचीनी ॥ ५३ ॥ ऊंमोलाबीरवरनिने
 रिककपुरादिसचसद्वनलगेसंभरेसञ्चा
 देसनकृतव ॥ इमसंभरउम्मेदमुलकतस
 करसबमेदियकलिजुगविचनयधर्मक
 र्कियाडवन्नुप्रज्योकिय ॥ ५४ ॥ दो० ॥ अम
 र्कडपुष्करपुरपकन्हाउतइन्हञ्चादि ॥
 सनताउतपुरबीरनिऊंमोलादिप्रमादि
 ॥ ५५ ॥ रानाउतसकरगठपइत्यादिकत
 जिअहु ॥ आवनलगेदसहराहोरियसेव
 नहु ॥ ५६ ॥ नइन्तरखडराडकेमैनन

अतिक्रियमान॥ लुह्नबुंदियदेसलगिधि
 रुज्जरक्रियथान॥ ५०॥ हिंडोलीपुरश्चा
 निक्रियमिलिमेंननत्रतिरारि॥ चैनसिंह
 हस्मीरहरनत्पुसुतलियमारि॥ ५१॥
 इतिश्रीवंशभास्करमहान्वंपूस्वरूपेदक्षि
 णायनेदशमराशेःउत्तमेदसिंहचरित्रेत्रयः
 पंचाशत्तमोऽध्यायः॥ ५३॥ ७॥
 ॥ ७॥ ॥ ७॥ ॥ ७॥ ॥ ७॥
 ॥ ७॥ ॥ ७॥ ॥ ७॥ ॥
 प्रावमि०॥ रोला॥ लवसंभरनृपतमक्षिसे
 नमेंननसिरसक्षियर्वैरिनजारनबाहगा
 हरवपणवगरक्षिय॥ हरिणानिजकवि
 आयलंधिद्वयोद्भुतऊपरमनेद्वैसतमा
 रियानकिर्त्तोतरऊपर॥ १॥ पुनिरखेडा
 लियधेरिदुधतंहंहनियद्वकारतबहु
 रिलुहरीविंदिअडरलुहीरनउद्धत॥

सजवकुप्पिच्यारिसतमारिभैनेजयमंडि
 यगड्ढोलीपुनिप्रामखुंदिखगनसबरवं
 डिय ॥ २ ॥ दारिमरंगदुकूलमत्यधव
 पत्तकिलंगियदुवगध्याकोदंडजुरतडु
 डुकरिजंगिय ॥ वंसुरिभयदबजातपिद्धि
 डुवधरतनिखगनडारतफोजनफारिमा
 रिकहारतुरंगन ॥ ३ ॥ इममैनेरनकर
 लहनियंहेसतगड्ढोलियत्रायोबुंदियबि
 जयमंडिबंदियजसबोलिय ॥ मैनेनके
 सिरमैनेनकेसिरदियंकरंडनबधाईगवा
 वललायेपुरलगतिनरंडन ॥ ४ ॥ सक
 आकृतिधृति १८२२ समयमयोयहरन
 शरदागमसेवनसबसीमारलगेरचिसन
 तिसमागम ॥ याहिबरस १८२२ केमाघम
 वडादसिमेचकजुतदीपसिंहकेभयोनाम
 सुरताणसिंहसुत ॥ ५ ॥ करिअगैको

देसकथितमाहजियंहरनकियनाथाउत
 उद्योतसिंहतवअरिनमिलनकिय॥ नगर
 पगारंछोरिसामिमन्नेमरहद्वनसत्रुहोय
 कियसगरलदिलीनिकछुरदुन॥ ६॥ या
 कोकाकाबरखतसिंहमन्यातवभूपतिद
 योपगारंताहिमंडिसनमानमहामति॥
 अबसुबिहतिथति१८२३अब्दमोहिंउ
 योतसुआयोनगरपगारंलेनभूपप्रतिकथ
 नकहायो॥ ७॥ बुंदीपतितवकुपिसुम
 टपठयोतिहिंमारनमास्योअनिबजारम
 थकहितिनअथकारन॥ याहिविहति
 थति१८२३अब्दमोहिंहुलकरवपुछोरि
 यतवतसनातीमालरावहुंहीरतरवतलि
 य॥ ८॥ सुनियहरीकासाजभूपपठयो
 रंहंहितधनदुवहयदुवसिरुपावदकग
 जइकमनिभूखन॥ संकतिथति१८२४

मितसालमालरावहुहुलकरमृततबता
 कौदायादनामतकूगद्वियधृता ॥ ९ ॥ रु
 प्ययत्रतिक्ततिलकवदयेश्रीमंतत्रयद्रु
 लइमगद्वियइंदोरलहीतकुवसुमंत्रजुत
 ॥ रूपनगरपुरसुलाभूपसामंतसिंहघरना
 पकिसोरकुमारिइतसुव्याह्योनृपसेदर ॥
 १० ॥ संकृतिधृति १८२४ मितसाकबिर
 विउचवबहुदिनतकव्याहवहादुरसि
 हक्रियउयहदुलहिपित्तव्यका ॥ याहिसा
 ल १८२४ विचनृपसपत्नजननीकडुगद
 लहिवंसवहालापतिजाबपुद्वियच्छंरि
 व्याधिसहि ॥ ११ ॥ बुंदीपतिमासुरिबि
 हीनबनिप्रेतकरमक्रियद्विजनसुभाजन
 दानदेरुनिगमोक्तसद्विलिय ॥ संकृति
 धृति १८२४ मितयाहिसालइतजदृजवा
 हरजेपुरऊपरजेरदेनमंड्योडारनडर ॥

॥ १३ ॥ याकोभ्रातसुअगनामनाहरक
 चुकारनआयेजेपुरसरननारिनिजविप
 तिनिवारन ॥ यार्केहीइकयुवतिरूपगुन
 अष्टिकप्रपूर्वताहिजवाहरजहलेनत
 कयोकासुकजव ॥ १३ ॥ इहितवर्जपुर
 आयसरनशूरमपतिकोलियमाधवनम
 रनिवाइकोपरगनाताहिदिय ॥ नाहरसिं
 हवितायकालकछुतल्यगयोभरितबहि
 जवाहरकहियलैनताकीवहसुंदरि ॥ १४ ॥
 सोसुनिमाधवताहियरतपुरलभ्योपरावन
 बुलीतवजहनियउचितहेनहिंममजावन
 ॥ मोकोवहगृहडारिकुररकवहिंबनितकि
 रियातेभेजहुनाहिसतीजानहुहितअनु
 सरि ॥ १५ ॥ तबहिभरतपुरमंडिपत्रमाध
 वपुत्रवायोशार्कोआवनउहांइहनीहिंनक
 सुहायो ॥ जहजवाहरमहसुसुनिपरयोप

तिउत्तरममबंधवमहिलाहितुमसुचाह
 तरकवनधर ॥ १६ ॥ यहसुनिजेपुरइस
 मनिअमिसापअसहमतिनिकसाइवह
 नारिगइबिखखायउचितगति ॥ इहिंका
 रनअवअतुलबैरगहिजहजवाहरजेपुर
 उधरजोरदेनसजेदलदुहर ॥ १७ ॥ बि
 जयसिंहयहजानिजहजेपुरचहिआवन
 आयेपुष्करअरहिमिलनअरुमंत्रवनाव
 न ॥ उदयपुररुआमैरज्योहिंबुदियमडेजि
 मसमतागिनिसतकारखकरलिखिदलप
 ह्येइम ॥ १८ ॥ जहजवाहरमलअडरअ
 तिबलहीतुमजबलियउआगराधिनिह
 सिदिल्लियप्रदेससब ॥ अबहमसौतुमअ
 यमिलहुपुष्करविधायबलइकतरवतबे
 दिहेजेकरिहेअरिमंडल ॥ १९ ॥ इमसं
 कृतिधृति १८२४ अब्दबंधिदलजहजवा

१०

५४

हरउज्जपुसिमाद्विवसमिलनत्रायोद्धुत
 पुष्कर॥ मरुपतिताकेसिविरप्रथमपदु
 चोलहिंसासन्नसिरकरधरिसमकालउ
 मयूबै० एकारसन् ॥ २० ॥ चमरमेरद्वल
 कुनलगेहोवनद्वेउनपरपुनिमरुपतिके
 सिविरजहृदयितमयदुद्धर॥ समताकास
 तकारकियउपूरवजिममरुपतिपलदिय
 म्भरद्वोरुजहृदवसुहृदुसंगति ॥ २१ ॥
 तद्वसुजोथपुरनाहपत्रपठयेजयपत्तनमि
 चयाहिगिनिलुमहुमिलद्वने० हुइकआस
 न॥ तबकूरमपतितमकिएहपठयोपतिउ
 तरमित्रहोयकिमपुहुजहृजेपुरकोकिंकर
 ॥ २२ ॥ सेवनत्र्यातसदेवीपिक्खिहमरेप
 रवानांममसमताकेमिन्नरावरजातुममा
 ना॥ सुसुनिजहृदियपत्रत्र्योलिजयपुर
 लिखिआडीशेषपरगनां देहृहमहिंरसाह

शीपहाडी ॥ २३ ॥ रचहुनतोअबरारितुम
 हिंदंडनहमतकृतसुनिपठयोनिजसेन
 कुम्भप्रकाहिंजठकृत ॥ तबमाउंडारखेत
 मिलेजहरुजेपुरदलफेलियहेतिनफाग
 रागसिंधुनकोलाहल ॥ २४ ॥ इतिश्री
 वंशाभास्करमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायने
 दशमराशौउमेदसिंहचरित्रेचतुःपंचाश
 त्तमोऽध्यायः ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 प्रा०मि० ॥ दी० ॥ कटकईसकछवाहकोधू
 लापुरपदलैल ॥ लघुसुतलछमनजुत
 लम्योखंडनमंडनखेल ॥ १ ॥ दलवरवसीगुरु
 साहिद्रुतसचिववीरहरसाहि ॥ एडुखरे
 रक्षवीउभयचंडकरनरनचाहि ॥ २ ॥ इत
 लंजहडुउप्यस्योतोपनबिरचतताप ॥ भट

किरंगिडारतभयोसमरुकापिलक्षाय ॥ ३ ॥
 ॥ अक्षरावली ॥ करकिकरकिकोपतरकि
 तरकितोपलरकिलरकिलोपकरनलगी
 करखिकरखिकत्तिपरखिपरखिधत्तिहर
 खिहरखिसत्तिहरनलगी ॥ समरलखन
 अयअमरगगनछायअमरसुमनभायनि
 करजुरेसरजिसरजिरोकलरजिलरजि
 लोकबरजिबरजिश्लोकदिगनदुरे ॥ ४ ॥
 बहिगतवरितपीरयहिगदरितपीरचहिग
 सरितसीररुहिरचीसिलतउरनसेलमि
 लतफुरनमेलदिलतखुरनवेलमलपमची
 ॥ पिलतधुरनपेलमिलतछुरनमेलखिलत
 खुरनरेवेललखनलगीहरखिहरखिहरपर
 खिपरखिपरकरखिकरखिसुररखनलगी ॥
 ५ ॥ गहतगवरिगेलबहतगिरिसबेलसह
 तभरनसेलकहतफडेबहतभदनसेलद

हलमनुकितैलमहतफवतफैलत्रगनि
 च्चै॥ त्रिकसित्रिकसितेगविकसिबिक
 सिवेगनिकसिनिकसिनेगत्रसुनलहरय
 द्विरपटिराजिऊपटिऊपटिआजिदपटिद
 पटिवाजिगजनगहै॥ ॥ सरत्तजहरसू
 कटरतत्रहरहूककरतकहरकूकककुपक
 रोखिसा खिर किहत्यचिसुकिचिसकि
 मस्थसिसकिसिसकिसत्यदुरतदरी॥ छल
 तविसिखकायधलतत्रिसिखधायकलत
 निसिखकायभटनकितेपकरिपकरिषाय
 जकरिजकरिकायनकरिनकरिहायजपत
 जिते॥ ५ ॥ भचकिम किमुंडलचकिल
 चकिमुंडमचकिमचकिमुंडउच्छटिच्यैमर
 केभरकिमेटरवरकिवरकिखेदधरकिधर
 किमेदफलकफै॥ खटकिखटकिखगच
 टकिचटकिच्युगलटकिलटकिगगमुख

नमोऽप्यतकिच्यतकिद्वद्वगतकिगतकिगि
 इद्वतकिच्यतकिबिद्वबिसिखधरैः ॥ ८ ॥
 भतकिभतकिधुमिभतकिभतकिधुमिपत
 किपतकिधुमिधुतनधसैवतकिवतकिधु
 इभतकिभतकिद्वद्वरतकिरतकिमुद्वद्वलसि
 हसैः ॥ विरचिविरचिवानभिरचिभिरचिमा
 नकिरचिकिरचिकानकिरनलगेललकिल
 लकिलालकिलकिभलकिहालखलकिरद
 लकिखालकिरनलगे ॥ ९ ॥ क्वकिभन
 किभोरसनकिसुरभिसौरभनकिमुटिनभो
 रभ्रमनलगेतरसरखयदवेतपरसरखदप्रेत
 दरसभयददेतद्वगनलगे ॥ दो ॥ जयपुरद
 लत्रुजददलरचिकुचुतोपनरारि ॥ अचि
 मिलेपुनिअसिनद्वभुकिभुकिथारनगरि
 ॥ १० ॥ प्रकृतिः ॥ सचिवसुरखसत्रीहरसा
 हिअरुखसरीपुरुसाहिअभाहि ॥ मिलिअ

५५

धिबीरुजद्वदुमारित्तिगिरेऋरततरवारि
 ॥ ११ ॥ षण्ण० ॥ धुलापुरपदलेलसुपडुकरम
 सेनानीप्रतिजवहयनउठायमित्योजहन
 बिचमानीसिविकादंडसमानकरेबहुत्र
 रिनारिनकर ॥ सिरताकोलहिसुभगडुलसि
 किन्नाभूरवनहरसंक्रमिनिसंकतोपनसमु
 रवकातरबचरेचनकह्योभलभलदलेलज
 यनैरभदरनबिचबनितिलतिलरह्यो ॥ १२ ॥
 दो० ॥ लक्ष्मनयाकेपुत्रलघुराजाउतरचि
 रोस ॥ अधिकउद्यपियत्रिनत्रसुसिबहिं
 समपियसीस ॥ १३ ॥ पाण्डु० ॥ सावलदा
 सबसिसेखाउतनामगुमानबंदिविरुदन
 तुत ॥ सोबद्धिनगरपचाहरस्वामीनिडरल
 खोमस्तकबिनुनामी ॥ १४ ॥ सीकरपतिसि
 वकीकनिपुसुतजुशोतिमहिबुधसिंहहर
 रकुत ॥ उरुडुडुमिकारिबहुत्रिनारिनत

नगिनिबपुलगोत्रवारिन ॥ १५ ॥ सेरवाउ
 तंरुनुपत्तनपतिनवलसिंहभज्योदिरव
 तनति ॥ सेरवाउतसिवदाससिंहपुनिधानुं
 तापतिपथोरवय्यधुनि ॥ १६ ॥ सेरवाउतमुं
 डराणाभइनरखुनाथदुतुह्योत्रवारिन ॥
 इंदावापतितिमनाथाउतनाहरसिंहपथो
 रनराउत ॥ १७ ॥ महासिंहकलमंडानायक
 सुरतानोतपथोचनथायक ॥ जयपुरकेइ
 त्यादिसुभटबहुपरेबिहायंहहसंगरपहु ॥
 १८ ॥ स्वगनत्र्यमितजहमटस्वायेभीरुव
 चेतिन्हमारिमजाये ॥ छिज्जतकटकजह
 पयछुहेतेगनपिक्लिसिपाहनतुहे ॥ १९ ॥
 समररह्योफिरंगीसमुहतीपतडितगरत
 अरिभूरुह ॥ गोलनकूरमकटकगिरयोप्र
 मुहिंभरतपत्तनपहुंचयो ॥ २० ॥ षण्य ॥
 तस्वतछत्रअरुतोपकोसलुहेकछवाहन

अस्तनेरगायमज्जिजहमरवायसिपाहन
 जित्तेकूरभजोधनागजहनगिनिनाहर ॥ स
 मरुत्केनजुसंगजायपकरैहिजवाहरसं
 कतिभुजंगससि १८२४ मानसकहेमंतक
 यरुजंगदुवजयनेरविजयजहनभजनभ
 इतिदितश्चावाजभुव ॥ २१ ॥ इतिश्रीवंश
 भास्करमहान्चंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदश
 मराश्रीउम्मेदसिंहचरित्रेपंचपंचाशत्तमो
 प्रथमयूरवः ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
 प्राग्मि० ॥ दो० ॥ इतिहिनदेनसहायइतव
 होतनयबुंदीस ॥ पर्येजैपुरपुष्वहीमारु
 जहमहीस ॥ १ ॥ षण्ण० ॥ राजकुमाररनमा
 हिनाहिमाधवजावनदियजीतभईपुनि
 जानिकालअवधरउच्छ्वकियनाहरगढ
 आभैरवादिनिजदुर्गदिखाये ॥ नानास

हलसिकारविरचित्रतिलाडबहयैष्टुनि
 माघविसदपंचमिदिवससद्विगजनव्या
 रुहिसमतबुंदीसकुमरुतकागविधि
 र्दियद्वारिगुलावधद ॥ २ ॥ कुरमन्त्र
 पुनिकहियबुल्लिवुंदीसपुरोहितराजकु
 मारहिंरकिचहतव्याहनमेरोचितत्र्यं
 कलायत्र्यधीससुतालेलगनदिरवावहिं
 ॥ बनिहमससुरविनाहियतुरकुमरहिंप
 दुंचावहिंद्विजद्वारामसुनिक्रियत्र्यज
 हेत्रतुलितमवदीसहितपैडमनहोयउप
 यमप्रथमबुंदियसनव्याहनउचित ॥ ३ ॥
 दो ॥ रहितदन्तरसिसिरुदुतुफग्गुनले
 लतफाग ॥ कुरमपतिसंभरकुमरत्र्यतिमं
 डियत्रनुराग ॥ ४ ॥ बलिमधुमासबसं
 तविचबहुविधहरवविथाय ॥ कुमरहिं
 लाडत्रनेककरिकर्यो कुरमराय ॥ ५ ॥ अ

तिक्रतिधृति १८२५ हायनलगतपुस्मिम
 चैत्रिकपाय ॥ कुरमपतिलहिरोगकच्छुवि
 प्रहदिन्नविहाय ॥ ६ ॥ ताकोसुतजेठोत
 बहिपित्त्यलबैठोपह ॥ अजितसिंहहित
 सिकखअवदिनीतिं हिं विधिबह ॥ ७ ॥

इकनगभूरवनद्विरदइकदुवहयदुवसि
 रुपाव ॥ करिइमनजरिकुमारकीमन्योगि
 नहुहितभाव ॥ ८ ॥ षण्प० ॥ अजितसिं
 हबुंदीसकुमारइमचलियसिकखकरिसं
 गानैरसिकारखिल्लिहंफियरंहसधरिरहि
 यचदुसुवरत्तिबुद्धरिदेरकुचबिरचिद्रुत ॥
 बुंदीआयउबीरसमरपंडितभटसंजुतपरि
 जनकपयनमंडियप्रनतिकुसलपुच्छिआ
 सिरवकहियअभिमन्युलखतहरिभामइ
 वगुरुप्रमोदभूपद्मगहिय ॥ ९ ॥ दो० ॥ त
 बुकुमारउपयमउचितलखिनृपलगन ॥

लखाय ॥ पठयोव्याहनकृष्णगदबहुलधरा
लवनाय ॥ १० ॥ अतिकृतिधृतिश्चक्षुःशक
आममनसश्चोलगनसुदार ॥ तीजराथश्चक
शततिथिद्वितवारश्चंगार ॥ ११ ॥ सुपहु
बहादुरसिंहकीकन्यासुज्जकुमारि ॥ अजि
तसिंहबुंदीससुतनवलविवाहिनारि
॥ १२ ॥ कव्य ॥ इंपतिनलदमयतिपुत्र
पालनिनितांतप्रियमनहुसयोमधवानक
नरुकमिनिमिलापकियवासवदत्ताबन्ध
राजगिरिजागंगाधर ॥ अवनिसुतारबुई
बहुलहिसज्ञारुद्विवाकारोहिनिमुथायु
पंचपुरतिपिलिपिलबैकुंठपतिरहोरिह
दुरमनियरमनहममंदिथश्चपुरागच्छति
॥ १३ ॥ दो ॥ भ्रातयुजिआजरभवसी
यनामसंग्राम ॥ सोहुसुतारिद्वारकीव्या
होसंगहिवाय ॥ १४ ॥ अमयकुमारिअभि

धानयहजननिभुजिष्याजात ॥ इमविबा
 हिन्नायेउभयबुंदियविदितवरात ॥ १५ ॥
 ष०प० ॥ याहिबरस १८२५ इतसुक्रमास
 मरुपतिजेठोसुत फतेसिंहअभिधानगयो
 ब्याहनकोदाद्रुतमहारावतनयासुरानज
 मयतिलनयाजा ॥ हडुडुलहनिहत्थरु
 निरगाहिदुल्लहराजाआयोसुतदनुबुंदि
 यनगरनृपरक्खियअतिलाडकरिबासर
 वित्तायपंद्रहप्रमितविदाकरियहितअ
 मितधरि ॥ १६ ॥ याहिबरस १८२५ आथा
 हविसदअष्टमिरविबासरसुपुडुभुजिष्या
 सुनुनामसिवसिंहबीरवरमरुपतिविज
 अखवासिसुताआह्ययद्वावति ॥ जायन
 मरुजोधपुरपरनिआयोजिमरतिपतिभेवा
 रकुलकद्रुतदंदमचिलैनदुरितफलसमय
 लहिअरिसिंहरानसनभटअखिलफुहेक

शुक्रफरेवकहि ॥ १७ ॥ दो० ॥ उद्धतगिनि
 अरिसिंहकौमिलिसुभटनकियमंत्र ॥ काडू
 कौडूकअनिसिसुसोकियरानस्वतंत्र ॥ १८
 ॥ रानीमल्लियके उदरराजसिंहसनजात ॥
 रतनसिंहअभिधानयहकिर्नोडमबिख्या
 त ॥ १९ ॥ मल्लामटजसवंतनिजगोधुंदा
 पुरनाह ॥ तनयाव्याहियअगतसराजसिं
 हहितराह ॥ २० ॥ सुतताकोयहथपिसि
 सुरतनसिंहरचिनाम ॥ मातामहजसवंत
 ड्रुवकरनभूदअधकाम ॥ २१ ॥ ष०प० ॥
 गोधुंदापतिमल्लमित्योजसवंतमहमलिस
 गताउतनसमेतपापड्रुकमभिंडरपतिदे
 वगढपजसवंतरुतुराधवनिजसंजुल ॥ फ
 तेसिंहचड्रुवानड्रुगकुद्वारड्रुसड्रुतवेधमपु
 रेसभटमेघबलिअग्रेसरणपचड्रुववहबा
 लजायकिर्नोअधिपधरिगड्रुकुंभिलमेरु

युवा ॥ २२ ॥ दो० ॥ देवपुराहोतं हं बनिककि
 ॥ सोडुमिल्योसिसुमां हिंसठ
 हानिधरमकारिहंत ॥ २३ ॥ समरसिंहराउल
 नृपतिदिल्लियजायउदगा ॥ भगिनीपृथ्वि
 यराजकीपृथाविबाह्योत्र्यगा ॥ २४ ॥ त
 बतार्केदायजदिये एडुबनिकचडुवान ॥
 रहेडुकुमत्रुगतसदात्र्यबपलटेत्र्यधवा
 न ॥ २५ ॥ जंहरानांत्ररिसिंहनेधरेदम्भ
 क्तिलकख ॥ तेडुनदिनेद्रोहतकिप्रवल
 बंधिपरफख ॥ २६ ॥ रायसिंहऊल्लासुभ
 दनगरसादडीनाह ॥
 राघवदेवसचाह ॥ २७ ॥ पत्रनसनराडु
 वामिलेभटलहिकछुसिसुभेट ॥ उभयरहे
 अरिसिंहमेसल्लमरिरुत्र्याभेट ॥ २८ ॥ ॥
 ५०५० ॥ उदासीनभटइतररहेप्रकटनत्र्य
 निमिर

आयुधकसिउदयनैरदियत्रानिघेरतोपनक

गलघन॥फैरनपररचिफैरज्वालयाकुलकि

यपुरजनतुहतनिपानफुहतनिलयगहन

आहछुहतगहनप्रार्चीनवरहिपुत्रनमनहु

तजियबन्धिविदपनदहन॥ २६ ॥ इति

श्रीवैशामाकरेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायने

दशमराशौडमेदसिंहचरित्रेषट्पंचाश

त्तमो ५६ मयसः ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३

॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३

॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३

पानमि० ॥ दो० ॥ इतदुलकरतकूअडुर

आयोहिंदुसथान॥ आगमपरवपमगुन

असितसकअतिकतिधृति १८२५मान॥१

तकूपहंबुदीसतबसबदीकाविधिसाजि

॥ पठइकुलपहिरावनीवलिभूरवमगज

वाजि ॥ २ ॥ ष० ५० ॥ माहिवरस १८२५

विचित्रजितसिंहबुंदीसकुमारदुसुनिज
 नपदनिजसौरवित्तलुहनमैननबद्धचब्द
 कुपितचद्रवानजनकत्रादेसपायजं हं ॥
 बारहरवेदनविदितापदियत्रतुलउग्रतं
 हंकरिकेदत्रखिलतसकरकुपतिकारा
 विचडारियकुमरजयद्विरदबंधिअलान
 भुजधन्यधन्यदुवसकलधर ॥ ३ ॥ दो० ॥
 दुंदुकुमरिअरुब्रजकुमरिजननिभुजिष्या
 जात ॥ दुहितानिजबुंदीसदुवव्याहिय
 इतदिरव्यात ॥ ४ ॥ अजितसिंहमरु
 दुसुकोसुतलघुहोजुकिसोर ॥ सुममति
 तासरखवासिसुतजैतसिंहरनजोर ॥ ५ ॥
 दुहिराजगडसनविदितवाहिअतुलउ
 च्छाह ॥ दुहिताब्रजकुमरिसुदईरचिबि
 वाहहितराह ॥ ६ ॥ नगरकरेलीनृपत
 नयकुसलसिंहदासेय ॥ सुतताकोजयसिं

हसोपुनिबुल्योपभुपेय ॥ ७ ॥ इंद्रकुमरि
 तार्कं हं द ई अखिलसिद्धिअवधान ॥ द्वा
 यजद्रव्यअनेकदियचित्तउहविचक्रुवा
 न ॥ ८ ॥ बहुरिवहादुरसिंहअरुक्षीय
 कुमरसिरदार ॥ गगराडव्याहेउभयलग
 नरीतिइकलार ॥ ९ ॥ विक्रमसकपंची
 सधृति १८२५ पंचमिमाथवलच्छ ॥ दनु
 जपुरोहितवारदिनउदयरसिलियअच्छ
 ॥ १० ॥ वरवतसिंहवतसुताचंद्रकुमरि
 अमिधान ॥ परनिबहादुरसिंहलियति
 बरुल्लियमलियान ॥ ११ ॥ जोराउरराउल
 सुताअभयकुमरिखुनकार ॥ दुलहनिअ
 चलगंदिदेसोव्याहियसिरदार ॥ १२ ॥
 कुमरवहादुरसिंहहितदयोतहनुनूपदा
 य ॥ नगरगोवडाअुतपटाअुशीरुहंसमित
 आय ॥ १३ ॥ सुतकनिषसिरदारहित

दिव्यतद्वन्तरदाय ॥ पुरीदुधारीजुतपदा
 शृणुलिखितमितत्राय ॥ १४ ॥ सकञ्च
 तिक्ततिधृति १८२५ प्रमितसमपिक्विउचि
 तन्हपदास ॥ थंभायतच्छदो कियउमानिक
 रामसुव्यास ॥ १५ ॥ प्रथमपुरोहितव्यास
 पुनि एउत्तमदुवजानि ॥ त्यौहीचारनभद
 एदुवमध्यस्थवरवानि ॥ १६ ॥ बारियति
 मद्रमामिबलिउभयत्रधमएत्राहि ॥ व
 दतवृत्तिबुदीसकीथंभायतखटचाहि ॥
 १७ ॥ व० प० ॥ रानभटनइतरचिफरेव
 रतनेसरानकियसजिपचंडनिजसेनउद
 यपुरत्रानिबिंदिलियत्रधिकरानत्ररिसिं
 हजंगसनदुवव्याकुलजब ॥ जालमजस
 करिवकीलयठयोत्रवतितवत्ररुत्रगरत्र
 द्दमहतावनिकइनदोउनदुतजायतित ॥
 पदवायत्रजश्रीमंतपहंलियत्रादेससहा

यहित ॥ १८ ॥ सुनतत्ररजश्रीमंतलि
 सिदियकगदउज्जेन ॥ राघवदोलाएनकी
 करहुभीरसहसेन ॥ १९ ॥ पायणियागद
 लदुतथराधवलसिपहुफल ॥ जिमहिबीर
 दोलाजवनतेदुवरसज्जियतत ॥ २० ॥ पंदू
 हसं हंसअनीरपतिहोउनसुकरदिरवाय।
 मल्लाजालिमसिहलैहं कियरानसहाय ॥
 २१ ॥ प० प० ॥ अमौ नृपअनिरुद्धसमय
 लामदमाधिवतजिजनपदमुजरातइतकुश्रा
 योवलिअतिजवसबकुदुंबनिजसंगदिरद
 सिविकारथजेवर ॥ बुंदियअवतवेरगथो
 सधुहनुपसंभरसिरकरलगायमिलिभीदि
 सनरकिवयतवकहुदिनरहियधुनिजान
 अरजकियतवसुपहुडेराजायरुसिकवदि
 य ॥ २२ ॥ दो० ॥ कोटा माधवकल्लगयत
 दसुदिधुअनुसार ॥ रामसिंहकोटिसयहर

१०

किवयसहसतकार ॥ २३ ॥ रामसिंहजाज
 वमस्योभीमभयोजबभूष ॥ वानैद्दूमाधवय
 हैरकथोहितअनुरूप ॥ २४ ॥ पाण्डु० ॥
 माधवकैसुतमदनसिंहदुवदुञ्जनसहसु
 सचिवकिन्नधुव ॥ दुञ्जनसहसुमिञ्चुजव
 पाथोतिहिंअनतासनअजितबुलायो ॥
 २५ ॥ पृथ्वीसिंहमदनगुह्लासुतसत्रुसा
 ॥ सत्रुसहसुविनुसुतव
 शुतजिदियतवतसअनुजगुमानपहलि
 य ॥ २६ ॥ पृथ्वीसिंहगुह्लासुतजालभयह
 हंजाहिरअकप्रालम ॥ ताकेकछुकोटा
 अनखभईसुरह्योनतत्यअव
 ॥ २७ ॥ बोरिगुमानसिंहकोटापतिउदय
 नैरअयोप्रपंचमति ॥ सुअरिसिंहरानदुस
 नभान्योअतिहितजायसमुखपुरअन्यो

वैकुण्ठतत्रज्ञाननामद्वय ॥ ताकीसुताब्याहि
 जालमकं हं हंमसनमानिरानरकिवयतं
 हं ॥ २६ ॥ दयोराज्यउपटंकमुदितमनपु
 निवृत्तिचारवेडुपरगमन ॥ सोजालमयं हं
 यानसहायकलेभरहृदकटकरनलायक
 ॥ २७ ॥ श्रीरिश्म्वंतिस्वामिहितछायो
 श्रुगारचंद्रमहताजुतत्रायो ॥ श्रुगारचंद्रको
 जनकं श्रुगजवनीकानैरुपहिंविस्वदित
 व ॥ २८ ॥ मंडुनगद्वितियजुतभजिप्रियोता
 कोसुलयहरानवधायो ॥ इतरानद्वरनहि
 तकदिबंभीरकवेजवनसंहेसरुदसंथो ॥
 २९ ॥ दो ॥ श्रुयेदलउज्जेनतैरुनिभरह
 हसहाय ॥ पुरतोरानद्वपिस्वयोदलनिजजि
 लनहाय ॥ ३० ॥ इतिश्रीवंशभास्करमहा
 चंद्ररूपेदक्षिणायनेदशमराश्रीउभोह
 सिंहचरित्रेसप्तपंचाशत्तमोऽध्यायः ॥ ३१ ॥ मयूखः

॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥

॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥

० ० ॥ हंगी ॥ पुरसलूमरिपतिभीम
 श्वातपहाडलैहलनिकवरयोत्ररुफलेसिं
 हङ्गुचौडहरश्यामिदपुरपतिउल्लस्यो ॥ धा
 रणोरयतिरहोरश्रीरमदेव संगहि सज्जयो
 रहोरश्रुकरयसिंहतिमबधनोरपुरपति
 गज्जयो ॥ १ ॥ बनहडापतिनृपरायसिं

हङ्गु

स प्रसुजानवंसियउकल्यो ॥ विंजेलि
 यलिसुमकलित्यो परमारश्रिसिबरसंग्रहो
 बलिचौबवंसियभसंगरपुरसमानहुउ
 म्महो ॥ २ ॥ इत्यादिहरसिपाहसंधिन
 लेउदेपुरतेकहेसहकल्लजालमसिंहह
 षिनबीरवेउततेवहे ॥ दुहुंश्रीरश्रात
 श्रीकालसि

१०

६५

तीरकोकछुमेदसौलहिदुगमैदृहइरजे
 ॥ ३ ॥ दोला मियां मरुह दुराधव एउहेपुर
 र्हेहलबालकिप्रतिपालजतिनकेन
 नकमयेनहे ॥ इहिं बीचमाहजिसंविधा
 पुत्रोच्योअवतियआनिकेतिहिंनानि
 कानिसुपककेभस्मीरलेनप्रमानिके ॥
 ४ ॥ चिरीरककजसुरतसिहहिहेरुले
 सिरुकोचलेसुनिअयसमुहसंधियाइ
 हलेगयोसुचहेकले ॥ तिनबालमाहजि
 अंकमेंधरिहोसरस्ययहेकहीसुनियोउ
 देपुरदेनकीइहिंवलमाहजिहचही ॥
 ५ ॥ दोलारुराधवहेयदेपुरर्होयहेतिन
 सुनीसिसुपकवलमिअसंधियाअव
 सेनसज्जदुसोसुनी ॥ हमजायकेहलमं
 चमेतिहिलेरुसत्वरमारिहेगहिबालजो
 अरिरावरोतिहिंकेदअलपहारिहे ॥

॥ इह मंत्रराघवरानके इतयो उदेपुरमें भ
 यो सब दच्छ दूतन भेजिके यह जानि माह
 जिह लयो ॥ दोलाहाराघवके कुडुंब दुते ।
 अवंतियमें जहाँ करिके दपुत्रकलत्रको
 पितसंधियाहु सज्योतहाँ ॥ ७ ॥ यहजा
 निये अरिसिंहको दलले उदेपुरतें चले ।

खुरतारबाजिनमारमत्थहजारअलुक
 केहले ॥ पहरातलो हितरंगके तनमत्तह
 ल्पिनपै धरेवटअंबजंबुकदंबज्यो कुमुदा
 रिअद्रिनपैखरे ॥ ८ ॥ डगमगिसैलन
 अंत्योभरभंगतुहनके लगे सबअेनसंक
 लसेनहकलनेनसंकरकेजगे ॥ चढिसिंह
 कालियसंगचालियगेनगिहनिबिल्यरी
 पडुंवीअवंतिययोचमूंअरुहल्लजितन
 कोकरी ॥ ९ ॥ उततेहुमाहजिसज्जदे
 रिसुपच्छकेभटलेचढ्यो जिमजेवसूर

जतावर्थो तरकावतीपनकोबन्धो ॥ इहं
 र्केनरवाजिकुंजरप्रभुमैउडनेलगेरिवल
 सोक्कगोलनलोकघायलयुमलेनधनेल
 मे ॥ १० ॥ अतलादिभूपुटकेथरत्थरनी
 रसिधुनतेकल्योदिगधेनुच्यारिहुएनला
 चिकिफेनअननपफलयो ॥ चयुसद्विजु
 यिनिजंगचत्तरारामंडतरंगमिमहतीब
 जावनहारहुकलिकारधुममतसंगमै ॥ ११
 आखादमाहतरवेहसमितधूमद्यादित
 लोकमोतमथोकरोकनअकअोकनको
 ककोकिनसोकमो ॥ जलचातपोमिनपात
 ज्योभुवसेसकेरिरेनेबेकालीयपन्नगयो
 योपजहुनाथतंडवज्योरने ॥ १२ ॥ हनुमा
 लपावकलंकज्योदियज्वालज्योनमवि
 थरेनगरीप्रवतियमेहुमानवज्जहरकव
 सज्योजरे ॥ सिप्रानदीलयितोयलुहहन

अक्षयवर्गनश्चावटेजिमलोहकथरतेलमें
 गनपूर्वकेखगलावटे ॥ १३ ॥ इमहोतलो
 लनजंगीगोलनसेनमाहजिकीलचीछ ।
 लबालकीतबफोजहोयहरोलरारिमली
 रची ॥ कछुकालतीपनज्वालथोरचिवग्ग
 वाजिनकीलहुहुंथोरधीरप्रवीरमिलि
 मटधीरसखनकीभई ॥ १४ ॥ छलबाल
 कीदलसंधियालहिबीचसत्रुनकेभयो
 बरमाललेततकालअंबजालअच्छरि
 कीछयो ॥ कटिमुंडतुंडकपालकंदलला
 लकेकिरनेलगेबनिमत्तपीवनरत्तफेरव
 फेरवीफिरनेलगे ॥ १५ ॥ मटथैचिकान
 नइतवाननलेतपाननसोधिकैअतिकी
 पकुहतरपकुहतरदेपसंजुतगोधिकै ॥ त
 रवारिबाहुललगिहोतउपेन्द्रमन्दिररु
 छरीनसजाललंबतदेहदारितजानिअं

१६

वरबह्वरी ॥ १६ ॥ उलटेंतुखारप्रहारतें
 सवारऊरधउच्छेदें फरकेंकलेजरुफिच्छे
 लतद्वारचनिनकेफटें ॥ घटकेनैवडके
 लगींफटकेउडेंभटकेनयेलटकेपरें
 रकावनरूपकेनटकेभये ॥ १७ ॥ कादिधा
 रमारनभद्रवारनमत्तुमुनियउच्छलेधन
 कदयेकेधरकापहाऊरकापनींकरकाचले
 ॥ भद्रनालमोलिनजातकेचतुराजमेंअलि
 राज्यांअसिकेकभारतमुडकारतदबिति
 तिरवाजज्यो ॥ १८ ॥ छिकिपारतोभरनार
 लोहितधारहलिखनतेपरेंअरुनेदिकारस
 कीनदीजनुमंदराचलतेडरे ॥ अजइंडुरखंड
 उडेंअनेकमयूरसावनभारज्योहयजीनज्या
 लनमेंजरेवचनेदपषयघासज्यो ॥ १९ ॥
 कादिधायसोनितगेंनमेंचदिजातजावकजं
 ज्योभरिपेतपीरनकेवसागलअचिडार

तत्र्यंज्यो ॥ प्रतिजोरतै दुङ्गुं प्रोर घोर कटार
 के कटपै बजे हमगीरधीरनको बहैतं हनीर ।
 भीरुनको लजे ॥ प्रैसवारके कउडाय प्रबन
 हत्यहोदनपै प्रेपवमानकरयमानके हय
 मानसेत्तरज्योखरे ॥ प्रसरै फुलिंगरै सुपाव
 कहतिहेतिनसौं घसैलगिअंतलुं ब्रतपंसु
 लीजनुनागचंदनपै लमे ॥ २१ ॥ गिरिबाल
 लोहिततालचकाकुलालकेनिभकेभ्रमे
 तिनपै परै फटितुंडकेकदिमुंडजेकुट्येज
 मे ॥ निकसेअलोहितसानलीढकलंबरीढ
 कतेरिक्केमनुफारिसेवलमंजरीसफरीउडैज
 लचोरिके ॥ २२ ॥ भटमत्यकेदुवहत्यलेअ
 रिमत्ययोपटकेगदासुमकीनिकारनलडुमा
 रनकीगंवारनकीअदा ॥ भटप्रानछुहृतसा
 सलुहृतकेगिरेहिचकीभरै तुतरातबेनफिरा
 लनेनफिराततेमृगज्योकरै ॥ २३ ॥ कतिगारि

१८

५७

कतिनकोनिरायभिरायश्चत्तिनकोमिले मनुष्ये
 वहंतहवालकेचिरकालकेविद्युरेमिले ॥ गुणित
 कारुगोलकसिल्यकोविदकेकमंडलचातुरी
 विसिखाकजारवनायकेविधिसेवसावितजे
 पुरी ॥ ३४ ॥ विदुशतगातडरातदंतनहतभू
 तहसेपूरपदुसाहहेरतसेनपालकनेत्रजनि
 करेपूर ॥ उडिजातकेविनुपमधमस्तकलंब
 मानसिखाथररनिमालिनीजनुगैहखेल
 सपन्नसूरनकेकरे ॥ ३५ ॥ सरइतिकारकसा
 लभीततिरूपग्रंवरुह्लसेमभभीतिकारक
 कालभीततिगंजगोलनकोग्रसे ॥ कतिनद्य
 जाननपुरववाननवातकाननतेकरे ॥ ३६ ॥
 ह्यहत्यसगव्यकोतहसव्यकालरुचुरे ॥ ३७ ॥
 गजगातदेलनसंगिसिलनब्रालपेठतथालसे
 जनुवन्नसंगहिबीजुरीधकिस्यामबहलमे
 धसे ॥ अरिसिंहमाहजिकेउभेदलधौच्य

तियत्रादुरेबलजानिसुत्रुनकोउदैपुरकेल
 जेप्रबबादुरे ॥ २७ ॥ चमूउदैपुरकीचली
 जीवनतेहितजानि ॥ संगलगेमाहजिसु
 भटप्रबलदिखावतपानि ॥ मेवारेदलमों
 हिंसेलुरगमुरेतेंहंनोन ॥ जिमभवक्रपदि
 मचलतग्रहगनपूरवगोन ॥ २८ ॥ षष्प०
 ॥ इकराधवमरहदुजवनदोलाद्वितीयजहं
 जहाजा लमसिंहचौडबंसियपहाडतहं
 साहिपुरपउम्मेइमानमटमैसरोरपति ॥
 अकरवयबीरमदेवउभयरद्वोरमनमतिप
 रयारसुभटसुभकर्णपुनिएमुरेदलभजत
 सननवसरफजानिअतिबलनिडरगहर
 शीतक्रियप्रतिगमन ॥ ३० ॥ साहिपुरप
 उम्मेइसिंहअसिबरहदमारियरबूबबिर
 चिरनखेलप्रचुरमरहदुप्रहारियकरिउम्मे
 लसीसीदकलहितिलतिलमिततुहिय

॥ रविमंडलविचहोयलाहसुरपुरसुरबहु
 द्विमतिमहीपहाडभटचौडहरईसहिदेन
 नअहरियबलफारिमरिहरहृबहुकल
 हसीसरजकरिया ॥ ३१ ॥ श्री ॥ श्रीला
 राचनएडुदुवसत्रुबहुतसंहारि ॥ पृथुल
 रारिबिचकदिपरेअतुलमारिसरवारि ॥
 ३२ ॥ इकपरमारकबधुमदरेकशुकु
 लबाने ॥ मरहृदुनलिनेपकरिजालमसि
 हरुमान ॥ ३३ ॥ विमखोइलअरिसिंह
 कीजित्योमाहजिजंग ॥ सिसुपकवीहर
 रीसुभटअवनराज्यउमंगा ॥ ३४ ॥ इक
 लकअअरुबीसगजलोपछतीसनवीन ॥
 लखीहिंमाहजिलयेदुरगसहंसपुनि
 तीन ॥ ३५ ॥ इतीश्रीवंशभास्करेमहाचं
 प्ररूपेदसिणायनेदशमराश्रीउमेद
 सिंहचरित्रेअष्टपंचाशतमी ३६ मयसः

॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥

१ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥

प्रागमि०॥ दो०॥ बदलैजालमसिंहकेसहि

लकवदेदम्मा॥ मित्रइकमरहवृनेदास्योके

दकुकम्म॥ १ ॥ चुंडाउतशुद्ध्यानवहभैस

रोरपतिमान॥ च्चलसिसुजान्भौच्छिप्रही

रहिहौंकेअबरान॥ २ ॥ दोलाराघवदुदु

नकेलीनेसीसकटाय॥ रोपेनगरप्रवति

विचसेलनअग्रचिपाय॥ ३ ॥ उदयनेरउ

परबहुरिसञ्जियमाहजिसेन॥ उतकति

धृति१८२६आखाहविचलग्ग्योपत्तन

लेन॥ ४ ॥ रसनाजिमसंकम्पदनजरि

इमतोपनजाल॥ संध्याखिजिबिंदियसह

रकरिनदमनकराल॥ ५ ॥ भैसरोरपति

मानतंहंविधिकुछुकेदविहाय॥ जामि

कदिद्विबचार्यकेदुस्योउदेपुरजाय॥ ६ ॥

बहुतकालधेरारस्योभयोउद्देपुरत्रस्त ॥ १ ॥
 ध्याकोधनबुद्धिकरिनिगस्योविभवसमस्त
 ॥ ७ ॥ सेनस्वरचञ्चलबालसौम्योऽप्या
 हजितत्थ ॥ इदुउदयपुरउनकहियलेदु
 चिततुमत्रत्थ ॥ ८ ॥ सुनियरानत्ररि
 सिहयहत्रनखपरस्परहोत ॥ कथितदंड
 स्त्रीकरिकहियपकरिलेदुचलपोत ॥ ९ ॥
 जबमाहजिपकरनजतनकियसोसुनि
 तत्काल ॥ किल्लाकुंभिलमेरुगयसहप
 रिकरवहबाल ॥ १० ॥ इंडरानत्ररिसिं
 हरियभूरवनदम्भतुरंग ॥ अवरसेसनहित
 प्रोलिदियरुल्लाजालमसंग ॥ ११ ॥ जि
 लमकौंमाहजिजबहिआयउलेउज्जेना ॥
 रसयाहि १८२६ स्तुसरदविचसज्जित
 अतुलितसेन ॥ १२ ॥ मन्त्रारवकोटपु
 रपत्रपयमानयहजानि ॥ मोच्योजालम

दम्भद्वैपरिकरस्वीयप्रमानि ॥ १३ ॥ इतर
 क्सेत्रपरिसिंहनेसंधीजवनसिपाह ॥ च्या
 रिलकवतिनकेचहेहकरुपयनयराह ॥ १४
 ॥ फीरेकुंभिलनेरुकेफुहेसंधियनांहिं ॥
 पेटकर्मगनद्वंद्वकियमुलकउदैपुरमांहिं
 ॥ १५ ॥ दम्भभयेनहिंदेनकोतवत्रिसि
 हसितया ॥ आयोव्याहनरीतिकछुसंधि
 कोसमुजाय ॥ १६ ॥ सुताबहादुरसिंह
 कीपरनिहृष्णगढद्वंग ॥ रानसंकितत्य
 हिरहोसंधिनदंस्प्रसंग ॥ १७ ॥ तहनं
 रमुनिनेत्रधृति १८२७ बुंदियनगरनरे
 सा ॥ भयोसदासप्रवृत्तिरनबहिबैराग्यवि
 सेस ॥ १८ ॥ राधविसद्वद्वाइसिरुचिर
 विदासरसुभरूप ॥ अजितसिंहजेयोकु
 मरकिन्नीबुंदियभूष ॥ १९ ॥ प्रथमपुरो
 हितवियलिलकनिजकरफितुवनाम ॥

बृहद्व्यासश्चासिखविहितरचिकियमानि
कराम् ॥ २० ॥ निजकटिको अशिवरूपति
बंथाय उनिजहत् ॥ नृपतादे निजपुत्रको हु
वबिरत्तमनतत् ॥ २१ ॥ गक्योनगरबडो
दिया निजपरिकर व्ययकाज ॥ श्रीजितपद
अपुनगाहिरातजिदिय पदनराज ॥ २२ ॥
चनाहरी ॥ जाकेकाजविपतिविताईवहु
कष्टसहिदेहेदितपाहिमेदिजावरहुसह
दाहाभरनविचारिमारिमारितरवारिकारि
हुं देपचरंगजंगमंडेचहुवाननाह ॥ जैपुर
कोजीतिनीतिहुलभदिखाईसबभूपनहि
खाईभूपअदि जपूतीराह ॥ श्रीजितसह
रबुंदीअपुमउमेदमनुकारीजानिलीनी
तहुकासीजानिलीनी ह ॥ २३ ॥ दिना ॥
इंद्रगढपुत्रमरावतहभक्तसामय्य भिधान् ॥
अनिसत्तोलीनगरपतिरतनसिंहचहुवान

५६

॥ २४ ॥ बलवनिपतिमालमबद्धरिवैरिस
 ह्यभववंसा ॥ ज्योंहीं भारतसिंहजें हरेखेडान
 गरवतंस ॥ २५ ॥ दुर्गसिंहमुद्रकमकुल
 जयंतरदानगरिस ॥ महासिंहमजसिंह
 जिहिंपुरजजाउरपेस ॥ २६ ॥ तिमहिभ
 वानीसिंहतेंहें धोवडपत्तननाह ॥ भगवें
 तसुसीलोरपतिमाधानीहितचाह ॥ २७ ॥
 रैरसिंहसामंतहरभजनेरीपुरमान ॥ महा
 सिंहहरबीरपुनिथानांपुरपरुमान ॥ २८ ॥
 तिमसमुद्रसिंहहुसुभटसुहरनियतिबर
 बीर ॥ नगरजैतगहनाहपुनिबाधसिंहनर
 बीर ॥ २९ ॥ भटरुसालसामंतहरनगरन
 हर्नाईस ॥ मिसलदाहिनीकेमिलेभट्ट
 त्यादिवलीस ॥ ३० ॥ वाममिसलउमराव
 बलिशोलंवीजयसीह ॥ नाथाउतनिम्भान
 पतिपित्यलसुतनयलीह ॥ ३१ ॥ नाथाउ

तवसवतेसवलिनगरपगारोमोर। अथमयसिं
 हश्चमरेससुतपतिश्चलोद्द्वोर॥ ३२॥
 इत्यादिकसुभत्ननजरिकिनेहयसिरुपाव
 ॥ पठयेदौका नृपनपुनिसुनियहवत्तसचाव
 ॥ ३३॥ उदयनैरथरिसिंहनृपपितृलज
 य रईस॥ विजयसिंहरद्वोरबलिजनप
 दधन्वअधीस॥ ३४॥ कोडापुरपगुमानवृ
 पछन्नकितवछलजाल॥ इमहिकरोलीपु
 रअधिपजहवमानिकपाल॥ ३५॥ बीक
 नैरअधीसबलिसुरतसिंहनरनाह॥ रा
 मसिंहनेषथअधिपवरउरपतिकछवाह
 ॥ ३६॥ मूपवनादुरसिंहतिमछवाग
 परद्वोर॥ गोरवंसअवतंसुनिसोपुरनृप
 तिकिसोर॥ ३७॥ इत्यादिकसवनृपनके
 र्दौकाहयगजराज॥ मनिभ्रखनसिरुपाव
 मिलिसहअरिसुभसाज॥ ३८॥ सुनि

दीकाश्रीमंतहृदयोन्नरायनराव॥हुलकर
 कुसंधियामाहजिह्मलभाव॥ ३६ ॥
 इमश्रीजितउम्मेदयहं कियनृपजेधुक्रुमा
 रा॥लयोमहाराजोपपदबहादुररुसिरदार
 ॥ ४० ॥रकवेकधुनिजहिंगसुभटनामसु
 नहुजिननाह॥इकथानापतिकोअनुज
 विक्रमसुमनसिपाह॥ ४१ ॥बीरिसल्लकुल
 उद्धरनसुभटनामसोभाग॥भटकिसेरना
 थाउतसुअतिजिहिरनअनुराग॥ ४२ ॥
 दयानाथरासुदुबहुमहासिंहकुलजात॥
 बीरखुसालनिहालबरहरसाभंतसुहात
 ॥ ४३ ॥ऊल्लाबीरदलेलसुतचंद्रसिंहज
 यचोर॥बीरसिवाईसिंहबलिअमरनंद
 रद्वोर॥ ४४ ॥हुहुखजरीकोबहुरीदोलत
 सिंहसनाम॥एनिजहिंगरकवेसुभटश्री
 जितविहितविराम॥ ४५ ॥बुंदियतैइस

नदिसकोसइक्रमतिमान॥सिवकेदारनिके
 ततं रहनविचासोथान॥ ४६ ॥महलनभै
 उम्मेदनुपमंदिरउमयवनाइ॥श्रीरंगरुद्रा
 नंदधनप्रभुदिनेपधराइ॥ ४७ ॥तिनकेहि
 गउत्तरतरफनानामुकरनिकेत॥रुचिरचित्र
 सालारचीसबसुभचित्रसमेत॥ ४८ ॥प्राची
 दिसतसहिदुपुनितानद्रुमननिवास॥श्री
 उउपवननामकरिगिर्यारंगविलास॥ ४९
 ॥ताकेउत्तरप्रातपरतीननिलयकियत
 त्य॥अच्छवाल्अरुद्रसनधरमुकुरमह
 लतिनमत्य॥ ५० ॥तारागढविचहरिसह
 नप्रायतकोसनिवान॥विषुसिंहनुपचरि
 तविचरचितकहेत्रयथान॥ ५१ ॥कृतगने
 सयंतीकहियचोथीताहचरित्र॥नच्यप्रथो
 महलननिलयवरनतसुनुद्रुविचित्र॥ ५२ ॥रा
 जमहलप्रासादसनदकिवनदिसधिरथान॥

तीनवनायेभूपतिन्ह्यबजानुद्व्यभिधान
 ॥ ५३ ॥ रुचिरनिंबकोराउलाइकबहुमह
 लउपेत ॥ तसइक्खिनदूजोअतुलजहँकु
 लदेबिनिकेत ॥ ५४ ॥ कहतराउलाकूपको
 तासोइक्खिनतत्य ॥ तीननभैप्रासादतति
 सबअतिउन्नतिसत्य ॥ ५५ ॥ तिन्हतोरन
 बाहिरतहाँगोल्हाबापियपास ॥ तीरथिया
 हयकीरथीप्रतिमाअदृप्रकास ॥ ५६ ॥ सिव
 केदारसमीपकियतीजेआश्रमबास ॥ तहँ
 बिरच्योउत्तरतरफउपबनदेवबिलास ॥ ५७ ॥
 तासठिगहिसिखिकोन
 राम ॥ तासोँलगाँवाच्यतदधवलतुंगान्नि
 जधाम ॥ ५८ ॥ जोसिकारबुजहिबजतअ
 लयप्रचुरउपेत ॥ आमतिजीवनअप्यइह
 निबस्योरुचिरनिकेत ॥ ५९ ॥ तहँगुलाब

वनजटितकियकुंडमिलितचितकंजु ॥ ६० ॥

६० ॥ बहुरिमंदुराद्यादिबहुथपेकतिल

वृथान ॥ बैखानसतहंवासकरिविलस्यो

निगमविधान ॥ ६१ ॥ जोखवासिनृपकेनि

पुनकहीरूपरसराय ॥ तसनामहुइकबाग

तहंचतुररच्येजसचाय ॥ ६२ ॥ सिवकेदा

रसमीपसोबज्जहिंरूपविलास ॥ नदीवान

गंगानिकटइतदकिखिनतदथास ॥ ६३ ॥

बेधमनृपबुधसिंहकौचौरारुचिररचाइ ॥

किन्नोजसव्ययथतुलकरिमहसहदानमचा

इ ॥ ६४ ॥ बुदीतेचहुंधांविदितमृगयाबुर

रजमहीप ॥ बिरचीतिनमैसुभबुरजदिस

प्राचीसबदीप ॥ ६५ ॥ बहुरीकोराद्यादिइ

मबहुपुरनिकटवनाइ ॥ इरहुमीमलतादि

मुवपहुमृगयारसपाइ ॥ ६६ ॥ सत्रुसल्लतजि

कैसुपहुव्ययथ्येसोकरिवित्त ॥ काहुनेनरे

६६

निलम्बमउदारचहचित्त ॥ ६७ ॥ इति श्रीमद
खिलमहीभृन्मुकुटमल्लीमाल्यमकरन्दमद्य
मत्तमिलिन्दमुखरितचरणचिन्हितारातिचू
डबुन्दीपुरबिलासिनीबिलासिचाडुवाणचूडा
मणिभारतीभागधेयहृद्योपटङ्कमहाराजाधि
राजमहारावराजेन्द्रश्रीरामसिंहदेवाऽऽज्ञप्त
गीर्वाणवीरादिषुद्धभाषावेशसुभ्रूमुजङ्ग
काल्याऽऽकूपारकर्णधारबीरमूर्तिचक्रिचर
णारविन्दकञ्चरीकचरुचमत्कृतचेतनवा
रणचक्रचण्डांशुचण्डादानात्मजमिश्रण
मुकबिसूर्यमल्लीविहितवंशमास्करेमहाचं
पूचरूपेदक्षिणायनेरावराडुम्मेदसिंहचरि
त्रसमयसमानाधिकर्णकोदन्तवर्णनंदशम
श शौनवपंचाशत्तमोऽष्टमस्कः ३ ॥ ३ ॥
सप्तममिदमुम्मेदसिंहचरितम्
हस्ताक्षरकपीनवीसविद्याधरका ॥ ॥ ॥

शुद्धाशुद्धपत्रम् १

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१२	७	भारत	भारत	५१	१२	बनि	बनि
१३	३	सब	सब	५२	६	गिर	गिरि
१३	८	सब	सब	५२	१०	आयुध	आयुध
१५	१०	बीकानेर	बीकानेर	५३	४	तरबूज	तरबूज
१५	१६	१७६६	१७६७	५३	११	बिक्रम	बिक्रम
१६	१४	बनत	बनत	५३	१४	इस्वरिसिंह	इस्वी सिंह
१८	३	प्रवल	प्रवल	५३	१५	नेगम	निगम
		इति १	मयूरखः	५५	७	विधिबहु	विधिबहु
३२	१	बडीधक	बडीधक			इति ४	मयूरखः
३२	१५	होली	होरी	५६	१२	भद्र	भद्र
३४	८	रुप	रुप	६१	५	सज्जिबनि	सज्जिबनि
३४	११	बंके	बंके			इति ५	मयूरखः
३५	१५	बाकि	बाकि				
		इति २	मयूरखः	६३	४	बज्जि	बज्जि
				६४	९	कादल	कादल
३८	१	बिसद	बिसद	६४	१०	ममाबंनति	ममबिंनति
४०	२	बंग	बंग	६५	१४	कट	कठ
४१	८	गरुज	गरुज	६६	२	प्र० रै	प्रजरै
४१	१४	याते	याते			इति ६	मयूरखः
४२	११	सिरपेच	सिरुपेच				
४६	१३	सहस्य	सहस्य	७१	१०	हिय	हिय
४७	५	धय्या	धय्या	७२	१०	हित	हेत
४८	२	चउनकों	चउनकों	७५	३	इस्वरिसिंह	इस्वी सिंह
		इति ३	मयूरखः			इति ७	मयूरखः
४६	८	तबहिं	तबहिं	८६	१६	किरत	फिरत
४६	८	दगावल	दगावल	६२	१५	चालुकि	चालुक
४६	६	बुंदिय	बुंदिय	६५	७	दशमराशो	दशमराशो

अष्टाशुद्धपत्रम्

२

अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	अशुद्ध	शुद्ध
इति ८	मयूरवः	१३४	३	ठकपो रकयो इति ११ मयूरव
९५ १२ वम	बम			
९५ १६ विनास	बिनास			
९६ ३ विकराल	बिकराल	१३६	२	मरण मरन
९६ १६ सालनु	सालन	१३६	१४	जिय जिम
८ ६ लंबित	लंबित	१४१	१५	दृग दृग
९५ १५ जिनकेअप्रुन	जिनकेअप्रुन	१४५	१५	धार धार
९६ १७ सवनको	सवनको	१४८	६	कठि कठि
१०० ११ बिजय	बिजय	१४८	६	हडु हडु
१०१ १७ असिनि	असनि			इति १२। १३ १४
१०२ ४ रावराजाउ	महारावराजा			यूवक
॥ ॥ (मोदसिंह	(उमोदसिंह			
१०५ १५ ब ०	बने	१५६	१६	तव तव
१०६ ८ पठ	पट	१६०	१	तोर तोर
१०६ १६ घंटे	घंटे	१६१	१२	सुने सुने
१११ १० पठ	पट	१६१	१६	बह वह
	इति ६	१६६	८	वरीन वरीन
		१६८	१५	दसमी दसमी
११५ ६ रटोर	रटोर			इति १५
११६ ११ अब	अब			
११७ १० खटक	खटक			
१२० ६ सिवसिंहसौं				
१२३ ३ अमीक	अनीक			
१२४ १२ वह	वह	१६२	६	तुल्यवल तुल्यवल
	१०	१६३	३	कटं कटं
		१६७	१	भारक भारक
१२५ ११ लिखिखिप	लिखिपव	२०३	६	उदि उदि
१२७ ६ सय	सब	२०३	१०	अदु अदु
१२९ १ व० ष०	० ष०	२०५	६	देवन देवन

सुहासुद्धपत्रम् ३

पृष्ठ	व. क्र.	असुद्ध	सुद्ध	पृष्ठ	व. क्र.	असुद्ध	सुद्ध
२१३	१०	धारि	धारि	२५२	७	सवेगग	सवेगगति
२१४	७	तव	तब			इति २०	मयूरबः
२१६	१२	तवकौन	तबकौन				
२१७	६	कबूतर	कबूतर	२५३	१२	वीर	बीर
२१७	८	गिर	गिरे	२५७	१२	प्रीति	प्रीति
२१८	८	जीम	जीन	२५८	१२	श्रियद्वार	श्रियद्वार
		इति १६।१७	मयूरबः	२५८	८	राशो	राशो
						इति २१	मयूरबः
२१३	१२	बिसल्य	बिसल्य				
२२४	१३	यँहि	यँहँ	२५८	१३	बहोरि	बहोरि
२२५	५	द्विघाय	बिहाय	२५८	१६	तव	तब
२३१	५	गन	गन	२५८	१५	बिसास	बिसास
२३२	२	बषानि	बषानि	२५८	१६	सब	सबे
		इति १८	मयूरबः	२६०	१६		आयकौण्ठ
				"	"	"	(दिका
२४०	७	मोघ	म्रीघ	२६१	५	तटदे	तटदे
२४२	१५	इस्वरी	ईस्वरी	२६१	१६		माधवकौंकरे
२४३	१४	आनकक	आनक	२६३	६	बिमारिहै	बिगारिहै
२४४	८	रायराय	रामराय	२६३	१४	जबाब	जबाब
		इति १९	मयूरबः	२६४	२	मवि	मनि
				२६५	४	कोटेम	कोटेस
२४६	३	बसु	बसु	२६५	१५	जाय	जाय
२४६	६	सब	सब	२६६	१५	बैन	बैन
२४७	२	बिंठन	बिंठन	२७३	४	तव	तब
२४७	२	बिप्र	बिप्र	२७३	६	बढ्यो	बढ्यो
२४७	१	हरबहु	हरबहु	२७५	१०	बंवि	बंवि
२४७	१	बढिग	बढिग	२७६	१५	मूपहि	मूपहि
२४७	१५	बल	बल	२८७	१६	अब	अब
२४८	२	बनिकबैन	बनिकबैन	२८७	१६	स०	ससु
२५०	१६	लगाय	लगाय	२८८	६	बर	बर

इति सुहासुद्धपत्रम्

		असुद्ध	सुद्ध	पृष्ठ	असुद्ध	सुद्ध	
२८६	४	बैठिहै	बैठिहै	३२०	१	लंब	लंब
२८६	५	वीर	बीर	२१	१०	म०मृ०	
२८६	६	अव	अब	२१	११	वीर	बीर
२६६	१	सब	सब	३२१	१२	बढावै	बढावै
२६९	१५	लरब	लरन	३२१	१४	जुजै	जुजै
			२३ स्वः	३२२	७	सेरु	सेर
				३२२	२	बिच	बिच
२६३	७	बीज	बीज	३२३	१६	वारिद	वारिद
२६३	७	बसुधा	बसुधा	३२३	१६	विलास	
२६३	७	बेग	बेग	२६	१०	वीर	बीर
२६३	१५	जैसे	जैसे	३२६	११	बचन	बचन
२६७	४	बर	बर	३२७	८	बिनु	बिनु
२६७	१६	अब	अब	३२७	१३	सबहि	सबहि
२६८	४	बहु	बहु	३२७	१४	भय	भय
२६६	३	उदै		२८	७	वेह	वेहु
२६६	१६	तब	तब	२६६	१	बर	बर
३०४	८	।त्वरित	त्वरित	३२	१५	कंवल	केवल
३०६	७	मीर	भीर	३२	१	बीच	बीच
३१०	१३	भिची	भिचीभिची	३३३	१	बिष	बिष
३१४	८	बीरन	बीरन	३३३	१६	बहुरि	बहुरि
३१४	६	बज्जत	बज्जत	३३६	१	बुलावत	
३१६	१	वीर	बीर	३३६	४	अब	अब
३१७	६	बेसु	बेसु	३४	४	बरजत	बरज
३१७	१०	खडव	खाडव	३३५		बाडव	बाडव
३१७	१६	धमि	धमि	३३५	३	बहुरि	बहुरि
३१८	७	बिच	बिच	३५	१६	बीच	बीच
३१६	७	गरिमारे	मारे	३३७	५	तब	तब
३१६	१६	रसवा	रसना	३७	६	बिहसि	बिहसि
३२०	१	अब	अब	३३७	१०	बसु	बसु
३२०	२	घरनि	धरनि	३७	१२	वधन	बाधन

शुद्धशुद्धपत्रम्

५

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
३३८	३	दुलकरण	दुलकरहेर	३५२	१४	तव	तब
		॥जाय	॥नजाय	३५२	१५	बहे	बह
३३८	७		वेहा	३५२	१६	लवार	लबार
		इति २४	मयूरवः	३५३	१	तव	तब
				३५३	२	वीर	बीर
३४१	१२	बगरू	बगरू	३५३	१०	सवन	सबन
३४२	१४	जवनन	जवनन	३५३	१६	वारसि	बारसि
३४३	२	बिच	बिच	३५४	४	बनिक	बनिक
३४३	१५	सब	सब	३५४	६	वरस	बरस
३४५	४	पडविंशो	षडविंशो			इति २६	मयूरवः
		इति २५	मयूरवः	३५५	१०	बहोरि	बहोरि
३४५	६	विसद	बिसद	३५८	१२	बीजा	बीजा
३४५	६	प०प०	ष०प०	३५६	१४	मा०सं०मी०	भायःसंस्कृत
३४५	११	वालन	बालन	११		॥	(शब्दमात्रा
३४५	११	बिनु	बिनु	११		॥	(मिश्रितभाषा
३४५	१४	बिप्र	बिप्र	३६१	१	बपु	बपु
३४६	६	बहे	बहे	३६१	६	बाला	बाला
३४७	५	वर	वर	३६१	११	बधू	बधू
३४८	१६	विडाखो	बिडाखो	३६४	८	मृगव्याध	मृगव्याध
३४९	५	लैबो	लैबो	३६४	१४	धान	धान
३४९	८	तव	तब	३६७	१	पल्मिशा	पल्मिशा
३४९	८	बनिक	बनिक	३७०	१५	सुबर्ग	सुबर्ग
३४९	१४	वीरन	बीरन	३७३	१	पुरुष	पुरुष
३५१	१	बाम	बाम	३७३	८	शाल्मलीदेहु	शाल्मलीदेहु
३५२	७	बाउला	बाउला	३७४	८	व्याकर्ण	व्याकरण
३५२	८	बुडे	बुडे	३७५	४	सब	सब
३५२	८	बिचार	बिचार	३७५	७	अवयजिम	अवयवजिम
३५२	१०	जब	जब	३७७	१	रुषि	रुषि
३५२	११	तव	तब	३७७	६	विदुसर	विदुसर

शुद्धाशुद्धपत्रम् ६

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
३७७	१६	दीविका	दिविका	४०१	४	नखिलद्वल	नखिलद्वल
३७८	५	बाहुदा	बाहुदा			॥म्	॥म्
३७८	१६	जंबू	जंबू			इति ३०	मयूरवः
३७८	१६	रुजंबू	रुजंबू				
३७३	६	वितरि	वितरि	४०७	१२	सबबुद्धे	सबबुद्धे
३७४	६	रवहि	सबहि	४०८	१२	बुद्ध्या	बुद्ध्या
३७४	१०	पुरोहित	पुरोहित	४१०	१६	बुद्धि	बुद्धि
३७४	११	वारन	वारन	४११	२	पदायो	पदायो
		इति २७	मयूरवः	४११	१०	बनावै	बनावै
३७६	१०	दम्	दम्			इति ३१	मयूरवः
३७६	१६	द्वैको	द्वैको	४१३	५	उपवास	उपवास
३७९	२	बुदीस	बुदीस	४१४	२	वसु	बसु
३७३	१	सवक	सवक	४१४	१६	बहु	बहु
३७३	१	शाम	धाम	४१५	७	तव	तव
		इति २८	मयूरवः	४१६	३	कांफर	काफर
३७४	१	वंर	बेर	४१६	५	विना	बिना
३७४	२	वरवत	वरवत	४१६	१२	अव	अव
३७४	३	बुद्धरि	बुद्धरि			इति ३२	मयूरवः
३७६	८	गोटि	गोटि	४१८	८	दीप	दीप
३७८	७	बुद्धरि	बुद्धरि	४१८	११	विसवास	बिसवास
३७८	६	धरावर	धरावर	४१९	१४	कीन	कीन
३७८	८	बुद्धिय	बुद्धि	४२१	५	मरुराजकी	मरुराजको
		इति २९	मयूरवः	४२२	१६	हंत	हंत
४००	१	संधिनिग्रहा	संधिविग्रहा	४२२	१६	नाहि	नाहि
		॥म्	॥म्	४२२	१६	निवाहो	निवाहो
४००	२	वैभवाम्	वैभवाम्	४२३	८	सुनाय	सुनाय
४००	६	दुस्फोट	दुस्फोट	४२३	६	वत्त	वत्त
				४२३	६	विवेक	विवेक

शुद्धाशुद्धपत्रम् ७

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
४२३	१४	विनय	विनय	४४४	११	तव	तव
४२४	१६	सेंसव	सेंसव	४४४	१६	दोह	दोह
४२५	११	रुठिगये	रुठिगये			इति ३५	मयूरवः
४२५	१२	स्वामिधर्मी	स्वामिधर्मी				
		इति ३३	मयूरवः	४४५	१५		बिलंब
				४४७	८	बाबरज्यो	बरज्यो
४२७	८	जोस्तां	जोलां	४४७	१३	टिवा कीर्ति	दिवाकीर्ति
४२७	१४	देरनकिष	देरनकिय	४४७	१५	लांकप्रनंक	लांकप्रनेक
४२७	१५	दालेलि	दालेलि	४४७	१६	रकव	रकव
४२७	१५	भीरुक	भीरुक	४४८	३	बेल	बेल
४२७	१५	डेगन	डेरन			इति ३७	मयूरवः
४२८	३	बल	बल				
४३०	३	स्वीन	स्वीन	४५८	१०	सव	सचिव
४३०	८	जब	जब	४५८	१०	समर	समर
४३०	१०	विरचि	विरचि			इति ३८	मयूरवः
४३२	१३	मनावन	मनावन				
		इति ३४	मयूरवः	४६१	४	लिय	लिय
				४६१	६	कायथहन्वो	कायथहन्वो
४३५	१०	धर्म	धर्म	४६३	३	हसहि	हसहि
४३६	१०	मेजनकहि	मेजनकहि	४६३	११	बाजि	बाजि
४३६	११	मोरानहि	मोरानहि	४६५	१	मोहित	मोहित
४३७	९	बेउभय	बेउभय	४६६	३	दसन	दसन
४३७	१०	चरहिं	चरहिं	४६७	१	सावधान	सावधान
४३८	१	नग	नय	४६७	३	धीरता	धीरता
४३८	८	निष्प्राणी	निष्प्राणी	४६७	११	फेबत	फेबत
४३९	१४	कगर	कगर	४६८	७	अव	अव
४४०	३	बलतै	बलतै	४६८	१६	भारत	भारत
४४१	६	जब	जब	४६९	१४	जदजुत	जदजुत
४४३	५	बदि	बदि			इति ३९	मयूरवः
४४४	१०	देरनआया	देरनआया				

शुद्धाशुद्धपत्रम् ८

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
४७२	१३	वरवतेस	वरवतेस	४८७	१३	जेठ	जेठ
४७३	१	इकमिजल	इकमिजल	४८७	१६	नामतास	नामतास
४७३	४	वरवतेस	वरवतेस	४८८	१	वृत्त	वृत्त
		इति ४०	मयूरवः	४८८	१३	वहु	वहु
				४८९	१	कलिन	करिन
४७६	६	बुंदीस	बुंदीस	४९२	११	सबकोहि	सबकोहि
४७८	६	सखिव	सखिव	४९२	१६	गिनाव	गिनाय
४८१	५	पंजाव	पंजाब	४९२	१६	कडिचुरिन	कडिचुरिन
		इति ४१	मयूरवः	४९३	१६	बलाय	रचार
						इति ४३	मयूरवः
४८२	३	जब	जब	४९४	५	विटि	बिति
४८२	८	विपत्ति	बिपत्ति	४९५	५	सम्मह	समुह
४८३	७	मंज्यो	मंज्यो	४९५	१३	विहायो	बिहायो
४८३	१५	बळ्योधूम	बळ्योधूम	४९६	१६	बद	बाद
४८४	५	सेह	मेह	४९७	१०	विलियम	बिलियम
४८४	१०	धाय	धार	४९७	१६	करनेल	कनेल
४८५	१२	जोधकं	जोधके	४९८	१५	कंजरं	कंजर
४८५	१३	गादकं	गादके			इति ४४	मयूरवः
४८५	१४	तत्त	तत्त				
४८५	१६	तुहि	तुहि				
४८६	१	बज	बज	५०२	१३	मली	मली
४८६	३	कुल्लेफिर	कुल्लेफिर			इति ४५	मयूरवः
४८६	२	निट्टिकं	निट्टिके				
४८६	३	काक	काक	५०७	१६	जनकं	जनक
४८६	४	भारतं	भारत	५०७	१६	तव	तव
४८६	४	संकुलमत्य	संकुलमत्य			इति ४६	मयूरवः
४८६	५	देमार	देमार				
		इति ४२	मयूरवः	५१३	६	वुडुरि	वुडुरि
				५१३	८	रहि	रहे
४८७	१२	श्रीरंगकां	श्रीरंगको	५१५	८	पठानसन	पठानसन

सुहासुद्धपत्रम् ६

श्लो. क्र.	अशुद्ध	शुद्ध	पृ. क्र.	श्लो. क्र.	अशुद्ध	शुद्ध
१२	उद्धत	उद्धत	५५०	१२	दिवाय	दिखाय
५	कीदंड	कीदंड	५५१	६	सवन	सवन
५	बाहिर	बाहिर	५५४	२	तव	तव
	इति ४७	मयूरवः			इति ५१	मयूरवः
१३	कल्या	कल्या	५५६	२	सिखत	सिखवत
१६	अकूपार	अकूपार	५५८	१	सभर	संभर
११	बढी	बढी	५५९	५	बहि	बेहि
१६	नवाव	नवाव	५५९	७	संकिवन	संकिवन
१६	सव	सव	५५९	१२	वीरसबाह	वीरसबाह
	इति ४८	मयूरवः	५६१	६	सिद्ध	गिद्ध
			५६५	३	तव	तव
१३	प्रान्य	प्रान्य	५६५	११	वत्ति	भजि
१	गयउ	गयउपुनि			इति ५२	मयूरवः
१२	धृति १८१७	धृति १८१७				
१३	भरे	भरे	५७०	५	वजात	वजात
५	केतुरत्त	केतुरत्त	५७३	५	जव	जव
१६	रह्या	रह्या	५७४	८	वनावन	वनावन
१५	लहिबे	लहिबे	५७५	१४	माना	राना
१०	वीर	वीर			इति ५३	मयूरवः
	इति ४९	मयूरवः	५७६	१३	लम्यो	लम्यो
१६	रखत	रखत	५८१	१६	तखत	तखत
२	कदुवत्त	कदुवत्त			इति ५४	मयूरवः
११	वीर	वीर				
१४	वार	वार	५८६	१३	खवासि	खवासि
५	वधायउ	वधायउ			इति ५५	मयूरवः
	इति ५०	मयूरवः	५९३	१	१८ सुनत	१८॥ दोहा॥
			९	९		(सुनत)

शुद्धाशुद्धपत्रम् १०

पृष्ठ	अशुद्ध	शुद्ध
५५५	८ वेखदैतव	तेब
	इति ५६	:
५५६	८ मज्जयो	ज्जयो
५५६	१२ भोगये	भोगये
६००	१२ मट	
६०४	१० मनमति	मरनमति
६०४	१२ सरफ	सफर
	इति ५७	मयूरवः
६१५	१४ तिकट	निकट
	॥ समाप्तमि	॥

सुहासुहपत्रम्

५

पृष्ठ	पंक्ति	असुह	सुह	पृष्ठ	पंक्ति	असुह	सुह
३३८	३	दुलकरण	दुलकारदेर	३५२	१४	तव	तब
		॥जाय	॥नजाय	३५२	१५	बहै	बह
३३८	७		बेहा	३५२	१६	लवार	लबार
		इति २४	मयूरवः	३५३	१	तव	तब
				३५३	२	वीर	बीर
३४१	१२	बगरू	बगरू	३५३	१०	सवन	सबन
३४२	१४	जबनन	जननन	३५३	१६	वारसि	बारसि
३४३	२	बिच	बिच	३५४	४	बनिक	बनिक
३४३	१५	सब	सब	३५४	६	वरस	बरस
३४५	४	पडविंशो	पडविंशो			इति २६	मयूरवः
		इति २५	मयूरवः	३५५	१०	बहोरि	बहोरि
३४५	६	बिसद	बिसद	३५८	१२	बीजा	बीजा
३४५	६	प०प०	प०प०	३५६	१४	मांसं-मी-	भायःसंस्कृत
३४५	११	वालन	बालन	११)	(शब्दमात्रा
३४५	११	बिनु	बिनु	११)	(मिश्रितभाषा
३४५	१४	बिप्र	बिप्र	३६१	१	बपु	बपु
३४६	४	बहै	बहै	३६१	६	बाला	बाला
३४७	५	बर	बर	३६१	११	बधू	बधू
३४८	१६	बिडाखो	बिडाखो	३६४	८	मृगव्याध	मृगव्याध
३४६	५	लैबो	लैबो	३६४	१४	धान	धान
३४६	८	तव	तब	३६७	१	पल्मशा	पल्मशा
३४६	८	बनिक	बनिक	३७०	१५	सुबर्ग	सुबर्ग
३४६	१४	वीरन	बीरन	३७३	१	पुरुष	पुरुष
३५१	१	बाम	बाम	३७३	८	शाल्मलीदेहु	शाल्मलीदेहु
३५२	७	बाउला	बाउला	३७४	८	व्याकरी	व्याकरण
३५२	८	बुहै	बुहै	३७५	४	सब	सब
३५२	८	बिचार	बिचार	३७५	७	अवयजिम	अवयवजिम
३५२	१०	जब	जब	३७७	१	रूपि	रूपि
३५२	११	तव	तब	३७७	६	विदुसर	विदुसर

शुद्धाशुद्धपत्रम् ६

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
३७७	१६	दीविका	दिविका	४०१	४	नखिलद्वल	नखिलद्वल
३७८	५	बाहुदा	बाहुदा			॥म्	॥म्
३७८	१६	जंबू	जंबू			इति ३०	मयूरवः
३७८	१६	रुजंबू	रुजंबू				
३७३	६	वितरि	वितरि	४०७	१२	सबबुद्धे	सबबुद्धे
३७४	६	रवहि	सबहि	४०८	१२	बुद्ध्या	बुद्ध्या
३७४	१०	पुरोहित	पुरोहित	४१०	१६	बुद्धि	बुद्धि
३७४	११	वारन	वारन	४११	२	पढायो	पढायो
		इति २७	मयूरवः	४११	१०	बढावै	बढावै
३७६	१०	दम्	दम्			इति ३१	मयूरवः
३७६	१६	द्वैवेको	द्वैवेको	४१३	५	उपवास	उपवास
३७९	२	बुदीस	बुदीस	४१४	२	वसु	बसु
३७९	१	सवक	सवक	४१४	१६	बहु	बहु
३७९	१	शाम	धाम	४१५	७	तव	तव
		इति २८	मयूरवः	४१६	३	कांफर	काफर
३८४	१	वंर	बेर	४१६	५	विना	बिना
३८४	२	बरवत	बरवत	४१६	१२	अव	अव
३८४	३	बुद्धरि	बुद्धरि			इति ३२	मयूरवः
३८६	८	गोटि	गोटि	४१८	८	दीप	दीप
३८८	७	बुद्धरि	बुद्धरि	४१८	११	विसवास	बिसवास
३८८	६	धरावर	धरावर	४१९	१४	कीन	कीन
३८८	८	बुद्धिय	बुद्धि	४२१	५	मरुराजकी	मरुराजको
		इति २९	मयूरवः	४२२	१६	हंत	हंत
४००	१	संधिनिग्रहा	संधिविग्रहा	४२२	१६	नाहि	नाहि
		॥म्	॥म्	४२२	१६	निवाह्यो	निवाह्यो
४००	२	वैभवाम्	वैभवाम्	४२३	८	सुनाय	सुनाय
४००	६	दुस्फोट	दुस्फोट	४२३	६	वत्त	वत्त
				४२३	६	विवेक	विवेक

शुद्धाशुद्धपत्रम् ७

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
४२३	१४	बिनय	बिनय	४४४	११	तव	तव
४२४	१६	सैसव	सैसव	४४४	१६	दोह	दोह
४२५	११	रूठिगये	रूठिगये			इति ३५	मयूरवः
४२५	१२	खामिधर्मी	खामिधर्मी				
		इति ३३	मयूरवः	४४५	१५		बिलंब
				४४७	८	बाबरज्यो	बरज्यो
४२७	८	जोस्तां	जोलां	४४७	१३	टिवा कीर्ति	दिवाकीर्ति
४२७	१४	देरनकिष	देरनकिय	४४७	१५	लांकुअनक	लांकुअनेक
४२७	१५	दालेलि	दालेलि	४४७	१६	रकव	रकव
४२७	१५	भीरुक	भीरुक	४४८	३	बेल	बेल
४२७	१५	डेगन	डेरन			इति ३७	मयूरवः
४२८	३	बल	बल				
४३०	३	खीन	खीन	४५८	१०	सव	सखिव
४३०	८	जब	जब	४५८	१०	संभर	संभर
४३०	१०	विरचि	विरचि			इति ३८	मयूरवः
४३२	१३	भनावन	भनावन				
		इति ३४	मयूरवः	४६१	४	लिय	लिय
				४६१	६	कायथहन्वो	कायथहन्वो
४३५	१०	धर्म	धर्म	४६३	३	हसहि	हसहि
४३६	१०	सेजनकहि	सेजनकहि	४६३	११	बाजि	बाजि
४३६	११	सोरानहि	सोरानहि	४६५	१	मोहित	मोहित
४३७	१	वेउभय	वेउभय	४६६	३	दसन	दसन
४३७	१०	चरहिं	चरहिं	४६७	१	सावधान	सावधान
४३८	१	नग	नय	४६७	३	धीरता	धीरता
४३८	८	निष्प्राणी	निष्प्राणी	४६७	११	फेबत	फेबत
४३९	१४	कगर	कगर	४६८	७	अव	अव
४४०	३	बलतै	बलतै	४६८	१६	भारत	भारत
४४१	८	जब	जब	४६९	१४	जदजुत	जदजुत
४४३	५	वदि	वदि			इति ३९	मयूरवः
४४४	१०	देखनआया	देखनआया				

शुद्धाशुद्धपत्रम् ८

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
४७२	१३	वरवतेस	वरवतेस	४८७	१३	जेठ	जेठ
४७३	१	इकमिजल	इकमिजल	४८७	१६	नामतास	नामतास
४७३	४	वरवतेस	वरवतेस	४८८	१	वृत्त	वृत्त
		इति ४०	मयूरवः	४८८	१३	वहु	वहु
				४८९	१	कलिन	करिन
४७६	६	बुंदीस	बुंदीस	४९२	११	सबकोहि	सबकोहि
४७८	६	सखिव	सखिव	४९२	१६	गिनाव	गिनाय
४८१	५	पंजाव	पंजाब	४९२	१६	कडिचुरिन	कडिचुरिन
		इति ४१	मयूरवः	४९३	१६	बलाय	रचार
						इति ४३	मयूरवः
४८२	३	जब	जब	४९४	५	विटि	बिति
४८२	८	विपत्ति	बिपत्ति	४९५	५	सम्मह	समुह
४८३	७	मंज्यो	मंज्यो	४९५	१३	विहायो	बिहायो
४८३	१५	बढ्योधूम	बढ्योधूम	४९६	१६	बद	बाद
४८४	५	सेह	मेह	४९७	१०	विलियम	बिलियम
४८४	१०	धाय	धार	४९७	१६	करनेल	करनेल
४८५	१२	जोधकं	जोधके	४९८	१५	कंजरं	कंजरं
४८५	१३	गोदकं	गोदके			इति ४४	मयूरवः
४८५	१४	तत्त	तत्त				
४८५	१६	तुहि	तुहि				
४८६	१	बर्जे	बर्जे	५०२	१३	मली	मली
४८६	३	कुल्लेफिरं	कुल्लेफिरं			इति ४५	मयूरवः
४८६	२	निट्टिकं	निट्टिकं				
४८६	३	काक	काक	५०७	१६	जनकं	जनक
४८६	४	भारतं	भारतं	५०७	१६	तव	तव
४८६	४	संकुलमत्य	संकुलमत्य			इति ४६	मयूरवः
४८६	५	देमार	देमार				
		इति ४२	मयूरवः	५१३	६	वुडुरि	वुडुरि
				५१३	८	रहि	रहे
४८७	१२	श्रीरंगकां	श्रीरंगको	५१५	८	पठानसन	पठानसन

सुहासुद्धपत्रम् ६

श्रुति	अशुद्ध	शुद्ध	श्रुति	अशुद्ध	शुद्ध	
१२	उद्धत	उद्धत	५५०	१२	दिवाय	दिखाय
१५	कीदंड	कीदंड	५५१	१५	सवन	सवन
१६	बाहिर	बाहिर	५५४	२	तव	तव
	इति ४७	मयूरवः			इति ५१	मयूरवः
१३	कल्या	कल्या	५५६	२	सिखत	सिखवत
१६	अकूपार	अकूपार	५५८	१	सभर	संभर
११	बही	बही	५५९	५	बहि	बेहि
१६	नवाव	नवाव	५५९	७	संकिवन	संकिवन
१६	सव	सव	५५९	१२	वीरसवाह	वीरसवाह
	इति ४८	मयूरवः	५६१	६	सिद्ध	गिद्ध
			५६५	३	तव	तव
१६	प्रान्य	प्रान्य	५६५	११	वत्ति	भजि
१	गयउ	गयउपुनि			इति ५२	मयूरवः
१२	धृति १८१७	धृति १८१७				
१३	भरे	भरे	५७०	५	वजात	वजात
५	केतुरत्त	केतुरत्त	५७३	५	जव	जव
१६	रह्या	रह्या	५७४	८	वनावन	वनावन
१५	लहिबे	लहिबे	५७५	१४	माना	राना
१०	वीर	वीर			इति ५३	मयूरवः
	इति ४९	मयूरवः	५७६	१३	लम्यो	लम्यो
१६	रखत	रखत	५८१	१६	तखत	तखत
२	कदुवत्त	कदुवत्त			इति ५४	मयूरवः
११	वीर	वीर				
१४	वार	वार	५८६	१३	खवासि	खवासि
५	वधायउ	वधायउ			इति ५५	मयूरवः
	इति ५०	मयूरवः	५९३	१	१८ सुनत	१८॥ दोहा॥
			९	९		(सुनत)

शुद्धाशुद्धपत्रम् १०

पृष्ठ	अशुद्ध	शुद्ध
५५५	८ वेखदैतव	तेब
	इति ५६	:
५५६	८ मज्जयो	ज्जयो
५५६	१२ भोगये	भोगये
६००	१२ मट	
६०४	१० मनमति	मरनमति
६०४	१२ सरफ	सफर
	इति ५७	मयूरवः
६१५	१४ तिकट	निकट
	॥ समाप्तमि	॥

